CORGI

Lay Her Among The Lilies

JAMES HADLEY CHASE

CORGI

उसे
लिली के
बीच लिटा दो

जेम्स हैडली चेज़

उसे लिली के बीच लिटा दो

जेम्स हैडली चेज़

1950

अध्याय एक

यह जुलाई की उन उमस भरी, सांस फूलने वाली सुबहों में से एक थी, जो समुद्र तट पर अपनी पसंदीदा गोरी लड़की के साथ स्विमसूट में होने पर अच्छी लगती है, लेकिन अगर आप मेरी तरह किसी ऑफिस में बंद हैं तो इसे सहन करना मुश्किल होता है।
ऑर्किड बुलेवार्ड पर सुबह के समय वाहनों की आवाज़, समुद्र तट के ऊपर चक्कर लगाते विमानों की गड़गड़ाहट और लहरों की हल्की फुसफुसाहट खुली खिड़कियों से अंदर आ रही थी। ऑर्किड बिल्डिंग्स के भीतरी हिस्से में कहीं छिपा हुआ एयर कंडीशनिंग प्लांट बढ़ते तापमान को कुशलतापूर्वक नियंत्रित कर रहा था। तेज़ धूप, सुनहरी चमक, उस ऑफिस के कालीन पर पैटर्न बना रही थी जिसे पाउला ने ग्राहकों को प्रभावित करने के लिए खरीदा था, और जो मुझे हमेशा इतना महंगा लगता था कि उस पर चलना ठीक नहीं लगता था।
मैं सपाट सतह वाली मेज के पीछे बैठा था, जिस पर मैंने कुछ पुराने पत्र बिखेर रखे थे ताकि अगर पाउला अचानक आ जाए तो उसे यकीन हो जाए कि मैं काम कर रहा हूँ। कंक्रीट को भी तोड़ देने जितनी ताकतवर एक बड़ी सी ड्रिंक कुछ प्रभावशाली दिखने वाली कानून की किताबों के पीछे छिपी थी, और जब भी मैं उसे उठाने के लिए हाथ बढ़ाता, तो उसमें जमी बर्फ की खनक सुनाई देती थी।
यूनिवर्सल सर्विसेज की स्थापना किए हुए अब साढ़े तीन साल से कुछ ज़्यादा समय हो चुका था: यह एक ऐसा संगठन था जो पालतू पूडल को नहलाने से लेकर ग्राहक के पैसे लूटने वाले ब्लैकमेलर को सबक सिखाने तक, हर तरह का काम करता था। हमारी दरें ऊँची थीं, इसलिए यह मूल रूप से करोड़पतियों की सेवा थी, लेकिन ऑर्किड सिटी में

करोड़पति तो मानो समुद्र तट पर रेत के कणों जितने ही असंख्य थे। उन साढ़े तीन सालों में हमने खूब मौज-मस्ती की, थोड़ा-बहुत पैसा कमाया और कई तरह के काम किए: यहाँ तक कि हत्या जैसे मामलों को भी हमने बड़ी सहजता से अंजाम दिया।
पिछले कुछ दिनों से कारोबार एकदम शांत था, मानो कोई अविवाहित महिला लेक्चर हॉल में बैठकर ब्रेड का बन खा रही हो। रोज़मर्रा के काम तो ठीक-ठाक चल रहे थे, पर वो सब तो पाउला बेन्सिंगर संभालती थीं। काम तभी शुरू होता था जब कोई अप्रत्याशित घटना सामने आती थी, और तभी मैं और मेरा साथी जैक करमन काम पर लगते थे। लेकिन आज कोई अप्रत्याशित घटना नहीं हुई थी, इसलिए हम बस बैठे इंतज़ार कर रहे थे, स्कॉच की बोतल में छेद कर रहे थे और पाउला को दिखा रहे थे कि हम व्यस्त हैं।
ग्राहकों के लिए आरक्षित आरामकुर्सी पर आराम से बैठे जैक करमन, लंबे, दुबले-पतले और सलीकेदार, घने काले बालों में सफेद बालों की एक चौड़ी लकीर और क्लार्क गेबल जैसी मूंछों के साथ, अपने हाईबॉल के ठंडे गिलास को माथे से रगड़ते हुए सुकून से बैठे थे। जैतून-हरे रंग के ट्रॉपिकल सूट और पीले-लाल धारीदार टाई में एकदम सजे-धजे, उनके पतले पैर गहरे हरे रंग के धब्बों वाले सफेद बकस्किन जूतों में और भी आकर्षक लग रहे थे, मानो वे एस्क्वायर पत्रिका के पन्नों से निकले किसी भगोड़े हों।
लंबे समय तक गहरी चुप्पी साधने के बाद, उसने कहा: "क्या गजब की हसीना थी! अगर उसके हाथ काट दिए जाते तो वो वीनस को भी मात दे देती।" वह थोड़ा आराम से लेट गया और आह भरी। "काश किसी ने उसके हाथ काट दिए होते। बाप रे! वो कितनी ताकतवर थी! और मैं इतना बेवकूफ था कि उसे कमजोर समझता था।"

"मुझे मत बताओ," मैंने गिड़गिड़ाते हुए अपना हाईबॉल उठाया। "यह शुरुआत जानी-पहचानी सी लग रही है। ऐसी सुबह में मैं तुम्हारी प्रेम कहानी का कोई किस्सा सुनना बिल्कुल नहीं चाहती। इससे बेहतर तो मैं क्राफ्ट-एबिंग की रचनाएँ पढ़ूँगी।"
"उस बूढ़े आदमी से तुम्हारा कुछ नहीं बिगड़ेगा," करमन ने तिरस्कारपूर्वक कहा। "उसने सारी काम की बातें लैटिन में लिखी हैं।"
"और आपको यह जानकर हैरानी होगी कि कितने लोगों ने सिर्फ यह जानने के लिए लैटिन भाषा सीखी कि उन्होंने क्या कहा था। इसे ही मैं एक तीर से दो निशाने लगाना कहता हूँ।"
"तो अब बात वहीं आ गई मेरी उस गोरी लड़की की," करमन ने अपने लंबे पैर फैलाते हुए कहा। "कल रात बार्नी की दवा की दुकान में मेरी उससे मुलाकात हो गई..."
मैंने दृढ़ता से कहा, "मुझे गोरी लड़कियों में कोई दिलचस्पी नहीं है। यहाँ बैठकर महिलाओं के बारे में बातें करने के बजाय, तुम्हें बाहर जाकर नए व्यवसाय तलाशने चाहिए। कभी-कभी मुझे आश्चर्य होता है कि मैं तुम्हें किस लिए वेतन देता हूँ।"
करमन ने इस पर विचार किया, उसके चेहरे पर आश्चर्य के भाव थे। अंततः उसने पूछा, "क्या आप कोई नया व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं?" "मेरा विचार था कि पौला सारा काम करे और हम उसी के सहारे अपना गुजारा करें।"
"यह सामान्य व्यवस्था है, लेकिन कभी-कभी आपके लिए अपनी जीविका कमाने के लिए कुछ करना बुरा विचार नहीं होगा।"
करमन राहत महसूस कर रहा था।
"हाँ; कभी-कभार। एक पल के लिए मुझे लगा कि तुम्हारा मतलब अभी से है।" उसने अपनी हाईबॉल का एक घूंट लिया और आँखें बंद कर लीं। "अब

उस गोरी लड़की की बात करते हैं जिसके बारे में मैं तुम्हें बार-बार बताने की कोशिश करता हूँ। वो बड़ी चालाक है। जब मैंने उससे डेट पर जाने की कोशिश की तो उसने कहा कि वो मर्दों के पीछे नहीं भागती। समझे मैंने क्या कहा?"
मैंने पूछा, "तुमने क्या कहा?" क्योंकि वह मुझे वैसे भी बता देता, और अगर मैं उसके झूठ पर विश्वास नहीं करती, तो मेरे झूठ पर कौन विश्वास करेगा?
करमन खिलखिलाकर हंस पड़ा।
मैंने कहा, "'मैडम, हो सकता है आप पुरुषों के पीछे न भागें, लेकिन चूहेदानी को भी चूहों के पीछे भागने की ज़रूरत नहीं होती।' है ना कमाल की बात? खैर, इसी बात ने उसे मार डाला। आपको इतना नाराज़ होने की ज़रूरत नहीं है। हो सकता है आपने यह पहले भी सुना हो, लेकिन उसने नहीं सुना था, और इसी बात ने उसे मौत के घाट उतार दिया।"
फिर इससे पहले कि मैं हाईबॉल को छुपा पाता, दरवाजा झटके से खुला और पाउला अंदर आ गई।
पौला लंबी, सांवली और खूबसूरत महिला थी, जिसकी भूरी आंखें शांत और स्थिर थीं और वह विचारों से भरी हुई थी—मेरे विचार, उसके नहीं। वह बहुत जल्दी समझ जाती थी, बेहद कुशल और अथक परिश्रमी थी। उसी ने मुझे यूनिवर्सल सर्विसेज शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया था और शुरुआती छह महीनों के लिए मुझे आर्थिक सहायता भी दी थी। यूनिवर्सल सर्विसेज की सफलता का पूरा श्रेय उसके प्रशासनिक कार्यों को संभालने की क्षमता को ही जाता है। अगर मैं इस संस्था का दिमाग था, तो आप उसे रीढ़ की हड्डी कह सकते हैं। उसके बिना यह संगठन एक हफ्ते में ही ठप हो जाता।

"क्या तुम्हारे पास बैठकर शराब पीने के अलावा और कोई बेहतर काम नहीं है?" उसने मेज के सामने बैठते हुए और मुझे आरोप भरी निगाहों से देखते हुए पूछा।
"इससे बेहतर करने के लिए और क्या हो सकता है?" करमन ने थोड़ी दिलचस्पी दिखाते हुए पूछा।
उसने उसे गुस्से भरी निगाहों से देखा और अपनी चमकीली भूरी आँखों से फिर से मेरी ओर देखा।
"दरअसल, जैक और मैं कुछ नए कारोबार तलाशने निकले थे," मैंने जल्दी से अपनी कुर्सी पीछे धकेलते हुए कहा। "चलो जैक, चलते हैं और देखते हैं हमें क्या मिलता है।"
"और तुम कहाँ ढूँढ़ोगी—फिननेगन के बार में?" पाउला ने तिरस्कारपूर्वक पूछा।
"यह तो बहुत अच्छा विचार है, चिड़चिड़े आदमी," करमन ने कहा। "शायद फिन्नेगन के पास हमारे लिए कुछ हो।"
"जाने से पहले आप इसे देख लीजिएगा," पाउला ने कहा और मेरी ओर एक लंबा लिफाफा लहराया। "अभी-अभी चौकीदार इसे लेकर आया था। उसे यह उस पुराने ट्रेंच कोट की जेबों में से एक में मिला था जो आपने उसे इतनी उदारता से दिया था।"
"क्या उसने ऐसा किया?" मैंने लिफाफा लेते हुए कहा। "यह तो अजीब बात है। मैंने वह ट्रेंच कोट एक साल से ज़्यादा समय से नहीं पहना है।"
"कैंसलेशन स्टैम्प से तुम्हारी बात साबित हो जाती है," पाउला ने रहस्यमयी शांति से कहा। "पत्र चौदह महीने पहले पोस्ट किया गया था। मुझे लगता है कि तुम इसे अपनी जेब में रखकर भूल तो नहीं गए? तुम ऐसा तो नहीं करोगे, है ना?"

लिफाफे पर साफ-सुथरी, स्त्री की लिखावट में मेरा पता लिखा था और वह अभी तक खोला नहीं गया था।
मैंने कहा, "मुझे याद नहीं आ रहा कि मैंने इसे पहले कभी देखा हो।"
"जब तक मैं तुम्हें याद न दिलाऊं, तुम्हें कुछ भी याद नहीं रहता, इसलिए इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है," पाउला ने तीखे लहजे में कहा।
"मेरी नन्ही सी चिड़चिड़ी बच्ची, एक दिन कोई आकर तुम्हारी कमर पर एक जोरदार थप्पड़ मारेगा," करमन ने नरमी से कहा।
मैंने लिफाफा फाड़ते हुए कहा, "इससे वो नहीं रुकेगी। मैंने कोशिश की है। इससे तो वो और बिगड़ जाती है।" मैंने उंगली और अंगूठे से एक नोटपैड और पांच सौ डॉलर के नोट निकाले।
"अरे यार, पीट!" करमन चीखते हुए उठा। "क्या तुमने वो चीज़ चौकीदार को दी थी?"
"अब तुम शुरू मत करना," मैंने कहा और पत्र पढ़ा।

क्रेस्टवेज़
फुटहिल बुलेवार्ड
ऑर्किड सिटी
15 मई, 1948

क्या आप कल दोपहर तीन बजे उपरोक्त पते पर मुझसे मिलने का समय निकाल सकते हैं? मैं अपनी बहन को ब्लैकमेल करने वाले व्यक्ति के खिलाफ सबूत जुटाना चाहता हूँ। मुझे पता है कि आप इस तरह का काम करते हैं। कृपया इस पत्र को गोपनीय और अत्यावश्यक समझें।

मैं इसके साथ पाँच सौ डॉलर अग्रिम शुल्क के रूप में भेज रहा हूँ।

जेनेट क्रॉस्बी

काफी देर तक दर्दनाक सन्नाटा छाया रहा। जैक करमन भी कुछ नहीं बोल पा रहे थे। हम ग्राहकों की सिफारिशों पर निर्भर थे, और किसी संभावित ग्राहक के पांच सौ डॉलर को चौदह महीने तक अपने पास रखना और उसका जिक्र तक न करना, सिफारिश पाने का कोई तरीका नहीं है। "अत्यावश्यक और गोपनीय," पाउला ने धीरे से कहा। "चौदह महीने तक इसे अपने पास रखने के बाद, उसने इसे चौकीदार को दे दिया ताकि वह अपने सभी छोटे दोस्तों को दिखा सके। बहुत खूब!"
"चुप रहो!" मैंने गुस्से से कहा। "उसने फोन करके स्पष्टीकरण क्यों नहीं मांगा? उसे जरूर अंदाजा हो गया होगा कि चिट्ठी कहीं खो गई है। लेकिन एक मिनट रुको। वह तो मर चुकी है, है ना? क्रॉस्बी परिवार की एक लड़की की मौत हो गई। क्या वह जेनेट थी?" "मुझे लगता है कि ऐसा ही था," पौला ने कहा। "मुझे जल्द ही पता चल जाएगा।"
"और क्रॉस्बी के बारे में हमारे पास जो भी सबूत हैं, उन्हें भी खोज निकालो।"
जब वह बाहरी दफ्तर में चली गई, तो मैंने कहा: "मुझे यकीन है कि वह मर चुकी है। मुझे लगता है कि हमें यह पैसा उसके वारिसों को लौटाना होगा।"
"अगर हम ऐसा करते हैं," करमन ने कहा, जो हमेशा पैसे खर्च करने में हिचकिचाते थे, "तो प्रेस को इसकी भनक लग सकती है। इस तरह की कहानी हमारे कारोबार चलाने के तरीके का बढ़िया प्रचार करेगी।

हमें संभलकर चलना होगा, विक। बेहतर यही होगा कि हम लूट का माल अपने पास रखें और इसके बारे में कुछ न कहें।"
"हम ऐसा नहीं कर सकते। हम भले ही अक्षम हों, लेकिन कम से कम ईमानदार तो रहें।"
करमन एक बार फिर आरामकुर्सी में सिमटकर बैठ गया।
"सोए हुए कुत्ते को जगाना ठीक नहीं है। क्रॉस्बी तेल के कारोबार में कुछ खास है, है ना?"
"वो थे। अब उनकी मौत हो गई है। करीब दो साल पहले गोलीबारी में उनकी जान चली गई।" मैंने कागज़ काटने वाला चाकू उठाया और ब्लॉटर में छेद करने लगा। "मुझे समझ नहीं आ रहा कि मैंने चिट्ठी को अपने ट्रेंच कोट में ऐसे कैसे छोड़ दिया। लोग मुझे इसके लिए ताने मारते रहेंगे।"
पौला को जानने वाले करमन ने सहानुभूति भरी मुस्कान दी।
"अगर वो परेशान करे तो उसे लकड़ी के तख्तों में पटक दो," उसने मदद भरे लहजे में कहा। "मैं शुक्रगुजार हूँ कि ये मैंने नहीं किया!"
मैं तब तक उस कागज में छेद करता रहा जब तक कि पाउला अखबार की कतरनों का एक मुट्ठी भर ढेर लेकर वापस नहीं आ गई।
"15 मई को दिल का दौरा पड़ने से उनकी मृत्यु हो गई, उसी दिन उन्होंने पत्र लिखा था। इसलिए इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि आपको उनसे कोई खबर नहीं मिली," उन्होंने दफ्तर का दरवाजा बंद करते हुए कहा।
"दिल का दौरा? तब उसकी उम्र कितनी थी?"
"पच्चीस।"
मैंने कागज काटने वाला चाकू नीचे रख दिया और सिगरेट ढूंढने लगा।

"दिल का दौरा पड़ने से इतनी कम उम्र में मरना बहुत अजीब लगता है। खैर, चलो कुछ जानकारी देते हैं। तुम्हारे पास क्या है?" "ज़्यादा कुछ नहीं। ज़्यादातर बातें तो हम पहले से ही जानते हैं," पौला ने डेस्क के किनारे बैठते हुए कहा। "मैकडोनाल्ड क्रॉस्बी ने तेल चित्रकला के कारोबार में करोड़ों कमाए। वह एक कठोर, अप्रिय स्वभाव के बूढ़े क्वेकर थे, जिनका दिमाग रस्सी पर चलने जितना ही अड़ियल था। उन्होंने दो बार शादी की। जेनेट, जो उनसे चार साल बड़ी थीं, उनकी पहली पत्नी से थीं। मॉरीन उनकी दूसरी पत्नी से। उन्होंने 1943 में कारोबार से संन्यास ले लिया और ऑर्किड सिटी में बस गए। उससे पहले वह सैन फ्रांसिस्को में रहते थे। दोनों बेटियाँ एक-दूसरे से बिलकुल अलग हैं। जेनेट पढ़ाई में बहुत मेहनती थीं और अपना ज़्यादातर समय चित्रकारी में बिताती थीं। उनकी कई तेल चित्रकलाएँ कला संग्रहालय में लगी हैं। ऐसा लगता है कि उनमें बहुत प्रतिभा थी, एकांतप्रिय स्वभाव था और गुस्सैल स्वभाव भी। मॉरीन परिवार की सबसे खूबसूरत सदस्य हैं। वह बेबाक, चंचल और मनमौजी हैं। क्रॉस्बी की मृत्यु तक वह किसी न किसी घोटाले में लगातार अखबारों के पहले पन्ने पर छाई रहती थीं।"
मैंने पूछा, "किस तरह का घोटाला?"
"लगभग दो साल पहले उसने सेंटर एवेन्यू पर एक आदमी को टक्कर मारकर मार डाला था। अफवाह है कि वह नशे में थी, जो कि संभव लगता है क्योंकि वह बहुत ज़्यादा शराब पीती थी। क्रॉस्बी ने पुलिस को सूचना दी और उसे खतरनाक ड्राइविंग के लिए भारी जुर्माने के साथ छोड़ दिया गया। फिर एक बार वह बिना कपड़ों के घोड़े पर सवार होकर ऑर्किड बुलेवार्ड पर गई। किसी ने उससे शर्त लगाई थी कि उसमें इतनी हिम्मत नहीं है, लेकिन उसने कर दिखाया।"

"मुझे यह बात स्पष्ट करने दीजिए," करमन ने उत्तेजित होकर उठते हुए कहा। "क्या यह घोड़ा था या वह लड़की जिसने एक भी कपड़ा नहीं पहना था?"
"लड़की, तुम बेवकूफ हो!"
"तो फिर मैं कहाँ था? मैंने उसे नहीं देखा।"
"वह लगभग पचास गज ही आगे बढ़ पाई थी कि उसे पकड़ लिया गया।"
"अगर मैं वहां होती तो वह इतनी दूर तक नहीं पहुंच पाती।" "अशिष्टता मत करो, और चुप रहो!"
मैंने कहा, "खैर, वह ब्लैकमेल के लिए एक शानदार निशाना तो लगती ही है।"
पौला ने सिर हिलाया।
"आपको क्रॉस्बी की मौत के बारे में तो पता ही होगा। वह अपने स्टडी रूम में बंदूक साफ कर रहे थे और वह चल गई जिससे उनकी मौत हो गई। उन्होंने अपनी संपत्ति का तीन-चौथाई हिस्सा बिना किसी शर्त के जेनेट को दे दिया और एक-चौथाई हिस्सा मॉरीन को ट्रस्ट के तौर पर दे दिया। जेनेट की मृत्यु के बाद, मॉरीन को पूरी संपत्ति विरासत में मिली और वह सुधरी हुई प्रतीत होती हैं। अपनी बहन को खोने के बाद से उनका नाम प्रेस में एक बार भी नहीं आया है।"
मैंने पूछा, "क्रॉस्बी की मृत्यु कब हुई?"
"मार्च 1948. जेनेट की मृत्यु से दो महीने पहले।"
"मौरिन के लिए सुविधाजनक।"
पौला ने अपनी भौहें ऊपर उठाईं।
"हां। जेनेट अपने पिता की मृत्यु से बहुत दुखी थी। वह कभी भी बहुत मजबूत नहीं थी, और प्रेस का कहना है कि इस सदमे ने उसे पूरी तरह से तोड़ दिया।"

फिर भी, मॉरीन के लिए यह बहुत सुविधाजनक है। मुझे यह पसंद नहीं है, पाउला। शायद मेरा दिमाग कुछ ज्यादा ही शंकालु है। जेनेट मुझे लिखती है कि कोई उसकी बहन को ब्लैकमेल कर रहा है। फिर अचानक उसकी दिल का दौरा पड़ने से मौत हो जाती है और उसकी बहन को उसकी सारी संपत्ति मिल जाती है। यह तो हद से ज्यादा सुविधाजनक है।
"मुझे नहीं लगता कि हम कुछ कर सकते हैं," पाउला ने frowning हुए कहा। "हम किसी मृत ग्राहक का प्रतिनिधित्व नहीं कर सकते।"
"ओह, हाँ, हम कर सकते हैं।" मैंने पाँच सौ डॉलर के नोटों को थपथपाया। "मुझे या तो यह पैसा वसीयत में वापस देना होगा या इसे कमाने की कोशिश करनी होगी। मुझे लगता है कि मैं इसे कमाने की कोशिश करूँगा।"
"चौदह महीने बहुत लंबा समय होता है," करमन ने संदेह भरे लहजे में कहा। "जांच के सुराग तो मिट ही जाएंगे।"
"अगर कोई सुराग मिले तो," पाउला ने कहा।
"दूसरी ओर," मैंने अपनी कुर्सी पीछे धकेलते हुए कहा, "अगर जेनेट की मौत में कुछ भी संदिग्ध है, तो चौदह महीने सुरक्षा की एक सुखद अनुभूति प्रदान करते हैं, और जब आप सुरक्षित महसूस करते हैं, तो आप लापरवाह हो जाते हैं। मुझे लगता है कि मैं मॉरीन क्रॉस्बी से मिलूंगा और देखूंगा कि वह अपनी बहन के पैसे कैसे खर्च करना पसंद करती है।"
करमन कराह उठा।
"मुझे अंदर से लग रहा है कि फुर्सत का वो छोटा सा दौर अब खत्म हो गया है," उसने उदास होकर कहा। "मुझे लगा था कि ये पल ज्यादा देर तक नहीं टिकेंगे। क्या मैं अभी काम शुरू कर दूं या तुम्हारे लौटने तक इंतजार करूं?"

"मेरे लौटने तक तुम इंतज़ार करो," मैंने दरवाज़े की ओर बढ़ते हुए कहा। "लेकिन अगर तुमने अपनी उस चूहेदानी से मिलने का प्लान बना लिया है, तो उससे कहो कि जाकर कोई दूसरा चूहा ढूंढ ले।"

अध्याय दो

क्रेस्टवेज़, क्रॉस्बी परिवार की जागीर, नीची, बोगनविलिया से ढकी दीवारों के पीछे छिपी हुई थी, जिसके ऊपर एक ऊँची, छंटी हुई ऑस्ट्रेलियाई चीड़ की बाड़ थी, और इसके पीछे कांटेदार तार से ढकी हुई एक मजबूत बाड़ थी। दाहिने द्वार पर एक खिड़की के साथ भारी लकड़ी के फाटक प्रवेश द्वार की रक्षा कर रहे थे।
फुटहिल बुलेवार्ड के किनारे और क्रिस्टल लेक रेगिस्तान से सटे लगभग आधा दर्जन एक जैसी संपत्तियां थीं। प्रत्येक संपत्ति अपने पड़ोसी से लगभग एक एकड़ के निर्जन क्षेत्र से अलग थी, जो झाड़ियों, जंगली ऋषि, रेत और भीषण गर्मी से भरा था।
मैं पुरानी ब्यूक कन्वर्टिबल कार में आराम से बैठा लकड़ी के फाटकों को बिना किसी खास दिलचस्पी के देख रहा था। दीवार पर घर का नाम बताने वाले घुमावदार चिन्ह के अलावा, ऑर्किड सिटी के बाकी सभी करोड़पतियों के आलीशान घरों से इसमें कुछ भी अलग नहीं था। सभी घर अभेद्य दीवारों के पीछे छिपे थे। सभी में अवांछित आगंतुकों को रोकने के लिए ऊंचे, लकड़ी के फाटक थे। सभी में एक जैसी खामोशी, फूलों की एक जैसी खुशबू और सजे-संवरे लॉन की एक जैसी महक थी। हालांकि मैं फाटकों के पार नहीं देख पा रहा था, लेकिन मुझे पता था कि वहां भी वही शानदार स्विमिंग पूल, वही एक्वेरियम, वही रोडोडेंड्रोन का रास्ता और वही गुलाब का बगीचा होगा। अगर आपके पास दस लाख डॉलर हैं, तो आपको बाकी करोड़पतियों की तरह ही रहना होगा, वरना वे आपको आवारा समझेंगे। यही नियम था, यही नियम है और यही हमेशा रहेगा—अगर आपके पास दस लाख डॉलर हैं।

खरपतवारों से भरी सड़क पर आधा रास्ता चलने के बाद, मैं एक बेल से ढके हुए मंडप के पास पहुँचा। छाया में एड़ियों के बल बैठे तीन चीनी लोग जुआ खेल रहे थे। जब मैं उन्हें घूरने के लिए रुका, तो उन्होंने ऊपर देखने की ज़हमत भी नहीं उठाई, ठीक वैसे ही जैसे उन्होंने बहुत लंबे समय से बगीचे की देखभाल करने की ज़हमत नहीं उठाई थी: तीन गंदे, बेसुध आदमी, पीले कागज़ वाली सिगरेट पी रहे थे, मानो उन्हें दुनिया की कोई परवाह ही न हो।
मैं आगे बढ़ता रहा।
सड़क के अगले मोड़ पर मैं स्विमिंग पूल के पास पहुँचा। वहाँ स्विमिंग पूल तो होना ही था, लेकिन ज़रूरी नहीं कि ऐसा ही हो।
उसमें पानी नहीं था, और टूटी हुई टाइलों के फर्श से घास उग रही थी। कंक्रीट की दीवार पर भूरे रंग की जली हुई काई जमी हुई थी। सफेद चंदवा, जो कभी देखने में बहुत अच्छा लगता होगा, अपनी जगह से उखड़ गया था और गुस्से से फड़फड़ा रहा था।
घर के समकोण पर गैरेजों की एक कतार थी, जिनके दोहरे दरवाजे बंद थे। गंदी फलालैन की पतलून, बनियान और ड्राइवर की टोपी पहने एक छोटा सा आदमी धूप में एक तेल के ड्रम पर बैठा लकड़ी तराश रहा था। उसने मेरी तरफ घूरकर देखा।
"घर पर कोई है क्या?" मैंने सिगरेट ढूंढते हुए पूछा और एक सिगरेट मिलते ही उसे जला लिया।
उसे इतना समय लग गया, तब जाकर उसने हिम्मत जुटाकर कहा: "मुझे परेशान मत करो, जैक। मैं व्यस्त हूँ।"
मैंने उसकी तरफ धुआं उड़ाते हुए कहा, "मैं देख सकता हूँ। जब तुम आराम कर रहे होगे, तब चुपके से तुम्हारे पास आना मुझे बहुत अच्छा लगेगा।"

उसने पिछली गर्मियों में लगाए गए पेलार्गोनियम के गमले पर सटीक निशाना लगाकर थूका, जिनमें से किसी ने भी कलम लगाने की जहमत नहीं उठाई थी, और फिर वह अपनी नक्काशी में लग गया। जहाँ तक उसकी बात थी, मैं अब उपेक्षित परिदृश्य का ही एक हिस्सा था।
मुझे नहीं लगा कि मुझे उससे कुछ उपयोगी जानकारी मिलेगी, और इसके अलावा, इतनी गर्मी थी कि परेशान होने का मन नहीं था, इसलिए मैं घर की ओर चला गया, चौड़ी सीढ़ियाँ चढ़ गया और घंटी के हैंडल पर अपना वजन डाल दिया।
घर में सन्नाटा पसरा हुआ था। घंटी बजने पर काफी देर तक किसी ने जवाब नहीं दिया। मुझे इंतज़ार करने में कोई परेशानी नहीं हुई। मैं अब छांव में था, और उस सुस्त, 'अगले साल देखेंगे' वाले माहौल का मुझ पर सम्मोहक प्रभाव पड़ रहा था। अगर मैं वहां और देर रुकता तो खुद लकड़ी तराशना शुरू कर देता।
दरवाजा खुला, और जो शायद नौकर जैसा लग रहा था, उसने मुझे ऐसे देखा जैसे कोई आपको गहरी नींद से जगाने वाले को देखता है। वह लंबा, दुबला-पतला, उभरे हुए जबड़े वाला, भूरे बालों वाला और पास-पास पीली आँखों वाला आदमी था। उसने गहरे भूरे रंग की बनियान और काली पतलून पहनी हुई थी, जो देखने में ऐसी लग रही थी जैसे वह उन्हीं में सोया हो, और शायद सोया भी हो, उसने कोई कोट नहीं पहना था, और उसकी कमीज़ की आस्तीनें देखकर लग रहा था कि उन्हें कपड़े धोने के लिए लॉन्ड्री जाना है, लेकिन उन्हें कोई आलस आ रहा है। "जी?" उसने बेरुखी से कहा और अपनी भौहें ऊपर उठाईं।
"मिस क्रॉस्बी।"
मैंने देखा कि उसने अपनी हथेली में आधी छिपी हुई जलती हुई सिगरेट पकड़ रखी थी।

"मिस क्रॉस्बी अभी सेवाएं नहीं लेती हैं," उसने कहा और दरवाजा बंद करने लगा।
"मैं तुम्हारी पुरानी दोस्त हूँ। वो मुझे देख लेगी," मैंने कहा और अपना पैर आगे बढ़ाकर दरवाज़ा जाम कर दिया। "मेरा नाम मैलॉय है। उसे बताना और उसकी प्रतिक्रिया देखना। मुझे पूरा यकीन है कि वो शैम्पेन लेकर आएगी।"
"मिस क्रॉस्बी की तबीयत ठीक नहीं है," उसने सपाट स्वर में कहा, मानो वह किसी भद्दे नाटक में कोई घटिया किरदार निभा रहा हो। "उसे अब और कोई काम नहीं मिलता।"
"मिस ओटिस की तरह?"
वह गेंद बिना हवा में हलचल मचाए उसके पास से गुजर गई।
"मैं उसे बता दूँगी कि आपने फ़ोन किया था।" दरवाज़ा बंद हो रहा था। उसने मेरे पैर की आहट पर ध्यान नहीं दिया। जब उसने देखा कि दरवाज़ा बंद नहीं हो रहा है तो वह चौंक गया।
मैंने मुस्कुराते हुए उससे पूछा, "उसकी देखभाल कौन कर रहा है?" उसकी आँखों में हैरानी के भाव आ गए। उसके लिए जीवन इतने लंबे समय तक इतना शांत और सौम्य रहा था कि वह किसी भी अप्रत्याशित स्थिति का सामना करने के लिए तैयार नहीं था।
"नर्स की स्ट्रेचर।"
"तो मैं नर्स गर्नी से मिलना चाहूंगी," मैंने उनसे कहा और दरवाजे पर अपना कुछ वजन टिका दिया।
व्यायाम न करना, अत्यधिक नींद, सिगरेट और तहखाने में घूमने- फिरने से उसकी मांसपेशियों में बची-खुची ताकत भी खत्म हो गई थी। मेरे दबाव के आगे वह ऐसे झुक गया जैसे कोई छोटा पेड़ बुलडोजर के सामने झुक जाता है।

मैंने खुद को एक विशाल हॉल में पाया, जिसके सामने सीढ़ियों की एक चौड़ी कतार थी जो एक चौड़े, अर्धवृत्ताकार घुमाव में ऊपरी कमरों की ओर जाती थी। सीढ़ियों पर, आधे रास्ते में, सफेद कपड़ों में एक आकृति खड़ी थी: एक नर्स।
"ठीक है, बेन्स्किन," उसने कहा। "मैं इसका ध्यान रखूंगी।" दुबला-पतला लंबा पक्षी जाते हुए राहत महसूस कर रहा था। उसने मुझे एक संक्षिप्त, हैरानी भरी निगाहों से देखा, और फिर फुर्ती से हॉल पार करके एक गलियारे से होते हुए कपड़े से ढके दरवाजे से बाहर निकल गया।
नर्स धीरे-धीरे सीढ़ियों से नीचे उतरी, मानो उसे पता हो कि वह देखने में सुंदर है और चाहती हो कि आप उसे देखें। मैं भी देखने में ठीक-ठाक ही था। वह किसी म्यूजिकल कॉमेडी की नर्स जैसी थी; ऐसी नर्स जो हर बार आपको देखते ही आपका टेम्परेचर चार्ट गड़बड़ा दे। सुनहरे बालों वाली, लाल होंठ, नीली आँखें: बेहद आकर्षक: कर्व्स और कामुकता का संगम; एसिटिलीन टॉर्च की लौ की तरह उत्तेजक, जीवंत और गर्म। अगर कभी उसे मेरी देखभाल करनी पड़ी तो मैं जीवन भर बिस्तर पर ही पड़ा रहूँगा।
अब वह मेरे बिल्कुल करीब आ चुकी थी, और मुझे जानबूझकर खुद को रोकना पड़ा। उसकी आँखों के भाव से मैं समझ गया था कि वह मुझ पर अपने प्रभाव को महसूस कर रही है, और मुझे यह भी आभास हो गया कि मैं उसमें उतना ही दिलचस्पी रखता हूँ जितना वह मुझमें। उसकी लंबी, पतली उंगली ने नर्स की टोपी के नीचे बिखरे बालों की एक लट को ऊपर उठाया। करीने से संवारी हुई उसकी भौंहें एक इंच ऊपर उठीं। लाल रंग से रंगे होंठों पर मुस्कान आ गई। मस्कारा के पीछे उसकी हरी-नीली आँखें चौकस और आशा से भरी थीं।

मैंने कहा, "मैं मिस क्रॉस्बी से मिलने की उम्मीद कर रहा था। मैंने सुना है कि उनकी तबीयत ठीक नहीं है।"
"वह ठीक नहीं है। मुझे डर है कि उसकी तबीयत इतनी भी ठीक नहीं है कि वह किसी से मिल सके।" उसकी गहरी, कर्कश आवाज ने मेरी रीढ़ की हड्डी में सिहरन पैदा कर दी।
"यह तो बहुत बुरा हुआ," मैंने कहा और उसकी टांगों पर एक नज़र डाली। बेट्टी ग्रेबल की टांगें शायद बेहतर होतीं, लेकिन उनमें ज़्यादा फ़र्क़ नहीं होता। "मैं अभी-अभी शहर आई हूँ। मैं उसकी पुरानी दोस्त हूँ। मुझे पता ही नहीं था कि वह बीमार है।"
"वह कुछ महीनों से ठीक नहीं है।"
मुझे ऐसा लगा कि मॉरीन क्रॉस्बी की बीमारी पर बातचीत करना नर्स गर्नी को बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगता था। यह सिर्फ मेरा एक अनुमान था। हो सकता है मैं गलत हूँ, लेकिन मुझे ऐसा नहीं लगता। "उम्मीद है कुछ गंभीर नहीं होगा?"
"खैर, कोई गंभीर बात नहीं है। उसे भरपूर आराम और शांति की जरूरत है।"
अगर उसे थोड़ी भी प्रेरणा मिली होती तो यह उसके लिए जम्हाई लेने का संकेत होता।
मैंने मुस्कुराते हुए कहा, "अच्छा, यहाँ काफी शांति है। शायद आपके लिए भी शांति है?"
बस उसे यही चाहिए था। आप देख सकते थे कि वह अपने बालों से पिन निकालने की तैयारी कर रही थी।
"शांति? इससे बेहतर तो मुझे तुतनखामेन के मकबरे में दफनाया जाए," उसने हैरानी से कहा, और फिर याद आया कि उसे फ्लोरेंस नाइटिंगेल की परंपरा में एक नर्स बनना था, तो उसने शर्म से लाल

होकर कहा, "लेकिन मुझे लगता है कि मुझे ऐसा नहीं कहना चाहिए था, है ना? यह सभ्य नहीं है।"
मैंने उसे आश्वस्त करते हुए कहा, "एमसी के साथ सभ्य होने की कोई ज़रूरत नहीं है। मैं बस एक सहज स्वभाव का व्यक्ति हूँ जो डबल स्कॉच और पानी के साथ और भी बेहतर लगता है।"
"वाह, यह तो बहुत अच्छा है।" उसकी आँखों में एक सवाल था, और मेरी आँखों ने उसे जवाब दे दिया। वह अचानक खिलखिलाकर हंस पड़ी। "अगर आपके पास करने के लिए और कुछ बेहतर नहीं है तो..."
"जैसा कि मेरा एक पुराना दोस्त कहता है, 'इससे बेहतर करने के लिए और क्या हो सकता है?'"
बालों को संवारने के बाद भौंहें ऊपर उठ गईं।
"मुझे लगता है कि अगर वह सच में जानना चाहता है तो मैं उसे बता सकता हूं।"
"आप मुझे बताइए।"
"हो सकता है, किसी दिन। अगर आप सच में कुछ पीना चाहें, तो अंदर आ जाइए। मुझे पता है स्कॉच कहाँ छिपा है।"
मैं उसके पीछे-पीछे हॉल से जुड़े एक बड़े कमरे में गया। वह हर कदम पर थोड़ा सा लुढ़कती थी, और उसके कूल्हों में वजन और नियंत्रण था। उसकी सलीके से सजी सफेद पोशाक के नीचे उसके कूल्हे ऐसे हिल रहे थे जैसे उंगलियों के घुमाव से बेसबॉल हवा में उछलती है। मैं सारा दिन उसके पीछे-पीछे चलकर यह सब देख सकता था।
"बैठ जाइए," उसने आठ फुट लंबे सोफे की ओर इशारा करते हुए कहा। "मैं आपके लिए एक पेय तैयार करती हूँ।"

"ठीक है," मैंने गद्दीदार स्प्रिंग पर बैठते हुए कहा। "लेकिन एक शर्त पर। मैं कभी अकेले शराब नहीं पीऊँगा। मैं इस मामले में बहुत सतर्क हूँ।"
"मैं भी," उसने कहा।
मैंने उसे जैकोबियन शैली की एक अलमारी के आले में से जॉनी वॉकर की एक बोतल, दो पाइंट के गिलास और व्हाइट रॉक की एक बोतल ढूंढते हुए देखा।
"हमें बर्फ मिल सकती है, लेकिन इसके लिए बेन्सकिन से पूछना पड़ेगा, और मुझे लगता है कि अभी हम बेन्सकिन के बिना काम चला सकते हैं, है ना?" उसने नुकीली रेलिंग की कतार जैसी पलकों के नीचे से मेरी तरफ देखते हुए कहा।
मैंने कहा, "बर्फ की चिंता मत करो, और व्हाइट रॉक से सावधान रहना। वह चीज़ अच्छी व्हिस्की का स्वाद खराब कर सकती है।"
उसने दोनों गिलासों में तीन इंच स्कॉच डाली और प्रत्येक में एक चम्मच व्हाइट रॉक मिलाया।
"क्या यह आपको ठीक लग रहा है?"
"यह ठीक लग रहा है," मैंने अपना हाथ बढ़ाते हुए कहा। "शायद मुझे अपना परिचय दे देना चाहिए। मैं विक मैलॉय हूँ। मेरे दोस्त मुझे सिर्फ विक कहते हैं, और सभी खूबसूरत गोरी लड़कियाँ मेरी दोस्त हैं।"
वह बैठ गई, अपनी स्कर्ट को ठीक करने की जहमत भी नहीं उठाई। उसके घुटने सुंदर थे।
"आप पिछले पांच महीनों में पहले फोन करने वाले हैं," उसने कहा। "मुझे तो लगने लगा था कि इस जगह पर कोई बुरी नज़र लगी हुई है।"

"देखने से तो ऐसा ही लगता है। कृपया मुझे इस बारे में स्पष्ट करें? पिछली बार जब मैं यहाँ आया था, तब यह एक जागीर थी, न कि किसी वीरान जगह का नक्शा। क्या अब यहाँ कोई काम नहीं करता?" उसने अपने सुडौल कंधों को ऊपर उठाया।
"तुम्हें तो पता ही है। किसी को परवाह नहीं होती।"
"मौरिन कितनी बुरी है?"
उसने मुंह फुला लिया।
"देखो, क्या हम किसी और विषय पर बात नहीं कर सकते? मैं मॉरीन से बहुत तंग आ चुकी हूँ।"
मैंने व्हिस्की का स्वाद लेते हुए कहा, "वो भी कोई बहुत जोशीली नहीं है।" व्हिस्की इतनी तेज़ थी कि भैंस की खाल पर भी छाले पड़ सकते थे। "लेकिन मैं उसे पुराने ज़माने से जानता हूँ, और मुझे जिज्ञासा है। आखिर उसे क्या परेशानी है?"
उसने अपने सुनहरे बालों वाले सिर को पीछे झुकाया और स्कॉच की अधिकांश मात्रा अपने मलाई जैसे सफेद, सुंदर गले से नीचे उतार ली। जिस तरह से उसने उस कड़वी व्हिस्की को निगला, उससे मुझे पता चला कि उसे पीने का हुनर है।
"मुझे आपको नहीं बताना चाहिए," उसने मुस्कुराते हुए कहा। "लेकिन अगर आप वादा करें कि आप एक शब्द भी नहीं कहेंगे..."
एक शब्द भी नहीं।
"उसे नशे की लत से धीरे-धीरे छुटकारा दिलाया जा रहा है। यह जानकारी पूरी तरह गोपनीय है।"
"खराब?"
उसने कंधे उचका दिए।
"काफी बुरा है।"
और इस बीच जब बिल्ली सो रही होगी तो चूहे खेलेंगे, है ना?

"बिल्कुल सही। उस जगह के पास कोई नहीं आता। उसे ठीक होने में शायद कुछ समय लगेगा। जब वह दीवारों पर चढ़ रही होती है और जोर-जोर से चिल्ला रही होती है, तो कर्मचारी आराम करते हैं। यह ठीक ही है, है ना?"
"बिल्कुल है, और वे निश्चित रूप से निश्चिंत हो सकते हैं।" उसने अपना पेय समाप्त कर लिया।
"अब चलो मॉरीन की बात बंद करते हैं। मुझे उसकी रातों की बातें पहले ही बहुत परेशान करती हैं, अब तुम भी उसके बारे में बात करो।"
"आपकी नाइट ड्यूटी है? ये तो बहुत बुरा हुआ।"
"क्यों?" हरी-नीली आँखों ने सतर्कता से पूछा।
मैंने सोचा कि एक रात तुम्हें बाहर ले जाना और तुम्हें कुछ चीजें दिखाना मजेदार हो सकता है।
"क्या चीजें?"
"शुरुआत के लिए मेरे पास नक्काशी का एक सुंदर संग्रह है।"
वह खिलखिलाकर हंस पड़ी।
"अगर मुझे किसी एक नक्काशी से ज़्यादा कुछ पसंद है, तो वो है नक्काशी का पूरा सेट।" वो उठी और व्हिस्की की बोतल की तरफ़ बढ़ गई। उसके कूल्हों की हरकतें मुझे शिकारी कुत्ते की तरह घूरने पर मजबूर कर रही थीं। "मैं इसे थोड़ा ताज़ा कर देती हूँ," वो बोली। "तुम पी नहीं रहे हो।"
"यह काफी ताज़ा है। मुझे अब यह समझ आने लगा है कि शराब पीने के अलावा भी करने के लिए बेहतर चीजें हैं।"
"क्या तुम हो? मुझे लगा शायद तुम होगे।" उसने अपने गिलास में और शराब डाली। इस बार उसने व्हाइटरॉक पीने की ज़हमत नहीं उठाई।

"दिन के समय मॉरीन की देखभाल कौन करता है?" मैंने उससे पूछा जब वह सोफे पर वापस जा रही थी।
"नर्स फ्लेमिंग। आपको वो पसंद नहीं आएगी। वो मर्दों से नफरत करती है।"
"क्या वो है?" वो मेरे बगल में, कंधे से कंधा मिलाकर बैठ गई। "क्या वो हमें सुन सकती है?"
"अगर वह ऐसा करती भी तो कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन वह ऐसा नहीं कर सकती। वह बाईं ओर है, गैराजों के सामने। जब मॉरीन चिल्लाने लगी तो उन्होंने उसे वहाँ बिठा दिया।"
मुझे ठीक यही जानना था।
"पुरुषों से नफरत करने वाली सभी महिलाओं का बुरा हो," मैंने कहा और अपना हाथ सोफे के पीछे, उसके सिर के पीछे सरका दिया। वह मेरी ओर झुकी। "क्या तुम पुरुषों से नफरत करती हो?"
"यह उस आदमी पर निर्भर करता है।" उसका चेहरा मेरे चेहरे के बहुत करीब था, इसलिए मैंने अपने होंठ उसके माथे पर रख दिए। उसे यह अच्छा लगा।
"शुरुआत में यह आदमी कैसा है?"
"बहुत अच्छा।"
मैंने उसके हाथ से व्हिस्की का गिलास छीनकर फर्श पर रख दिया। "यह मेरे रास्ते में बाधा बनेगा।"
इसे बर्बाद करना अफसोस की बात है।
"आपको जल्द ही इसकी जरूरत पड़ेगी।"
"क्या मैं करूंगा?"
वह मेरे करीब आई, उसके होंठ मेरे होंठों से मिल गए। हम कुछ देर तक उसी स्थिति में रहे। फिर अचानक उसने मुझे धक्का दिया और खड़ी हो गई। एक पल के लिए मुझे लगा कि वह बस एक चुंबन और अलविदा कहने

□□□□ □□□□□ □□, □□□□□ □□□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□ □□ □□□ □□□□□□ □□ □□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□ □□□□ □□ □□ □□□□□□ □□□ □□□

अध्याय तीन

मैंने फेल्डमैन और सेंटर एवेन्यू के कोने पर स्थित काउंटी बिल्डिंग के बाहर ब्यूक कार खड़ी की और सीढ़ियों से ऊपर चढ़कर मुद्रित प्रपत्रों, शांत गलियारों और बूढ़े-जवान क्लर्कों की दुनिया में प्रवेश किया, जो उम्मीद से मृतकों के जूतों का इंतजार कर रहे थे।
जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण कार्यालय पहली मंजिल पर था। मैंने एक फॉर्म भरा और उसे सलाखों के पार लाल बालों वाली क्लर्क को दे दिया। उसने उस पर मुहर लगाई, मेरे पैसे लिए और फाइलों की कतारों की ओर हल्के से हाथ हिलाया।
"आप खुद ही ले लीजिए, श्रीमान मलोय," उन्होंने कहा। "दाहिनी ओर से छठी पंक्ति।"
मैंने उन्हें धन्यवाद दिया।
"काम कैसा चल रहा है?" उसने पूछा और काउंटर पर झुक गया, मानो अपना और मेरा समय बर्बाद करने के लिए तैयार हो। "आपको महीनों से देखा नहीं।"
मैंने कहा, "तुम्हारा भी नहीं। कारोबार बढ़िया चल रहा है। तुम्हारा कैसा है? क्या अब भी लोग मर रहे हैं?"
"और जन्म लेना। एक दूसरे को रद्द कर देता है।"
"हाँ, ऐसा ही है।"
मेरे पास उसके लिए और कुछ नहीं था। मैं थक गई थी। नर्स गर्नी के साथ मेरी छोटी सी मुलाकात ने मुझे पूरी तरह थका दिया था। मैं फाइलों के पास गई। 'सी' फाइल मुझे टन वजनी लग रही थी, और उसे सपाट मेज पर रखना मेरे लिए बड़ी मुश्किल थी। इसमें भी नर्स गर्नी की ही गलती थी। मैंने पन्ने पलटने शुरू किए, और थोड़ी देर बाद मुझे

जेनेट क्रॉस्बी का मृत्यु प्रमाण पत्र मिला। मैंने एक पुराना लिफाफा और एक पेंसिल निकाली। 15 मई 1948 को उनकी मृत्यु घातक एंडोकार्डिटिस से हुई थी, जिसका जो भी मतलब हो।
उन्हें पच्चीस वर्ष की अविवाहित महिला बताया गया था। प्रमाण पत्र पर डॉक्टर जॉन बेवली के हस्ताक्षर थे। मैंने डॉक्टर का नाम नोट कर लिया और फिर लगभग एक दर्जन पन्ने पलटे, तब जाकर मुझे मैकडोनाल्ड क्रॉस्बी का प्रमाण पत्र मिला। उनकी मृत्यु गोली लगने से मस्तिष्क में लगी चोटों के कारण हुई थी। डॉक्टर जे. साल्ज़र थे; कोना फ्रैंकलिन लेसवेज़ का था। मैंने और भी नोट्स बनाए और फिर फाइल को वहीं छोड़कर, उस क्लर्क के पास चला गया जो मुझे उत्सुकता से देख रहा था।
मैंने काउंटर का सहारा लेते हुए पूछा, "क्या आप किसी को वह फाइल वापस रखने के लिए कह सकते हैं? मैं उतनी ताकतवर नहीं हूँ जितना मैंने सोचा था।"
"कोई बात नहीं, श्रीमान मैलोय।"
"एक और बात: डॉ. जॉन बेवली कौन हैं, और वे कहाँ रहते हैं?" क्लर्क ने मुझे बताया, "स्काईलाइन एवेन्यू पर उनका एक छोटा सा क्लिनिक है। अगर आपको अच्छा डॉक्टर चाहिए तो उनके पास मत जाना।" "उसके साथ क्या माज़रा है?"
क्लर्क ने थके हुए कंधों को उठाया।
"बस बूढ़ा हो गया है। पचास साल पहले शायद ठीक रहा होगा। घोड़ागाड़ी वाला डॉक्टर। मुझे लगता है कि वह सोचता है कि ट्रेपेनिंग का संबंध बीन्स के डिब्बे खोलने से है।"
"अच्छा, है ना?"
क्लर्क हंस पड़ा।

"यह इस बात पर निर्भर करता है कि हम किसके दिमाग की बात कर रहे हैं।"
"हाँ। तो वो बस एक बूढ़ा, बेकार सा गायक है, है ना?"
"उसका यही हाल है। फिर भी, वह कोई नुकसान नहीं कर रहा है। मुझे नहीं लगता कि अब उसके पास एक दर्जन से ज़्यादा मरीज़ होंगे।" उसने अपने कान के किनारे को खुजलाया और उल्लू जैसी नज़रों से मेरी तरफ देखा। "किसी चीज़ पर काम कर रहे हो?"
मैंने कहा, "मैं कभी काम नहीं करता। फिर मिलेंगे। अलविदा।"
मैं धीरे-धीरे और सोच-विचार करते हुए सीढ़ियों से उतरकर तेज़ धूप में आ गया। लाखों की मालकिन लड़की की अचानक मौत हो जाती है और वे एक बूढ़े घोड़े-गाड़ी वाले को बुला लेते हैं। ये तो किसी करोड़पति का तरीका नहीं है। इतनी महत्वपूर्ण हत्या के मामले में तो शहर के सबसे महंगे वैद्यों की पूरी टीम को शामिल किए जाने की उम्मीद थी।
मैं ब्यूक में घुसा और स्टार्टर पर पैर रखा। सामने, ट्रैफिक के विपरीत दिशा में, एक जैतून-हरे रंग की डॉज लिमोसिन खड़ी थी। स्टीयरिंग व्हील के पीछे एक आदमी बैठा था, जिसने भूरे रंग की टोपी पहन रखी थी, जिसके चारों ओर एक बुनी हुई डोरी थी। वह अखबार पढ़ रहा था। अगर उसने अचानक ऊपर न देखा होता और मुझे देखकर जल्दी से अखबार को पिछली सीट पर न फेंका होता और इंजन स्टार्ट न किया होता, तो शायद मैंने उसे या कार को न देखा होता। फिर मैंने उसे देखा, यह सोचकर कि उसने अचानक अखबार में दिलचस्पी क्यों खो दी। वह एक बड़ा आदमी लग रहा था, जिसके कंधे किसी खलिहान के दरवाजे जितने चौड़े थे। उसका सिर उसके कंधों पर बिल्कुल सीधा टिका हुआ था, गर्दन का कोई नामोनिशान नहीं था। उसने पेंसिल से बनी काली मूंछें रखी थीं और उसकी आंखें धंसी हुई थीं। उसकी नाक

और एक कान पर कभी बहुत जोर से चोट लगी थी और वे पूरी तरह से ठीक नहीं हुए थे। वह उस तरह का सख्त आदमी लग रहा था जैसा अक्सर वार्नर ब्रदर्स की सख्त फिल्मों में दिखता है: उस तरह का आदमी जो हम्फ्री बोगार्ट के लिए भी एक चादर का काम करता है।
मैंने ब्यूक को गाड़ियों की भीड़ में मोड़ा और पूर्व दिशा में सेंटर एवेन्यू पर बिना जल्दबाजी किए, ड्राइविंग मिरर पर एक नजर रखते हुए गाड़ी चलाई।
डॉज कार पश्चिम की ओर जा रहे ट्रैफिक के बीच जबरदस्ती घुसी, हॉर्न बजने और ड्राइवरों के गाली-गलौज के बीच यू-टर्न लिया और मेरे पीछे आ गई। मुझे विश्वास नहीं हो रहा था कि सेंटर एवेन्यू पर कोई ऐसा कर सकता है और बच निकल सकता है, लेकिन जाहिर तौर पर पुलिस या तो सो रही थी या फिर इतनी गर्मी थी कि उन्हें ध्यान देने की जहमत ही नहीं थी।
वेस्टवुड एवेन्यू चौराहे पर मैंने फिर से शीशे में देखा। डॉज कार मेरी ही पूंछ पर थी। मैंने देखा कि ड्राइवर स्टीयरिंग व्हील के पीछे आराम से बैठा था, उसके दांतों के बीच एक सिगार दबा था, और एक कोहनी और बांह नीचे की खिड़की पर टिकी थी। मैंने थोड़ा आगे गाड़ी रोकी ताकि मैं उसका रजिस्ट्रेशन नंबर पढ़ सकूं और उसे याद कर लिया। अगर वह मेरा पीछा कर रहा था तो वह बहुत बुरी तरह से पीछा कर रहा था। मैंने हॉलीवुड एवेन्यू पर रफ्तार बढ़ाई और 65 की अधिकतम गति पर पहुंच गया। डॉज कार, एक पल की हिचकिचाहट के बाद, अचानक आगे बढ़ी और मेरे पीछे दहाड़ती हुई चल पड़ी। फुटहिल्स बुलेवार्ड पर मैंने गाड़ी को फुटपाथ पर मोड़ा और तेज़ी से रोक दिया। डॉज कार आगे निकल गई। ड्राइवर ने मेरी तरफ देखा तक नहीं। वह लॉस एंजिल्स और सैन फ्रांसिस्को हाईवे की ओर चला गया।

परत चढ़ाने की जरूरत थी। यही बात पूरे बंगले पर भी लागू होती थी।
मैंने घंटी के बटन में अपना अंगूठा गड़ाया और इंतज़ार करने लगा। थोड़ी देर बाद मुझे एहसास हुआ कि कोई खिड़की के पर्दे से मुझे देख रहा है। मैं इसके बारे में कुछ नहीं कर सकता था सिवाय एक सौम्य भाव बनाए और इंतज़ार करने के। मैंने एक सौम्य भाव बनाए रखा और इंतज़ार किया।
जब मुझे लगा कि मुझे दोबारा घंटी बजानी पड़ेगी, तभी मुझे दीवार की चौखट में चूहे जैसी आवाज सुनाई दी और सामने का दरवाजा खुल गया।
मेरी ओर देखने वाली महिला दुबली-पतली, छोटी और चिड़िया जैसी थी। उसने काले रंग की रेशमी पोशाक पहनी हुई थी, जो शायद पचास साल पहले फैशन में रही होगी, अगर आप एकांत में रहते हों और आपको कभी वोग पत्रिका न भेजी जाती हो। उसका दुबला-पतला बूढ़ा चेहरा थका हुआ और हारा हुआ लग रहा था, उसकी आँखों ने मुझे बताया कि जीवन में कोई खास आनंद नहीं है।
मैंने अपनी टोपी उठाते हुए पूछा, "क्या डॉक्टर मौजूद हैं?" मुझे पता था कि अगर कोई शिष्टाचार की सराहना करेगा तो वह वही होंगी। "हाँ, बिल्कुल।" आवाज़ में भी निराशा झलक रही थी। "वह पीछे वाले बगीचे में है। मैं उसे बुलाता हूँ।"
"काश आप ऐसा न करते। मैं तो वहीं जाकर उनसे मिलना पसंद करूंगी। मैं कोई मरीज नहीं हूं। मैं तो बस उनसे एक सवाल पूछना चाहती थी।" "जी हां।" उसकी आंखों में उम्मीद की जो किरण जगने लगी थी, वह गायब हो गई। कोई मरीज़ नहीं। कोई फीस नहीं। बस एक तंदुरुस्त जवान हस्की कुत्ता, जिसके मन में एक सवाल था। "आप इसे ज़्यादा देर तक नहीं रखेंगे, है ना? इसे परेशान होना पसंद नहीं है।"

मैं उसे ज्यादा देर तक नहीं रखूंगा।
मैंने अपनी टोपी उठाई, उस तरह झुककर अभिवादन किया जैसे मुझे उम्मीद थी कि उसके अच्छे दिनों में पुरुष उसके सामने झुकते होंगे, और वापस बगीचे के रास्ते पर लौट आया। उसने सामने का दरवाजा बंद कर दिया। थोड़ी देर बाद मैंने उसकी परछाई देखी जब वह सामने की खिड़की के पर्दों से मुझे देख रही थी।
मैं बंगले के चारों ओर बने रास्ते से पीछे वाले बगीचे तक गया। डॉक्टर बेवली एक कुशल चिकित्सक तो नहीं थे, लेकिन एक माली के रूप में वे बिल्कुल माहिर थे। काश मैं उन तीन क्रॉस्बी मालियों को यह बगीचा दिखाने लाया होता। शायद इससे उनके विचार बदल जाते। बगीचे के निचले हिस्से में, एक विशाल डहलिया के फूल के ऊपर, सफेद अल्पाका कोट, पीली पनामा हैट, हल्के पीले रंग की पतलून और इलास्टिक वाले साइड बूट पहने एक लंबा बूढ़ा आदमी खड़ा था। वह डहलिया को ऐसे देख रहा था जैसे कोई डॉक्टर आपके गले में देखता है जब आप 'आह-आह' कहते हैं, और शायद उसे यह कहीं अधिक रोचक लग रहा था।
जब मैं उसके कुछ ही कदमों की दूरी पर था, तो उसने अचानक ऊपर देखा। उसका चेहरा झुर्रियों से भरा और मुरझाया हुआ था, जैसे सूखे आलूबुखारे का छिलका हो, और उसकी गर्दन के बीच से मोटे सफेद बाल निकल रहे थे। वह कोई कुलीन या बुद्धिमान चेहरा नहीं था, बल्कि एक बहुत बूढ़े आदमी का चेहरा था जो खुद से संतुष्ट था, जिसके मानदंड बहुत ऊंचे नहीं थे, जिसे अब किसी बात की परवाह नहीं थी, जो जिद्दी, मंदबुद्धि था, लेकिन कभी पराजित नहीं हुआ। मैंने कहा, "शुभ दोपहर। मुझे उम्मीद है कि मैं आपको परेशान नहीं कर रहा हूँ।"

"सर्जरी का समय शाम पांच से सात बजे तक है, नौजवान," उन्होंने इतनी धीमी आवाज में कहा कि मैं उन्हें मुश्किल से सुन पाया। "मैं अभी तुमसे नहीं मिल सकता।"
"यह कोई पेशेवर कॉल नहीं है," मैंने उसके कंधे के ऊपर से डहलिया के फूल को देखते हुए कहा। वह बहुत ही सुंदर था: अगर एक इंच भी कहा जाए तो आठ इंच चौड़ा और बिल्कुल बेदाग। "मेरा नाम मैलॉय है। मैं जेनेट क्रॉस्बी का पुराना दोस्त हूँ।"
उसने अपनी मोटी उंगलियों से डहलिया के फूल को धीरे से छुआ। "कौन?" उसने बेरुखी से पूछा, मानो उसे कोई दिलचस्पी न हो: बस एक फूल लिए हुए एक मंदबुद्धि बूढ़ा आदमी।
"जेनेट क्रॉस्बी," मैंने कहा। धूप बहुत तेज़ थी, मधुमक्खियों की भिनभिनाहट और उन सभी फूलों की खुशबू ने मुझे थोड़ा भ्रमित कर दिया था।
"उसका क्या हुआ?"
"आपने मृत्यु प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर किए थे।"
उसने अपनी नजरें डहलिया के फूल से हटाकर मेरी तरफ डालीं। "तुमने खुद को क्या बताया था?"
"विक्टर मैलॉय। मुझे मिस क्रॉस्बी की मौत को लेकर थोड़ी चिंता है।"
"तुम्हें चिंता क्यों होनी चाहिए?" उसने पूछा, उसकी आँखों में थोड़ी घबराहट झलक रही थी। वह जानता था कि वह बूढ़ा, मंदबुद्धि और भुलक्कड़ हो चुका है। वह यह भी जानता था कि इस उम्र में चिकित्सा का अभ्यास जारी रखने से देर-सवेर कोई न कोई गलती होने का खतरा बना हुआ है। मैं समझ गया कि उसे लगा कि मैं अब उस पर वही गलती करने का आरोप लगाने वाला हूँ।

"देखिए," मैंने नरमी से कहा, उन्हें धक्का-मुक्की न करते हुए, "मैं तीन-चार साल से दूर था। जेनेट क्रॉस्बी मेरी बहुत पुरानी दोस्त थीं। मुझे बिल्कुल भी पता नहीं था कि उन्हें दिल की बीमारी थी। उनकी इस तरह मौत की खबर सुनकर मुझे बहुत गहरा सदमा लगा। मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि सब कुछ ठीक था।"
उसके चेहरे की एक मांसपेशी फड़क उठी। नाक के नथुने फैल गए। "गलत का क्या मतलब है? उसकी मौत घातक एंडोकार्डिटिस से हुई थी। इसके लक्षण स्पष्ट थे। इसके अलावा, डॉ. साल्ज़र वहाँ मौजूद थे। कुछ भी गलत नहीं था। मुझे समझ नहीं आ रहा कि आप क्या कहना चाहते हैं।"
"अच्छा, यह सुनकर मुझे खुशी हुई। आखिर मैलिग्नेंट एंडोकार्डिटिस क्या होता है?"
उसने भौंहें चढ़ाकर खालीपन से देखा, और एक पल के लिए मुझे लगा कि वह कहेगा कि उसे नहीं पता, लेकिन उसने खुद को संभाला, अपनी पुरानी धुंधली याददाश्त को तपाया और धीरे-धीरे बोला, मानो किसी मेडिकल डिक्शनरी का कोई पन्ना याद कर रहा हो, "यह हृदय के वाल्वों का एक बढ़ता हुआ माइक्रोबियल संक्रमण है। अल्सर वाले वाल्वों के टुकड़े खून के बहाव के साथ उसके पूरे शरीर में फैल गए थे। उसके बचने की कोई उम्मीद नहीं थी। अगर उन्होंने मुझे पहले भी बुलाया होता, तो भी मैं कुछ नहीं कर सकता था।"
"यही तो मुझे परेशान कर रहा है, डॉक्टर साहब," मैंने कहा और मुस्कुराकर उन्हें यह जता दिया कि मैं उनकी बात से सहमत हूँ। "आखिर उन्होंने आपको क्यों बुलाया? आप तो उनके डॉक्टर नहीं थे, है ना?"

"बिल्कुल नहीं," उन्होंने लगभग गुस्से से कहा। "लेकिन मुझे बुलाना बिल्कुल उचित था। मैं पास में ही रहता हूँ। डॉ. साल्ज़र द्वारा प्रमाण पत्र जारी करना अनैतिक होता।"
"डॉ. साल्ज़र आखिर कौन हैं?"
वह फिर से उदास दिखने लगा, और उसकी उंगलियां बड़ी लालसा से डहलिया की ओर बढ़ गईं। मैं समझ गया कि वह अकेला रहना चाहता था, अपने फूलों के शांत चिंतन में अपने मन को आराम देना चाहता था, न कि मुझ जैसे हस्की कुत्ते से परेशान होना चाहता था जो उसका समय बेवजह बर्बाद कर रहा था।
"वह क्रॉस्बी एस्टेट के ठीक बगल में एक सनकी पागलखाना चलाता है," उन्होंने अंत में कहा। "वह परिवार का दोस्त है। उसकी स्थिति ऐसी है कि वह नैतिक रूप से प्रमाण पत्र जारी नहीं कर सकता। वह एक योग्य चिकित्सक नहीं है। मुझे बहुत खुशी हुई कि उन्होंने मेरी मदद मांगी।"
मैं इसकी कल्पना कर सकता था। मुझे आश्चर्य हुआ कि उन्होंने उसे कितना भुगतान किया होगा।
"देखिए डॉक्टर साहब," मैंने कहा। "मैं इस बात को स्पष्ट करना चाहता हूँ। मैंने मॉरीन क्रॉस्बी से मिलने की कोशिश की, लेकिन उनकी तबीयत ठीक नहीं है। मैं जा रहा हूँ, लेकिन जाने से पहले मैं इस मामले की जानकारी लेना चाहता हूँ। मैंने बस इतना सुना है कि जेनेट की अचानक मृत्यु हो गई। आप कहते हैं कि यह दिल की बीमारी के कारण हुआ। क्या हुआ था? क्या आप उनकी मृत्यु के समय वहाँ मौजूद थे?"
“नहीं,” उसने कहा, और उसकी धुंधली आँखों में फिर से चिंता झलक उठी। “मैं उसके मरने के लगभग आधे घंटे बाद पहुँचा। उसकी नींद में ही मृत्यु हो गई थी। लक्षण स्पष्ट थे। डॉक्टर साल्ज़र ने

मुझे बताया कि वह कुछ महीनों से इस बीमारी से पीड़ित थी। वह उसका इलाज कर रहे थे। ऐसे मामलों में आराम के अलावा और कुछ नहीं किया जा सकता। मुझे समझ नहीं आ रहा कि आप इतने सवाल क्यों पूछ रहे हैं।” उसने उम्मीद भरी नज़रों से घर की ओर देखा कि क्या उसकी पत्नी उसे चाहती है। वह नहीं चाहती थी।
"बस मैं अपनी तसल्ली चाहता हूँ," मैंने कहा और फिर मुस्कुराया। "तुम घर पहुँचे, और साल्ज़र वहाँ था। बस इतना ही?"
उसने सिर हिलाया, और हर पल उसकी चिंता बढ़ती जा रही थी।
"क्या वहां कोई और भी था?"
"मिस क्रॉस्बी। छोटी वाली। वह वहाँ थी।"
"मौरिन?"
मुझे लगता है कि यही उसका नाम है।
"और साल्ज़र तुम्हें जेनेट के कमरे में ले गया था? क्या मॉरीन भी आई थी?"
"हाँ। वे दोनों मेरे साथ कमरे में आए थे। वह— वह युवती बहुत परेशान लग रही थी। वह रो रही थी।" उसने डहलिया के फूल को छुआ। "शायद पोस्टमार्टम होना चाहिए था," उसने अचानक कहा। "लेकिन मैं आपको यकीन दिलाता हूँ कि इसकी कोई ज़रूरत नहीं थी। घातक एंडोकार्डिटिस के लक्षण स्पष्ट होते हैं। हमें उन लोगों की भावनाओं का ख्याल रखना होगा जो अब हमारे बीच नहीं हैं।"
"और फिर भी, चौदह महीने बाद, आपको लगने लगा है कि पोस्टमार्टम होना चाहिए था?" मैंने अपनी आवाज़ में थोड़ी सी कड़वाहट लाते हुए कहा।
"सख्ती से कहें तो, ऐसा होना चाहिए था, क्योंकि डॉ. साल्ज़र उनका इलाज कर रहे थे, और जैसा कि उन्होंने मुझे समझाया, वे विज्ञान के डॉक्टर हैं, चिकित्सा के नहीं। लेकिन लक्षण..."

"हाँ... उन्हें पहचानना नामुमकिन नहीं है। एक और बात, डॉक्टर साहब। क्या आपने जेनेट क्रॉस्बी को पहले कभी देखा है? मतलब, उनकी मृत्यु से पहले?"
वह सतर्क नजर आ रहा था, मानो सोच रहा हो कि कहीं मैं कोई जाल तो नहीं बिछा रहा हूँ।
मैंने उसे उसकी कार में देखा है, लेकिन उससे बात करने के लिए नहीं।
"और क्या वे इतने करीब नहीं थे कि यह देख सकें कि क्या उनमें हृदय संबंधी किसी प्रकार के लक्षण दिखाई दे रहे थे?"
उसने पलकें झपकाईं।
मुझे यह समझ नहीं आया।
"मुझे पता चला है कि वह कुछ महीनों से इस बीमारी से पीड़ित थी। आपने कहा कि आपने उसे उसकी कार में देखा था। आपने उसे कब देखा था? उसकी मृत्यु से कितने समय पहले?"
"एक महीना, शायद दो महीने। मुझे याद नहीं है।"
मैंने धैर्यपूर्वक कहा, "मैं जो कहना चाह रहा हूँ, वह यह है कि इस बीमारी के साथ, अगर आपने उसे मरने से पहले देखा होता, तो शायद आप उसके लक्षण पहचान लेते।"
मुझे नहीं लगता कि मुझे ऐसा करना चाहिए।
"और फिर भी लक्षण स्पष्ट हैं?"
उसने अपने पतले होंठों को चाटा।
"मुझे सच में समझ नहीं आ रहा कि आप क्या कह रहे हैं," उसने कहा और पीछे हटने लगा। "मैं आपको और समय नहीं दे सकता। यह कीमती है। मुझे आपसे क्षमा मांगनी होगी।"
"कोई बात नहीं, डॉक्टर साहब," मैंने कहा। "अच्छा, धन्यवाद। आपको परेशान करने के लिए क्षमा करें। लेकिन आप जानते ही हैं कि कैसा

होता है। मैं बस अपने मन की शांति चाहता था। मुझे वह लड़की पसंद थी।"
उसने कुछ नहीं कहा, बल्कि गुलाब की क्यारियों की ओर पीछे हटता चला गया।
मैंने कहा, "डॉक्टर साहब, बस एक और बात है। जब मैकडोनाल्ड क्रॉस्बी को गलती से गोली लग गई थी, तब डॉ. साल्ज़र ने उनके प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर कैसे कर दिए? क्या किसी अयोग्य डॉक्टर के लिए ऐसा करना अनैतिक नहीं था?"
उसने मुझे ऐसे देखा जैसे आप किसी बड़ी मकड़ी को देखते हैं जो आपके बाथटब में गिर गई हो।
"मुझे परेशान मत करो," उसने कांपती हुई आवाज में कहा। "उससे पूछो: मुझे तंग मत करो।"
"जी हां," मैंने कहा। "यह अच्छा विचार है। धन्यवाद, डॉक्टर साहब। मैं ऐसा ही करूंगा।"
वह मुड़ा और अपने गुलाबों की ओर रास्ते पर चल पड़ा। पीछे से देखने पर वह अपनी उम्र से भी ज़्यादा बूढ़ा लग रहा था। मैंने उसे एक मुरझाया हुआ गुलाब तोड़ते हुए देखा और गौर किया कि उसका हाथ बहुत कांप रहा था। मुझे डर था कि मैंने उसकी दोपहर खराब कर दी है।
जब मैं घर लौटा तो सामने के दरवाजे के बरामदे पर एक छोटी सी चिड़िया जैसी दिखने वाली महिला आशा भरी निगाहों से खड़ी थी। उसने ऐसा दिखाया जैसे उसने मुझे देखा ही न हो।
मैंने अपनी टोपी उठाते हुए कहा, "मुझे खेद है कि मैंने डॉक्टर का काफी समय ले लिया है। उन्होंने कहा है कि यह कीमती है। क्या पाँच डॉलर इसके लिए काफी होंगे?"
थकी हुई आँखें चमक उठीं। पतला चेहरा दमक उठा।

"यह तो आपकी बहुत अच्छी सोच है," उसने कहा और चुपके से बगीचे में झुकी हुई कमर और पीले पनामा हैट वाले बूढ़े व्यक्ति की ओर देखा। मैंने चुपके से नोट उसके हाथ में थमा दिया। उसने उसे झट से उठा लिया, जैसे कोई छिपकली मक्खी को झट से पकड़ लेती है। मुझे लगा कि बगीचे के कोने में बैठा वह बूढ़ा आदमी इसे कभी देख भी नहीं पाएगा। कम से कम, मैंने उसकी दोपहर तो खराब नहीं की।

चौथा अध्याय

मैंने अपने दफ्तर का दरवाजा धक्का देकर खोला और अंदर चला गया। जैक करमन खिड़की के पास वाली कुर्सी पर ऊंघ रहा था। पाउला मेरी डेस्क पर बैठी अपने सैकड़ों कार्ड इंडेक्स में से एक पर काम कर रही थी: ये इंडेक्स हमें ऑर्किड सिटी की हर गतिविधि से अवगत रखते थे, जिनसे हमें पता चलता था कि कौन क्या है, कौन शहर में है और कौन शहर छोड़कर चला गया है, किसने किससे शादी की है, इत्यादि। हालांकि उसकी चार बेटियां लगातार इन कार्डों पर काम करती थीं, फिर भी वह खुद ही इन महत्वपूर्ण कार्डों को अपडेट रखने पर जोर देती थी।
जैसे ही मैंने करमान की ओर अपनी टोपी उछाली, वह डेस्क-कुर्सी से उठ खड़ी हुई, जिससे वह जाग गया। उसने चौंककर हल्की सी आवाज़ निकाली, अपनी आँखें मलीं और जम्हाई ली।
"काम करना कैसा लगता है?" उसने पूछा। "या तुमने अभी तक शुरू ही नहीं किया है?"
“मैंने शुरू कर दिया है,” मैंने कहा और बैठ गया, सिगरेट निकाली, उसे जलाया, अपनी हथकड़ी लगाई और कहानी सुनाने में जुट गया। मैंने उन्हें नर्स गर्नी के साथ हुई मुलाकात को छोड़कर बाकी सारी बातें बता दीं। मैंने उस बात को टाल दिया, क्योंकि मुझे पता था कि पाउला को यह मंजूर नहीं होगा और करमन इतना उत्तेजित हो जाएगा कि वह ठीक से सोच भी नहीं पाएगा। “ज्यादा कुछ नहीं,” मैंने निष्कर्ष निकाला, “लेकिन इतना काफी है कि मुझे लगता है कि आगे बढ़ना ठीक रहेगा। शायद कुछ गलत नहीं है; शायद है। अगर कुछ गलत है तो जितना कम हंगामा हो उतना अच्छा है। हम अभी किसी को भी आगाह नहीं करना चाहते।”

"अगर डॉज कार वाला यह आदमी आपका पीछा कर रहा था, तो मुझे लगता है कि किसी को पहले ही इसकी सूचना मिल चुकी है," करमन ने बताया। "हां, लेकिन हम इस बारे में निश्चित नहीं हो सकते। हो सकता है कि मेरा चेहरा उसे दिलचस्प लगा हो। हो सकता है कि वह जासूस बनने का अभ्यास कर रहा हो।"
मैंने टेलीफोन उठाया। मैंने एक्सचेंज गर्ल से कहा, "मुझे पुलिस मुख्यालय से संपर्क कराओ।"
"तुम्हें उसका नंबर मिल गया?" पाउला ने अपने हाथों में मौजूद कार्डों के ढेर को पलटते हुए पूछा।
“अभी जाँच कर रहा हूँ,” मैंने कहा। “लेफ्टिनेंट मिफ्लिन से बात करवाओ,” तभी एक नीरस आवाज़ ने पुलिस मुख्यालय की ओर इशारा किया। लाइन पर एक हल्की सी आवाज़ आई, और मिफ्लिन की कर्कश आवाज़ ने पूछा, “हैलो?”
टिम मिफ्लिन एक सख्त और अनुभवी पुलिस अधिकारी थे, और हमने कुछ समय तक साथ-साथ काम किया था। जब भी संभव होता, मैं उनकी मदद करता था, और जब भी संभव होता, वे मेरी मदद करते थे। घोड़ों पर दांव लगाते समय वे मेरे अनुमानों का बहुत सम्मान करते थे, और मेरे सुझावों का पालन करके उन्होंने कुछ पैसे कमाने का सौभाग्य प्राप्त किया था।
मैंने कहा, "मलोय यहाँ है। टिम, तुम कैसे हो?"
"तुम्हें क्या फर्क पड़ता है?" उसने झल्लाकर कहा। "तुम्हें मेरी सेहत में कभी कोई दिलचस्पी नहीं रही और न कभी होगी। इस बार तुम्हें क्या चाहिए?"
"जैतून के हरे रंग की डॉज कार का मालिक कौन है; लाइसेंस नंबर, O.R.3345?"

"जिस तरह से तुम मुख्यालय का इस्तेमाल वित्तीय लाभ के लिए करते हो, उससे मुझे बहुत गुस्सा आता है," मिफ्लिन ने कहा। "अगर ब्रैंडन को कभी पता चल गया कि मैं तुम्हारे लिए क्या करता हूँ, तो वो मुझे बर्बाद कर देगा।"
"ठीक है, मैं उसे नहीं बताऊंगा, तो ये आप पर निर्भर करता है," मैंने मुस्कुराते हुए कहा, "और एक बात और, पैसों की बात करें तो, अगर आप कुछ पैसे कमाना चाहते हैं, तो कल शाम साढ़े चार बजे क्रैब एप्पल पर दांव लगा दीजिए।"
"क्या आपका मतलब सचमुच मेरी कमीज़ से है?"
मैं कहता हूँ, मैं करता हूँ। अपना घर बेच दो; अपनी पत्नी को गिरवी रख दो; ब्रैंडन की तिजोरी तोड़ दो। बस इतना ही काफी है। दो के बदले छह मिलेंगे। उस घोड़े को रोकने का एकमात्र तरीका यही है कि कोई उसे गोली मार दे।
"शायद कोई करेगा," मिफ्लिन ने कहा, जो हमेशा अति सतर्क रहता था। "ठीक है, अगर आप ऐसा कहते हैं तो..."
"यह सबसे सुरक्षित दांव है जो आप कभी लगा सकते हैं। उस संख्या के बारे में आपका क्या ख्याल है?"
"ज़रूर, ज़रूर। ज़रा रुकिए। मैं इसे दस सेकंड में आपके लिए ला दूँगा।"
जब मैं इंतजार कर रहा था, मैंने देखा कि जैक केरमन दूसरे फोन पर तेजी से डायल कर रहा था।
मैंने पूछा, "तुम ये क्या कर रहे हो?"
मैं अपने सट्टेबाज को बुला रहा हूँ। क्रैब एप्पल अच्छा लग रहा है।

"छोड़ो इसे। मैं बस उसे वही बता रहा हूँ जो किसी ने मुझे बताया था। यह जानकारी पुलिसवाले के लिए तो सुरक्षित है, लेकिन किसी दोस्त के लिए नहीं।"
करमन ने रिसीवर को ऐसे वापस रख दिया जैसे उसने उसे काट लिया हो। "मान लो वो अपना घर बेच दे और अपनी पत्नी को गिरवी रख दे? तुम्हें पता है इन सब मामलों में वो कितना बेवकूफ है।"
"क्या आपने उसका घर और पत्नी देखी है? मैंने तो देखी है। मैं उसका भला कर रहा हूँ।" जैसे ही मिफ्लिन की आवाज़ आई, मैंने कहा, "आपके पास क्या है?"
"ओ.आर.3345, क्या आपने यही कहा?"
"हाँ।"
"गाड़ी जोनाथन साल्ज़र, द सैनिटोरियम, फुटहिल बुलेवार्ड के नाम पर पंजीकृत है। क्या आप यही जानना चाहते हैं?"
मैंने अपनी आवाज़ में उत्साह को छिपाते हुए कहा, "शायद। साल्ज़र कौन है? क्या आप उसके बारे में कुछ जानते हैं?"
"ज़्यादा कुछ नहीं। वो एक सनकी का घर चलाता है। अगर आपके पेट में दर्द हो तो वो आपको फलों के रस से भर देता है और फिर उसे सड़ने के लिए छोड़ देता है। उसका काम चल जाता है।"
"क्या किनारे पर कुछ टेढ़ा-मेढ़ा है?"
"अरे बाप रे! उसे बेईमान होने की कोई ज़रूरत नहीं है। वह तो खूब पैसा कमा रहा है।"
"अच्छा, धन्यवाद, टिम।"
"क्या आपको उस घोड़े पर पूरा भरोसा है?"
"बिल्कुल, मुझे पूरा यकीन है," मैंने कहा और करमान को आँख मारी। "अपनी कमीज़ पर दांव लगाओ।"

"ठीक है, मैं पाँच डॉलर दे दूँगा, इससे ज़्यादा नहीं।" मैंने फ़ोन काट दिया।
"पांच डॉलर! जुआरी!"
"साल्ज़र की कार, है ना?" करमन ने कहा।
मेंने सिर हिलाया।
"शायद हमने अपनी चाल बता दी।" मैंने पाउला की तरफ देखा। "क्या तुम्हारे पास साल्ज़र के बारे में कोई जानकारी है?"
"देखती हूँ।" उसने मेरे सामने एक कार्ड रख दिया। "शायद आपको इसमें दिलचस्पी हो। जेनेट क्रॉस्बी के बारे में हमारे पास जितनी भी जानकारी है, वह सब इसमें है।"
मैंने विवरण पढ़े जबकि वह बाहरी कार्यालय से जुड़े कार्ड-इंडेक्स कक्ष में चली गई।
मैंने डेस्क के उस पार करमन की ओर देखते हुए कहा, "डांस, टेनिस और गोल्फ। किसी हृदय रोग से पीड़ित व्यक्ति के लिए ये तो स्वाभाविक लगता है। उनके घनिष्ठ मित्र जोन परमेटा और डगलस शेरिल हैं। कुछ साल पहले उनकी शेरिल से सगाई हुई थी, लेकिन उन्होंने इसे तोड़ दिया। कोई कारण नहीं बताया। वैसे शेरिल कौन है?"
मैंने उसके बारे में कभी नहीं सुना। क्या मैं पता लगाऊं?
"अगर तुम परमेटा नाम की लड़की और शेरिल से मिलने जाओ तो बुरा नहीं होगा। उन्हें बताना कि सैन फ्रांसिस्को में जेनेट के दिनों में तुम उसके पुराने दोस्त थे। तुम्हें कुछ जानकारी जुटानी होगी ताकि वे तुम्हें फंसाने की कोशिश न करें। पाउला तुम्हारे लिए यह जानकारी जुटा लेगी। जैक, मैं तो बस ये जानना चाहता हूँ कि जेनेट को दिल की बीमारी होने पर उनकी क्या प्रतिक्रिया होती है। हो सकता है उसका दिल वाकई में खराब हो,

लेकिन अगर ऐसा नहीं है, तो हमारे पास वाकई में कुछ करने को होगा।"
"ठीक है," करमन ने कहा।
पौला अंदर आई।
"कुछ खास नहीं," उसने कहा। "साल्ज़र ने 1940 में अपना सैनिटोरियम शुरू किया था। यह एक आलीशान जगह है। एक हफ्ते का 200 डॉलर।"
"अच्छा मुनाफा हुआ," मैंने ईर्ष्या से कहा।
"कुछ लोग तो पागल ही होंगे। सोचो, एक गिलास फलों के रस के लिए इतना सारा पैसा खर्च करना पड़े," करमन ने घबराते हुए कहा। "ऐसा लगता है जैसे हमें इसी तरह के धंधे में शामिल होना चाहिए।"
"और कुछ नहीं?"
"वह शादीशुदा है। फ्रेंच और जर्मन भाषाएँ धाराप्रवाह बोलता है। उसके पास विज्ञान में डॉक्टरेट की डिग्री है। कोई शौक नहीं। कोई संतान नहीं। उम्र तिरपन वर्ष," पाउला ने कार्ड पढ़ते हुए कहा। "बस इतना ही, विक।"
"ठीक है," मैंने उठते हुए कहा। "जैक की मदद करो, प्लीज़? उसे परमेटा नाम की लड़की और शेरिल के बारे में जानकारी चाहिए। मैं नीचे जाकर मदर बेंडिक्स से बात करती हूँ। मुझे क्रॉस्बी के कर्मचारियों के बारे में पता करना है। वह बटलर मुझे धोखेबाज़ लगा। शायद उसी ने उसे नौकरी दिलवाई हो।"

अध्याय पाँच

पहली नज़र में, और शायद दूसरी नज़र में भी, बेंडिक्स डोमेस्टिक एजेंसी की कार्यकारी निदेशक श्रीमती मार्था बेंडिक्स को आसानी से पुरुष समझा जा सकता था। वह कद-काठी में बड़ी और चौड़े कंधों वाली थीं, उनके बाल छोटे कटे हुए थे, वह पुरुषों का कॉलर और टाई पहनती थीं और ट्वीड का कोट भी। जब वह खड़ी होकर अपनी डेस्क से दूर जातीं, तभी ट्वीड की स्कर्ट, रेशमी मोज़े और भारी ब्रोग शूज़ देखकर हैरानी होती। वह बहुत ही मिलनसार थीं, और अगर आप उनसे दूर नहीं रहते, तो वह आपको पीठ पर ज़ोर से थप्पड़ मारती थीं, जिससे अगले दो-तीन घंटे तक आपकी तबीयत खराब रहती थी। उनकी हंसी भी बारह बोर की बंदूक की गोली जितनी तेज़ थी, और अगर आप ध्यान नहीं देते, तो उनकी हंसी सुनकर आप डर के मारे उछल पड़ते थे। मैं उसके साथ रहना नहीं चाहूंगा, लेकिन वह एक नेक दिल इंसान है, अपने पैसे को लेकर उदार है, और मेरे जैसे बड़े हट्टे-कट्टे आदमी की तुलना में घबराई हुई, कमजोर, छोटी गोरी लड़कियों में ज्यादा दिलचस्पी रखती है।
शर्मीली, खरगोश जैसे चेहरे वाली लड़की, जिसने मुझे श्रीमती बेंडिक्स के क्रीम और हरे रंग के कार्यालय में ले जाया, मुझसे इस तरह दूर हट गई मानो मैं बुरे इरादों से भरा हुआ था, और श्रीमती बेंडिक्स को एक नर्म मुस्कान दी जिसका अर्थ आपके मन की स्थिति के आधार पर कुछ हो सकता था या कुछ भी नहीं।
कागजों से भरी मेज के उस पार से श्रीमती बेंडिक्स ने गरजते हुए कहा, "अंदर आ जाओ, विक। बैठ जाओ। तुम्हें कई दिनों से नहीं देखा। क्या कर रहे थे?"
मैं बैठ गया और उसकी तरफ देखकर मुस्कुराया।

मैंने उससे कहा, "इधर-उधर का काम चल रहा है। जैसे-तैसे गुजारा हो रहा है। मैंने थोड़ी मदद मांगी है, मार्था। क्या तुमने क्रॉस्बी परिवार के साथ कोई काम किया है?"
"काफी देर तक नहीं।" वह नीचे झुकी और स्कॉच की एक बोतल, दो गिलास और आधा दर्जन कॉफी बीन्स उठा लीं। "जल्दी करो," उसने आगे कहा। "मैं मैरी को चौंकाना नहीं चाहती। उसे ऑफिस के समय में शराब पीना पसंद नहीं है।"
"वह मैरी जिसके खरगोश जैसे दांत हैं?"
"उसके दांतों की चिंता मत करो। वो तुम्हें अपने दांतों से नहीं काटेगी।" उसने मुझे स्कॉच से आधा भरा गिलास और तीन कॉफी बीन्स थमा दीं। "तुम्हारा मतलब फुटहिल बुलेवार्ड पर स्थित क्रॉस्बीज़ से है?"
मैंने कहा कि मेरा मतलब फुटहिल बुलेवार्ड पर स्थित क्रॉस्बीज़ से था।
"मैंने उनके लिए एक बार काम किया था, लेकिन उसके बाद नहीं। यह लगभग छह साल पहले की बात है। मैंने तब उनके पूरे स्टाफ को ठीक किया था। जेनेट क्रॉस्बी की मृत्यु के बाद उन्होंने पुराने कर्मचारियों को हटाकर नए कर्मचारियों को रख लिया। नए कर्मचारियों के लिए वे मेरे पास नहीं आए।"
मैंने स्कॉच का स्वाद चखा। यह बहुत ही सहज और रेशमी था, और इसमें भरपूर दबदबा था।
"क्या आपका मतलब है कि उन्होंने सबको निकाल दिया?"
मैं तुम्हें यही तो बता रहा हूँ।
"उनका क्या हुआ?"
मैंने उन्हें कहीं और ठीक करवा लिया।
मैंने इस पर काफी सोच-विचार किया।

"देखो मार्था, सच कहूँ तो, मैं जेनेट की मौत के बारे में पूरी जानकारी जुटाने की कोशिश कर रहा हूँ। मुझे एक सुराग मिला है, और हो सकता है कि उस पर काम करना फ़ायदेमंद हो या न हो। मुझे पूरी तरह यकीन नहीं है कि उसकी मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई है। मैं पुराने कर्मचारियों में से कुछ से इस बारे में बात करना चाहता हूँ। हो सकता है उन्होंने कुछ देखा हो। जैसे कि बटलर। वो कौन था?"
"जॉन स्टीवंस," श्रीमती बेंडिक्स ने कुछ देर सोचने के बाद कहा। उन्होंने अपना पेय समाप्त किया, तीन बीन्स मुंह में डालीं, अपना गिलास और स्कॉच छिपा दिया और अपनी मेज पर लगे बटन को अंगूठे से दबा दिया। खरगोश जैसे चेहरे वाली लड़की चुपके से अंदर आ गई। "जॉन स्टीवंस आजकल कहाँ काम कर रहा है, प्रिये?"
खरगोश जैसे चेहरे वाली लड़की ने कहा कि वह पता लगाएगी। कुछ मिनट बाद वह वापस आई और बताया कि स्टीवंस हिलसाइड, जेफरसन एवेन्यू में ग्रेगरी वेनराइट के लिए काम करता है।
"जेनेट की निजी नौकरानी का क्या हुआ? वह अब कहाँ है?" मैंने पूछा।
श्रीमती बेंडिक्स ने खरगोश जैसे चेहरे वाली उस लड़की को हाथ हिलाकर विदा किया। उसके जाने के बाद उन्होंने कहा, "वो कुतिया? वो अब काम नहीं कर रही है, और अगर वो मेरे पास गिड़गिड़ाकर भी आए तो भी मैं उसे नौकरी नहीं दूंगी।"
"उसे क्या हुआ है?" मैंने उम्मीद से अपना खाली गिलास आगे बढ़ाते हुए पूछा। "चलो दोस्त बनो, मार्था। तुम्हारे और मेरे जैसे बड़े- बड़े तगड़े लड़कों के लिए एक ड्रिंक काफी नहीं है।"
श्रीमती बेंडिक्स ने हल्की सी हंसी हंसते हुए बोतल को दोबारा उठाया और उसमें से पेय पदार्थ डाला।

"उसे क्या हुआ है?" मैंने एक-दूसरे को नमस्कार करने के बाद दोहराया।
"वह किसी काम की नहीं है," श्रीमती बेंडिक्स ने कहा और मुंह फुला लिया। "बस एक नंबर की आलसी और निकम्मी है।"
"कहीं हमारी बात में कोई गलतफहमी तो नहीं हुई? मैं जेनेट क्रॉस्बी की निजी नौकरानी के बारे में बात कर रहा हूँ।"
"मैं भी," श्रीमती बेंडिक्स ने कहा और अपने मुंह में तीन और कॉफी बीन्स डालीं। "यूडोरा ड्रू। यही उसका नाम है। वो पागल हो गई है। मुझे श्रीमती रैंडोल्फ प्लेफेयर के लिए एक अच्छी नौकरानी चाहिए थी। मैंने ड्रू से संपर्क करने की जहमत उठाई और उसे बताया कि मैं उसका इंतजाम कर सकती हूँ। उसने मुझे गटर में कूदने को कहा। ये तो बात करने का अच्छा तरीका है, है ना? उसने कहा कि वो अब कभी कोई काम नहीं करेगी, और अगर एक गटर मुझे नहीं संभाल पाएगा तो कोई दूसरा मेरे लिए खोद देगा अगर मैं उन्हें बताऊँ कि मैं किस लिए खोद रही हूँ।" श्रीमती बेंडिक्स इस अपमान पर उदास होकर सोचने लगीं। "एक समय था जब मैं सोचती थी कि वो एक अच्छी, समझदार लड़की है। बस यही दिखाता है कि आप उन पर बिल्कुल भरोसा नहीं कर सकते, है ना? मुझे लगता है कि वो किसी आदमी के सहारे जी रही है। कोरल गेबल्स में उसका एक बंगला है, और वो शान से रहती है।" "कोरल गेबल्स में कहाँ?"
"माउंट वर्डे एवेन्यू पर। क्या आप इच्छुक हैं?"
"शायद मैं ही हूँ। बाकी कर्मचारियों का क्या हुआ?"
मैंने उन सभी को ठीक कर दिया है। अगर आप चाहें तो मैं आपको पते दे सकता हूँ।
मैंने अपना पेय समाप्त कर लिया।

"हो सकता है मुझे उनकी ज़रूरत पड़े। मैं आपको बता दूँगी। जेनेट की मौत के कितने समय बाद इस ड्रू नाम की लड़की को नौकरी से निकाल दिया गया?"
"अगले दिन, अंतिम संस्कार से पहले सभी कर्मचारी चले गए।"
मैं कॉफी का एक बीज खाता हूँ।
"क्या कोई कारण बताया गया?"
"मौरिन क्रॉस्बी कुछ महीनों के लिए बाहर चली गई थीं। घर पूरी तरह से बंद था।"
"कुछ महीनों के लिए बाहर जाने पर सभी कर्मचारियों को बर्खास्त करना आम बात नहीं है, है ना?"
"बेशक, यह सामान्य बात नहीं है।"
"मुझे इस ड्रू नाम की लड़की के बारे में और बताओ।"
"तुम्हें जो जानना है," श्रीमती बेंडिक्स ने कहा और आह भरी। "मुझे वह गिलास दो, नहीं तो तुम्हें दूसरा चाहिए।"
मैंने कहा कि मुझे और नहीं चाहिए, और उसे स्कॉच और दोनों गिलास छुपाते हुए देखा। फिर उसने अपना अंगूठा दोबारा घंटी के बटन में दबा दिया।
खरगोश जैसे चेहरे वाली लड़की अंदर आई और उसने उसे एक और शरारती मुस्कान दी।
"यूडोरा ड्रू का कार्ड निकालो, बेटा," श्रीमती बेंडिक्स ने कहा। "मैं उसे देखना चाहती हूँ।"
कुछ देर बाद खरगोश जैसे चेहरे वाली लड़की एक कार्ड लेकर लौटी।
उसने वह कार्ड श्रीमती बेंडिक्स को इस तरह दिया जैसे कोई दीवानी बॉबिसॉक्सर फ्रैंक सिनात्रा को फूलों का गुलदस्ता देती है।

उसके जाने के बाद, श्रीमती बेंडिक्स ने कहा, "मुझे नहीं पता कि आपको यही चाहिए या नहीं। उम्र अट्ठाईस वर्ष। पता: 2243 केल्सी स्ट्रीट, कार्मेल। श्रीमती फ्रैंकलिन लैम्बर्ट के यहाँ तीन साल काम किया। उत्कृष्ट संदर्भ। जुलाई 1943 से जेनेट क्रॉस्बी की निजी नौकरानी। क्या यह आपके काम आ सकती है?"
मैंने कंधा उचका दिया।
"मुझे नहीं पता। हो सकता है। मुझे लगता है कि मुझे जाकर उससे बात करनी चाहिए। आपको ऐसा क्यों लगता है कि वह किसी पुरुष के साथ रह रही है?"
"वह अपना पैसा और कैसे कमाती है? वह काम नहीं करती। या तो कोई पुरुष कमाता है या फिर कई पुरुष मिलकर कमाते हैं।"
"जेनेट क्रॉस्बी शायद उनके लिए एक विरासत छोड़ गई होंगी।" श्रीमती बेंडिक्स ने अपनी घनी भौहें ऊपर उठाईं।
मैंने इस बारे में सोचा ही नहीं था। हो सकता है, वह ऐसा सोचे। हाँ, अगर मैं इस बारे में सोचूँ तो शायद यही जवाब हो।
"अच्छा, ठीक है," मैंने उठते हुए कहा। "ड्रिंक्स के लिए धन्यवाद। कभी हमारे यहाँ भी आना। हमारे पास भी ड्रिंक्स हैं।"
"मैं नहीं," श्रीमती बेंडिक्स ने दृढ़ता से कहा। "वह बेंसिंगर नाम की लड़की मुझे पसंद नहीं करती। मैं उसकी आँखों में देख सकती हूँ।"
मैं मुस्कुराया।
"वह भी मुझे पसंद नहीं करती। मैं इस बात की परवाह नहीं करता। आपको भी इसकी परवाह नहीं करनी चाहिए।"
"ऐसा नहीं है। और खुद को धोखा मत दो, विक। वो लड़की तुमसे प्यार करती है।"
मैंने इस पर विचार किया, फिर अपना सिर हिला दिया।

"□□□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□"
□□□□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□□□ □□ □□ □□□, □□□□□ □□□□ □□□□□□□

अध्याय छह

कोरल गेबल्स, ऑर्किड सिटी का सुनसान इलाका है, जो बंदरगाह के आसपास बसा एक झोंपड़पट्टी वाला कस्बा है। यहाँ स्पंज और मछली के कारखाने, कछुओं के अड्डे और बाज़ार हैं, साथ ही कई संदिग्ध लोग भी फल-फूल रहे हैं। तटवर्ती इलाके में डेलमोनिको का बार सबसे खतरनाक अड्डा है, जहाँ रात में तीन-चार झगड़े होना आम बात है, और जहाँ औरतें अक्सर मर्दों से ज़्यादा दबंग होती हैं। कोरल गेबल्स के पीछे मोंटे वर्डे एवेन्यू स्थित है: एक चौड़ी, साधारण सी सड़क जिसके दोनों ओर झोपड़ीनुमा घर बने हैं, जो लगभग एक ही पैटर्न पर बने हैं। एक इलाके के तौर पर यह शायद कोरल गेबल्स से थोड़ा बेहतर है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि यह कोई बहुत खास है। ज्यादातर झोपड़ीनुमा घरों में पेशेवर जुआरी, अय्याश औरतें, दिखावटी तौर पर दबंग लोग रहते हैं जो दिन में नदी किनारे आराम करते हैं और रात में अपने काम में लग जाते हैं, और सट्टेबाज लड़के और उनकी प्रेमिकाएं भी रहती हैं। सड़क पर एकमात्र दो मंजिला घर जो बेटिलो का है, जो शव प्रबंधक, शव संरक्षक, ताबूत बनाने वाला, गर्भपात करने वाला और चाकू व गोली के घावों का इलाज करने वाला है।
मैं ब्यूक कार को सड़क पर चलाता रहा जब तक कि मुझे दाहिनी ओर, लगभग तीन-चौथाई रास्ते पर, यूडोरा ड्रू की झोपड़ी नहीं दिख गई। यह सफेद और नीले रंग की लकड़ी की बनी पांच कमरों वाली झोपड़ी थी, जिसमें एक बगीचा था जिसमें हलमा खेलने के लिए काफी बड़ा लॉन था और सामने के दरवाजे के दोनों ओर गमलों में हाइड्रेंजिया के दो मुरझाए हुए पौधे लगे थे।

मैंने लकड़ी के छोटे से गेट को पार किया और पीतल के उस छोटे से नॉकर से खटखटाया जिसे महीनों से साफ नहीं किया गया था।
लगभग दस सेकंड का अंतराल रहा: इससे ज़्यादा नहीं, और फिर दरवाज़ा झटके से खुल गया। धूसर-हरे रंग की पैंट और सफ़ेद रेशमी ब्लाउज़ पहने एक हष्ट-पुष्ट युवती, जिसके काले बाल सिर के ऊपर बंधे थे, ने संदेह भरी और थोड़ी लाल आँखों से मुझे घूरकर देखा। वह सुंदरता की दृष्टि से तो नहीं थी, लेकिन उसमें कुछ ऐसा था जो किसी भी पुरुष को उसे दो बार, और कुछ तो तीन बार भी, देखने पर मजबूर कर देता।
इससे पहले कि मैं कुछ बोल पाता:
"अगर आप कुछ बेच रहे हैं तो अपनी बात ज़रा भी न कहें," उसने धीमी आवाज़ में कहा, जो किसी टिन के डिब्बे को नीचे फेंके जाने से थोड़ी ज़्यादा मधुर थी, लेकिन ज़्यादा नहीं। "मैं कभी भी दरवाज़े पर सामान नहीं खरीदती।"
मैंने खुशी से कहा, "आपको इसे गेट पर लगवा देना चाहिए। इससे कितना समय बचेगा। क्या आप मिस ड्रू हैं?"
"मैं कौन हूं, इससे आपको क्या फर्क पड़ता है?"
मैंने धैर्यपूर्वक कहा, "मुझे मिस ड्रू से कुछ काम है। बहुत ज़रूरी काम है।"
"आप कौन हैं?"
"मेरा नाम विक मैलॉय है। मैं जेनेट क्रॉस्बी का पुराना दोस्त हूं।"
उसके ऊपरी होंठ की एक मांसपेशी अचानक फड़क उठी, लेकिन इसके अलावा कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई।
"तो क्या हुआ?"
"क्या इससे आप मिस ड्रू बन जाती हैं या नहीं?"

"हाँ। क्या बात है?"
मैंने दीवार पर एक हाथ रखकर और उस पर झुकते हुए कहा, "मुझे उम्मीद थी कि आप मेरी मदद करेंगे। असल बात यह है कि मैं मिस क्रॉस्बी की मौत से पूरी तरह संतुष्ट नहीं हूं।"
इस बार उसकी आंखों में सतर्कता का भाव आ गया।
"आप लोग प्राचीन इतिहास की खुदाई कर रहे हैं, है ना? वह तो काफी समय पहले ही मर चुकी है। वैसे भी, मुझे इसके बारे में कुछ नहीं पता।"
"क्या आप उसकी मृत्यु के समय वहां मौजूद थे?"
उसने सामने के दरवाजे को पकड़ा और उसे अपनी बगल में खींच लिया। मैं आपको बता दूं कि मुझे इसके बारे में कुछ भी नहीं पता, और मेरे पास उस चीज पर समय बर्बाद करने का समय नहीं है जिसका मुझसे कोई लेना-देना नहीं है।
मैंने उस कठोर, संदेहपूर्ण चेहरे का गौर से अध्ययन किया।
"मिस ड्रू, क्या आप जानती हैं कि ऐसी कौन सी चीज है जो लगभग कोई शोर नहीं करती लेकिन एक मील दूर तक सुनाई देती है?" मैंने पूछा और उन्हें देखकर मुस्कुरा दिया।
"क्या तुम पागल हो?"
"कुछ लोग इसे दो मील दूर से भी सुन सकते हैं। क्या आप अनुमान लगा सकते हैं?"
उसने अधीरता से अपने मजबूत कंधे ऊपर उठाए।
"ठीक है, मैं इसे खरीद लूंगा—क्या?"
"एक सौ डॉलर का नोट, जिसे दो हिस्सों में मोड़कर उंगली और अंगूठे के बीच धीरे से सरसराया जा रहा था।"
उसके चेहरे से उदासी गायब हो गई। उसकी आंखें थोड़ी और खुल गईं।

"क्या मैं ऐसी दिखती हूँ कि सौ डॉलर का नोट मेरे किसी काम का होगा?" उसने तिरस्कारपूर्वक कहा।
मैंने कहा, "पियरपॉइंट मॉर्गन को भी सौ डॉलर की जरूरत पड़ सकती है। फिर भी, अगर आपके पास खरीदने लायक कुछ है, तो मैं रकम बढ़ा सकता हूँ।"
मुझे उसके दिमाग की चाल समझ आ रही थी। कम से कम अब हम एक ही भाषा में बात कर रहे थे। उसने मेरी ओर देखे बिना, उस रास्ते पर नज़रें गड़ा दीं, जहाँ पैसों और रहस्यों की दुनिया छाई हुई थी। अचानक उसके चेहरे पर एक हल्की सी मुस्कान आई, जो मेरी ओर नहीं, बल्कि उसके मन में आए एक विचार की वजह से थी।
"तुम्हें ऐसा क्यों लगता है कि उसकी मौत में कुछ गलत है?" उसने अचानक पूछा, उसकी निगाहें फिर से मेरी ओर मुड़ गईं।
"मैंने यह नहीं कहा कि मुझे कुछ गड़बड़ लग रही थी। मैंने कहा कि मैं पूरी तरह संतुष्ट नहीं हूँ। जब तक मैं उन लोगों से बात नहीं कर लेता जो उसकी मृत्यु के समय उसके साथ थे, तब तक मैं इस बारे में खुले मन से विचार करूँगा। क्या आपने गौर किया कि उसे हृदय संबंधी कोई समस्या थी?"
"काफी समय हो गया है, साहब," उसने मुस्कुराते हुए कहा। "मुझे ऐसी बातें याद नहीं रहतीं। शायद अगर आप आज रात नौ बजे वापस आएँ तो मुझे याद करने का समय मिल जाएगा, और सौ डॉलर लेकर वापस आने का कोई फायदा नहीं है। मैं अब बड़ी हो गई हूँ और मेरे सपने भी बड़े हैं।"
"कितना बड़ा?" मैंने विनम्रता से पूछा।
"लगभग पाँच। पाँच के लिए अपनी याददाश्त को ताज़ा करना मेरे लिए फ़ायदेमंद होगा, लेकिन एक पैसा कम के लिए नहीं।"
मैंने ऐसा मानने का नाटक किया।

"आज रात नौ बजे?" मैंने कहा।
"लगभग उसी समय।"
"मैं इतनी सारी रकम तब तक खर्च नहीं करना चाहूंगा जब तक मुझे यह यकीन न हो जाए कि जानकारी उपयोगी है।"
उन्होंने कहा, "अगर मेरी याददाश्त ठीक हो जाए, तो मुझे आश्चर्य नहीं होगा अगर वह जानकारी उपयोगी साबित हो।"
"तो फिर नौ बजे मिलते हैं।"
"अपने साथ पैसे लेकर आइए, महोदय। सौदा नकद में ही होना चाहिए।" "ज़रूर। उम्मीद है कि यह एक खूबसूरत दोस्ती की शुरुआत होगी।" उसने मुझे देर तक सोच-विचार भरी निगाहों से देखा और फिर मेरे चेहरे पर दरवाजा बंद कर दिया। मैं धीरे-धीरे वापस रास्ते पर चला, गेट के ऊपर से चढ़कर ब्यूक कार में बैठ गया।
नौ बजे ही क्यों? स्टार्टर दबाते हुए मैंने सोचा। अभी क्यों नहीं? बेशक पैसों का भी इसमें हाथ था, पर उसे ये पता नहीं था कि मैं पाँच सौ डॉलर लेकर नहीं आया था। उसने पूछा भी नहीं। ये तो एक चतुर और समझदार बच्ची थी: ऐसी बच्ची जिसे सब कुछ पता था, और जो चार और चार जोड़कर नौ भी कर सकती थी। मैंने ब्यूक को इतनी तेज़ी से दौड़ाया कि पहले सौ गज के बाद ही स्पीडोमीटर की सुई सत्तर पर पहुँच गई। सड़क के अंत में पहुँचकर मैंने बीच रोड पर मुड़ने के लिए ब्रेक ज़ोर से लगाए, सड़क पार कर रहे एक बुज़ुर्ग को तीन तरह की दिल की बीमारी दे दी, गाड़ी को फिसलने से बचाया और तब तक चलता रहा जब तक मुझे एक दवा की दुकान नहीं दिखी। मैं फुटपाथ पर चढ़ा, फुटपाथ पार करके दुकान में घुसा और फिर एक टेलीफोन बूथ में चला गया।
दूसरी घंटी बजने के बाद पाउला ने फोन उठाया।

"यह यूनिवर्सल सर्विसेज है," उन्होंने अपनी सौम्य और विनम्र आवाज में कहा। "शुभ संध्या।"
"और ये आपका पुराना दोस्त विक मैलॉय, कोरल गेबल्स की एक दवा की दुकान से बोल रहा हूँ। अपनी गाड़ी पकड़ो, चमकते हुए, और दौड़ते हुए आ जाओ। हम दोनों हाथ पकड़कर प्यार करेंगे। कैसा रहेगा ये?" कुछ पल का सन्नाटा छा गया। काश मैं उसके चेहरे के भाव देख पाता। "आप ठीक कहाँ हैं?" उसने कहा, और उसकी आवाज़ में उतनी ही उदासीनता थी मानो मैंने उससे समय पूछा हो।
"बीच रोड। जितनी जल्दी हो सके आओ," मैंने कहा और फोन काट दिया। मैंने अपनी ब्यूक कार दवा की दुकान के बाहर खड़ी की और बीच रोड के कोने तक पैदल चला गया। वहाँ से मुझे यूडोरा ड्रू की झोपड़ी दिखाई दे रही थी। मैं एक लैंप के खंभे से टिककर झोपड़ी के गेट पर नज़रें गड़ाए खड़ा रहा।
नौ बज गए थे। मुझे तीन घंटे इंतजार करना था, और काश मैंने पाउला से कुछ स्कॉच और सैंडविच लाने के लिए कहा होता ताकि समय आसानी से कट जाए।
अगले बीस मिनट तक मैं लैंप के खंभे से टेक लगाकर बैठा रहा और केबिन से अपनी नज़रें नहीं हटाईं। कोई बाहर नहीं आया, कोई अंदर नहीं गया। कुछ सख्त दिखने वाले आदमी दूसरे केबिनों से निकले और या तो पैदल चले गए या गाड़ी चलाकर चले गए। तीन लड़कियाँ, तीनों गोरी, तेज़ आवाज़ वाली, यूडोरा के बगल वाले केबिन से निकलीं और कमर मटकाते हुए और पैंट पहने हर किसी को घूरते हुए सड़क पर मेरी तरफ चलने लगीं। जब वे मेरे पास से गुज़रीं तो सबने मेरी तरफ देखा, लेकिन मेरी नज़रें केबिन पर टिकी रहीं।

मैंने सोचा, यह तो अच्छा इलाका है। श्रीमती बेंडिक्स की खरगोश जैसे चेहरे वाली सहेली शायद इस तरह की सड़क पर चलना पसंद नहीं करेगी।
प्रिंसेस स्ट्रीट से पाउला की छोटी सी स्मार्ट दो सीटों वाली कार तेज़ी से निकली और मेरी तरफ बढ़ने लगी। कार रुकी और दरवाज़ा खुल गया। पाउला अपने ग्रे रंग के छोटे सूट में बेहद चुस्त-दुरुस्त और कुछ हद तक गंभीर दिख रही थी। उसने टोपी नहीं पहनी थी और उसकी भूरी आँखें जिज्ञासा भरी निगाहों से मेरी तरफ देख रही थीं।
जब मैं उसके बगल में बैठा, तो उसने पूछा, "अब कहाँ?"
“यहाँ आराम से धीरे-धीरे गाड़ी चलाकर मोड़ पर रुक जाना। यूडोरा का घर दाहिनी ओर वो सफेद और नीले रंग का अजीब सा घर है,” मैंने कहा और जैसे ही गाड़ी आगे बढ़ी, मैंने उसे जल्दी से सारी बात बता दी। “मुझे लगता है कि वो किसी से बात कर रही होगी,” मैंने अपनी बात खत्म करते हुए कहा। “हो सकता है मैं गलत हूँ, लेकिन मुझे लगता है कि अगले कुछ घंटों तक उस पर नज़र रखना फायदेमंद होगा। पड़ोसियों को परेशान किए बिना घर पर नज़र रखने का एकमात्र तरीका यही है कि हम प्रेमी जोड़े की तरह व्यवहार करें। इस इलाके में सब लोग ये बात समझते हैं।”
"अफसोस की बात है कि तुमने मुझे ही निशाना बनाया," पाउला ने ठंडे लहजे में कहा।
मैंने थोड़ा चिढ़ते हुए कहा, "खैर, मैं करमन को निशाना तो नहीं बना सकता। सच कहूँ तो, कुछ लड़कियाँ इस मौके को लपक लेंगी।" मोड़ पर गाड़ी रोकते हुए उसने पूछा, "अगर कुछ लड़कियों की पसंद थोड़ी अलग हो तो क्या मैं कुछ कर सकती हूँ? क्या यह सही है?"

"हाँ। अब, भगवान के लिए, शांत हो जाओ। तुम्हें इसका आनंद लेना चाहिए।" मैंने अपना हाथ उसकी गर्दन के पीछे डाल दिया। वह मुझसे सट गई और उदास होकर सड़क के उस पार केबिन को देखने लगी। ऐसा लग रहा था मानो मैं किसी दर्जी की पुतली के साथ रोमांस कर रहा हूँ। "क्या तुम थोड़ा उत्साह नहीं दिखा सकती?" और मैंने उसके कान को हल्के से कुतरने की कोशिश की।
"तुम्हारी दूसरी गर्लफ्रेंड्स को शायद ये बात पसंद आए," उसने ठंडे लहजे में कहा और झटक कर दूर हट गई, "लेकिन मुझे नहीं। अगर तुम ग्लव कम्पार्टमेंट खोलोगे तो तुम्हें उसमें थोड़ी व्हिस्की और दो सैंडविच मिलेंगे। शायद इससे तुम कुछ और काम में लग जाओगे।"
मैंने अपना हाथ उसकी गर्दन से हटाया और कार के ग्लव कंपार्टमेंट में घुस गया।
मैंने चबाते हुए कहा, "तुम हर चीज़ का ध्यान रखते हो। दुनिया में बस यही एक चीज़ है जो मुझे तुम्हें चूमने से रोक सकती है।" "मुझे पता था," उसने तीखे लहजे में कहा। "इसीलिए तो मैं इसे लाई थी।"
मैं दूसरा सैंडविच खा रहा था तभी जैतून के हरे रंग की एक डॉज लिमोसिन तेज़ी से सड़क पर आती हुई दिखाई दी। मुझे दोबारा देखने की ज़रूरत नहीं पड़ी, मैंने तुरंत पहचान लिया कि यह वही जैतून के हरे रंग की डॉज थी और वही बड़ा, तगड़ा आदमी उसे चला रहा था। मैं नजरों से ओझल होने के लिए सीट में नीचे की ओर सरक गया। मैंने पाउला से कहा, "यही वो आदमी है जो मेरा पीछा कर रहा है। उस पर नज़र रखो और देखो कि वो कहाँ जाता है।"
"वह यूडोरा के घर के बाहर रुका है, और वह गाड़ी से उतर रहा है," उसने मुझे बताया।

मैंने सावधानी से अपना सिर उठाया और देखा कि मेरी आँखें विंडशील्ड के सामने आ गईं। डॉज कार रुक गई थी, जैसा कि पाउला ने नीले और सफेद केबिन के बाहर कहा था। वह हट्टा-कट्टा आदमी बाहर निकला, इतनी ज़ोर से दरवाज़ा बंद किया कि कार लगभग एक तरफ पलट गई, और तेज़ी से सामने के दरवाज़े की ओर बढ़ा। उसने दरवाज़ा खटखटाया नहीं, बल्कि हैंडल घुमाया और अंदर घुस गया: एक जल्दबाज़ी में भरा आदमी।
"और इसे कहते हैं, हे प्यारी, मेरा अंदाज़ा," मैंने पाउला से कहा। "मुझे लगा था कि वो या तो बाहर जाएगी या फ़ोन करेगी। और उसने फ़ोन कर दिया। बिग बॉय सलाह-मशविरा करने आ गया है। लगता है मैंने अपना राज़ खोल दिया है। अब आगे क्या होगा, ये देखना दिलचस्प होगा।"
"उसके जाने के बाद तुम क्या करोगे?"
मैं अंदर जाकर उसे बताऊँगा कि मैं पाँच सौ रुपये नहीं जुटा सका। फिर देखेंगे कि वह इस पर क्या प्रतिक्रिया देती है।
मैंने सैंडविच खत्म कर लिया था और व्हिस्की पीना शुरू ही किया था कि केबिन का सामने वाला दरवाजा खुला और बिग बॉय बाहर आया। डैशबोर्ड पर लगी घड़ी के हिसाब से उसे अंदर आए साढ़े ग्यारह मिनट हो गए थे। उसने दाएं-बाएं देखा, पाउला की खड़ी कार को घूरा, लेकिन कार इतनी दूर थी कि उसमें कौन बैठा था, यह देख नहीं पाया। वह आराम से रास्ते पर चला, गेट के ऊपर से कूदा, डॉज कार में चढ़ा और चुपचाप चला गया।
“वाह, इसमें तो ज्यादा समय नहीं लगा,” मैंने कहा। “अगर हर कोई इतनी जल्दी काम निपटा ले तो बहुत ज्यादा काम हो जाएगा। चलो, जान, चलो फोन कर ही लेते हैं। कम से कम तुम मुझे वहाँ तक छोड़ दो और बाहर इंतजार करो। मैं नहीं चाहता कि वो घबरा जाए।”

पौला ने कार स्टार्ट की और नीले-सफेद रंग के केबिन के गेट तक ले गई। मैं बाहर निकला।
मैंने कहा, "हो सकता है तुम्हें चीखें सुनाई दें या न सुनाई दें। अगर सुनाई भी दें, तो चिंता मत करना। यूडोरा तो बस मेरे व्यक्तित्व से प्रभावित होगी।"
"मुझे उम्मीद है कि वह तुम्हारे सिर पर इस्त्री से वार करेगी।" "हो सकता है। वह उन अप्रत्याशित स्वभाव वाली महिलाओं में से एक है। मुझे ऐसी महिलाएं पसंद हैं।"
मैं फाटक फांदकर अंदर गया और सामने के दरवाजे तक जाने वाले रास्ते पर चल पड़ा। मैंने खटखटाया और इंतज़ार किया, धीरे से सीटी बजाता रहा। कुछ नहीं हुआ। घर में सन्नाटा पसरा हुआ था, जैसे कोई चूहा बिल्ली को देख रहा हो।
मैंने फिर से दरवाज़ा खटखटाया, मुझे याद आया कि बिग बॉय ने सड़क पर इधर-उधर कैसे देखा था, और उस याद में मुझे अचानक एक भयावह अर्थ दिखाई दिया। मैंने दरवाज़े को छुआ, लेकिन वह बंद था। अब सड़क पर इधर-उधर देखने की मेरी बारी थी। पाउला और कार के अलावा, सड़क उतनी ही खाली थी जितनी किसी ऐसे बूढ़े आदमी का चेहरा जिसके पास तंबाकू और पैसे खत्म हो गए हों। मैंने दरवाज़े की कुंडी उठाई और उसे तीन बार ज़ोर से पटका, जिससे काफी शोर हुआ। पाउला ने कार की खिड़की से बाहर झाँका और मुझे घूरकर देखा।
मैंने इंतजार किया। फिर भी कुछ नहीं हुआ। चूहा अभी भी बिल्ली को देख रहा था। घर में सन्नाटा छाया हुआ था।
मैंने पाउला से कहा, "बीच रोड तक गाड़ी चलाकर जाओ। वहीं मेरा इंतजार करना।"

फटी हुई थी। उसके गले में नीले और लाल रंग का रेशमी स्कार्फ बंधा हुआ था—शायद उसका ही था। उसकी नीली-काली शक्ल से उसकी आँखें गुस्से से चमक रही थीं; उसकी जीभ झागदार मिट्टी में डूबी हुई थी। वह देखने में सुंदर नहीं थी, और न ही उसकी मृत्यु आसानी से हुई थी।
मैंने उससे नज़रें हटाईं और कमरे में चारों ओर देखा। कुछ भी अस्त-व्यस्त नहीं था। यह बाकी कमरों की तरह ही गंदा और धूल भरा था, और बासी इत्र की बदबू आ रही थी।
मैं चुपचाप दरवाजे तक गई, बिस्तर की तरफ दोबारा देखे बिना, और कमरे से निकलकर गलियारे में चली गई। मैंने किसी भी चीज को छूने से परहेज किया, और नीचे जाते समय मैंने अपने रुमाल से रेलिंग को पोंछा। मैं बदबूदार, शांत छोटी रसोई में गई, गर्म हवा में खुले हुए जालीदार दरवाजे को धक्का देकर खोला, बगीचे के रास्ते से होते हुए गेट तक गई, और बिना किसी हड़बड़ी के वहाँ पहुँच गई जहाँ पाउला मेरा इंतजार कर रही थी।

अध्याय सात

पुलिस कप्तान ब्रैंडन अपनी डेस्क के पीछे बैठे मुझे घूर रहे थे। वे पचास के आसपास के कद के, थोड़े मोटे, घने बालों वाले व्यक्ति थे, जिनके बाल ताज़ी बर्फ की तरह सफेद थे, और उनकी आँखें बीयर के ढक्कन की तरह कठोर, सौम्य और भावहीन थीं।
हम चारों मिलकर एक दिलचस्प चौकड़ी बना रहे थे। एक तरफ पाउला थीं, जो शांत और बेफिक्र दिख रही थीं, पीछे बैठी हुई थीं। दूसरी तरफ टिम मिफ्लिन थे, जो दीवार से टिके हुए, बिना हिले-डुले, सोच-विचार करते हुए, बिल्कुल शांत थे, जैसे कोई सौ साल का बुजुर्ग झपकी ले रहा हो। मैं मुख्य अतिथि की कुर्सी पर मेज के सामने बैठा था, और बेशक, पुलिस कप्तान ब्रैंडन भी मौजूद थे।
कमरा बड़ा, हवादार और अच्छी तरह से सजा हुआ था। फर्श पर एक सुंदर टर्की कालीन बिछा था, कई आरामकुर्सियाँ थीं और दीवारों पर वैन गॉग के ग्रामीण दृश्यों की एक-दो प्रतिकृतियाँ लगी थीं। बड़ा डेस्क कमरे के कोने में दो खिड़कियों के बीच रखा था, जिनसे शहर के व्यावसायिक क्षेत्र का नजारा दिखता था।
मैं पहले भी इस कमरे में आ चुका था, और मुझे उस समय हुई छोटी-मोटी अप्रिय घटना की याद अभी भी थी। ब्रैंडन मुझे उतना ही नापसंद करता था जितना हिरोशिमा परमाणु बम को, और मुझे फिर से किसी अप्रिय घटना की आशंका थी।
साक्षात्कार की शुरुआत अच्छी नहीं हुई थी, और हालात सुधरने के नाम ही नहीं रहे थे। ब्रैंडन पहले से ही सिगार से खेल रहे थे: यह उनकी नाराजगी का संकेत था।
“ठीक है,” उसने पतली, चिड़चिड़ी आवाज़ में कहा, “चलिए फिर से शुरू से शुरू करते हैं। आपके पास यह पत्र था…” वह जेनेट

क्रॉस्बी के पत्र को ऐसे देखने के लिए आगे झुका जैसे उसे टिटनेस हो गया हो। उसने उसे छूने से परहेज किया। “दिनांक 15 मई, 1948।” अच्छा, कम से कम इससे यह तो पता चला कि वह पढ़ सकता है। मैंने कुछ नहीं कहा।
"इस पत्र के साथ पांच सौ डॉलर के नोट थे। ठीक है ना?"
मैंने कहा, "जांच करो।"
"आपको 16 मई को पत्र मिला था, लेकिन आपने उसे बिना खोले कोट की जेब में रख दिया और उसके बारे में भूल गए। जब आपने कोट किसी को दे दिया, तभी वह पत्र मिला। ठीक है?"
"जाँच करना।"
उसने सिगार को घूरकर देखा, फिर अपनी चौड़ी, मोटी नाक उस पर टिका दी।
"व्यापार चलाने का यह काफी समझदारी भरा तरीका है।"
मैंने संक्षेप में कहा, "ऐसी चीजें होती रहती हैं। मुझे याद है टेट्ज़ी के मुकदमे के दौरान पुलिस ने..."
"टेट्ज़ी के मुकदमे को छोड़ो," ब्रैंडन ने ऐसी आवाज़ में कहा जिस पर आप मांस के टुकड़े काट सकते थे। "हम इस पत्र की बात कर रहे हैं। आप मिस मौरीन क्रॉस्बी से मिलने के इरादे से क्रॉस्बी की जागीर पर गए थे। है ना?"
"हां," मैंने कहा, मैं इससे थोड़ा ऊब चुका था।
"लेकिन आप उनसे नहीं मिल पाए क्योंकि उनकी तबीयत ठीक नहीं है, इसलिए आपको मिस जेनेट क्रॉस्बी की निजी नौकरानी से मिलकर इस मामले में और भी ज्यादा दखल देना पड़ा। है ना?"
"अगर आप इसे इस तरह कहना चाहते हैं तो मुझे कोई आपत्ति नहीं है।" "क्या यह सही है या नहीं?"
"ओह यकीनन।"

"ड्रू नाम की इस महिला ने कहा कि बात करने से पहले उसे पाँच सौ डॉलर चाहिए। यही तुम्हारी कहानी है, और मुझे इस पर यकीन नहीं हो रहा। तुमने घर पर नज़र रखी, और थोड़ी देर बाद एक जैतून के हरे रंग की डॉज कार आई और एक हट्टा-कट्टा आदमी अंदर गया। वह लगभग दस मिनट तक अंदर रहा, फिर बाहर आ गया। फिर तुम अंदर गए और उसे मृत पाया। ठीक है ना?"
मेंने सिर हिलाया।
उसने सिगार से पट्टा हटाया और माचिस ढूंढने लगा। इस पूरे समय उसकी बीयर के ढक्कन जैसी आंखें उदास भाव से मेरी ओर घूरती रहीं। "तुम दावा करते हो कि डॉज कार डॉ. साल्जर की है," उसने कहा और माचिस की तीली को अपने जूते के तलवे पर रगड़ा।
"मिफ्लिन का कहना है कि हां, ऐसा है। मैंने उनसे रजिस्ट्रेशन नंबर चेक करने को कहा है।"
ब्रैंडन ने मिफ्लिन की ओर देखा, जो खाली आँखों से सामने वाली दीवार को घूर रहा था।
"मलोय द्वारा आपको फोन करके यह पूछने के आधे घंटे बाद कि इस कार का मालिक कौन है, आपको डॉ. साल्जर से एक रिपोर्ट मिली कि कार चोरी हो गई है। बिल्कुल सही, है ना?"
"जी सर," मिफ्लिन ने भावहीनता से कहा।
ब्रैंडन की निगाहें मेरी ओर घूम गईं।
"आपको लगता है कि सुना?"
"ज़रूर।"
"ठीक है।" ब्रैंडन ने जलती हुई माचिस को अपनी सिगार पर लगाया और धुआँ अंदर खींचा। "बस इतना समझ लो, और डॉक्टर साल्ज़र के बारे में कोई गलतफहमी मत पालना। शायद तुम्हें पता न हो, लेकिन डॉक्टर साल्ज़र इस शहर के बहुत सम्मानित और प्रतिष्ठित नागरिक हैं, और

मैं नहीं चाहता कि तुम या तुम्हारे जैसे कोई भी उन्हें परेशान करें। क्या तुम यह बात समझते हो?"
मैंने सोच-विचार करते हुए अपनी नाक खींची। यह अप्रत्याशित था। "ज़रूर," मैंने कहा।
उसने डेस्क के उस पार से धुआं मेरे चेहरे पर उड़ा दिया।
"मुझे तुम पसंद नहीं हो, मैलॉय, और न ही तुम्हारा ये छोटा-सा संगठन। शायद इसके कुछ फायदे हों, पर मुझे शक है। मुझे पूरा यकीन है कि तुम मुसीबत खड़ी करने वाले हो। तुमने कुछ महीने पहले उस सर्फ मामले में काफी बवाल मचाया था, और अगर तुम इतने चालाक न होते, तो खुद भी बड़ी मुसीबत में पड़ जाते। मिस जेनेट क्रॉस्बी मर चुकी हैं।" वह पत्र को दोबारा देखने के लिए आगे झुका। क्रॉस्बी परिवार पहले भी और आज भी एक बहुत ही धनी और प्रभावशाली परिवार है, और मैं तुम्हें उनके लिए मुसीबत खड़ी करने की इजाज़त नहीं दूंगा। मिस क्रॉस्बी ने तुम्हें जो पाँच सौ डॉलर भेजे हैं, उन पर तुम्हारा कोई कानूनी अधिकार नहीं है। वह तुरंत उनके वारिसों को वापस कर दिए जाने चाहिए। तुम मिस मौरीन क्रॉस्बी को अकेला छोड़ दो। अगर उन्हें किसी ब्लैकमेलर से परेशानी है— जिसकी मुझे आशंका है—तो ज़रूरत पड़ने पर वह मुझसे संपर्क करेंगी। इस मामले से तुम्हारा कोई लेना-देना नहीं है, और अगर मुझे पता चला कि तुम उन्हें परेशान कर रहे हो, तो मैं तुम्हें ऐसी जगह भेज दूंगा जहाँ तुम लंबे समय तक किसी को परेशान न कर सको। क्या तुम समझते हो?
मैंने उसकी तरफ देखकर मुस्कुरा दिया।
मैंने कहा, "मुझे अब समझ आने लगा है," और आगे झुककर पूछा, "ब्रैंडन, साल्ज़र आपके स्पोर्ट्स फंड में कितना पैसा देता है?"

मोटा, गुलाबी और सफेद चेहरा मटमैला बैंगनी रंग का हो गया। बीयर के ढक्कन जैसी दिखने वाली आंखें घिसे हुए पत्थर की तरह चमक उठीं।
"मैं तुम्हें चेतावनी दे रहा हूँ, मैलॉय," उसने गुस्से भरी आवाज़ में कहा। "मेरे लड़के तुम्हारे जैसे बदमाश का ख्याल रखना जानते हैं। किसी दिन तुम्हें किसी अंधेरी गली में ले जाकर बुरी तरह पीटा जाएगा। क्रॉस्बी और साल्ज़र से दूर रहो। अब निकल जाओ!" मैं खड़ा हो गया।
"ब्रैंडन, क्रॉस्बी की संपत्ति तुम्हारे कल्याण कोष में कितना पैसा देती है?" मैंने पूछा। "बूढ़े क्रॉस्बी ने तुम्हें दो साल पहले मॉरीन द्वारा किए गए उस कार-हत्या के मामले को दबाने के लिए कितना पैसा दिया था? सम्मानित और प्रतिष्ठित? मुझे हँसी आ रही है। साल्ज़र उतना ही सम्मानित और प्रतिष्ठित है जितना डेलमोनिको का छुरा। उसने मैकडोनाल्ड क्रॉस्बी के मृत्यु प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर कैसे कर दिए जबकि वह इसके लिए योग्य भी नहीं है?"
"बाहर निकलो!" ब्रैंडन ने बहुत धीमी आवाज़ में कहा।
हम दोनों लगभग चार सेकंड तक एक-दूसरे को घूरते रहे, फिर मैंने कंधे उचकाए, उसकी तरफ पीठ की और दरवाजे की ओर चल दी।
"चलो, पाउला, यहाँ से निकल चलते हैं, नहीं तो हमारा दम घुट जाएगा," मैंने कहा और दरवाज़ा झटके से खोल दिया। "याद है, तुमने मुझे अंधेरी गली में ले जाने वाली बात कही थी? पुलिस कप्तान पर मारपीट का मुकदमा करना उतना ही मज़ेदार है जितना किसी और पर।" मैं पाउला के पीछे-पीछे लंबे गलियारे में पैर पटकते हुए चल रहा था। मिफ्लिन हमारे पीछे ऐसे चल रहा था जैसे कोई भारी कील वाले जूते पहनकर अंडों पर पैर रख रहा हो।

वह गलियारे के अंत में हमसे मिल गया।
"एक मिनट रुकिए," उसने कहा। "अंदर आइए," और उसने अपने कार्यालय का दरवाजा खोल दिया।
हम अंदर गए क्योंकि पाउला और मुझे दोनों को मिफ्लिन पसंद था, और वैसे भी, उससे झगड़ा करना ठीक नहीं था क्योंकि वह हमारे लिए बहुत उपयोगी था। उसने दरवाजा बंद किया और उस पर झुक गया। उसका लाल, लचीला चेहरा चिंता से भरा हुआ था।
"ब्रैंडन से बात करने का यह अच्छा तरीका था," उसने कड़वाहट से कहा। "तुम पागल हो, विक। तुम भी मेरी तरह जानते हो कि इस तरह की बातें तुम्हें कहीं नहीं ले जाएंगी।"
मैंने कहा, "मुझे पता है, लेकिन उस चूहे ने मुझे बहुत गुस्सा दिलाया।"
"मैं तुम्हें पहले ही बता देता, लेकिन मेरे पास समय नहीं था। पर तुम्हें पता होना चाहिए कि ब्रैंडन तुमसे बेहद नफरत करता है।" "मुझे भी यह पता है। लेकिन मैं क्या कर सकता था? मुझे उसे कहानी बतानी ही थी। आखिर साल्ज़र से उसकी क्या जान-पहचान है?" मिफ्लिन ने कंधे उचका दिए।
"साल्ज़र पुलिस का अच्छा दोस्त है। हाँ, मुझे पता है कि वो उस पागलखाने में धंधा चलाता है। लेकिन उसमें कुछ भी गैरकानूनी नहीं है।" उसने अपनी आवाज़ धीमी करते हुए कहा, "तुम्हें क्या लगता है ब्रैंडन को उसकी कैडिलैक कहाँ से मिली? पुलिस कप्तान के पास इतना पैसा नहीं होता कि वो ऐसी नौकरी करे। और एक बात और: मॉरीन क्रॉस्बी ने ब्रैंडन के बच्चे को कॉलेज भेजा है, और वो मिसेज़ ब्रैंडन के डॉक्टर के बिल भी भरती हैं। तुमने ब्रैंडन के दो सबसे खास ग्राहकों को निशाना बनाया है।"

मैंने कहा, "मुझे लगा था कि ब्रैंडन को इतना हंगामा मचाने के पीछे कुछ न कुछ वजह जरूर होगी। देखो, टिम, क्या साल्ज़र ने सच में अपनी कार चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी?"
"हां, मैंने खुद ही फोन उठाया था।"
"आप इस हत्यारे के बारे में क्या करने वाले हैं? कुछ भी या कुछ भी नहीं?"
"हाँ, बिल्कुल। हम उसे ढूंढ निकालेंगे। मुझे पता है तुम क्या सोच रहे हो, विक, लेकिन तुम गलत हो। साल्ज़र इतना चालाक है कि किसी हत्या में शामिल नहीं हो सकता। तुम उसे इस मामले से बाहर समझ लो।"
"अच्छी तरह से ठीक है।"
और सावधान रहो। पिटाई वाली बात मनगढ़ंत नहीं थी। तुम पहले या आखिरी आदमी नहीं होगे जिसके कान ब्रैंडन के नापसंद होने की वजह से खींचे जाएँगे। मैं तुम्हें बता रहा हूँ। सावधान रहो। "धन्यवाद, टिम। मैं सावधान रहूंगा, लेकिन मैं अपना ख्याल खुद रख सकता हूं।"
मिफ्लिन ने अपनी बेढंगी नाक को हाथ के पिछले हिस्से से रगड़ा। "यह इतना आसान नहीं है। अगर आप विरोध करना शुरू करते हैं, तो आप पर पुलिस पर हमला करने का आरोप लग जाएगा। वे आपके खिलाफ झूठा आरोप लगाएंगे और आपको हिरासत में ले लेंगे, और फिर गिरोह के लोग आप पर जमकर हमला करेंगे।"
मैंने उसकी बांह पर थपथपाया।
"चिंता मत करो। मुझे भी कोई चिंता नहीं है। और कुछ?"
मिफ्लिन ने अपना सिर हिलाया।

"बस सावधान रहना," उसने कहा, अपने कार्यालय का दरवाजा खोला, यह सुनिश्चित करने के लिए गलियारे में ऊपर-नीचे देखा कि कोई नहीं है और फिर हमें बाहर जाने का इशारा किया।
हम पत्थर की सीढ़ियों से उतरकर लॉबी में पहुँचे। दोहरे दरवाजों के पास सादे कपड़ों में दो लंबे-चौड़े आदमी आराम से खड़े थे। उनमें से एक के बाल चमकीले लाल थे और चेहरा सफ़ेद और ढीला-ढाला था। दूसरा दुबला-पतला और जंग लगे लोहे के टुकड़े की तरह सख्त दिख रहा था। दोनों ने हमें धीरे-धीरे और सोच-समझकर देखा, और लाल बालों वाले ने अपने से छह गज दूर रखे पीतल के थूकदान पर सटीक निशाना लगाकर थूका।
हम उनके पास से गुजरे, सीढ़ियों से नीचे सड़क पर आ गए।

अध्याय आठ

ऑर्किड बिल्डिंग्स के पीछे एक संकरी गली है, जिसका उपयोग मुख्य रूप से इमारत में काम करने वाले अधिकारियों और उनके कर्मचारियों की कारों के लिए पार्किंग स्थल के रूप में किया जाता है, और गली के बिल्कुल आखिरी छोर पर आपको फिन्नेगन का बार मिलेगा।
माइक फिननेगन मेरा पुराना दोस्त था: उससे जान-पहचान रखना बहुत फायदेमंद था क्योंकि ऑर्किड सिटी में आने वाले ज्यादातर बदमाशों और ठगों से उसके अच्छे संपर्क थे, और उसे हर तरह की संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी होती थी। कुछ साल पहले मैंने फिननेगन और तीन गुंडों के बीच एक छोटी सी कहासुनी में दखल दिया था, जिनका उस समय इरादा फिननेगन की आंखें टूटी हुई व्हिस्की की बोतल से फोड़ने का था। फिननेगन को लगा कि अगर मैं न होता तो उसकी आंखों की रोशनी चली जाती, और वह शर्मिंदा होकर मेरा शुक्रगुजार भी था।
उपयोगी जानकारी के स्रोत होने के अलावा, फिन्नेगन का बार कार्यालय समय के बाद मिलने का एक सुविधाजनक स्थान भी था, और यह अनुमान लगाते हुए कि करमन वहाँ होगा, मैंने ब्यूक को बाहर पार्क किया और पाउला के साथ अंदर चला गया।
ग्यारह बज चुके थे और काउंटर पर कुछ ही लोग बचे थे। जैक करमन एक कोने की मेज पर आराम से बैठा था, उसके सामने अखबार फैला हुआ था और स्कॉच की बोतल उसकी पहुँच में ही थी। उसने ऊपर देखा और हाथ हिलाया।
जैसे ही हम कमरे से गुज़रे, मैंने फिन्नेगन की ओर हाथ हिलाया, जिसने मुझे एक बड़ी सी मुस्कान दी। फिन्नेगन कभी सौंदर्य

पुरस्कार नहीं जीत सकता था। गोरिल्ला जैसी कद-काठी वाला, उसका चोटिल, दागदार चेहरा जितना बदसूरत था उतना ही हास्यास्पद भी, वह किंग कांग और दस टन के ट्रक का मिला-जुला रूप लग रहा था।
करमान उठ खड़ा हुआ और उसने पाउला को सम्मानपूर्वक झुककर प्रणाम किया।
"ज़रा सोचो, तुम ऐसी जगह पर आ रहे हो," उसने कहा। "कहीं ऐसा तो नहीं कि तुमने अपना गुस्सा और दबी हुई भावनाएं दफ्तर की तिजोरी में बंद कर दी हों।"
"छोड़ो इसे, जैक," मैंने बैठते हुए कहा। "हालात बहुत गरमा रहे हैं। कहानी सुनाने से पहले, क्या तुम्हारे पास मेरे लिए कुछ है?"
इससे पहले कि वह जवाब दे पाता, फिन्नेगन आ गया।
"शुभ संध्या, श्रीमान मैलोय। शुभ संध्या, महोदया।"
पौला ने उसकी ओर देखकर मुस्कुराया।
"एक और गिलास, माइक," मैंने कहा। "मैं करमन को स्कॉच खत्म करने में मदद करूँगा।" मैंने पाउला की तरफ देखा। "कॉफी?"
उसने सिर हिलाया।
और मिस बेन्सिंगर के लिए कॉफी।
जब फिन्नेगन गिलास और कॉफी लेकर बार में वापस चला गया, तो मैंने कहा, "चलो इसे पीते हैं।"
"मैंने जोन पार्नेटा को देखा," करमन ने कहा और अपनी आँखें घुमाईं। "बहुत अच्छी; बहुत ही खूबसूरत।" उसने हाथों से हवा में घुमावदार आकृतियाँ बनाईं। "अगर वह बटलर बार-बार आता-जाता न होता, तो शायद हमारी एक खूबसूरत दोस्ती हो जाती।" उसने आह भरी। "पता नहीं मुझमें ऐसा क्या है जो महिलाओं को इतना आकर्षित करता है?"

"तुम्हारी अक्ल की कमी," पाउला ने तुरंत कहा। "औरतों का मर्दों को नीचा दिखाना एक नई बात है।"
"ठीक है, चुप हो जाओ!" मैंने तीखे स्वर में कहा, जब करमन धीरे- धीरे अपनी कुर्सी से उठने लगा और उसका हाथ व्हिस्की की बोतल की ओर बढ़ा। "वह कैसी दिखती है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। उसने जेनेट के बारे में क्या कहा?"
करमन वापस अपनी सीट पर बैठ गया और पाउला को घूरने लगा।
"उसने कहा कि जेनेट की दिल का दौरा पड़ने से मौत की खबर सुनकर वह दुनिया में सबसे ज्यादा हैरान थी। मरने से दो दिन पहले उसने परमेटा लड़की के साथ टेनिस खेला था और उसे बुरी तरह हरा दिया था। क्या यह दिल की बीमारी का संकेत है?"
"और कुछ?"
मैंने उससे शेरिल नाम के एक लड़के के बारे में पूछा। वैसे, वो शहर से बाहर है। मैंने उसे नहीं देखा। जोन परमेटा ने बताया कि जेनेट शेरिल से बेइंतहा प्यार करती थी। वे अक्सर एक-दूसरे से मिलते थे। फिर मैकडोनाल्ड क्रॉस्बी की मौत से एक हफ़्ते पहले शेरिल घर आना बंद कर दिया और सगाई टूट गई। कोई कारण नहीं बताया गया, और जेनेट से करीबी रिश्ता रखने वाली जोन को भी पूरी बात पता नहीं चली, हालाँकि उसने जानने की पूरी कोशिश की। जेनेट ने कहा कि उनके बीच कोई अनबन हुई थी और वो इस बारे में बात नहीं करना चाहती थी।
"क्या उसने बताया कि शेरिल किस तरह का आदमी था?" करमन ने कंधे उचका दिए।
"वह उससे बस कुछ ही बार मिली थी। उसने बताया कि वह हैंडसम है, उसे नहीं पता कि उसका काम क्या है, उसके पास पैसे हैं या नहीं।
रॉसमोर एवेन्यू पर उसका एक घर है। छोटा है, लेकिन अच्छा है। एक

चीनी लड़की घर की देखभाल करती है।" उसने छत की ओर एक चुंबन उड़ाया। "वह भी अच्छी है। हालांकि, मुझे उससे ज्यादा कुछ पता नहीं चला। उसे नहीं पता था कि शेरिल कब वापस आएगी। वह आदमी अच्छी जिंदगी जीता है और खूब पैसा कमाता होगा। गैराज में युद्धपोत के आकार की कैडिलैक कार खड़ी थी, और बगीचा देखकर लगता था कि उस पर खूब पैसा खर्च किया गया है। एक स्विमिंग पूल भी था, और बाकी सारी आलीशान चीजें; सब कुछ छोटा था, लेकिन बहुत ही अच्छा था।"
"बस इतना ही?" करमन ने सिर हिलाया।
मैंने उसे संक्षेप में यूडोरा ड्रू से हुई मेरी मुलाकात, बिग बॉय के आने, हत्या और ब्रैंडन के साथ अपने साक्षात्कार के बारे में बताया। वह सुनता रहा, उसकी आँखें और बड़ी होती गईं, और वह शराब पीना भूल गया।
"वाह, क्या शाम थी!" मेरे बोलते ही वह भड़क उठा। "क्या ही शाम थी! अब क्या होता है? क्या हम छोड़ देते हैं?"
मैंने खुद को एक और ड्रिंक डालते हुए कहा, "मुझे नहीं पता। हमें पैसे लौटाने ही पड़ेंगे। इसके लिए हमें पता लगाना होगा कि संपत्ति की देखभाल कौन करता है। यह तो लगभग तय है कि मॉरीन नहीं करती। उसके पास वकील या कोई प्रतिनिधि ज़रूर होगा जो उसके मामलों को देखता होगा। शायद हमें यह जानकारी क्रॉस्बी की वसीयत से मिल जाए। मैं जेनेट की वसीयत भी देखना चाहता हूँ। मैं यह पता लगाना चाहता हूँ कि क्या उसने यूडोरा के लिए कोई पैसा छोड़ा था। अगर नहीं छोड़ा था, तो यूडोरा का पैसा कहाँ से आ रहा था? मैं यह नहीं कह रहा कि हम इस मामले को आगे नहीं बढ़ाएंगे; मैं यह भी नहीं कह रहा कि हम आगे बढ़ेंगे। हम कुछ और तथ्य जुटाएंगे, फिर

फैसला करेंगे। हमें बहुत सावधानी से कदम उठाना होगा। ब्रैंडन मामले को पेचीदा बना सकता है।"
"अगर हम पैसे लौटा दें तो मामला बंद हो जाना चाहिए," पौला ने कहा। "बिना कुछ कमाए काम करने का कोई फायदा नहीं है।"
“मुझे पता है,” मैंने कहा। “फिर भी, यह व्यवस्था मुझे दिलचस्प लग रही है। और वैसे भी, मुझे ब्रैंडन से आदेश लेना पसंद नहीं है।” मैंने अपना पेय समाप्त किया और कुर्सी पीछे धकेल दी। “ठीक है, मुझे लगता है कि हमें इसे यहीं समाप्त करना चाहिए। मुझे थोड़ी नींद चाहिए।”
करमान ने अंगड़ाई ली, जम्हाई ली और खड़ा हो गया।
"मुझे अभी याद आया कि मुझे कल सुबह हॉफलिन बच्चों को हॉलीवुड ले जाना है," उन्होंने मुंह बनाते हुए कहा। "पैरामाउंट स्टूडियो का एक निजी दौरा। अगर डॉट लैमौर को देखने का मौका न होता तो मैं पेड़ पर चढ़ने को तैयार हो जाता। वे तीनों बदमाश मुझे डराते हैं।"
"ठीक है," उसने कहा। "तुम परसों वापस आओगे?"
"हाँ। अगर मैं तब तक सही सलामत रहा तो।"
"तब तक मैं तय कर लूंगा कि हमें क्या करना है। अगर हम आगे बढ़ते हैं, तो हमें तेज़ी से और सुचारू रूप से काम करना होगा। एक पल रुकिए। मुझे माइक से बात करनी है।"
मैं बार की तरफ गया जहाँ फिन्नेगन आलस से गिलास चमका रहा था। एक बूढ़ा अय्याश और उसकी गोरी प्रेमिका वहाँ से निकल रहे थे। गोरी प्रेमिका ने नुकीली पलकों के नीचे से मेरी तरफ देखा और आँख मारी। मैंने भी आँख मारी।
जब वे मेरी सुनने की सीमा से बाहर चले गए, तो मैंने कहा, "एक आदमी मेरा पीछा कर रहा है, माइक। लंबा-चौड़ा, मुक्केबाज़ जैसा गठीला;

कान और नाक पिचके हुए, सिर पर डोरी वाली भूरे रंग की टोपी पहने हुए। सिगार पीता है और इतना सख्त दिखता है कि जंग लगी कीलें भी खा सकता है। क्या तुमने उसे कभी देखा है?"
माइक ने अपने हाथ में पकड़े गिलास को रगड़ा, उसे रोशनी में उठाया और ध्यान से देखा। फिर उसने उसे सावधानीपूर्वक शेल्फ पर रख दिया।
"लगता तो बेनी ड्वेन जैसा लग रहा है। अगर उसकी सांस से लहसुन की गंध आ रही है तो पक्का बेनी ही है।"
मैं कभी इतना करीब नहीं गया। बेनी ड्वेन कौन है?
माइक ने एक और गिलास उठाया, उसे नल के नीचे धोया और उसे चमकाने लगा। सवालों के जवाब देते समय वह कभी-कभी हद से ज़्यादा सोच-समझकर जवाब देता था। उसका ऐसा करने का कोई बुरा इरादा नहीं था; बस यही उसकी आदत थी।
"वह एक सख्त मिजाज आदमी है," उसने शीशे पर तिरछी नज़र डालते हुए कहा और उसे और चमकाया। "साल्ज़र के पागलखाने में उसे नौकरी मिल गई है। साल्ज़र के साथ जुड़ने से पहले वह एक छोटा-मोटा जुआरी था। 1938 में हिंसा सहित डकैती के आरोप में उसने पाँच साल की सज़ा काटी थी। कहा जाता है कि अब वह शांत हो गया होगा, लेकिन मुझे इस पर शक है।"
"वह साल्ज़र के पागलखाने में क्या कर रहा है?" माइक ने कंधे उचकाते हुए कहा।
"छोटे-मोटे काम: गाड़ियाँ साफ़ करना, थोड़ी-बहुत बागवानी करना, इस तरह के काम।"
"यह महत्वपूर्ण है, माइक। अगर यह ड्वेन है, तो उस पर हत्या का आरोप लग सकता है।"

माइक ने अपने मोटे होंठों को सिकोड़कर बिना आवाज वाली सीटी बजाई।
"हाँ, उसकी आवाज़ तो उसी जैसी लग रही है। मैंने उसे उस टोपी में देखा है।"
मैंने विवरण को फिर से विस्तार से और ध्यानपूर्वक पढ़ा।
"हाँ," माइक ने कहा। "बिल्कुल उसी की तरह लग रहा है। उसके पास हमेशा एक सिगार रहता है और उसकी नाक और दाहिना कान चपटे हैं। ज़रूर वही आदमी होगा।"
मुझे हल्का-सा उत्साह महसूस हुआ।
"अच्छा, धन्यवाद, माइक।"
मैं उन दोनों के पास वापस गया जो कमरे के दूसरी तरफ से मुझे देख रहे थे।
मैंने उनसे कहा, "माइक ने बिग बॉय की पहचान कर ली है। उसका नाम बेनी ड्वेन है, और अंदाज़ा लगाइए: वह साल्ज़र के लिए काम करता है।"
"तुम्हारे लिए चीजों का पता लगाना कितना अद्भुत है, है ना?" करमन ने मुस्कुराते हुए कहा। "तो अब तुम क्या करने वाले हो?" मैंने कहा, "टिप मिफ्लिन। एक मिनट रुकिए! मैं अभी उसे फोन करता हूँ।"
पुलिस मुख्यालय में मुझे बताया गया कि मिफ्लिन घर चला गया है। मैंने टेलीफोन बुक में उसका घर का नंबर ढूंढा और कॉल लगाई। थोड़ी देर बाद मिफ्लिन की आवाज़ आई। उसकी आवाज़ नींद से भरी और चिड़चिड़ी लग रही थी।
मैंने उससे कहा, "यह मैलॉय है। टिम, तुम्हें जगाने के लिए माफ़ करना, लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि मैं उस आदमी को पहचान सकता हूँ जिसने यूडोरा ड्रू की हत्या की थी।"

"क्या तुम कर सकते हो?" मिफ्लिन की आवाज़ में चमक आ गई। "ठीक है। वह कौन है?"
"बेनी ड्वेन। और सुनो, टिम। वह साल्ज़र के लिए काम करता है। अगर तुम अभी पागलखाने जाओ तो शायद तुम उसे अपने जाल में फंसा सको।" काफी देर तक सन्नाटा छाया रहा। मैं मुस्कुराते हुए इंतजार करता रहा, मन ही मन मिफ्लिन के चेहरे के भावों की कल्पना कर रहा था। "साल्ज़र?" उसने आखिरकार कहा। उसकी आवाज़ ऐसी लग रही थी मानो उसके मुंह में गर्म आलू भरे हों।
"बिल्कुल सही। ब्रैंडन का छोटा दोस्त।"
"क्या आप को इसके बारे में यकीन हैं?"
"हाँ। खैर, मैं उसकी पहचान आपके लिए कर दूंगा, और पाउला भी कर देगी। हमें ऐसा करने में खुशी होगी।"
"क्या तुम करोगे?" उसके स्वर में अनिश्चितता और पीड़ा झलक रही थी।
"ज़रूर। बेशक, साल्ज़र नाराज़ हो सकता है, लेकिन ब्रैंडन के अलावा, साल्ज़र की परवाह कौन करता है?"
"अरे यार!" मिफ्लिन ने गुस्से से कहा। "मुझे ब्रैंडन से बात करनी पड़ेगी। मैं इस तरह की मुसीबत मोल नहीं लेना चाहता।"
"जाओ और उससे बात करो। उसे यह जरूर बताना कि मैं इस खबर के साथ हेराल्ड के रात्रि संपादक को फोन कर रहा हूँ। मैं नहीं चाहता कि ड्वेन तुम्हारे हाथ से निकल जाए क्योंकि ब्रैंडन अपने छोटे दोस्त को नाराज नहीं करना चाहता।"
"ऐसा मत करो!" मिफ्लिन चिल्लाई। "सुनो, विक, भगवान के लिए, प्रेस से पंगा मत लो। ब्रैंडन इसे बर्दाश्त नहीं करेगा।"

"अफसोस, क्योंकि मैं यही करने वाला हूँ। उसे बता दो, और ड्वेन के पीछे पड़ जाओ, वरना प्रेस तुम्हारे पीछे पड़ जाएगी। अलविदा, टिम," और जब वह अभी भी चिल्ला रहा था, मैंने फोन काट दिया।
पौला और करमन फोन बूथ के पास आकर सुन रहे थे।
"क्या तुमने उसे गुस्से में भड़का दिया?" करमन ने अपने हाथ मलते हुए पूछा।
"थोड़ा घबराया हुआ सा लग रहा है। ऐसा नहीं लगता कि वे साल्ज़र को नाराज़ करना चाहते हैं।" मैंने डायल किया, इंतज़ार किया, फिर जब एक आदमी की आवाज़ ने कहा, "हेराल्ड ऑफ़िसेज़," तो मैंने रात के संपादक से बात करवाने का अनुरोध किया।
मुझे उसे कहानी सुनाने में लगभग दो मिनट लगे। उसने इसे उसी तरह स्वीकार किया जैसे कोई भूखा आदमी पाँच कोर्स का भोजन स्वीकार करता है।
मैंने समझाया, "साल्ज़र ब्रैंडन को बहुत लाड़-प्यार करता है। अगर वह इस मामले को दबाने की कोशिश करे तो मुझे आश्चर्य नहीं होगा।"
"अगर वो कामयाब हो गया तो इसमें मेरी कोई गलती नहीं होगी," नाइट एडिटर ने डरावनी हंसी हंसते हुए कहा। "शुक्रिया, मैलॉय। मैं उस चूहे को सबक सिखाने के लिए एक डंडा ढूंढ रहा था। छोड़ो, मुझ पर। मैं उसे सबक सिखा दूंगा।"
मैंने फोन काट दिया और बूथ से बाहर निकल गया।
"मुझे ऐसा लग रहा है कि मैंने थोड़ी मुसीबत खड़ी कर दी है," मैंने कहा। "अगर मेरा अनुमान सही है, तो ब्रैंडन को आज रात अच्छे सपने नहीं आएंगे।"
"कितनी शर्मनाक बात है," करमन ने कहा।

अध्याय नौ

ऑर्किड बुलेवार्ड के साथ उत्तर की ओर ड्राइव करें, सांता रोजा एस्टेट से आगे बढ़ें, और अंततः आप एक संकरी सड़क पर पहुंचेंगे जो रेत के टीलों और मेरी झोपड़ी की ओर जाती है।
रहने के लिहाज से यह कोई बहुत खास जगह नहीं है, लेकिन कम से कम यहाँ रेडियो की आवाज़ नहीं पहुँचती, और अगर मैं नहाते समय गाना भी गाऊँ तो किसी को कोई आपत्ति नहीं होती। यह कनाडा की गांठदार चीड़ की लकड़ी से बना चार कमरों का बंगला है, जिसमें एक छोटा सा बगीचा है, जिसे मेरा फिलिपिनो बेटा टोनी काफी साफ-सुथरा रखता है। मेरे घर के सामने से सौ गज की दूरी पर नीला प्रशांत महासागर है, और पीछे, दाईं और बाईं ओर झाड़ियाँ, रेत और नीले पामेटो पेड़ों का एक अर्धवृत्ताकार घेरा है। यह जगह किसी गरीब की कब्र की तरह सुनसान और शांत है, लेकिन मुझे यह पसंद है। मैं यहाँ पाँच साल से ज़्यादा समय से रह रहा हूँ और सो रहा हूँ, और मैं कहीं और रहना या सोना नहीं चाहूँगा।
फिन्नेगन के बार से निकलने के बाद, मैं रेतीली सड़क पर गाड़ी चलाते हुए घर की ओर चल पड़ा। आधी रात होने में बीस मिनट बाकी थे। आसमान में तरबूज़ जैसा बड़ा चाँद था, और उसकी तेज़ सफ़ेद किरणें झाड़ियों और रेत को सर्चलाइट की तरह रोशन कर रही थीं। समुद्र एक काले दर्पण जैसा दिख रहा था। हवा गर्म और शांत थी। अगर आस-पास कोई गोरी लड़की होती, तो रात बेहद रोमांटिक हो जाती।
गाड़ी चलाते हुए मैंने मन ही मन सोचा, कल का दिन बहुत व्यस्त होगा। पाउला ने वादा किया था कि काउंटी बिल्डिंग्स खुलते ही वह मैकडोनाल्ड और जेनेट क्रॉस्बी दोनों की वसीयतें देख लेगी। मैं नर्स गर्नी से दोबारा मिलना चाहता था। मैं यह पता लगाना चाहता

बाद, मैंने गैरेज में थोड़ी ज़्यादा तेज़ी से गाड़ी चलाई थी और लगभग उसे तोड़ ही दिया था। मुझे पता था कि कुछ तख्ते अब पहले जैसे नहीं रहे, और अब मेरा इरादा था कि किसी तरह से रास्ता बनाकर बाहर निकल जाऊँ।
मुझे एक टेढ़ा-मेढ़ा तख्ता मिला और मैंने उसे ढीला करना शुरू कर दिया। इस दौरान मेरी नज़र झाड़ियों के उस झुंड से हटी ही नहीं। वहाँ कुछ भी हिल नहीं रहा था। झाड़ियों के पीछे जो भी छिपा था, वह एकदम शांत लेटा हुआ था। मेरे दबाव से तख्ता थोड़ा ढीला हो गया। मैंने थोड़ा और धक्का दिया और फिर बगल से मुड़कर उस छेद से अंदर घुस गया।
गैराज के पीछे रेत का एक बड़ा मैदान था, और फिर झाड़ियाँ थीं। मैं बिना कोई आवाज़ किए रेत पर दौड़ता हुआ झाड़ियों के नीचे छिप गया, हालाँकि मेरी साँस फूल रही थी। इतनी गर्मी में इस तरह की कसरत करना ठीक नहीं था, और हाँफते हुए मैं रेत पर बैठ गया और सोचने लगा कि आगे क्या करना है।
सबसे समझदारी वाली बात तो यह होगी कि चुपके से केबिन के पीछे की तरफ जाऊं, किसी की नजरों से बचते हुए, अंदर जाऊं और अपनी अलमारी के दराज से.38 पिस्टल निकाल लूं। एक बार जब मेरे पास वो पिस्टल आ जाए, तो मुझे यकीन है कि मैं किसी भी उपद्रवी से निपट पाऊंगा। झाड़ियों के उस झुंड से कुछ फीट ऊपर मेरे बेडरूम की खिड़की से चलाई गई एक गोली वहां छिपे हुए किसी भी व्यक्ति का मनोबल गिरा देगी।
इस विचार में एकमात्र खामी यह थी कि चूंकि मैं गैराज से बाहर नहीं निकला था, इसलिए छिपे हुए व्यक्ति को शायद यह अंदाजा हो गया होगा कि मैंने उसे देख लिया है और वह मुझे रोकने के लिए मेरी ओर बढ़ रहा होगा। दूसरी ओर, वह यह भी सोच सकता था कि मैं अभी भी

गैराज में हूँ, बाहर आने से डरा हुआ हूँ, और मेरे बाहर आने का इंतजार करने के लिए तैयार है।
मैं धीरे-धीरे उठा और सिर झुकाए, झाड़ियों की आड़ में छिपते हुए, केबिन की ओर दबे पांव बढ़ने लगा। जब तक झाड़ियाँ थीं, तब तक सब ठीक था, लेकिन दस गज आगे जाकर वे अचानक खत्म हो गईं और लगभग बीस फीट के अंतराल के बाद फिर से शुरू हो गईं। वह खाली जगह बेहद वीरान लग रही थी, और चाँद की रोशनी सीधे उस पर पड़ रही थी। अब तक मैं गैराज की आड़ से बाहर आ चुका था। झाड़ियों के झुंड में छिपा हुआ कोई भी मुझे उस खुली जगह को पार करते हुए देख ही लेता। मैं तब तक चलता रहा जब तक कि मैं उस खाली जगह से कुछ ही फीट दूर नहीं पहुँच गया, फिर रुका और झाड़ियों के बीच से झाँका। इस नई स्थिति में बस एक ही राहत की बात थी कि झाड़ियों के झुंड और मेरे बीच की दूरी काफी बढ़ गई थी। पचास गज दूर होने के बजाय, अब मैं लगभग एक सौ बीस गज दूर था, और इतनी दूरी पर मेरे जैसे बड़े चलते-फिरते लक्ष्य को निशाना बनाना किसी खास हुनर की मांग करता। मैंने जोखिम उठाने का फैसला किया।
मैंने अपनी टोपी उतारी और उसे किनारे से पकड़कर झाड़ियों के झुंड की ओर हवा में उछाल दिया, इस उम्मीद में कि इससे लोगों का ध्यान भटक जाएगा। फिर, टोपी के रेत पर गिरने से पहले ही, मैं आगे कूदा और भाग गया।
पक्की ज़मीन पर तेज़ी पकड़ना एक बात है, लेकिन जब आपके पैर ढीली रेत में टखनों तक धंस जाएं तो यह बिलकुल अलग बात है। मेरा शरीर तेज़ी से आगे बढ़ा, लेकिन मेरे पैर लगभग वहीं अटके रहे। अगर टोपी चांदनी में उड़कर मेरा ध्यान न भटकाती तो मैं मर चुका होता।

उंगलियाँ मुड़ी हुई आगे बढ़ीं। मैंने उसके हमले का इंतज़ार नहीं किया, बल्कि दोनों मुट्ठियों से वार किया। लेकिन इस बार उसका चेहरा नहीं दिख रहा था, और उसके हाथ मेरे कोट के सामने वाले हिस्से पर जकड़ गए, और मुझे अपनी ओर खींच लिया।
मैंने अपना घुटना ऊपर उठाया, लेकिन वह इस तरह की लड़ाई से भलीभांति परिचित था और पहले ही करवट बदल चुका था, जिससे मेरे घुटने का जोरदार प्रहार उसकी जांघ पर लगा। जैसे ही मैंने उसकी पसलियों पर घूंसा मारा, उसका एक हाथ हिलकर मेरा गला पकड़ने लगा। वह फिर से कराह उठा, लेकिन उसकी उंगलियां, स्टील के हुक की तरह, मेरी श्वास नली में धंस गईं।
फिर मैंने उस पर जमकर हमला किया। मुझे पता था कि एक बार उसने मुझे कमजोर कर दिया तो मेरा काम तमाम हो जाएगा, और गले पर उसकी पकड़ इतनी मजबूत थी कि अगर मैंने उसकी पकड़ नहीं तो कुछ ही पलों में मेरी सारी ताकत खत्म हो सकती थी। मैंने उसकी पसलियों पर वार किए, और जब वह अब भी मुझे पकड़े हुए था, तो मैंने अपनी उंगलियाँ उसकी आँखों में गड़ा दीं।
वह चीख उठा, मेरा गला छोड़ दिया और लड़खड़ाकर पीछे हट गया। मैं उसके पीछे भागा और उसके शरीर पर मुक्के बरसाने लगा। उसने अपनी आँखें बंद कर लीं और मेरे वार सहे। वह कुछ कर नहीं सकता था, और मैंने उसे घुटनों के बल गिरा दिया। उस पर मुक्के तोड़ने का कोई फायदा नहीं था, इसलिए मैं पीछे हट गया और उसके उठने का इंतज़ार करने लगा। उसकी साँसें छोटी-छोटी, सिसकती हुई आ रही थीं। उसने उठने की कोशिश की, लेकिन उठ नहीं पाया। कराहते हुए उसने अपने हाथ नीचे कर लिए और खुद को ऊपर उठाने की कोशिश की, और यही मैं चाहता था। मैंने उसे परख कर देखा और उस पर एक मुक्का मारा जो रेत से ऊपर उठा और सीधे उसके जबड़े पर लगा। वह पीछे की ओर गिर गया,

इधर-उधर लुढ़का, घायल गिलहरी की तरह रेत में हाथ-पैर मारता रहा, उठने की कोशिश की, फिर गिर गया और सीधा हो गया।
मैं उसके पास गया। वह बेहोश था, और उसकी आँखों के कोनों से बहते खून को देखकर मुझे उस पर दया आ गई। मेरा इरादा उसे इतना नुकसान पहुँचाने का नहीं था, लेकिन यह उसकी जान बचाने या मेरी जान बचाने का सवाल था, और कम से कम मैंने उसे मारा तो नहीं था।
मैं आगे झुका और उसकी कमर से मोटी चमड़े की बेल्ट खींची, उसे पलटा और उसके हाथ पीछे बांध दिए। मैंने अपनी बेल्ट उतारी और उसके टखनों पर बांध दी।
वह इतना भारी था कि उसे उठाना मुश्किल था और मुझे अपना फोन और बंदूक चाहिए थी। मैंने सोचा कि मेरे वापस आने तक वह ठीक रहेगा, इसलिए मैं मुड़ा और केबिन की ओर तेज़ी से भागा।
मिफ्लिन को दोबारा जगाने में मुझे कुछ मिनट लग गए। इस बार उसकी आवाज़ इतनी गुस्से वाली थी मानो आपने किसी ततैया को मक्खी भगाने वाले डंडे से मार दिया हो।
"ठीक है, ठीक है," मैंने कहा। "ड्वेन मेरे साथ है।"
"ड्वान?" उसकी आवाज़ में गुस्सा झलक रहा था। "तुम्हारे साथ?" "हाँ। चलो। लड़कों और गाड़ी को ले आओ। मुझे आज रात सोना है।" "ड्वेन! लेकिन ब्रैंडन ने कहा..."
"ब्रैंडन ने जो कहा, भाड़ में जाए!" मैं चिल्लाई। "आओ और उसे पकड़ो।"
"शांत रहो," मिफ्लिन ने उदास स्वर में कहा। "मैं आ रहा हूँ।" जैसे ही मैंने पिस्तौल का रिसीवर पटका, रेत के टीलों पर कहीं से एक गोली चलने की दबी हुई आवाज़ आई। मैं झटपट दो छलांग लगाकर अपनी अलमारी की ओर भागा, दरवाज़ा खोला और.38 पिस्तौल उठा ली। गोली की गूंज पूरी तरह शांत होने से पहले ही मैं वापस मुख्य

दरवाजे पर पहुँच गया था। मैं चाँदनी में बाहर नहीं भागा। मैं बरामदे की छाया में खड़ा होकर चारों ओर देखता रहा, कुछ दिखाई नहीं दे रहा था, कुछ सुनाई नहीं दे रहा था और मैं डरा हुआ महसूस कर रहा था।
फिर कहीं ताड़ के पेड़ों के पीछे एक कार स्टार्ट हुई और तेजी से गियर बदलते हुए चली गई।
मैंने अपनी बंदूक कमर तक उठाए हुए बरामदे की सीढ़ियों से चुपके से नीचे उतरकर बगीचे के रास्ते पर दौड़ लगाई और चांदनी रात में जगमगाती रेत की पट्टी को पार किया। जाती हुई कार की आवाज़ धीरे- धीरे कम होती गई और अंत में शांत हो गई।
मैं बेनी ड्वेन के पास पहुँचा और उसके ऊपर खड़ा हो गया। किसी ने उसके सिर में गोली मारी थी, बहुत करीब से। गोली उसकी खोपड़ी के एक तरफ लगी और गोली की चिंगारी से उसका पिचका हुआ कान जल गया। वह बेहद सीधा-सादा और अकेला लग रहा था। वह बिल्कुल मृत सा भी लग रहा था।

अध्याय दस

बाहरी कार्यालय में पीबीएक्स की देखभाल करने वाली छोटी गोरी लड़की ने मुझे एक शरमाती हुई सी मुस्कान दी जब मैंने फ्रॉस्टेड पैनल का दरवाजा खोला, जिस पर सुनहरे अक्षरों में लिखा था: यूनिवर्सल सर्विसेज, और दाहिने निचले कोने पर, छोटे अक्षरों में: कार्यकारी निदेशक: विक्टर मलोय।
"सुप्रभात, श्रीमान मैलॉय," उसने अपने सुंदर सफेद छोटे दांत दिखाते हुए कहा। उसकी नाक चपटी थी और उसका व्यवहार किसी पिल्ले जैसा था। उसे बस थपथपाने भर से ही वह अपनी पूंछ हिलाने लगती थी। एक प्यारी बच्ची। अठारह साल की, और उसके दिल में बस दो ही दिल की धड़कनें थीं: मैं और बिंग क्रॉस्बी।
टाइपराइटर के पीछे बैठे दो बच्चे, जो सुनहरे बालों वाले और मासूम से थे, बॉबिसॉक्सर्स की तरह मुस्कुराए और बोले, "सुप्रभात, श्रीमान मैलोय।"
मिस्टर मैलोय ने अपने समूह पर नजर डाली और कहा कि यह एक शानदार सुबह है।
"मिस बेन्सिंगर काउंटी बिल्डिंग्स में हैं। उन्हें आने में थोड़ी देर हो सकती है," पीबीएक्स पर मौजूद गोरी महिला ने मुझे बताया।
"शुक्रिया, ट्रिक्सी। मैं अभी ऑफिस में आ रहा हूँ। जब वह आए तो उसे बता देना कि मैं उसे चाहता हूँ।"
उसने अपना सिर झुकाया और मुझे एक ऐसी नज़र से देखा जिसका मेरे लिए कुछ मतलब हो सकता था अगर वह मुझसे कुछ साल बड़ी होती और मेरे लिए काम न करती, और फिर आने वाली कॉल लेने के लिए अपनी कुर्सी पर घूम गई।

मैं अपने दफ्तर में गया और दरवाजा बंद कर लिया। डेस्क पर लगी घड़ी में दस बजकर पाँच मिनट हो रहे थे, जो पीने के लिए जल्दी का समय था, हालाँकि मुझे पीने की इच्छा हो रही थी। थोड़ी हिचकिचाहट के बाद, मैंने सोचा कि बोतल को पता नहीं चलेगा कि अभी बहुत जल्दी है, उसे डेस्क की दराज से निकाला और शर्मिंदगी भरे अंदाज़ में एक छोटा सा घूंट पी लिया। फिर मैं बैठ गया, सिगरेट जलाई और सुबह की चिट्ठियों को देखने लगा, लेकिन मुझे कुछ भी दिलचस्प नहीं मिला। मैंने सारी चिट्ठियाँ बाहर फेंकने वाली ट्रे में रख दीं ताकि पाउला उन्हें पढ़े, अपने पैर डेस्क पर रखे और आँखें बंद कर लीं। रात भर की भागदौड़ के बाद मैं थोड़ा थका हुआ महसूस कर रहा था।
एक नीली मक्खी मेरे सिर के चारों ओर भिनभिना रही थी। बाहरी दफ्तर में दो टाइपराइटर खटखट कर रहे थे। ट्रिक्सी अपने प्लग से खेल रही थी। मुझे भी नींद आ गई।
ग्यारह बजने में बीस मिनट पहले, बाहरी दफ्तर में पाउला की आवाज़ सुनकर मैं चौंककर जाग गया। उसके दरवाज़ा खोलकर अंदर आने से पहले मुझे अपने पैर डेस्क से हटाने और अपनी ट्रे को अपनी ओर खींचने का समय मिल गया था।
मैंने जितना हो सके उतने उत्साह से कहा, "ये लो। अंदर आ जाओ।" "अगर आपको ऑफिस में सोना ही है, तो क्या आप खर्राटे न लेने की कोशिश करेंगे?" उसने कुर्सी खींचकर बैठते हुए कहा। "इससे कर्मचारियों का मनोबल गिरता है।"
मैंने मुस्कुराते हुए कहा, "वे कई सालों से हतोत्साहित हैं। कल रात मुझे सिर्फ दो घंटे की नींद आई। आज सुबह मैं एक थका हुआ बूढ़ा आदमी हूँ, और मेरे साथ नरमी से पेश आना चाहिए।"

उसकी ठंडी भूरी आँखें मेरे गाल की हड्डी पर पड़े निशान पर टिक गईं, और उसकी भौहें आधा इंच ऊपर उठ गईं।
"मुश्किल?"
"वाह, कितनी रोमांचक बात है," और मैंने उसे बेनी ड्वेन के आगमन के बारे में बताया।
“क्या वह मर गया?” उसने चौंककर कहा। “उसे किसने गोली मारी?” "मुझे पक्का तो नहीं पता, पर मुझे कुछ अंदाज़ा है," मैंने अपने पैर डेस्क पर रखते हुए कहा। "मिफ्लिन को फ़ोन करने के दस मिनट बाद पुलिस आ गई, पर मिफ्लिन उनके साथ नहीं था। तुम्हें याद हैं वो दो पुलिसवाले जिनसे हम हेडक्वार्टर में मिले थे: एक लाल बालों वाला और दूसरा सख्त दिखने वाला? खैर, वो आ गए। सार्जेंट मैकग्रा; वही लाल बालों वाला, और सार्जेंट हार्टसेल। दो सीधे- सादे, सभ्य और शांत स्वभाव के बदमाश जिनसे आप हफ्ते के किसी भी दिन बचना चाहेंगे। उन्होंने ड्वेन को मरा हुआ पाकर अपनी खुशी ज़ाहिर करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। बेशक, यह समझ में आता है। उसकी मौत से साल्ज़र पूरी तरह बच गया। अब उसे बस इतना करना है कि वो दावा करे कि ड्वेन अब उसके लिए काम नहीं करता था। ड्वेन ने साल्ज़र की कार क्यों चुराई, यूडोरा को क्यों मारा और मुझे क्यों मारने की कोशिश की, यह पुलिस को पता लगाना है। मुझे यकीन है कि उन्हें कभी पता नहीं चलेगा।"
"आपने कहा था कि आपको अंदाजा है कि उसे किसने मारा।"
"हाँ। जब वे दोनों लड़के ड्वेन को ले गए, तो मैं इधर-उधर सुराग ढूंढने लगा। वे हीरे के पैटर्न वाले टायरों से लैस पुलिस कार में आए थे। मुझे अपनी केबिन के पीछे रेत में भी वैसा ही पैटर्न मिला। मेरा अनुमान है कि वे शाम को जल्दी मुझ पर नज़र रखने के लिए निकले थे और ड्वेन ने मेरे लिए जो छोटा-मोटा नाटक किया, उसे

उन्होंने सामने से देखा। जब मैंने उसे बेहोश करके बांध दिया, तो वे लालच में नहीं आए। जब मैं मिफ्लिन को फोन कर रहा था, वे ड्वेन के पास गए और उसे चुप करा दिया।"
"तुम्हारा मतलब दो पुलिस अधिकारियों से है...?" पाउला ने आँखें चौड़ी करते हुए पूछा।
मैंने कहा, "देखो इससे कितनी परेशानी बच जाएगी। खुद को उनकी जगह रखकर देखो। एक आदमी हत्या के आरोप में वांछित है, जो मुकदमे में पेश होने पर निश्चित रूप से सब कुछ बता देगा। उसके पास डॉ. साल्ज़र के बारे में कहने के लिए बहुत सी बातें होंगी जो अखबारों में पढ़ने में दिलचस्प लगेंगी। ब्रैंडन, साल्ज़र का दोस्त है। ड्वेन के सिर में गोली मारकर मुकदमे के खर्च और ब्रैंडन के छोटे दोस्त को होने वाली असुविधा से बचने से ज्यादा आसान क्या हो सकता है? है ना आसान? हो सकता है मैं गलत हूँ, लेकिन मुझे शक है। खैर, हम इसके बारे में ज्यादा कुछ नहीं कर सकते, इसलिए इसे छोड़ो और उस चीज़ पर ध्यान दो जिस पर हम कुछ कर सकते हैं। क्या तुमने क्रॉस्बी परिवार की वसीयतें देखी हैं?" पौला ने सिर हिलाया।
जेनेट ने कोई वसीयत नहीं बनाई थी। क्रॉस्बी ने अपनी संपत्ति का तीन-चौथाई हिस्सा जेनेट को और एक-चौथाई हिस्सा मॉरीन को दिया था। ज़ाहिर है, जेनेट उनकी पसंदीदा थीं। अगर जेनेट की मृत्यु हो जाती, तो मॉरीन को सारी संपत्ति मिल जाती, बशर्ते वह अच्छा व्यवहार करे। लेकिन अगर वह कभी किसी घोटाले में फंस जाती हैं और अखबारों में उनकी खबर आती है, तो सारी संपत्ति ऑर्किड सिटी रिसर्च सेंटर को चली जाएगी, और उन्हें सालाना सिर्फ एक हजार डॉलर मिलेंगे। क्रॉस्बी के ट्रस्टी ग्लिन एंड कॉपली हैं, जो इसी इमारत की तीसरी मंजिल पर स्थित हैं। आधी पूंजी सुरक्षित

रखी गई है, बाकी आधी मॉरीन के पास पूरी आज़ादी है, बशर्ते वह अच्छा व्यवहार करे।
मैंने कहा, "ये तो ब्लैकमेलर के लिए बढ़िया मौका है। अगर उससे कोई गलती हो गई और किसी बदमाश को पता चल गया, तो वो उससे उसकी सारी दौलत ऐंठ सकता है। उसके लिए साल में हज़ार डॉलर पर गुज़ारा करना मज़ेदार तो नहीं होगा, है ना?"
पौला ने अपने कंधे उचकाए।
"बहुत सी लड़कियां इससे कम में गुजारा करती हैं।"
"हाँ, लेकिन करोड़पति की बेटियाँ नहीं।" मैंने कागज़ काटने वाला चाकू उठाया और ब्लॉटर में छेद करने लगी। "तो जेनेट ने वसीयत नहीं छोड़ी। इसका मतलब है कि यूडोरा को विरासत में कुछ नहीं मिला। फिर उसे पैसे कहाँ से मिल रहे थे?" मैंने ऊपर देखा और पाउला को सोच-विचार करते हुए घूरने लगी। "मान लो उसे मॉरीन के दवाइयों से इलाज के बारे में पता था? मान लो मॉरीन उसे चुप रहने के लिए पैसे दे रही थी? यह एक अजीब विचार है। फिर मैं आती हूँ, और यूडोरा सोचती है कि वह मॉरीन से कुछ पैसे ऐंठ सकती है। वह मुझे नौ बजे वापस कॉल करने के लिए कहती है, और मॉरीन या उसके प्रतिनिधि को फ़ोन लगाती है, जो शायद डॉ. साल्ज़र हो सकते हैं। वास्तव में, डॉ. साल्ज़र हो सकते हैं। 'कुछ और पैसे दो वरना मैं बात करूँगी,' उसने शायद कहा होगा। साल्ज़र ड्वेन को उससे बात करने के लिए भेजता है। इसके बजाय, या शायद आदेशों का पालन करते हुए, ड्वेन उसे मार डालता है। कैसा लगा तुम्हें?"
"यह ठीक लग रहा है," पाउला ने संदेह से कहा। "लेकिन यह सिर्फ अनुमान है।"
"हाँ, सही है। ये तो बस अंदाज़ा है। फिर भी, मुझे ये बुरा नहीं लगता।" मैंने ब्लॉटर में तीन और छोटे छेद किए और फिर कहा, "मुझे

लगता है कि मुझे नर्स गर्नी से एक बार फिर बात कर लेनी चाहिए। देखो, पाउला, वो दिन में ड्यूटी पर नहीं होतीं। क्या तुम नर्स एसोसिएशन को फ़ोन करके उनका निजी पता पता कर सकती हो? उन्हें कोई मनगढ़ंत कहानी सुना दो। शायद वो तुम्हें पता दे ही दें।" जब वह दफ्तर से बाहर थी, मैंने बोतल से एक और घूंट लिया और एक और सिगरेट जलाई।
मैंने खुद से कहा, पहले नर्स गर्नी, और फिर ग्लिन और कॉपली।
कुछ मिनट बाद पाउला वापस आई और मेरे विकृत ब्लॉटर पर कागज की एक पर्ची रख दी।
"अपार्टमेंट 246, 3882 हॉलीवुड एवेन्यू," उसने मुझे बताया।
"क्या आपको पता है कि वह डॉ. साल्ज़र की नर्सों में से एक है?" "क्या वह है?" मैंने अपनी कुर्सी पीछे धकेली। "अच्छा, तुम्हें क्या पता? बात बार-बार साल्ज़र पर ही आकर रुक जाती है, है ना?" मैंने अपनी ट्रे उसकी तरफ सरका दी। "यहाँ ज़्यादा कुछ नहीं है। ऐसा कुछ भी नहीं है जिसे तुम संभाल न सको।"
"यह जानकर अच्छा लगा।" उसने ट्रे उठाई। "क्या आप इस मामले को आगे बढ़ा रहे हैं?"
"मुझे पक्का नहीं पता। मैं आज दोपहर को बताऊँगा।" मैंने अपनी टोपी उठाई। "फिर मिलेंगे।"
हॉलीवुड एवेन्यू पहुंचने में मुझे आधा घंटा लग गया। सेंटर एवेन्यू पर सुबह के समय ट्रैफिक बहुत ज्यादा था, जिससे गति धीमी हो गई, लेकिन मुझे कोई जल्दी नहीं थी।
1882 हॉलीवुड एवेन्यू एक छह मंजिला अपार्टमेंट ब्लॉक निकला, जिसे झटपट मुनाफा कमाने के उद्देश्य से जल्दबाजी में बनाया गया था और ग्राहकों के लिए आराम का तो नामोनिशान भी नहीं था। लॉबी धुंधली और जर्जर थी। लिफ्ट इतनी बड़ी थी कि अगर तीन लोग ठसाठस

भरे हों तो उसमें तीन लोग ही समा सकते थे। तहखाने की सीढ़ियों की ओर इशारा करते हाथ वाला एक टूटा-फूटा धातु का बोर्ड दीवार पर टेढ़ा लटका हुआ था, जिस पर धुंधले नीले अक्षरों में 'सफाईकर्मी' लिखा था।
मैं लिफ्ट में दाखिल हुआ, ग्रिल बंद की और दूसरी मंज़िल का बटन दबाया। लिफ्ट चरमराती हुई ऊपर उठी, मानो ऊपर जाने या न जाने के बीच दुविधा में हो, और दो मंज़िल ऊपर जाकर रुक गई। मैं एक अंतहीन गलियारे में चलता रहा, जिसके दोनों ओर जर्जर, रंग उखड़े हुए दरवाजे थे। लगभग आधा मील चलने के बाद मैं अपार्टमेंट नंबर 246 पर पहुँचा, जो एक बंद गली में था, आमने-सामने के दो अपार्टमेंटों में से एक। मैंने घंटी का बटन दबाया, फिर दीवार का सहारा लेकर एक सिगरेट निकाली। मैं सोच रहा था कि क्या नर्स गर्नी बिस्तर पर होंगी। मैं सोच रहा था कि क्या वह मुझे दोबारा देखकर खुश होंगी, और उम्मीद कर रहा था कि वह खुश होंगी।
मुझे कुछ मिनट इंतजार करना पड़ा, फिर आवाजें सुनाई दीं और दरवाजा खुला। नर्स गर्नी अपनी नर्स की वर्दी के बिना कहीं ज्यादा दिलचस्प लग रही थीं। उन्होंने एक घरेलू कोट जैसा कपड़ा पहना हुआ था जो उनके टखनों तक तो पहुंचता था, लेकिन घुटनों से नीचे से फटा हुआ था। उनके पैर और टांगें नंगी थीं।
"अरे, नमस्कार," उसने कहा। "क्या आप अंदर आना चाहेंगे?"
मुझे कोई आपत्ति नहीं होगी।
वह एक तरफ खड़ी हो गई।
"आपको मेरा पता कैसे मिला?" उसने मुझसे पूछा और मुझे एक छोटे से बैठक कक्ष में ले गई। "यह तो एक आश्चर्य है।"
"हाँ, है ना?" मैंने अपनी टोपी कुर्सी पर पटकते हुए कहा। "तुम तो एकदम सदमे में लग रहे हो।"

वह खिलखिलाकर हंस पड़ी।
"मैंने खिड़की से बाहर देखा और आपको आते हुए देखा। इसलिए मुझे संभलने का समय मिल गया। आपको कैसे पता चला कि मैं यहाँ रहता हूँ?"
मैंने नर्स एसोसिएशन को फोन किया था। क्या आप सोने जा रहे थे? "हाँ, लेकिन इससे निराश मत हो जाना।"
"तुम बिस्तर पर लेट जाओ और मैं तुम्हारे बगल में बैठ जाऊंगी और तुम्हारा हाथ पकड़ लूंगी।"
उसने अपना सिर हिलाया।
"ये तो नीरस लग रहा है। चलो एक ड्रिंक लेते हैं। क्या कुछ खास बात है या ये बस एक अनौपचारिक मुलाकात है?"
मैं आरामकुर्सी पर बैठ गया।
"पचास-पचास, हालांकि लहजा सामाजिक है। मुझसे ड्रिंक्स बनाने के लिए मत कहो। मेरी तबीयत थोड़ी खराब है। कल रात अच्छी नींद नहीं आई।"
आप किसके साथ बाहर गए थे?
"ऐसा कुछ नहीं है।" मैंने कृतज्ञतापूर्वक हाईबॉल उठाया और उससे उन्हें सलाम किया।
वह पास आई और सोफे पर लेट गई। उसका कोट पीछे की ओर खिसक गया। उसके ठीक करने से पहले ही मेरी आंखें फटी रह गईं।
"मुझे पता है, मैंने तुम्हें दोबारा देखने की कभी उम्मीद नहीं की थी," उसने व्हिस्की और बर्फ से भरे गिलास को इस तरह पकड़ते हुए कहा कि उसकी ठोड़ी गिलास के किनारे पर टिकी रहे। "मुझे लगा था कि तुम उन लोगों में से एक हो जो टक्कर मारकर भाग जाते हैं।" "मैं? हिट-एंड-रन? ओह, नहीं, आपने मुझे बिल्कुल गलत समझा है। मैं उन स्थिर, वफादार और प्यार जताने वाले लोगों में से एक हूं।"

"मुझे यकीन है—जब इसका नयापन खत्म हो जाएगा तब देखना।" उसने थोड़ी कड़वाहट से कहा। "क्या यह पेय ठीक है?"
"कोई बात नहीं।" मैंने अपने पैर फैलाए और जम्हाई ली। मैं सचमुच इतना कमजोर महसूस कर रहा था कि किसी गिलहरी के बिल में घुसकर उसे भी अपने साथ अंदर खींच सकता था। "तुम कब तक क्रॉस्बी की बच्ची की देखभाल करते रहोगे?"
मैंने यह बात यूं ही कह दी थी, लेकिन उसने तुरंत मुझे तीखी, आश्चर्यचकित निगाहों से देखा।
"नर्सें कभी अपने मामलों के बारे में बात नहीं करतीं," उसने शालीनता से कहा और थोड़ी सी हाईबॉल पी ली।
मैंने कहा, "जब तक उनके पास कोई ठोस कारण न हो। सच में, क्या आप नौकरी बदलना चाहेंगे? मैं शायद आपके लिए कोई नौकरी ढूंढ दूं।" "मैं ऐसा क्यों नहीं करूंगा! मैं अपने वर्तमान काम से बुरी तरह ऊब गया हूँ: इसे काम कहना सरासर गलत है, क्योंकि मेरे पास करने के लिए कुछ भी नहीं है।"
"हाँ, बिल्कुल। कुछ न कुछ तो करने को होगा ही।"
उसने अपना सिर हिलाया, कुछ कहना शुरू किया, फिर अपना इरादा बदल दिया।
मैंने इंतजार किया।
"तुम्हारा यह काम क्या है?" उसने पूछा। "क्या तुम नर्सिंग करना चाहते हो?"
"इससे मुझे और कोई खुशी नहीं होगी। नहीं, यह मैं नहीं हूँ। मेरा एक दोस्त है। वह फेफड़ों की बीमारी से ग्रस्त है और उसे खुश करने के लिए एक सुंदर नर्स चाहिए। उसके पास बहुत पैसा है। अगर आप चाहें तो मैं आपके लिए सिफारिश कर सकता हूँ।"
उसने इस पर विचार किया, भौंहें चढ़ाकर सिर हिलाया।

मैं यह नहीं कर सकता। मैं करना तो चाहता हूँ, लेकिन इसमें कुछ दिक्कतें हैं।
मुझे नहीं लगता था कि कोई दिक्कत होगी। नर्स एसोसिएशन इसे ठीक कर देगा।
मैं नर्स एसोसिएशन में कार्यरत नहीं हूं।
"इससे तो और भी आसानी हो जाती है, है ना? अगर आप फ्रीलांसर हैं तो..."
"मैं डॉ. साल्ज़र के साथ अनुबंध पर हूं। वे फुटहिल बुलेवार्ड पर साल्ज़र सैनिटोरियम चलाते हैं। शायद आपने इसके बारे में सुना होगा।"
मेंने सिर हिलाया।
"क्या साल्ज़र मॉरीन का डॉक्टर है?"
"हाँ। कम से कम मुझे तो यही लगता है। वह कभी उसके पास नहीं आता।" "तो फिर उसके पास क्या है—एक सहायक?"
कोई उसके पास नहीं आता।
"यह अजीब है, है ना?"
आप बहुत सारे सवाल पूछ रहे हैं, है ना?
मैंने उसकी तरफ देखकर मुस्कुरा दिया।
मैं जिज्ञासु व्यक्ति हूँ। क्या उसकी हालत इतनी खराब नहीं है कि उसे डॉक्टर की ज़रूरत पड़े?
उसने मेरी तरफ देखा।
सच कहूँ तो, मुझे नहीं पता। मैंने उसे कभी नहीं देखा।
मैं उठ बैठा और मेरी व्हिस्की की कुछ बूंदें गिर गईं।
"आपने उसे कभी नहीं देखा? आपका क्या मतलब है? आप उसकी देखभाल करते हैं, है ना?"

"मुझे आपको यह नहीं बताना चाहिए, लेकिन यह मुझे चिंतित करता है, और मुझे किसी को बताना ही होगा। वादा करो कि तुम इसे किसी और को नहीं बताओगे?"
मैं इसे किसे दूं? क्या आपका मतलब है कि आपने मॉरीन क्रॉस्बी को कभी देखा भी नहीं है?
"हाँ, बिल्कुल सही। नर्स फ्लेमिंग मुझे बीमारों के कमरे में नहीं जाने देती। मेरा काम आगंतुकों को टालना है, और अब तो कोई मिलने ही नहीं आता, मेरे पास करने के लिए कुछ नहीं है।"
तो फिर आप रात में क्या करते हैं?
"कुछ नहीं। मैं घर पर सोता हूँ। अगर टेलीफोन की घंटी बजती है तो मुझे उसका जवाब देना चाहिए। लेकिन कभी बजती ही नहीं।"
"जब नर्स फ्लेमिंग आसपास नहीं होतीं, तो आपने मॉरीन के कमरे में जरूर देखा होगा, है ना?"
"मैंने नहीं देखा, क्योंकि वे दरवाजा बंद रखते हैं। मुझे पूरा यकीन है कि वह घर में भी नहीं है।"
"वह और कहाँ होगी?" मैंने आगे झुकते हुए और अपनी उत्तेजना को छिपाने की कोशिश किए बिना पूछा।
"अगर फ्लेमिंग की बात सही है, तो वह पागलखाने में हो सकती है।" और नर्स फ्लेमिंग क्या कहती हैं?
मैंने तुमसे कहा था: वह नशे की लत से उबरने के लिए पसीना बहा रही है।
"अगर वह पागलखाने में है, तो फिर यह धोखा क्यों? सीधे-सीधे यह क्यों नहीं कह दिया कि वह वहाँ है? कुछ नर्सों को तैनात करके और एक नकली बीमार कमरा बनाकर क्या फायदा?"
"भाई, अगर मुझे पता होता तो मैं तुम्हें बता देती," नर्स गर्नी ने कहा और अपना पेय समाप्त किया। "यह बड़ी अजीब बात है, लेकिन जब

भी हम दोनों मिलते हैं तो हमें मॉरीन क्रॉस्बी के बारे में बात करनी ही पड़ती है।"
“हमेशा नहीं,” मैंने उठकर सोफे की ओर जाते हुए कहा। मैं उसके बगल में बैठ गया। “क्या कोई कारण है कि तुम साल्ज़र को नहीं छोड़ सकती?”
"मेरा उनके साथ दो साल का अनुबंध है। मैं उन्हें छोड़ नहीं सकता।"
मैंने अपनी उंगलियों से उसके घुटने को सहलाया।
"साल्ज़र किस तरह का आदमी है? मैंने सुना है कि वह एक नीम-हकीम है।"
उसने मेरे हाथ पर थप्पड़ मारा।
"वह ठीक है। हो सकता है वह झोलाछाप डॉक्टर हो, लेकिन जिन लोगों का वह इलाज करता है, वे ज़रूरत से ज़्यादा खाए-पिए होते हैं। वह उन्हें भूखा रखता है और पैसे वसूलता है। ऐसा करने के लिए किसी योग्य व्यक्ति की ज़रूरत नहीं होती।"
मेरा हाथ फिर से उसके घुटने पर चला गया।
"क्या तुम्हें लगता है कि तुम एक चतुर, होशियार लड़की बनकर पता लगा सकती हो कि मॉरीन पागलखाने में है या नहीं?" मैंने पूछा और एक जटिल चाल चलने लगी।
उसने इस बार जोर से मेरे हाथ पर थप्पड़ मारा।
"लो फिर वही बात - मौरीन।"
मैंने अपने हाथ के पिछले हिस्से को रगड़ा।
"तुम्हारा थप्पड़ काफी जोरदार था।"
वह खिलखिलाकर हंस पड़ी।
"जब आपके पास मेरी जैसी शक्ल हो तो आप जोर से थप्पड़ मारना सीख जाते हैं।"

फिर मुख्य दरवाजे की घंटी बजी: एक लंबी, तीखी आवाज।
मैंने कहा, "इसका जवाब मत दो। मैं अब मॉरीन के बारे में बात न करने के लिए तैयार हूं।"
"मज़ाक मत करो।" उसने अपने लंबे पैर सोफे से नीचे लटका लिए। "यह किराने वाला है।"
उसके पास ऐसा क्या है जो मेरे पास नहीं है?
"मैं वापस आकर तुम्हें दिखाऊंगा। मैं सिर्फ तुम्हें खुश करने के लिए भूखा नहीं रह सकता।"
वह कमरे से बाहर निकली और दरवाज़ा बंद कर दिया। मैंने मौका देखकर अपना पेय ताज़ा किया और फिर सोफे पर लेट गया। उसने जो कुछ बताया था, वह बहुत दिलचस्प था। उपेक्षित बगीचा, जुआ खेलते चीनी लोग, लकड़ी तराशने वाला ड्राइवर, सिगरेट पीता हुआ बटलर - इन सब बातों से साफ था कि मौरीन क्रेस्टवेज़ में नहीं रह रही थी। तो फिर वह कहाँ थी? क्या वह पागलखाने में थी? क्या वह नशे की लत से उबरने की कोशिश कर रही थी? नर्स फ्लेमिंग को पता होगा। डॉ. जोनाथन साल्ज़र को भी पता होगा। शायद बेनी ड्वेन और यूडोरा को भी पता था। शायद ग्लिन और कॉपली को भी पता हो, या अगर उन्हें नहीं पता था तो वे जानना चाहते होंगे। मुझे इस व्यवसाय को आर्थिक रूप से मज़बूत करने का एक रास्ता नज़र आने लगा। मेरा ध्यान ब्रैंडन की ओर गया। अगर ग्लिन और कॉपली मेरे साथ होते, तो मुझे नहीं लगता कि ब्रैंडन कुछ भी शुरू करने की हिम्मत करता। ग्लिन और कॉपली कैलिफ़ोर्निया के सबसे अच्छे, सबसे महंगे और सबसे प्रतिष्ठित वकील थे। उनके कार्यालय सैन फ्रांसिस्को, हॉलीवुड, न्यूयॉर्क और लंदन में थे। वे ऐसे लोग नहीं थे जो ब्रैंडन जैसे धूर्त पुलिसवाले के बहकावे में आ जाते। अगर वे चाहते तो उनके पास इतना प्रभाव था कि वे उसे पद से हटा सकते थे।

बाएं देखा। पत्थर जैसे चेहरे वाले दरवाज़े मुझे घूर रहे थे।
कुछ भी नहीं हिला, कुछ भी नहीं हुआ; बस दरवाज़ों की दो कतारें, एक मील लंबा जर्जर कालीन, रोशनी आने के लिए दो-तीन गंदी खिड़कियाँ, लेकिन नर्स गर्नी कहीं नहीं थी।

अध्याय ग्यारह

मैंने छोटे से बैठक कक्ष की खिड़की से नीचे खड़ी ब्यूक कार की छत को खाली निगाहों से देखा।
मैंने खुद से कहा कि बिना जूते या मोजे के वह ज्यादा दूर नहीं जा सकती थी, जब तक कि... और मेरा दिमाग यूडोरा ड्रू की ओर चला गया, उसकी एक तस्वीर मेरे सामने आ गई जिसमें वह बिस्तर पर लेटी हुई थी और स्कार्फ उसके गले में धंसा हुआ था।
कुछ पल के लिए मैं असमंजस में खड़ा रहा। ऐसा लग रहा था कि मैं कुछ खास नहीं कर सकता। मेरे पास करने के लिए कुछ नहीं था। तभी दरवाजे की घंटी बजी। उसने कहा कि दुकानदार है। वह लॉबी में चली गई। गायब हो गई। न कोई चीख, न खून के धब्बे, न कुछ भी।
लेकिन मुझे कुछ तो करना ही था, इसलिए मैं सामने वाले दरवाजे पर गया और उसे खोलकर सामने वाले अपार्टमेंट के दरवाजे की तरफ देखा। उससे मुझे कुछ पता नहीं चला। मैं गलियारे में कदम रखा और घंटी के बटन को दबाया। लगभग तुरंत ही दरवाजा खुल गया, मानो मेरे सामने खड़ी महिला मेरी घंटी बजने का ही इंतजार कर रही थी।
वह कद में छोटी और गोल-मटोल थी, उसके बाल सफेद थे, चेहरा गोल और कोमल त्वचा वाला था, जिसकी खासियत उसकी चमकीली, धुंधली, नीली आँखें थीं, और कुछ नहीं। अंदाजे से उसकी उम्र लगभग पचास थी, और जब वह मुस्कुराती थी तो उसके बड़े, बेजान से दिखने वाले सफेद दाँत दिखाई देते थे जो उसके अपने नहीं हो सकते थे। उसने हल्के भूरे रंग का कोट और स्कर्ट पहन रखी थी, जिसकी कीमत बहुत ज्यादा रही होगी, लेकिन वह उस पर बिल्कुल फिट नहीं बैठ रही थी। उसके छोटे, मोटे, सफेद हाथ में एक कागज का थैला था।
"सुप्रभात," उसने कहा और मुझे अपने बड़े-बड़े दांत दिखाए।

उसने मुझे चौंका दिया। मुझे इस गोल-मटोल, अधेड़ उम्र की महिला को देखने की उम्मीद नहीं थी, जो देखने में ऐसी लग रही थी मानो अभी-अभी खरीदारी करके लौटी हो और अब दोपहर का खाना बनाने वाली हो।
मैंने अपनी टोपी उठाते हुए कहा, "आपको परेशान करने के लिए क्षमा करें। मैं नर्स गर्नी को ढूंढ रहा हूँ।" मैंने अपने पीछे आधे खुले दरवाजे की ओर इशारा करते हुए कहा, "वह वहीं रहती हैं, है ना?"
उस मोटी औरत ने कागज़ के थैले में हाथ डाला और एक बेर निकाला। उसने उसे गौर से देखा, उसके खाली, मोटे चेहरे की आँखों में संदेह झलक रहा था। संतुष्ट होकर उसने उसे अपने मुँह में डाल लिया। मैं मंत्रमुग्ध होकर उसे देखता रहा।
"जी हां," उसने दबी हुई आवाज़ में कहा। "हां, वो करती है।" उसने अपना हाथ ऊपर उठाया, मुंह से गुठली को बड़े सलीके से हाथ में लिया और फिर उसे थैले में वापस डाल दिया। "एक बेर खाओगे?" मैंने कहा कि मुझे बेर पसंद नहीं हैं, और मैंने उन्हें धन्यवाद दिया।
"ये सेहत के लिए अच्छे हैं," उसने कहा और बोरी में हाथ डालकर एक और निकाला। लेकिन इस बार वह उसकी कसौटी पर खरा नहीं उतरा, इसलिए उसने उसे वापस रख दिया और अपनी पसंद का दूसरा ढूंढ लिया। "तुमने उसे नहीं देखा है, है ना?" मैंने पूछा, बेर को बड़े-बड़े दांतों के बीच गायब होते हुए देखते हुए।
"किसे देखा?"
"नर्स गर्नी। मैंने अभी फोन किया था और मुझे सामने का दरवाजा खुला मिला। मेरी घंटी बजने पर कोई जवाब नहीं मिल रहा है।"

वह बेर चबा रही थी जबकि उसका भावहीन चेहरा एकदम खाली था। बेर की गुठली निकालने के बाद उसने कहा, "तुम्हें बेर खाने चाहिए। तुम्हारा रंग सेहतमंद नहीं लग रहा है। मैं तो हर दिन दो पौंड बेर खाती हूँ।"
उसके शरीर की बनावट से ऐसा लगता था कि वह सिर्फ यही नहीं खाती थी।
"खैर, शायद मैं एक दिन उन्हें देख लूँगी," मैंने धैर्यपूर्वक कहा। "क्या नर्स गर्नी आपके अपार्टमेंट में रहती हैं?"
उसका ध्यान फिर से कागज़ के थैले की ओर भटक गया था, और वह चौंककर ऊपर देखने लगी। "यह क्या था?"
जब भी मेरी मुलाकात इस तरह की किसी महिला से होती है, तो मुझे बहुत खुशी होती है कि मैं कुंवारा हूं।
"नर्स गर्नी।" मुझे लगा कि मुझे वैसे ही इशारे करने चाहिए जैसे मैं किसी विदेशी से बात करते समय करती हूँ। "वह जो उस अपार्टमेंट में रहती है। मैंने कहा कि कहीं वह आपके अपार्टमेंट में तो नहीं है।"
नीली आँखें धुंधली हो गईं।
"नर्स स्ट्रेचर?"
"यह सही है।"
"मेरे अपार्टमेंट में?"
मैंने गहरी सांस ली।
"हाँ। कहीं वो आपके अपार्टमेंट में तो नहीं है?"
"उसे ऐसा क्यों होना चाहिए?"
मुझे ऐसा महसूस हुआ जैसे मेरे कानों में खून की आवाज गूंजने लगी हो।

"देखिए, उसका सामने का दरवाजा खुला था। वह अपने अपार्टमेंट में नहीं दिख रही है। मुझे लगा कि शायद वह आपसे कुछ बात करने के लिए आई हो।"
एक और बेर नज़र आया। मैंने अपनी नज़रें हटा लीं। उन बड़े-बड़े दांतों को इतने सारे फल चबाते हुए देखकर मेरी मानसिक स्थिरता डगमगाने लगी थी।
"ओह, नहीं, उसने ऐसा नहीं किया है।"
चलो, कम से कम हम प्रगति तो कर रहे थे।
"तुम्हें पता नहीं होगा कि वह कहाँ है?"
बेर की गुठली निकली और बोरी में गिर गई। मोटे, भावहीन चेहरे पर दर्द का भाव आ गया। वह सोचने लगी। आप उसकी सोच को वैसे ही देख सकते थे जैसे किसी घोंघे की चाल को ध्यान से देखने पर पता चलता है।
"शायद वो बाथरूम में हो," उसने आखिर में कहा। "मुझे इंतजार करना चाहिए और फिर से फोन करना चाहिए।"
एक अजीब तरह से काफी प्रतिभाशाली।
"वह वहां नहीं है। मैंने ढूंढ लिया है।"
वह एक और बेर को काटने ही वाली थी कि उसने अपना मुंह नीचे कर लिया और मुझे तिरस्कार भरी नजरों से देखने लगी।
"ऐसा करना बिल्कुल भी अच्छा नहीं था।"
मैंने अपनी टोपी उतार दी और अपने बालों में उंगलियां फिराईं। अगर ऐसा ही चलता रहा तो मैं पागल हो जाऊंगा।
मैंने दांत भींचते हुए कहा, "मैंने पहले दरवाजा खटखटाया था। अगर वो तुम्हारे साथ नहीं है तो मैं वापस जाकर फिर कोशिश करूंगा।" वह अभी भी सोच रही थी। उसके चेहरे पर अभी भी दर्द के भाव थे।

"मुझे पता है कि अगर मैं तुम्हारी जगह होती तो क्या करती," उसने कहा।
मुझे अंदाजा था, लेकिन मैंने उसे बताया नहीं। मुझे लग रहा था कि वह छोटी सी बात पर ही मेरा अपमान कर देगी।
मैंने कहा, "मुझे बताओ।"
"मैं नीचे जाकर चौकीदार से मिलूंगी। वह बहुत मददगार आदमी है।" फिर उसने बात बिगाड़ते हुए कहा, "क्या आपको यकीन है कि आपको बेर नहीं मिलेगा?"
"हाँ, मुझे पूरा यकीन है। अच्छा, धन्यवाद, जैसा आपने कहा, मैं सफाईकर्मी से मिल लूँगा। आपका इतना समय लेने के लिए क्षमा करें।"
"ओह, आपका स्वागत है," उसने कहा और मुस्कुराई।
मैं पीछे हट गया, और जैसे ही उसने दरवाजा बंद किया, उसने एक और बेर अपने उस मुंह में डाल लिया जिसे वह अपना मुंह कहती थी।
मैं लिफ्ट से लॉबी तक गया और फिर अंधेरी, धूल भरी सीढ़ियों से उतरकर तहखाने में पहुँचा। सीढ़ियों के अंत में एक दरवाजा मेरे सामने था। उस पर केवल एक ही शब्द लिखा था: चौकीदार।
मैंने हाथ उठाकर खटखटाया। दुबला-पतला, लंबी और पतली गर्दन वाला एक बूढ़ा आदमी, फीकी सी डंगरी पहने हुए, प्रकट हुआ। वह बूढ़ा और ऊबा हुआ था और उससे हल्की-हल्की क्रेओसोट और व्हिस्की की गंध आ रही थी।
उसने बेरुखी से मेरी ओर देखा और भारी गले से एक शब्द बोला, "हाँ?"
मुझे ऐसा लग रहा था कि जब तक मैं उसे उसकी सुस्ती से जगा नहीं देता, तब तक उससे मुझे कोई खास मदद नहीं मिलेगी। उसे देखकर लगता था कि वह शायद ही कभी अंधेरे से बाहर आता था, और इंसानों से उसका

संपर्क बहुत कम होता था। अगर विंकल कमान संभालता, तो वह और रिप वैन विंकल एक बेहतरीन व्यापारिक जोड़ी बन सकते थे; वरना नहीं; बिलकुल भी नहीं।
मैं आगे झुका और अपनी एक उंगली उसकी जेब में डाली।
"सुनो, दोस्त," मैंने ऑर्किड सिटी के पुलिसवाले की तरह सख्त लहजे में कहा। "अपने बालों से घास झाड़ लो। मुझे तुमसे थोड़ी मदद चाहिए।" बोलते-बोलते मैं उसे आगे-पीछे झुलाने लगा। "अपार्टमेंट 246—क्या बात है?"
उसने अपने कंठ को दो बार निगल लिया। दूसरी बार तो मुझे लगा ही नहीं था कि वह फिर से सतह पर आएगा, लेकिन आखिरकार आ ही गया—पर बस किसी तरह।
"क्या बात है?" उसने पलकें झपकाते हुए कहा। "अपार्टमेंट नंबर 246 में क्या गड़बड़ है?"
मैं तुमसे पूछ रहा हूँ। सामने का दरवाजा खुला है; वहाँ कोई नहीं है। यहीं पर तुम्हारी भूमिका आती है, दोस्त। तुम्हें पता होना चाहिए कि सामने का दरवाजा खुला रह गया है या नहीं।
"वह ऊपर है," उसने उल्लू जैसी निगाहों से कहा। "वह हमेशा इस समय ऊपर ही होती है।"
"लेकिन इस बार वो नहीं है। चलो दोस्त, हम दोनों ऊपर जाकर आस-पास का जायजा लेते हैं।"
वह मेरे साथ भेड़ के बच्चे की तरह विनम्र होकर चला। लिफ्ट में जाते समय उसने धीमी आवाज़ में कहा, "वह हमेशा से अच्छी लड़की रही है। पुलिस को उससे क्या चाहिए?"
"क्या मैंने कहा कि पुलिस को उससे कुछ चाहिए?" मैंने उससे पूछा और उसे घूरकर देखा। "मैं बस इतना जानना चाहता हूँ कि जब वह घर पर नहीं है तो सामने का दरवाजा खुला क्यों है?"

"शायद वह बाहर गई और दरवाजा बंद करना भूल गई," उसने मन ही मन इस बात पर विचार करने के बाद कहा। मैं देख सकता था कि वह इस विचार से खुश था।
"अब तो तुम बड़े नखरे दिखा रहे हो," मैंने कहा जब लिफ्ट चरमराते हुए रुक गई। मुझे उससे बाहर निकलकर खुशी हुई। वह एक व्यक्ति को भी नहीं ले जा सकती थी, दो लोगों की तो बात ही छोड़ो। "क्या तुमने उसे बाहर जाते देखा?"
उसने कहा कि उसने उसे बाहर जाते हुए नहीं देखा था।
"अगर वह जाती तो क्या तुम उसे देख पाते?"
"हाँ।" उसने पलकें झपकाईं और उसकी गर्दन की हड्डी थोड़ी सी ऊपर उठ गई। "मेरा कमरा सामने के प्रवेश द्वार की ओर खुलता है।" "क्या आपको यकीन है कि वह पिछले दस मिनट में बाहर नहीं आई?" नहीं, वह इस बारे में निश्चित नहीं हो सकता था। वह अपना दोपहर का भोजन बना रहा था।
हम लंबे गलियारे से होते हुए एक बंद गली में पहुँचे और नर्स गर्नी के अपार्टमेंट में गए। हमने हर कमरे में जाकर देखा, लेकिन वह किसी भी कमरे में नहीं मिलीं।
मैंने कहा, "वहाँ नहीं।" "वह सामने के प्रवेश द्वार का इस्तेमाल किए बिना इमारत से बाहर कैसे जा सकती थी?"
दीवार को खाली निगाहों से घूरने के बाद, उसने कहा कि बाहर निकलने का कोई और रास्ता नहीं है।
मैंने सामने वाले अपार्टमेंट की ओर उंगली से इशारा किया।
"वह मोटी औरत कौन है जो बेर खाती है?"
इस बार उनका कंठ हमेशा के लिए गायब हो गया।
"प्लम?" उसने दोहराया और पीछे हट गया। मुझे लगता है उसने सोचा कि मैं पागल हूँ।

"हाँ। वो कौन है?"
उसने अपार्टमेंट नंबर 244 के दरवाजे की ओर देखा, पलकें झपकाईं और अपनी डरी हुई बूढ़ी आंखों से मेरी ओर देखा।
"अंदर, महोदय?"
"हाँ।"
उसने उसके सिर को हिलाकर रख दिया।
"वहाँ कोई नहीं है। वह अपार्टमेंट किराए पर देने के लिए है।" मुझे अचानक रीढ़ की हड्डी में सिहरन सी दौड़ गई। मैं उसे धक्का देकर आगे बढ़ा और घंटी के बटन में अपना अंगूठा दबा दिया। मुझे घंटी बजने की आवाज़ सुनाई दी, लेकिन कुछ नहीं हुआ; कोई भी दरवाजे पर नहीं आया।
"क्या आपके पास पास की चाबी है?"
उसने अपनी जेब में हाथ डाला, एक चाबी निकाली और उसे सौंप दी। "अंदर कोई नहीं है, महोदय," उसने कहा। "कई हफ्तों से खाली पड़ा है।"
मैंने ताला घुमाया, दरवाजा खोला और नर्स गर्नी की लॉबी जैसी ही एक लॉबी में प्रवेश किया। मैं जल्दी-जल्दी एक कमरे से दूसरे कमरे में गया। वह जगह श्रीमती हबर्ड की अलमारी की तरह बिल्कुल खाली और सूनी थी।
बाथरूम की खिड़की से आग से बचने वाली सीढ़ी खुलती थी। मैंने खिड़की ऊपर उठाई और बाहर झुककर देखा। नीचे एक संकरी गली थी जो स्काईलाइन एवेन्यू की ओर जाती थी। किसी तगड़े आदमी के लिए किसी लड़की को सीढ़ी से नीचे खड़ी कार तक ले जाना आसान होता।
दूर झुककर देखने पर मुझे लोहे की सीढ़ियों में से एक पर बेर की गुठली दिखाई दी। अफसोस, उसने उसे निगल नहीं लिया। नहीं तो उसका दम घुट जाता।

अध्याय बारह

एक ज़माना था जब मैं बड़े गर्व से सोचता था कि मेरे पास एक शानदार, आलीशान, दिखावटी न लगने वाला, सुपर डीलक्स ऑफिस है। हम दोनों, पाउला और मैंने मिलकर डेस्क, कालीन, पर्दे और किताबों की अलमारियों पर अपनी मेहनत की कमाई का एक बड़ा हिस्सा खर्च किया था। हमने एक स्थानीय कलाकार की कुछ असली जलरंग पेंटिंग भी खरीदी थीं, जो अपनी कीमतों के हिसाब से खुद को उस्तादों की श्रेणी में रखता था: शायद वह था भी, हालाँकि यह बात किसी को पता नहीं थी। लेकिन यह सब तब की बात है जब मैंने ऑर्किड बिल्डिंग्स के दूसरे ऑफिस नहीं देखे थे। उनमें से कुछ मेरे ऑफिस से ज़्यादा अच्छे थे, कुछ नहीं, लेकिन जो मैंने देखे थे, उन्हें देखकर मुझे अपना ऑफिस बदलने की इच्छा नहीं हुई, जब तक कि मैं ग्लिन एंड कॉपली, वकीलों के अध्यक्ष मैनफ्रेड विलेट के ऑफिस में नहीं गया। तब मुझे एक नज़र में समझ आ गया कि सुपर डीलक्स श्रेणी के ऑफिस तक पहुँचने के लिए मुझे अभी और भी बहुत पैसे बचाने होंगे। उनका ऑफिस मेरे ऑफिस को किसी झुग्गी बस्ती जैसा बना देता था। यह एक बड़ा कमरा था, जिसकी छत ऊंची थी और उस पर ओक की लकड़ी की पैनलिंग लगी थी। कमरे के एक छोर पर तीन विशाल खिड़कियों के सामने एक बड़ी मेज रखी थी, जिस पर बिलियर्ड्स भी खेला जा सकता था। ये खिड़कियां छत तक फैली हुई थीं। कमरे में चार-पांच आरामदेह कुर्सियां और एक बड़ा सोफा था, जो एक चिमनी के चारों ओर रखे थे। चिमनी इतनी बड़ी थी कि उसमें एक छोटा हाथी भी छिप सकता था। कमरे में बिछा कालीन इतना मोटा था कि उसे लॉन मोवर से काटा जा सकता था।

मेंटलपीस के ऊपर और कमरे में इधर-उधर रखी छोटी-छोटी मेज़ों पर जेड की नक्काशी के बेहतरीन नमूने सजे थे। डेस्क का फर्नीचर ठोस चांदी का था, जो लगातार पॉलिश और देखभाल के कारण चमक रहा था। हल्के सफेद रंग के वेनेशियन ब्लाइंड्स धूप को अंदर आने से रोकते थे। एक शांत एयर कंडीशनिंग सिस्टम तापमान को नियंत्रित करता था। दोहरी खिड़कियां, ध्वनिरोधक दीवारें और रबर से ढका दरवाजा पूरी तरह से शांति बनाए रखते थे। इस दफ्तर में पेट की हल्की सी भी गुड़गुड़ाहट किसी सुरंग से भारी बजरी बहने जैसी लगती।
मैनफ्रेड विलेट विशाल डेस्क के पीछे गद्देदार, घूमने वाली कुर्सी पर बैठे थे और सोने की नोक वाले माउथपीस से लैस एक मोटी अंडाकार सिगरेट पी रहे थे। वे लंबे और मजबूत कद-काठी के थे, लगभग पैंतालीस वर्ष के। उनके काले बालों में सफ़ेद बाल आ रहे थे, और उनका साफ़-सुथरा, बेहद आकर्षक चेहरा उनकी महोगनी डेस्क के रंग से मेल खाता था। उनका लंदन-कट सूट किसी भी फिल्म स्टार को ईर्ष्या से भर देता, और उनके कपड़े वसंत के पहले स्नोड्रॉप की तरह बेदाग और सफ़ेद थे।
उन्होंने मुझे बोलने दिया। उनकी धूसर-हरे रंग की आंखें उनकी मेज पर रखे चांदी के सुंदर कलम सेट से नहीं हटीं। उनका विशाल शरीर स्थिर रहा। उनका गहरे भूरे रंग का चेहरा भावहीन और दीवार में खालीपन की तरह था।
मैंने सबसे पहले उन्हें जेनेट क्रॉस्बी का पत्र दिखाया, फिर उन्हें क्रेस्टवेज़ की अपनी यात्रा, वहाँ की हालत, मॉरीन के बीमार होने की बात और जेनेट के एंडोकार्डिटिस से मरने से दो दिन पहले टेनिस खेलने के बारे में बताया। मैंने डॉ. बेवली का ज़िक्र किया और बताया कि डॉ. साल्ज़र के लिए काम करने वाले बेनी ड्वेन

casually

जाँच होनी चाहिए, और अगर आप ऐसा सोचते हैं तो मुझे जाँच में शामिल होने में खुशी होगी। सच कहूँ तो, श्री विलेट, यह सारा मामला मुझे दिलचस्प लगता है।”
उसने अपनी निगाहें मेरी तरफ घुमाईं और घूरने लगा। पल बीतते गए। मुझे लगा कि वह मुझे नहीं देख रहा है। वह ज़रूर कुछ सोच रहा होगा।
"यह एक असाधारण कहानी है," उन्होंने अचानक कहा। "अगर मैं आपकी संस्था को न जानता होता, तो शायद इस पर विश्वास न करता। आपने मेरे ग्राहकों के लिए कई मुश्किल काम किए हैं, और उन्होंने आपकी बहुत प्रशंसा की है। आपने जो बताया है, उससे मुझे लगता है कि हमारे पास जांच शुरू करने का आधार है, और अगर आप इसे संभालें तो मुझे खुशी होगी।" उन्होंने अपनी कुर्सी पीछे धकेली और खड़े हो गए। "लेकिन यह समझना होगा कि ऐसी जांच गुप्त होनी चाहिए, और मेरी संस्था का इससे किसी भी तरह का कोई संबंध नहीं होना चाहिए। हम आपकी फीस देने के लिए तैयार हैं, लेकिन आपको हमारी सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी। हमारी स्थिति कठिन है। जब तक हमें यकीन न हो जाए कि कुछ गड़बड़ है, तब तक हमें मिस क्रॉस्बी के मामलों में दखल देने का कोई अधिकार नहीं है, और हमें इस बात का यकीन नहीं है, हालांकि ऐसा लगता है। अगर आपको कोई ठोस सबूत मिलता है जो मिस क्रॉस्बी को इन असाधारण घटनाओं से निश्चित रूप से जोड़ता है, तो बेशक हम खुलकर सामने आ सकते हैं। लेकिन उससे पहले नहीं।"
मैंने कहा, "इससे मुझे असहज महसूस हो रहा है। मैं तो आप पर भरोसा कर रही थी कि आप ब्रैंडन को मुझे परेशान करने से रोकेंगे।" उनकी आँखों में एक चमक थी जब उन्होंने कहा, "मुझे पूरा यकीन है कि आप मेरी मदद के बिना भी ब्रैंडन को संभाल लेंगे। लेकिन अगर मामला बिगड़ता है तो आप हमेशा मुझे अपने वकील के तौर पर बता

सकते हैं। अगर मारपीट का मामला हुआ तो मुझे बिना किसी आरोप के अदालत में आपका प्रतिनिधित्व करने में खुशी होगी।"
मैंने व्यंग्यपूर्वक कहा, "यह तो बहुत बढ़िया है। लेकिन इसी बीच मुझ पर हमला हो गया है।"
उन्हें ऐसा नहीं लगता था कि इसमें चिंता की कोई बात है। उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, "इसमें कोई शक नहीं कि आप अपने व्यक्तिगत जोखिमों को ध्यान में रखते हुए अपनी फीस में बदलाव करेंगी। आखिर, मुझे लगता है कि आपके जैसे काम में जोखिम तो होते ही हैं।"
मैंने कंधे उचका दिए। मैंने मन ही मन सोचा, फीस तो निश्चित रूप से आसमान छू जाएगी।
"ठीक है," मैंने कहा। "तो क्या मैं आगे बढ़ सकता हूँ?"
वह कमरे में इधर-उधर घूमने लगा, उसके हाथ पीछे थे, उसका सिर झुका हुआ था और वह कालीन को घूरते हुए भौंहें चढ़ा रहा था।
"ओह, हाँ। मैं चाहता हूँ कि आप आगे बढ़ें।"
मैंने एक और सिगरेट जलाते हुए कहा, "मैं आपसे कुछ सवाल पूछना चाहता हूँ। आपने मॉरीन क्रॉस्बी को आखिरी बार कब देखा था?" "जेनेट के अंतिम संस्कार में। उसके बाद से मैंने उसे नहीं देखा है। उसके मामले काफी सीधे-सादे हैं। जिन भी कागजों पर उसके हस्ताक्षर की आवश्यकता होती है, वे उसे डाक द्वारा भेज दिए जाते हैं। मुझे उससे मिलने का कोई अवसर नहीं मिला है।"
"क्या आपको नहीं पता कि वह बीमार है?"
उसने अपना सिर हिलाया। नहीं, उसे इस बात का बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि वह बीमार है।
"क्या आप इस बात से संतुष्ट हैं कि मैकडोनाल्ड क्रॉस्बी की मौत एक दुर्घटना थी?" मैंने उस पर गोली चलाई।

उन्हें इसकी उम्मीद नहीं थी और उन्होंने अचानक ऊपर की ओर देखा। "तुम्हारा क्या मतलब है? बेशक यह एक दुर्घटना थी।"
"क्या यह आत्महत्या नहीं हो सकती थी?"
"क्रॉस्बी के आत्महत्या करने का कोई कारण नहीं था।"
"जहाँ तक आपको पता है।"
"आमतौर पर कोई व्यक्ति रिवॉल्वर होने पर शॉटगन से आत्महत्या नहीं करता, और क्रॉस्बी के पास रिवॉल्वर थी। शॉटगन से गोलीबारी करना खतरनाक हो सकता है।"
"अगर उसने आत्महत्या कर ली होती तो क्या इससे उसकी संपत्ति पर असर पड़ता?"
"जी हां।" उसकी आंखों में हैरानी का भाव आ गया। "उसकी डेढ़ मिलियन डॉलर की जीवन बीमा पॉलिसी थी। पॉलिसी में भुगतान न होने पर आत्महत्या की शर्त भी शामिल थी।"
"बीमा की रकम किसे मिली?"
"मुझे ठीक से समझ नहीं आ रहा कि यह सब किस ओर ले जा रहा है," उन्होंने अपनी डेस्क पर लौटते हुए और बैठते हुए कहा। "शायद आप समझा सकें।"
मुझे यह बात अजीब लगती है कि सैलज़र, जो एक योग्य डॉक्टर नहीं है, ने मृत्यु प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर किए। कोरोनर और ब्रैंडन ने इस पर सहमति दी होगी। मैं खुद को यह समझाने की कोशिश कर रहा हूँ कि क्रॉस्बी की मौत में कुछ भी संदिग्ध नहीं था। मान लीजिए कि उसने आत्महत्या कर ली। आपके अनुसार, संपत्ति को डेढ़ मिलियन डॉलर का नुकसान होता। लेकिन अगर एक अच्छा, बेईमान डॉक्टर, एक भ्रष्ट कोरोनर और पुलिस कप्तान मिल जाएं, तो इसे एक दुर्घटना जैसा दिखाने का इंतजाम किया जा सकता है, है ना?
"ऐसा कहना काफी खतरनाक बात है। क्या साल्ज़र योग्य नहीं है?"

नहीं। बीमा राशि किसे मिली?
"यह जेनेट को विरासत में मिला था, और उसकी मृत्यु के बाद मॉरीन को।"
"तो अब मॉरीन के पास डेढ़ मिलियन नकद हैं; क्या यह सही है?" "हां। मैंने जेनेट को पैसे निवेश करने के लिए मनाने की कोशिश की, लेकिन उसने इसे बैंक में ही रखना बेहतर समझा। आखिरकार यह पैसा मॉरीन को नकद में मिल गया।"
"उसका क्या हुआ? क्या वह अभी भी बैंक में है?"
"जहां तक मुझे पता है, मुझे उसके खाते तक पहुंच नहीं है।"
"क्या आप ऐसा नहीं कर सकते थे?"
उन्होंने कुछ क्षणों तक मुझे स्थिर दृष्टि से देखा।
"शायद। मुझे नहीं पता कि मुझे ऐसा करने की इच्छा होगी या नहीं।" "यह पता लगाना मददगार होगा कि आखिर कितना पैसा बचा है।" मैंने डेस्क पर पड़े जेनेट के पत्र की ओर इशारा करते हुए कहा। "ब्लैकमेल का मामला है। और अगर फ्रैंकलिन लेसवेज़, कोरोनर और ब्रैंडन को हिसाब बराबर करना पड़ा, तो शायद बहुत कम पैसा बचा हो। अगर आप पता लगा सकें तो मुझे खुशी होगी।"
"ठीक है। मैं देखता हूँ क्या किया जा सकता है।" उसने सोचते हुए अपने जबड़े को सहलाया। "अगर आपकी बात सच है तो मैं साल्ज़र के खिलाफ कार्रवाई कर सकता हूँ। उसे सर्टिफिकेट पर हस्ताक्षर करने का कोई अधिकार नहीं था, लेकिन मैं अभी खुलकर सामने नहीं आना चाहता। इसमें कोई शक नहीं कि गोलीबारी दुर्घटना थी। बीमा कंपनी संतुष्ट थी।"
"अगर ब्रैंडन और कोरोनर सर्टिफिकेट पास कर देते, तो ऐसा हो जाता। मुझे तो ऐसा लग रहा है कि सैलज़र, ब्रैंडन के साथ-साथ

लेसवेज़ को भी फाइनेंस कर रहा है। आपको लेसवेज़ के बारे में क्या पता है?"
विलेट ने मुंह बनाया।
"ओह, उसे खरीदा जा सकता है। उसकी प्रतिष्ठा तो काफी खराब है।" "क्या आप जेनेट क्रॉस्बी को अच्छी तरह जानते थे?"
उसने उसके सिर को हिलाकर रख दिया।
"मैं उससे दो या तीन बार मिला था। इससे ज्यादा नहीं।"
"क्या आपको ऐसा लगा कि उसका दिल कमजोर है?"
"नहीं; लेकिन इसका कोई मतलब नहीं है। बहुत से लोगों का दिल कमजोर होता है। यह हमेशा दिखाई नहीं देता।"
"लेकिन वे मरने से दो दिन पहले टेनिस नहीं खेलते, जैसा कि जेनेट ने किया था।"
मुझे दिख रहा था कि वह चिंतित होने लगा था।
आप किस ओर इशारा कर रहे हैं?
"कुछ नहीं। मैं बस एक तथ्य बता रहा हूं। मुझे इस बात पर यकीन नहीं है कि उसकी मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई।"
जब वह मुझे घूर रहा था, तब कमरे में इतना गहरा सन्नाटा छा गया था कि उससे एक युद्धपोत भी डूब सकता था।
"आप यह सुझाव नहीं दे रहे हैं..." उसने कहना शुरू किया और रुक गया।
मैंने कहा, "अभी नहीं। लेकिन हमें इस बात को ध्यान में रखना चाहिए।"
मुझे साफ दिख रहा था कि उसे यह बिल्कुल पसंद नहीं आया। "चलिए, इसे अभी छोड़ देते हैं?" मैंने आगे कहा। "चलिए, मॉरीन क्रॉस्बी पर ध्यान देते हैं। घर की हालत देखकर और नर्स गर्नी ने जो बताया

है, उससे लगता है कि मॉरीन क्रेस्टवेज़ में नहीं रह रही है। अगर वह वहां नहीं है, तो वह कहां है?"
"हां," उसने कहा। "ऐसा है।"
"क्या वह साल्ज़र के पागलखाने में है? क्या आपके मन में यह ख्याल आया है कि वह वहां कैदी हो सकती है?"
यह सुनकर वह कुर्सी पर एकदम सीधा बैठ गया। "क्या तुम अपनी कल्पनाओं में बहक नहीं रहे हो? मुझे तो पिछले हफ्ते ही उससे एक पत्र मिला था।"
"इसका कोई खास मतलब नहीं है। उसने क्यों लिखा?"
"मैंने उनसे कुछ कागजात पर हस्ताक्षर करने को कहा। उन्होंने हस्ताक्षर करके उन्हें वापस कर दिया, साथ ही एक नोट भी भेजा जिसमें मुझे कागजात भेजने के लिए धन्यवाद दिया गया था।" "क्रेस्टवेज़ से?"
नोटपैड पर लिखा पता क्रेस्टवेज़ था।
"इससे यह साबित नहीं होता कि वह कैदी नहीं है, है ना? मैं यह नहीं कह रहा कि वह कैदी है, लेकिन यह एक और बात है जिसे हमें ध्यान में रखना होगा।"
उन्होंने फुर्ती से कहा, "हम इसके बारे में तुरंत पता लगा सकते हैं।"
मैं उसे पत्र लिखकर उससे मिलने के लिए कहूंगा। मैं साक्षात्कार के लिए कोई व्यावसायिक बहाना ढूंढ लूंगा।
"हाँ। यह अच्छा विचार है। क्या तुम मुझे बताओगे कि आगे क्या होता है? जब वह तुम्हें छोड़कर जाए तो उसका पीछा करना और पता लगाना शायद अच्छा विचार हो सकता है कि वह कहाँ जाती है।"
"मैं आपको बता दूँगा।"
मैं खड़ा हो गया।

"मुझे लगता है बस इतना ही काफी है। आप उसका बैंक स्टेटमेंट देखना याद रखेंगे?"
मैं देखता हूँ कि मैं क्या कर सकता हूँ। इस मामले में धीरे-धीरे आगे बढ़ो, मलोय। मैं कोई भी नकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं चाहता। समझे?
मैं इसे देखूंगा।
आपका अगला कदम क्या होगा?
मुझे नर्स गर्नी के बारे में कुछ करना होगा। मुझे वह लड़की बहुत पसंद थी। अगर वह जीवित है, तो मैं उसे ढूंढ निकालूंगा।
जब मैंने उसे छोड़ा, तो वह अब किसी प्रतिमा जैसा नहीं दिख रहा था। वह एक बेहद चिंतित, परेशान, अधेड़ उम्र के वकील जैसा लग रहा था। कम से कम, इससे यह तो पता चलता था कि वह भी एक इंसान है।

अध्याय तेरह

डेस्क सार्जेंट ने कहा कि मिफ्लिन को रिहा कर दिया गया है और मैं ऊपर जा सकता हूँ। उसने आशा भरी निगाहों से मेरी ओर देखा, और मैं समझ गया कि वह मुझसे कल की दौड़ के विजेता का नाम जानने की उम्मीद कर रहा था, लेकिन मेरे दिमाग में कुछ और ही चल रहा था। मैं पत्थर की सीढ़ियों से ऊपर गया। सीढ़ियों के नीचे मेरी मुलाकात लाल बालों वाले सार्जेंट मैकग्रा से हुई।
"वाह वाह, फिर से वही विलक्षण प्रतिभा वाला लड़का!" उसने व्यंग्यपूर्वक कहा। "इस बार तुम्हें क्या काट रहा है?"
मैंने उसकी कठोर आँखों में देखा और मुझे उनमें जो दिखा वो मुझे पसंद नहीं आया। यह एक ऐसा आदमी था जिसे दर्द पहुँचाने में मज़ा आता था; उन सख्त पुलिसवालों में से एक जो किसी को नरम करने का काम मिलने पर स्वेच्छा से आगे आता था, और उसे इसमें कितना आनंद आता था।
मैंने कहा, "मुझे तो कुछ काट नहीं रहा है। लेकिन अगर मैं तुम्हारे आस-पास ज़्यादा देर तक रहा तो शायद कुछ काट ले।" "बड़े होशियार हो, है ना?" उसने मुस्कुराते हुए अपने छोटे पीले दांत दिखाए। "सावधान रहो, वंडर बॉय। हम तुम पर नज़र रख रहे हैं।" "बस इतना ध्यान रखना कि तुम मेरे सिर में गोली न मार दो," मैंने जवाब दिया, उसे धक्का देकर आगे बढ़ा और गलियारे से होते हुए मिफ्लिन के कार्यालय की ओर चल दिया।
मैंने रैप करने से पहले एक पल रुककर पीछे मुड़कर देखा। मैकग्रा अभी भी सीढ़ियों के ऊपर खड़ा था और मुझे घूर रहा था। उसके चेहरे पर हैरानी के भाव थे और उसका मुंह खुला हुआ था। जैसे ही हमारी नज़रें मिलीं, वह मुड़कर सीढ़ियों से नीचे चला गया।

जब मैं उनके कार्यालय में दाखिल हुआ तो मिफ्लिन ने ऊपर देखा और भौंहें चढ़ा लीं।
"तुम फिर आ गए। भगवान के लिए, मुझसे मिलने आना बंद करो। ब्रैंडन को यह पसंद नहीं है।"
मैंने सीधी पीठ वाली कुर्सी खींची और बैठ गया।
"जब मुझे समय मिले तो मुझे रोने के लिए याद दिला देना। मैं आधिकारिक काम से आई हूँ। अगर ब्रैंडन को यह पसंद नहीं है तो वह जाकर समुद्र में कूद सकता है।"
"क्या काम है?" मिफ्लिन ने अपनी डेस्क की कुर्सी पीछे धकेलते हुए और अपने बड़े-बड़े बालों वाले हाथों को डेस्क पर टिकाते हुए पूछा।
मैंने कहा, "मिस क्रॉस्बी की देखभाल करने वाली नर्सों में से एक गायब हो गई है। ब्रैंडन को इसमें दिलचस्पी होनी चाहिए क्योंकि यह नर्स साल्ज़र के यहाँ काम करती है।"
"गायब हो गया?" मिफ्लिन ने बेसुरी आवाज़ में दोहराया। "गायब होने का क्या मतलब है?"
मैंने उसे बताया कि कैसे मैंने नर्स गर्नी से मुलाकात की, कैसे सामने के दरवाजे की घंटी बजी, कैसे वह दरवाजा खोलने गई और वापस नहीं लौटी। मैंने उसे सामने वाले खाली अपार्टमेंट में रहने वाली मोटी महिला के बारे में, भागने के रास्ते में मिले बेर के बीज के बारे में और यह भी बताया कि कैसे एक मजबूत आदमी के लिए नर्स गर्नी को भागने के रास्ते से होते हुए इंतजार कर रही कार तक ले जाना कितना आसान होता।
"वाह, ये तो बहुत ही अजीब बात है," मिफ्लिन ने कहा और अपने काले घने बालों में उंगलियां फिराईं। "लगभग दो साल पहले साल्ज़र की एक और नर्स गायब हो गई थी। वो कभी नहीं मिली।"

"क्या आपने कभी उसकी तलाश की?"
"ठीक है, विक, तुम्हें ऐसा होने की ज़रूरत नहीं है," उसने गुस्से से कहा। "हमने उसे ज़रूर ढूंढा, लेकिन वो नहीं मिली। साल्ज़र ने कहा कि उसे लगता है कि वो शादी करने के लिए भाग गई है। उसके पिता उसके प्रेमी पर फिदा नहीं थे या ऐसा कुछ नहीं था।"
"क्या साल्ज़र ने नर्स गर्नी के लापता होने की सूचना नहीं दी है?"
उसने उसके सिर को हिलाकर रख दिया।
"उसके पास शायद ही समय रहा होगा, है ना? इसके अलावा, हो सकता है उसे कुछ याद आ गया हो और वह उसे लेने बाहर गई हो। उसके अपार्टमेंट छोड़ने के कई कारण हो सकते हैं।"
"बिना जूते-मोजे के और बातचीत के बीच में? खुद को धोखा मत दो। यह अपहरण है, और तुम यह जानते हो।"
मैं वहां जाकर चौकीदार से बात करूंगा। तुम इस मामले से दूर रहो। मैं ब्रैंडन को बता दूंगा कि चौकीदार ने इसकी शिकायत कर दी है। मैंने कंधा उचका दिया।
"बस कुछ तो किया जाए। मुझे यह दूसरा मामला दिलचस्प लग रहा है। वह नर्स कौन थी?"
मिफ्लिन हिचकिचाया, फिर उठा और अपनी कई फाइलिंग अलमारियों में से एक के पास गया।
“उसका नाम एनोना फ्रीडलैंडर था,” उसने कहा, कई फाइलों को पलटते हुए, एक फाइल चुनी और उसे अपनी मेज पर ले आया। “हमारे पास ज्यादा जानकारी नहीं है। उसके पिता जॉर्ज फ्रीडलैंडर हैं। वह सैन फ्रांसिस्को में 257 कैलिफोर्निया स्ट्रीट पर रहते हैं। वह पिछले साल 15 मई को गायब हो गई थी। साल्ज़र ने ब्रैंडन को इसकी सूचना दी। फ्रीडलैंडर हमसे मिलने आया था, और यह उसी का विचार था

कि वह अपने प्रेमी, जैक ब्रेट नाम के एक लड़के के साथ भाग गई थी। ब्रेट नौसेना में था। एनोना के गायब होने से कुछ हफ्ते पहले वह भाग गया था। ब्रैंडन ने कहा कि हमें ज्यादा ढूंढने की जरूरत नहीं है; हमने नहीं ढूंढी।”
"क्या आपको ब्रेट मिला?"
"नहीं।"
मुझे आश्चर्य है कि आप नर्स गर्नी को कितनी मेहनत से ढूंढने वाले हैं।
"ठीक है, हमें इस बात का यकीन होना चाहिए कि उसका अपहरण हुआ है। ब्रैंडन आपके कहने पर कुछ नहीं करेगा। यह सब साल्ज़र पर निर्भर करेगा।"
"ऐसा लगता है कि इस शापित शहर को साल्ज़र चला रहा है।"
"अरे, विक, तुम्हारा मतलब यह नहीं है।"
मैं उठ खड़ा हुआ।
"उसे ढूंढो, टिम, वरना मैं कुछ शुरू कर दूंगी। मुझे वो लड़की पसंद थी।"
"बस चिंता मत करो। अगर वह गायब हो गई है तो हम उसे ढूंढ लेंगे। क्या तुम्हें यकीन है कि घोड़ा क्रैब एप्पल ठीक है? मैं पाँच डॉलर खोना नहीं चाहता।"
"क्रैब एप्पल की चिंता छोड़ो। तुम नर्स गर्नी पर ध्यान दो," मैंने कहा और पैर पटकते हुए कमरे से बाहर निकल गई।
मैं वापस ऑर्किड बिल्डिंग्स की ओर गाड़ी चलाकर गया। पाउला मेरे ऑफिस में मेरा इंतजार कर रही थी।
मैंने कहा, "हम आगे बढ़ते हैं," और अपनी डेस्क के पीछे बैठ गया। "मैंने विलेट से मुलाकात की है, और वह जांच के लिए वित्तपोषण करेगा, लेकिन वह अपनी फर्म को पर्दे के पीछे रखना चाहता है।"

"बड़ी हिम्मत तो देखो," पाउला ने तिरस्कार भरे लहजे में कहा। "लगता है सारे जोखिम तुम ही उठाते हो?"
मैंने मुस्कुराते हुए कहा, "ऐसा लग रहा था जैसे वह थोड़ा ज़्यादा भुगतान करने की उम्मीद कर रहा था।" मैंने उसे मुख्यालय की अपनी यात्रा के बारे में बताया। "यह साल्ज़र नाम का आदमी अपनी नर्सों को गायब करने का आदी लगता है। क्या तुमने तारीख नोट की? 15 मई: जिस दिन जेनेट की मृत्यु हुई थी। कोई मुझे यह यकीन नहीं दिला सकता कि जेनेट के गायब होने का उसकी मृत्यु से कोई संबंध नहीं है।"
पौला ने मुझे गौर से देखा।
"तुम्हें लगता है कि जेनेट की हत्या हुई थी, है ना?"
मैंने एक सिगरेट जलाई और जवाब देने से पहले माचिस को सावधानीपूर्वक ऐशट्रे में रख दिया।
"मुझे लगता है यह संभव है। मकसद तो साफ है: इतना सारा पैसा। उसकी मौत दिल का दौरा पड़ने से तो नहीं हुई होगी। आर्सेनिक विषाक्तता, अन्य जहरों के साथ, दिल का दौरा पड़ने का कारण बनती है। बेवली जैसे बूढ़े आदमी को आसानी से धोखा दिया जा सकता था।" "लेकिन तुम्हें पता नहीं!" पाउला ने कहा। "तुम्हें तो यह नहीं लगता कि मौरीन ने अपनी बहन की हत्या की है?"
"लालच बहुत बड़ा था। दो मिलियन डॉलर की बड़ी रकम इकट्ठा करने के अलावा, बीमा का भी एक छोटा सा प्रस्ताव था। मैं यह नहीं कह रहा कि उसने ही यह किया, लेकिन इतनी बड़ी रकम का लालच बहुत बड़ा होता है, खासकर अगर आप किसी ब्लैकमेलर के चंगुल में हों। और दूसरी बात, मुझे पूरी तरह से यकीन नहीं है कि क्रॉस्बी की हत्या नहीं हुई थी। अगर गोलीबारी में कुछ भी गलत नहीं था, तो साल्ज़र ने बेवली जैसे किसी व्यक्ति को मृत्यु प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर

करने के लिए क्यों नहीं बुलाया? उसने खुद हस्ताक्षर क्यों किए? उसे लेसवेज़, कोरोनर और शायद ब्रैंडन को भी संतुष्ट करना था। यह या तो आत्महत्या थी या हत्या। मैं शर्त लगाने को तैयार हूं कि यह कोई दुर्घटना नहीं थी। और जैसा कि विलेट ने बताया, अगर किसी आदमी के पास रिवॉल्वर है तो वह खुद को शॉटगन से गोली नहीं मारेगा: तो फिर हत्या ही बचती है।"
"तुम बेवजह ही नतीजे पर पहुंच रहे हो," पाउला ने तीखी आवाज में कहा। "यही तुम्हारी सबसे बड़ी कमजोरी है, विक। तुम हमेशा बेबुनियाद अनुमान लगाते हो।"
मैंने उसे आँख मारी।
"लेकिन मुझे इसमें बहुत आनंद आता है।"

अध्याय चौदह

मैं अपना मन बहलाने के लिए जिगसॉ पज़ल बनाता हूँ। पाउला मेरे लिए ये पज़ल एक ऐसे व्यक्ति से लाती है जिसके पैर नहीं हैं। वह अपनी छुट्टी के दिन उससे मिलने जाती है और बातें करती है। यह व्यक्ति अपना सारा समय रेलवे के पोस्टरों से पज़ल बनाने में बिताता है, जो पाउला उसके लिए लाती है। ये पज़ल बहुत बढ़िया होते हैं और एक पज़ल को पूरा करने में मुझे लगभग एक महीना लग जाता है। फिर मैं उसे एक अस्पताल को दे देता हूँ और पाउला के दोस्त से दूसरा पज़ल ले लेता हूँ।
इन पहेलियों को सुलझाने के लंबे अनुभव से मैंने पाया है कि देखने में छोटी और महत्वहीन लगने वाली चीज़ अक्सर पूरी तस्वीर को सुलझाने की कुंजी होती है, और मैं हमेशा ऐसी ही किसी चीज़ की तलाश में रहता हूँ। ठीक इसी तरह, जब मैं किसी काम पर होता हूँ, तो मैं हमेशा किसी ऐसी छोटी-मोटी चीज़ की तलाश में रहता हूँ जिसका मामले से कोई लेना-देना नहीं लगता, लेकिन अक्सर होता है।
मैं पिछले एक घंटे से अपने दफ्तर में बैठा सोच-विचार कर रहा था। सात बजकर कुछ मिनट हो चुके थे। दफ्तर रात के लिए बंद हो चुका था। बस व्हिस्की की बोतल बची थी।
मैंने कुछ प्रभावशाली नोट्स लिखे थे, लेकिन उनसे कोई खास सुराग नहीं मिल रहा था। संभावित सुरागों की सूची पढ़ते हुए मैं डगलस शेरिल के नाम पर रुक गया। मैंने खुद से पूछा, मैकडोनाल्ड क्रॉस्बी की मृत्यु से एक सप्ताह पहले जेनेट ने अचानक सगाई क्यों तोड़ दी थी? इस तथ्य का मामले से कोई सीधा संबंध नहीं दिख रहा था, लेकिन हो भी सकता था। जब तक मुझे सगाई टूटने का कारण पता नहीं चल जाता, तब तक मैं निश्चित नहीं हो सकता था। मुझे कौन बता

सकता था? ज़ाहिर है, डगलस शेरिल, लेकिन मैं उनके पास बिना अपनी बात बताए नहीं जा सकता था, और मैं इस समय ऐसा करने के लिए तैयार नहीं था। तो फिर और कौन हो सकता था? मैंने अपने नोट्स देखे। क्रॉस्बी के बटलर जॉन स्टीवंस एक संभावना थे। मैंने सोचा कि स्टीवंस किस तरह के व्यक्ति हैं, यह पता लगाना बुरा विचार नहीं होगा। अगर वह भरोसेमंद लगे, तो उन्हें अपने विश्वास में लेना मेरे लिए फायदेमंद हो सकता है। मार्था बेंडिक्स ने कहा था कि वह अब ग्रेगरी वेनराइट के लिए काम करते हैं।
मैंने सोचा, अभी से बेहतर समय और कोई नहीं, और मैंने किताब में वेनराइट का नाम ढूंढा। मैंने कॉल लगाई, और दूसरी या तीसरी घंटी बजने के बाद एक गंभीर आवाज ने कहा, "यह श्री वेनराइट का निवास है।"
मैंने पूछा, "क्या ये मिस्टर जॉन स्टीवंस हैं?"
कुछ देर रुकने के बाद, आवाज ने सावधानी से कहा, "स्टीवंस बोल रहा हूं। कृपया कौन बोल रहा है?"
"मेरा नाम मैलॉय है। श्रीमान स्टीवंस, मैं आपसे एक महत्वपूर्ण और निजी मामले पर बात करना चाहता हूँ। इसका संबंध क्रॉस्बी परिवार से है। क्या आप आज रात किसी समय मुझसे मिल सकते हैं?" फिर वही ठहराव।
"मुझे समझ नहीं आया।" एक बूढ़े आदमी की आवाज़ थी, कोमल और शायद थोड़ी मंदबुद्धि। "मुझे खेद है कि मैं आपको नहीं जानता।"
"हो सकता है आपने यूनिवर्सल सर्विसेज के बारे में सुना हो।" हां, उन्होंने यूनिवर्सल सर्विसेज के बारे में सुना था।
मैंने कहा, "मैं इसे चलाता हूं। क्रॉस्बी परिवार के बारे में आपसे बात करना मेरे लिए महत्वपूर्ण है।"

उन्होंने दूरी बनाए रखते हुए कहा, "मुझे नहीं लगता कि मुझे अपने पिछले नियोक्ता के बारे में आपसे बात करने का कोई अधिकार है। मुझे खेद है।"
"मेरी बात सुनने में कोई हर्ज नहीं है। स्थिति स्पष्ट करने के बाद, हो सकता है कि आप मुझे वह सब कुछ बता दें जो मैं जानना चाहता हूँ। अगर आप नहीं बताते हैं, तो भी कोई बात नहीं।"
इस बार विराम अधिक लंबा था।
"ठीक है, हो सकता है मैं आपसे मिलूँ, लेकिन मैं वादा नहीं कर सकता..."
"कोई बात नहीं, श्रीमान स्टीवंस। जेफरसन और फेलमैन के कोने पर एक कैफे है। हम वहाँ मिल सकते हैं। आपको कौन सा समय ठीक रहेगा?" उन्होंने कहा कि वह नौ बजे वहां पहुंच जाएंगे।
मैंने उससे कहा, "मैं वो आदमी होऊंगा जो टोपी पहने हुए 'ईवनिंग हेराल्ड' पढ़ रहा होगा।"
उसने कहा कि वह मेरा ख्याल रखेगा और फोन काट दिया।
उससे मिलने से पहले मेरे पास लगभग दो घंटे का समय था, इसलिए मैंने फिन्नेगन में समय बिताने का फैसला किया। ऑफिस को ताला लगाने में मुझे कुछ मिनट लगे। चाबियां घुमाते, तिजोरी बंद करते और खिड़कियां बंद करते समय, मैं नर्स गर्नी के बारे में सोच रहा था। उसे किसने अगवा किया था? उसे क्यों अगवा किया गया था? क्या वह अभी भी जीवित है? ये विचार मुझे किसी नतीजे पर नहीं पहुंचे, बल्कि मुझे चिंतित कर रहे थे। सोचते-सोचते मैं बाहरी ऑफिस में गया, चारों ओर देखकर यह सुनिश्चित किया कि रात के लिए सब कुछ ठीक है, फिर कमरे को पार करके गलियारे में कदम रखा और अपने पीछे बाहरी दरवाजा बंद कर लिया।

ओलाफ एक जॉकी से थोड़ा ही बड़ा था, बिल्कुल गंजा था और बेहद बुद्धिमान था।
"हेलो, विक," उसने हाथ मिलाते हुए कहा। "आओ और खूब शराब पियो। हफ्तों से तुमसे मुलाकात नहीं हुई। मैंने क्या कर दिया है?" मैंने धक्का-मुक्की करते हुए बार की ओर कदम बढ़ाया और माइक फिननेगन को आँख मारी, जो नियॉन लाइटों की दोहरी कतार के नीचे मेहनत कर रहा था और बीयर के गिलास हिला रहा था।
"मैं तो अक्सर फाइट देखने जाता हूँ," मैंने कहा, तभी ओलाफ एक स्टूल पर चढ़ गया और धमकी भरे इशारों से अपने लिए थोड़ी सी जगह बना ली, जिन्हें किसी ने गंभीरता से नहीं लिया। "बस संयोग से तुम्हें देख नहीं पाया। वह लड़का ओ'हारा काफी अच्छा है।"
ओलाफ ने फिननेगन की ओर अपने छोटे-छोटे हाथ हिलाए।
"व्हिस्कीज़, माइक," उसने अपनी तीखी, कर्कश आवाज़ में चिल्लाते हुए कहा। "ओ'हारा? हाँ, वो ठीक-ठाक खेलता है, लेकिन वो क्रॉस काउंटर का आसानी से शिकार बन जाता है। मैं उसे बार-बार समझाता हूँ, पर वो सुनता नहीं। एक दिन उसका सामना ऐसे खिलाड़ी से होगा जो हवा के साथ खेल रहा होगा, और फिर खेल खत्म।"
अगले आधे घंटे तक हमने बॉक्सिंग के बारे में बात की। ओलाफ के पास बात करने के लिए और कुछ खास नहीं था। बात करते-करते हमने दो- दो क्लब सैंडविच खा लिए और तीन डबल व्हिस्की पी लीं।
हेराल्ड के खेल पत्रकार ह्यूसन हमारे साथ शामिल हुए और उन्होंने एक और राउंड ड्रिंक्स खरीदने पर ज़ोर दिया। वह लंबे, दुबले-पतले, सनकी से दिखने वाले व्यक्ति थे, जिनके बाल झड़ रहे थे, आँखों के नीचे काले घेरे थे और उनके कोट पर तंबाकू की राख फैली हुई थी। उनके पास हमेशा एक सिगार रहती थी जिसकी गंध ऐसी थी

मानो उन्होंने उसे कुछ साल पहले कूड़ेदान में पाया हो। शायद उन्होंने सच में ऐसा ही किया हो।
उसकी तीन-चार लंबी-चौड़ी, गंदी कहानियाँ सुनने के बाद, ओलाफ ने कहा, "कल रात डिक्सी किड के एक पार्टी में घुस जाने वाली कहानी क्या थी? क्या उसमें कुछ सच्चाई थी?"
ह्यूसन ने मुंह बनाया।
"मुझे नहीं पता। वो लड़का बात नहीं कर रहा। उसके चेहरे पर चोट का निशान था, अगर इससे कोई फर्क पड़ता है तो। घाट पर मौजूद टैक्सी चालकों में से एक ने कहा कि वो तैरकर किनारे आया था।"
"अगर उसे ड्रीम शिप से फेंक दिया गया, तो यह काफी लंबी तैराकी होगी," ओलाफ ने कहा और मुस्कुराया।
मैंने सिगरेट जलाते हुए कहा, "तुम दोनों आपस में बात करो। मेरी बातों पर ध्यान मत दो।"
ह्यूसन ने निकोटीन से सने अपने हाथों की उंगलियों को मेरी छाती की जेब में डाला।
"कल रात डिक्सी किड ड्रीम शिप पर गया और शेरिल से उसकी बहस हो गई। बताया जा रहा है कि चार बाउंसरों ने उसे जहाज से बाहर फेंक दिया, लेकिन इससे पहले उसने शेरिल को घूंसा मार दिया था। अफवाह है कि शेरिल उस पर मारपीट का आरोप लगाने वाला है। अगर उसने ऐसा किया, तो डिक्सी किड का करियर खत्म हो जाएगा। वह अब कर्ज में बुरी तरह डूबा हुआ है।"
"मुझे लगता है शेरिल सूट पहनकर आएगा," ओलाफ ने अपना गंजा सिर हिलाते हुए कहा। "इस तरह के मामलों में उसकी बदनामी है।" ह्यूगसन ने कहा, "वह नहीं बोलेगा। वह प्रचार का खर्च नहीं उठा सकता। मैंने उस लड़के से कहा था कि वह काफी सुरक्षित है, लेकिन फिर भी वह छोटा चूहा कुछ नहीं बोलेगा।"

"शेरिल आखिर कौन है?" मैंने यथासंभव शांत भाव से पूछा और फिन्नेगन को गिलास फिर से भरने का इशारा करते हुए उंगली टेढ़ी कर दी।
ह्यूसन ने मुझसे कहा, "यह सवाल पूछने वाले आप अकेले नहीं हैं। कोई नहीं जानता। वह एक रहस्यमय व्यक्ति है। लगभग दो साल पहले ऑर्किड सिटी आया था। उसने सेल्बी एंड लोवेनस्टीन के लिए कमीशन पर रियल एस्टेट बेचने का काम शुरू किया। मेरा मानना है कि उसने कुछ पैसे कमाए; ज़्यादा नहीं, लेकिन रॉसमोर एवेन्यू पर एक छोटा सा घर खरीदने के लिए काफ़ी थे। फिर, किसी न किसी तरह, उसकी सगाई करोड़पति जेनेट क्रॉस्बी से हो गई, लेकिन यह ज़्यादा दिन नहीं चली। वह लगभग छह महीने तक गायब रहा, और फिर अचानक 'ड्रीम शिप' के मालिक के रूप में फिर से सामने आया: एक तीन सौ टन का जहाज़ जिसे उसने जुए के अड्डे में बदल दिया है और जिसे वह तीन मील की सीमा के ठीक बाहर लंगर डाले रखता है। उसके पास आने-जाने के लिए वाटर टैक्सियों का एक बेड़ा है, और क्लब के सदस्य बकिंघम पैलेस में होने वाले राज्याभिषेक समारोह जितने ही खास हैं।"
"और उस जहाज़ पर सिर्फ़ जुआ ही नहीं चलता," ओलाफ़ ने कहा और आँख मारी। "उसने जहाज़ पर आधी दर्जन चुनिंदा लड़कियाँ रखी हुई हैं। ये बढ़िया धंधा है। शहर की सीमा से तीन मील दूर होने की वजह से वो ब्रैंडन को ढीठ बना सकता है। मुझे यकीन है कि वो खूब पैसा कमाता होगा।"
ह्यूसन ने मेरे द्वारा खरीदी गई व्हिस्की की बोतल उठाते हुए कहा, "मुझे जो बात हैरान करती है, वह यह है कि शेरिल जैसे धूर्त व्यक्ति के पास ड्रीम शिप जैसे इतने बड़े जहाज को खरीदने के लिए पर्याप्त पैसा कैसे आ गया।"

"लोग कहते हैं कि उसने एक कंपनी शुरू की थी," ओलाफ ने कहा। "अगर वह मेरे पास आकर मुझे उस जहाज का एक हिस्सा बेचने की पेशकश करता, तो मैं तुरंत ले लेता। मुझे यकीन है कि जिसके पास भी उसमें शेयर हैं, उसने भी खूब पैसा कमाया होगा।"
मैंने सुना और सोचा कि बार में दो लोगों से मिलना और बिना पूछे ही वह बात सुन लेना जो मैं सुनना चाहता था, कितनी अद्भुत बात है। मैंने सहज भाव से कहा, "वह जहाज तो मजेदार लग रहा है। मुझे उसका सदस्य बनने में कोई आपत्ति नहीं होगी।"
ह्यूसन ने उपहास किया।
"और तुम अकेले नहीं हो। तुम्हारी कोई उम्मीद नहीं है। सिर्फ़ व्हाइट बुक में नाम दर्ज लोगों को ही मौका मिलता है। हर सदस्य को चुन-चुनकर लिया जाता है। अगर तुम्हारे पास पैसा नहीं है तो शेरिल तुम्हें नहीं चाहता। प्रवेश शुल्क ढाई सौ डॉलर है, और सदस्यता शुल्क सालाना पाँच सौ डॉलर है। वह बड़े लोगों का ध्यान रखता है, आम लोगों का नहीं।"
मैंने पूछा, "शेरिल किस तरह का आदमी है?"
ह्यूगसन ने कहा, "एकदम शातिर एलेक्स। आकर्षक, चालाक, सख्त और होशियार। ऐसा बदमाश जिस पर औरतें फिदा हो जाती हैं। घुंघराले बाल, नीली आंखें, मजबूत मांसपेशियां और फिल्मी सितारों जैसी पोशाक। मेरे हिसाब से एक असली, बेहतरीन बदमाश।"
"क्या आपको पता है कि जेनेट क्रॉस्बी ने सगाई क्यों तोड़ी?" "उस लड़की में अक्ल थी। पता नहीं क्या हुआ, लेकिन मेरा अंदाज़ा है कि उसे खतरे का आभास हो गया था। वह सिर्फ उसके पैसों के पीछे पड़ा था, और मुझे लगता है कि उसने यह बात समय रहते समझ ली। शेरिल जैसे छोटे कद के आदमी से शादी करने वाली कोई भी लड़की मुसीबत में फंसने वाली है।"

ओलाफ, जो इस बातचीत से ऊब रहा था, बोला, "क्या तुम लोगों को लगता है कि डिक्सी किड ओ'हारा के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करेगा? मेरे पास उससे मुकाबला करने का मौका है, लेकिन मुझे यकीन नहीं है कि यह कोई खास लड़ाई होगी।"
अगले पंद्रह मिनट तक हम डिक्सी किड की खूबियों के बारे में बहस करते रहे, फिर बार के ऊपर लगी घड़ी को देखकर मुझे एहसास हुआ कि अब मुझे वहां से जाना चाहिए।
मैंने कहा, "मुझे अब जाना होगा," और स्टूल से नीचे उतर गया। "मैं कुछ दिनों में जिम में मिलूंगा। तब मिलते हैं।"
ओलाफ ने कहा कि वह मुझसे कभी भी मिलना चाहेंगे और मैं पाउला को उनका प्रणाम कहूँ। ह्यूगसन ने कहा कि पाउला को बता देना कि वह लगभग हर रात उसके सपने देखता है। मैं और व्हिस्की खरीदने के लिए उनके पास से चला गया।
जैसे ही मैं कमरे से बाहर निकलने के लिए निकला, मैंने गंदी कमीज की कफ वाला वह अंग्रेज दरवाजे के पास एक मेज पर बैठा देखा, जो अभी भी अपने अखबार में मग्न था, और जैसे ही मैंने दोहरे झूलने वाले दरवाजे को धक्का देकर खोला, उसने लापरवाही से अखबार को मोड़ा, अपनी जेब में डाला और उठ खड़ा हुआ।
मैं तेज़ी से चलकर उस जगह पहुँचा जहाँ मैंने अपनी ब्यूक कार खड़ी की थी, उसमें बैठा, इंजन स्टार्ट किया और अंधेरी गली में गाड़ी चला दी। पीछे कहीं से एक और कार का इंजन ज़ोर से स्टार्ट हुआ और पार्किंग लाइटें मेरी ड्राइविंग मिरर में दिखाई दीं। मैं प्रिंसेस स्ट्रीट पर गाड़ी चला रहा था और लगातार ड्राइविंग मिरर पर नज़र रखे हुए था। मेरे पीछे एक लिंकन कार आ रही थी। नीले रंग की चकाचौंध रोधी विंडशील्ड की वजह से मैं ड्राइवर को नहीं देख पा रहा था, लेकिन मैंने अंदाज़ा लगा लिया कि वह कौन होगा।

मैंने दरवाजे से दूर एक मेज चुनी और बैठ गया, फिर मैंने इवनिंग हेराल्ड खोला और मेज पर फैला दिया। फिर मैंने एक सिगरेट जलाई और उस वॉप के बारे में सोचने लगा। क्या वह साल्ज़र का कोई और साथी था या इस धंधे में कोई नया नाम? वह मेरा पीछा कर रहा था, और इसमें बहुत बुरी तरह नाकाम हो रहा था। या तो उसे इस बात की परवाह नहीं थी कि मुझे पता चल जाए कि वह मेरा पीछा कर रहा है। मैंने उसकी कार का लाइसेंस नंबर नोट कर लिया था। मिफ्लिन के लिए एक और छोटा- मोटा काम, मैंने सोचा, और तभी मुझे याद आया। मैंने खेल पृष्ठ पलटे और दौड़ देखी। क्रैब एप्पल अपनी दौड़ जीत गई थी। खैर, यह ठीक था। अब जब मिफ्लिन ने थोड़ा पैसा कमा लिया था, तो उसे कार का नंबर देखने में कोई आपत्ति नहीं होगी।
ठीक नौ बजते ही कांच के दोहरे दरवाजे खुल गए और एक लंबा-चौड़ा बूढ़ा आदमी अंदर आया। उसे देखते ही मैं समझ गया कि वह स्टीवंस है। वह किसी छुट्टी पर आए आर्कबिशप जैसा लग रहा था। वह मेरी ओर उसी शाही अंदाज में बढ़ा, जैसे बटलर खाना परोसे जाने की घोषणा करते समय चलते हैं। उसके चेहरे पर थोड़ी सख्ती थी और उसकी आँखों में एक सतर्क, दूर की नज़र थी।
मैं खड़ा हो गया।
"श्रीमान स्टीवंस?"
उसने सहमति में सिर हिलाया।
"मैं मलोय हूँ। बैठ जाइए, क्या आप कॉफ़ी पिएंगे?" उसने अपनी टोपी एक कुर्सी पर रखी और बैठ गया। हाँ, वह कॉफ़ी पिएगा।
समय बचाने के लिए मैं काउंटर पर गया, दो कॉफ़ी ऑर्डर कीं और उन्हें लेकर आ गया। बॉबिसॉक्सर स्टीवंस को घूर रही थी और बचकानी हरकतों के साथ खिलखिला रही थी। उसने अपने लड़के से कुछ कहा, जो धारीदार जर्सी और सिर के पीछे कॉलेज की टोपी पहने एक

मासूम सा दिखने वाला लड़का था। उसने स्टीवंस की तरफ देखा और मुस्कुराया। शायद उन्हें लगा कि एक आर्कबिशप का सेल्फ-सर्विस कैफ़े में आना मज़ेदार था या शायद बॉलर हैट ने उन्हें हंसाया। मैंने दोनों कप मेज पर रख दिए।
“आपका आना अच्छा लगा, श्रीमान स्टीवंस,” मैंने कहा और उन्हें सिगरेट की पेशकश की। जब वे सिगरेट जला रहे थे, मैंने उन्हें गौर से देखा। वे ठीक-ठाक थे। परिवार के वफादार नौकर जो चुप रह सकते थे। उन पर भरोसा किया जा सकता था, लेकिन उनसे बात निकलवाना मुश्किल होगा। “मुझे जो कहना है, वह पूरी तरह गोपनीय है,” मैंने बैठते हुए कहा। “मुझे मिस जेनेट क्रॉस्बी की मृत्यु की जांच करने के लिए नियुक्त किया गया है। एक पक्ष इस बात से पूरी तरह संतुष्ट नहीं है कि उनकी मृत्यु हृदय गति रुकने से हुई है।”
वह अकड़ गया और एकदम सीधा बैठ गया।
"वह निश्चित पक्ष कौन है?" उसने पूछा। "जांच के लिए अब बहुत देर हो चुकी है, है ना?"
मैंने उनसे कहा, "मैं अभी कुछ नहीं कहना चाहता। मैं मानता हूँ कि देर हो चुकी है, लेकिन पिछले कुछ दिनों में ही कुछ ऐसे तथ्य सामने आए हैं जिनसे जाँच ज़रूरी हो गई है। क्या आपको लगता है कि जेनेट क्रॉस्बी की मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई?"
वह झिझका।
“यह मेरा मामला नहीं है,” उन्होंने अनिच्छा से कहा। “चूंकि आप मुझसे पूछ रहे हैं, मैं मानता हूँ कि यह मेरे लिए बहुत बड़ा सदमा था। वह बहुत ही सक्रिय युवती लग रही थी। लेकिन डॉ. साल्ज़र ने मुझे आश्वासन दिया कि उनके मामले में धमनी के अचानक अवरुद्ध होने से बिना किसी पूर्व लक्षण के हृदय गति रुक सकती है। फिर भी मुझे इस बात पर विश्वास करना मुश्किल लगा।”

"मुझे आश्चर्य है कि क्या आपको इस बात का कोई अंदाजा है कि मिस क्रॉस्बी ने डगलस शेरिल से अपनी सगाई क्यों तोड़ दी?" उन्होंने संयमित लहजे में कहा, "मुझे खेद है कि मैं यह जानकारी आपको तब तक नहीं दे सकता जब तक मुझे यह पता न चल जाए कि यह जांच कौन कर रहा है। मैंने आपके संगठन के बारे में सुना है और मुझे लगता है कि इसकी अच्छी प्रतिष्ठा है, लेकिन मैं अपने दिवंगत नियोक्ता के बारे में तब तक गपशप करने को तैयार नहीं हूं जब तक मुझे यह पता न चल जाए कि मैं किससे बात कर रहा हूं।"
हम बस यहीं तक पहुँच पाए।
कैफे में अचानक सन्नाटा छा गया, जिससे मुझे चौंककर ऊपर देखना पड़ा।
कांच के दोहरे दरवाजे खुल गए और चार आदमी अंदर आए। उनमें से दो के पास थॉम्पसन सब-मशीनगन थी, बाकी दो के हाथों में कोल्ट ऑटोमैटिक बंदूकें थीं। चारों सांवले रंग के इटैलियन थे: उनमें से एक मेरा दोस्त था जिसकी कमीज़ की कफ़ गंदी थीं। थॉम्पसन बंदूकें लिए हुए दोनों कमरे के दोनों ओर फैल गए जहाँ से उन्हें साफ़ निशाना मिल रहा था। गंदी कफ़ वाला इटैलियन और लाल आँखों वाला एक छोटा सा इटैलियन कमरे में मेरी मेज की ओर बढ़ा। स्टीवंस ने एक दबी हुई सी आवाज निकाली और उठने की कोशिश की, लेकिन मैंने उसे पकड़ लिया और वापस उसकी कुर्सी पर धकेल दिया। "आराम से रहो," मैंने उस पर फुफकारते हुए कहा।
"ठीक है, रुको!" थॉम्पसन राइफल लिए हुए एक वॉप्स ने कहा। उसकी आवाज़ सन्नाटे भरे कमरे में ऐसे गूंजी जैसे आइसक्रीम के ढेर में गोली। "शांत बैठो और चुप रहो, वरना हम तुम सब पर बम फोड़ देंगे!"

वे दोनों वॉप्स मेरी मेज पर आ गए।
मैं पत्थर की तरह बैठा रहा, हाथ मेज पर रखे, ऊपर उनकी ओर देखता रहा। मुझे अपने बगल में स्टीवंस की दर्द भरी साँसें सुनाई दे रही थीं: उसकी साँसें नाक से ऐसे खर्राटे के साथ निकल रही थीं मानो उसे दिल का दौरा पड़ने वाला हो।
गंदी हथकड़ियों वाला वह अंग्रेज मेरे ऊपर शैतानी मुस्कान के साथ देखने लगा।
"अगर तुमने हिलने की कोशिश की, तो कमीने, मैं तुम्हारी आंतें ज़मीन पर पटक दूंगा," उसने कहा।
वे दोनों थॉम्पसन परिवार की गोलीबारी से बचने के लिए सतर्क थे।
वॉप ने हाथ बढ़ाकर स्टीवंस की बांह पकड़ ली।
चलो, तुम थोड़ी देर घूमने चलते हो।
मैंने होंठ भींचकर कहा, "उसे अकेला छोड़ दो।"
उस अंग्रेज ने बंदूक की नली से मेरे चेहरे पर जोरदार थप्पड़ मारा। ज्यादा जोर से नहीं, लेकिन इतना जोर से कि दर्द हो।
"चुप रहो!" उसने कहा।
दूसरे वॉप ने अपनी बंदूक स्टीवंस के बगल में घुसा दी थी और उसे उसकी कुर्सी से घसीट रहा था।
"मुझे मत छुओ," स्टीवंस हांफते हुए बोला और कमजोर तरीके से वॉप की पकड़ से छूटने की कोशिश की। गुस्से में गुर्राते हुए वॉप ने उसे मुक्के से मारा, कॉलर पकड़कर मेज से दूर घसीट लिया।
गंदी हथकड़ियों वाला मेरा साथी मुझसे दूर हट गया और थॉम्पसन बंदूक वाला आदमी थोड़ा और करीब आ गया, बंदूक का निशाना मेरी छाती पर था। मैं चुपचाप बैठा रहा, अपने चेहरे के एक तरफ हाथ रखे हुए, अपनी उंगलियों पर गर्म और चिपचिपा खून महसूस कर रहा था।
स्टीवंस गिर गया।

"चलो, जल्दी करो," गंदी हथकड़ियों वाले वॉप ने गुस्से से कहा। "इस बेवकूफ बूढ़े बदमाश को यहाँ से बाहर निकालो।" वह झुका और स्टीवंस के एक टखने को पकड़ लिया। दूसरे वॉप ने दूसरे टखने को पकड़ा और वे स्टीवंस को उसकी पीठ पर घसीटते हुए कमरे के उस पार भागे, रास्ते में मेज-कुर्सियाँ उलटती चली गईं, दरवाजे की ओर बढ़ते हुए।
उन्होंने दोहरे दरवाज़े तोड़ दिए और बूढ़े आदमी को घसीटते हुए फुटपाथ पार करके एक इंतज़ार कर रही कार तक ले गए। दो अन्य ब्रिटिश लोग मशीनगन लिए बाहर खड़े थे और कैफे के प्रवेश द्वार के दोनों ओर कतार में खड़ी भीड़ को धमका रहे थे।
यह अब तक की सबसे रोमांचक, सबसे साहसी और सबसे निर्मम चीज थी जो मैंने देखी है।
थॉम्पसन के साथ मौजूद दोनों अमेरिकी कैफे से बाहर निकले और जल्दी से कार में बैठ गए। सड़क पर खड़े एक अमेरिकी ने घूमकर शीशे की खिड़की से मुझ पर गोलियां चलाना शुरू कर दिया। मुझे इसका अंदाज़ा था, और जैसे ही वह घूमा, मैं अपनी कुर्सी से उछलकर मेज के नीचे ज़मीन पर लेट गया। गोलियां मेरे ठीक ऊपर की दीवार को चीरती हुई निकल गईं और प्लास्टर मेरे सिर और गर्दन पर आ गिरा। एक गोली मेरे जूते की एड़ी तोड़कर निकल गई। फिर गोलीबारी रुक गई और मैंने मेज के पीछे से झाँककर देखा कि वह अमेरिकी कार के रनिंग बोर्ड पर कूद गया और कार फुटपाथ से तेज़ी से निकलकर सड़क पर दौड़ गई।
मैं झट से खड़ा हुआ और टेलीफोन की ओर भागा।

अध्याय पंद्रह

वो आवाज़ किसी सुरंग में गूंजती हुई सी लग रही थी। मेरे कमरे के कोनों में धीरे-धीरे फैलती हुई, मानो किसी बंद रेडियो की धीमी फुसफुसाहट हो। पिछले आधे घंटे से मैं उस आवाज़ का इंतज़ार कर रहा था। मेरे सामने मेज़ पर फैला हुआ पहेली का पज़ल मुझे उतना ही दिलचस्प लग रहा था जितना कि आज सुबह चूहेदानी में मिला मरा हुआ चूहा: शायद थोड़ा कम। धुंधली सी रोशनी से कालीन पर हल्की-सी रोशनी फैल रही थी। एक बोतल और गिलास ज़मीन पर रखे थे, मेरी पहुँच में। मैं पहले ही एक या शायद दो-तीन घूंट पी चुका था। ऐसी शाम के बाद, एक घूंट से ज़्यादा फ़र्क नहीं पड़ता।
मैं अब भी थोड़ा घबराया हुआ था। किसी को भी अपने ऊपर सबमशीन गन की पूरी मैगज़ीन खाली करवाना पसंद नहीं होता, और मैं भी अपवाद नहीं था। उन दो ब्रिटिश लोगों ने जिस तरह उस बूढ़े आदमी को कैफे से घसीटकर बाहर निकाला था, वह बात मुझे परेशान कर रही थी। मुझे लगा कि मुझे कुछ करना चाहिए था। आखिर, उसकी मौजूदगी के लिए मैं ही तो ज़िम्मेदार था।
"आज शाम नौ बजे," उद्घोषक ने मेरे विचारों को भंग करते हुए कहा, "छह आदमी, जिनके बारे में माना जाता है कि वे इतालवी थे, मशीनगन और स्वचालित हथियारों से लैस होकर जेफरसन और फेलमैन के कोने पर स्थित ब्लू बर्ड कैफे में घुस गए। जबकि दो बंदूकधारियों ने प्रवेश द्वार की रखवाली की और दो अन्य ने कैफे में मौजूद लोगों को आतंकित किया, शेष दो ने जॉन स्टीवंस को पकड़ लिया और उन्हें कैफे से घसीटकर एक प्रतीक्षारत कार में ले गए।"
स्टीवंस, जिन्हें शहर के संभ्रांत वर्ग में इस्पात उद्योगपति श्री ग्रेगरी वेनराइट के बटलर के रूप में याद किया जाएगा, बाद

में लॉस एंजिल्स और सैन फ्रांसिस्को राजमार्ग के किनारे मृत पाए गए। माना जाता है कि अपहरणकर्ताओं द्वारा उनके साथ किए गए दुर्व्यवहार के कारण उन्हें स्ट्रोक आया और जब वे मृत पाए गए, तो अपहरणकर्ताओं ने बेरहमी से उनके शरीर को चलती कार से बाहर फेंक दिया।
उद्घोषक की आवाज़ इतनी भावहीन और ठंडी थी मानो वह शेयरों के ऊंचे भावों को पढ़ रहा हो। मेरा मन कर रहा था कि मैं उसके पीछे मशीनगन लेकर खड़ा हो जाऊं और उसके सिर के ऊपर गोलियों की बौछार करके उसे जोश से भर दूं।
उद्घोषक ने आगे कहा, "पुलिस अपराधियों की गिरफ्तारी में सहायक किसी भी जानकारी के लिए उत्सुक है। इन छह व्यक्तियों का कद छोटा, शरीर गठीला, रंग सांवला बताया गया है और सभी ने नीले रंग के सूट और काली टोपी पहन रखी है।"
पुलिस उस अज्ञात व्यक्ति से भी पूछताछ करना चाहती है जो अपहरणकर्ताओं के आने के समय जॉन स्टीवंस के साथ था। पुलिस मुख्यालय को फोन करके अपराधियों का विवरण और उनकी कार का नंबर बताने के बाद वह गायब हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने उसका वर्णन लंबा, मजबूत कद-काठी वाला, काले बालों वाला, पीला रंग और तीक्ष्ण चेहरे वाला बताया है। अपहरणकर्ताओं में से एक के प्रहार से उसके चेहरे के दाहिने हिस्से पर चोट का निशान है। यदि कोई इस व्यक्ति को पहचानता है तो उसे तुरंत पुलिस प्रमुख ब्रैंडन, पुलिस मुख्यालय, ग्राहम 3444 से संपर्क करना चाहिए।
मैं आगे झुका और स्विच को झट से नीचे दबा दिया।
"पीला और तीखे नैन-नक्श वाला, लेकिन सुंदर नहीं। किसी ने भी उसे सुंदर नहीं कहा।"
मैं धीरे से अपनी कुर्सी पर घूमा।

सार्जेंट मैकग्रा खुली हुई फ्रेंच खिड़कियों में खड़ा था, और उसके पीछे सार्जेंट हार्टसेल घात लगाए बैठा था।
मैं एक फुट से ज्यादा नहीं उछला। यह उन सहज प्रतिक्रियाओं में से एक थी जिन पर मेरा कोई नियंत्रण नहीं था।
मैंने उठते हुए पूछा, "तुम्हें अंदर फूंक मारने के लिए किसने कहा?"
मैकग्रा ने मुंह के एक कोने से बोलते हुए कहा, "वह जानना चाहता है कि हमें अंदर आने के लिए किसने कहा था। क्या हम उसे बता दें?" हार्टसेल कमरे में दाखिल हुआ। उसके दुबले-पतले चेहरे पर एक ठंडा, उदास भाव था, उसकी धंसी हुई आंखें पत्थर जैसी थीं।
"हां, उसे बता दो।"
मैकग्रा ने मुझसे नजरें हटाए बिना फ्रेंच खिड़कियां बंद कर दीं।
"एक छोटी चिड़िया ने हमें बताया," उसने कहा और आँख मारी। "हमेशा कोई न कोई छोटी चिड़िया हमें वो बातें बता देती है जो हम जानना चाहते हैं। और उस छोटी चिड़िया ने हमें यह भी बताया कि आज रात तुम स्टीवंस के साथ हो।"
मुझे हल्का-हल्का पसीना आ रहा था। शायद गर्मी की वजह से। शायद मुझे इन दोनों का चेहरा पसंद नहीं आया। शायद मुझे ब्रैंडन की कही वो बात याद आ रही थी जिसमें उसने एक अंधेरी गली में मारपीट के बारे में बताया था।
"हाँ, बिल्कुल," मैंने कहा। "मैं उसके साथ था।"
"अब इसे कहते हैं समझदारी," मैकग्रा ने मुस्कुराते हुए कहा। "वंडर बॉय ने आखिरकार सच बोला।" उन्होंने अपनी मोटी उंगली मेरी तरफ इशारा करते हुए कहा, "तुम यहीं क्यों नहीं रुके? गश्ती दल के लड़के तुमसे बात करना चाहते थे।"

मैंने कहा, "मैं उन्हें कुछ नहीं बता सकता था। मैंने डेस्क सार्जेंट को कार और उसमें सवार लोगों का विवरण दे दिया। इससे मुझे छूट मिल गई, और वैसे भी, एक रात के लिए मेरे पास काफी कुछ था, इसलिए मैंने सब कुछ बता दिया।"
मैकग्रा एक आरामकुर्सी पर बैठ गया, अपनी अंदरूनी जेब में हाथ डाला और एक सिगार निकाला। उसने सिगार का सिरा दांतों से काटा, तंबाकू का टुकड़ा मेरी दीवार पर बेतरतीब ढंग से थूका और उसे जला लिया।
"मुझे ये अच्छा लगा," उसने मुंह में गाढ़ा धुआं घुमाते हुए कहा और फिर उसे छोड़ दिया। "आज रात के लिए काफी हो गया। हाँ, ये बहुत बढ़िया है। लेकिन, दोस्त, तुम कितने गलत हो। तुम्हारी रात तो अभी शुरू भी नहीं हुई है।"
मैंने कुछ नहीं कहा।
"चलो चलते हैं," हार्टसेल ने सख्त स्वर में कहा। "एक घंटे में मेरी ड्यूटी है।"
मैकग्रा ने उसकी ओर भौंहें चढ़ाकर देखा।
"आराम से रहो, क्या तुम नहीं रह सकते? थोड़ी देर हो जाए तो क्या फर्क पड़ता है? हम अभी ड्यूटी पर हैं, है ना?" उसने मेरी तरफ देखा। "तुम स्टीवंस से किस बारे में बात कर रहे थे?"
"मैं यह जानना चाहता था कि क्या वह इस बात से संतुष्ट थे कि जेनेट क्रॉस्बी की मृत्यु हृदय गति रुकने से हुई थी। वह संतुष्ट नहीं थे।"
मैकग्रा हँस पड़ा और अपने बड़े-बड़े सफेद हाथों को आपस में रगड़ा। ऐसा लग रहा था मानो वह यह सुनकर सचमुच खुश हो गया हो। "तुम्हें पता है कैप्टन बेवकूफ नहीं है," उसने हार्टसेल से कहा।
"मैं ये नहीं कह रहा कि वो सबका दोस्त है, पर वो बेवकूफ नहीं है।

ये उसके अपने शब्द थे। 'मुझे पक्का यकीन है कि वो कमीना स्टीवंस से क्रॉस्बीज़ के बारे में बात कर रहा था।' ये उसने मुझसे तब कहा था जब हमें उसका हुलिया पता चला था। और वो सही था।"
हार्टसेल ने मुझे घूरकर देखा, वह बहुत गुस्से वाली नज़र थी। "हां," उसने कहा।
"क्या तुम बस इतना ही जानना चाहते थे, वंडर बॉय?" मैकग्रा ने पूछा। "या तुमने स्टीवंस से और भी सवाल पूछे थे?"
मुझे बस यही जानना था।
"क्या कप्तान ने तुम्हें क्रॉस्बीज़ से दूर रहने के लिए नहीं कहा था?"
अब वह समय आ रहा था।
"उन्होंने इसका जिक्र किया था।"
"शायद आपको लगता है कि कप्तान सिर्फ अपनी आवाज सुनने के लिए बोलता है?"
मैंने मैकग्रा से हार्टसेल की ओर और फिर वापस मैकग्रा की ओर देखा।
मुझे नहीं पता। क्यों न उनसे ही पूछ लें?
"चालबाज़ी मत करो, वंडर बॉय। हमें चालाक लोग पसंद नहीं हैं, है ना, जो?"
हार्टसेल ने अधीरता से हरकत की। "भगवान के लिए, चलो जल्दी से काम शुरू करें," उसने कहा।
"आगे क्या करना है?" मैंने पूछा।
मैकग्रा ने आगे झुककर दोबारा दीवार पर थूका। फिर उसने कालीन पर राख बिखेर दी।
“कैप्टन तुमसे खुश नहीं लग रहे थे, दोस्त,” उसने मुस्कुराते हुए कहा। “और जब कैप्टन नाखुश होते हैं, तो उन्हें गुस्सा आता है, और

जब उन्हें गुस्सा आता है, तो वे लड़कों पर अपना गुस्सा निकालते हैं, इसलिए हमने सोचा कि उन्हें फिर से खुश करना ही बेहतर होगा। हमने सोचा कि उनकी मुस्कान वापस लाने का तरीका यही होगा कि हम तुमसे मिलने आएं और तुम्हें थोड़ी कसरत करवा दें। हमने सोचा कि तुम्हारे कान ज़ोर से पीटना अच्छा रहेगा: शायद उन्हें फाड़ ही दें। फिर हमने सोचा कि तुम्हारा घर तहस-नहस कर देना भी अच्छा रहेगा; फर्नीचर को इधर-उधर फेंक देना और दीवार के टुकड़े तोड़ देना। हमने यही सोचा था, है ना, जो?”
हार्टसेल ने अपने पतले होंठों को चाटा और अपनी कठोर आँखों में एक घिनौनी मुस्कान आने दी। उसने अपनी कमर की जेब से रबर की एक छोटी सी नली निकाली और उसे बड़े प्यार से अपने हाथ में थाम लिया।
"हां," उसने कहा।
"और क्या आपने सोचा था कि अगर आप इन अच्छे विचारों को अमल में लाते तो क्या होता?" मैंने पूछा। "क्या कभी आपके दिमाग में यह बात आई कि मैं आप पर मारपीट का मुकदमा कर सकता हूँ, और मैनफ्रेड विलेट जैसा कोई आपको अदालत में घसीटकर आपकी वर्दी से बैज छीन सकता है? क्या ये सब बातें आपके भोले-भाले दिमाग में आईं या आपने इन्हें नज़रअंदाज़ कर दिया?"
मैकग्रा आगे झुका और अपनी जलती हुई सिगार को मेज की चिकनी सतह पर कसकर दबा दिया। उसने ऊपर की ओर देखा और मुस्कुराया।
"तुम पहले ऐसे बदमाश नहीं हो जिसे हमने बुलाया है। वंडर बॉय," उसने मुझसे कहा। और तुम आखिरी नहीं होगे। हम वकीलों से निपटना जानते हैं। विलेट जैसे शराबी से हमें कोई डर नहीं है, और वैसे भी तुम हमें अदालत में नहीं घसीटोगे। हम यहाँ स्टीवंस के बारे में तुमसे बयान लेने आए थे। किसी न किसी वजह से—शायद तुम्हें हमारे

चेहरे पसंद नहीं आए, शायद तुम थोड़े नशे में हो, शायद तुम्हें दर्द वाली जगह पर फोड़ा हो—कुछ भी चलेगा, तुम अकड़ दिखाने लगे। असल में, वंडर बॉय, तुम बहुत अकड़ दिखाने लगे; इतने अकड़े कि मुझे और जो को तुम्हें रोकना पड़ा, और जब हम तुम्हें जितना हो सके नरमी से रोक रहे थे, तब भी तुमने थोड़ी मारपीट कर दी और कमरा थोड़ा अस्त-व्यस्त हो गया। लेकिन इसमें हमारी कोई गलती नहीं है। हमें यह सब पसंद नहीं है—कम से कम, और अगर तुम्हें हमारे चेहरे पसंद न आए होते या तुम थोड़े नशे में न होते या तुम्हें दर्द वाली जगह पर फोड़ा न होता, तो ऐसा नहीं होता। अदालत में इसे ही कहते हैं, तुम्हारा वचन दो सम्मानित, मेहनती पुलिस अधिकारियों के खिलाफ, और विलेट जैसे शराबी के खिलाफ भी। मुझे इसमें कुछ खास समझ नहीं आया, और वैसे भी हम तुम्हें मुख्यालय ले जाकर एक शांत कोठरी में रख सकते हैं जहाँ लड़के समय-समय पर आकर तुम्हारे चेहरे पर अपने जूते पोंछ सकें। यह अजीब बात है, लेकिन हमारे कई लड़कों को कुछ कैदियों के पास जाकर उनके चेहरे पर अपने जूते पोंछना अच्छा लगता है। मुझे नहीं पता क्यों; शायद वे थोड़े शरारती हैं। इसलिए मारपीट के आरोपों, कोट से बैज उतारने और चालाक वकीलों के बारे में और बात न करें; जब तक कि आपको अपनी भलाई की परवाह न हो।
मेरे पेट में अचानक ठंडक सी दौड़ गई। अब मेरी बात के मुकाबले उनकी बात ही नहीं थी। मुझे गिरफ्तार करके जेल में डालने से रोकने का कोई रास्ता नहीं था। जब तक विलेट हरकत में आता, तब तक बहुत कुछ हो सकता था। लगता है आज शाम मौज-मस्ती करने वाली नहीं है।
"आपने सब कुछ ठीक कर लिया है, है ना?" मैंने परिस्थितियों के अनुसार यथासंभव शांत भाव से कहा।

मैकग्रा ने मुस्कुराते हुए कहा, "हमें ऐसा करना ही पड़ेगा, दोस्त। बहुत सारे बदमाश हंगामा कर रहे हैं, और हमारी जेल इतनी बड़ी नहीं है। इसलिए हम कभी-कभार थोड़ी-बहुत अनुशासनहीनता का काम कर देते हैं और शहर के कुछ पैसे बचा लेते हैं।"
मुझे हार्टसेल पर नज़र रखनी चाहिए थी, जो मेरे बाईं ओर और पीछे कुछ ही फीट की दूरी पर खड़ा था। वैसे मैं कुछ कर भी नहीं सकता था। वे मुझे पकड़ चुके थे, और मैं यह जानता था, और इससे भी बुरी बात यह थी कि वे भी यह जानते थे। फिर भी, उस पर नज़र न रखना मेरी मूर्खता थी। अचानक मुझे एक सरसराहट सुनाई दी और मैं झुकने लगा, लेकिन बहुत देर हो चुकी थी। रबर की नली मेरे सिर पर लगी और मैं हाथों और घुटनों के बल आगे की ओर गिर पड़ा।
मैकग्राव इसी का इंतज़ार कर रहा था, और उसका पैर तेज़ी से आगे बढ़ा; उसके जूते का चौकोर, स्टील की नोक वाला अगला हिस्सा मेरे गले पर जा लगा। मैं एक तरफ गिर पड़ा, सिकुड़ती हुई श्वास नली से साँस लेने की कोशिश कर रहा था। किसी चीज़ ने मेरी बांह पर वार किया, जिससे दर्द मेरे सिर तक फैल गया। किसी चीज़ ने मेरी गर्दन के पिछले हिस्से पर ज़ोर से प्रहार किया; कोई नुकीली चीज़ मेरी पसलियों से टकराई।
मैं लुढ़क कर पीछे हट गया, हाथों और घुटनों के बल बैठ गया, देखा कि हार्टसेल मेरी तरफ आ रहा है और मैंने झुकने की कोशिश की। नली मेरे दिमाग से टकराई; मानो मेरे सिर के ऊपरी हिस्से में छेद कर दिया गया हो और मेरा दिमाग वहीं चोट खाने के लिए तैयार हो। मैं कालीन पर गिर पड़ा, मुट्ठियाँ भींच लीं, चीख को रोकने की कोशिश कर रहा था जो मेरे अंदर से फूटने को बेताब थी।
हाथों ने मुझे पकड़ लिया और खींचकर खड़ा कर दिया। धुंधले लाल पर्दे के पीछे से मैकग्रा मुझे बहुत बड़ा, बहुत चौड़ा और बहुत

बदसूरत लग रहा था। जैसे ही उसने मुझे छोड़ा, मैं आगे की ओर गिरने लगा। मैं उसकी मुट्ठी पर गिरा जो मेरी ओर आ रही थी, एक जोरदार मुक्के ने मुझे कमरे में दूर तक धकेल दिया और मेज को गिरा दिया। मैं पज़ल के टुकड़ों के बीच पीठ के बल गिरा।
मैं चुपचाप लेटा रहा। छत की रोशनी मेरी तरफ तेज़ी से आई, रुकी और फिर तेज़ी से चली गई। ऐसा कई बार हुआ, इसलिए मैंने अपनी आँखें बंद कर लीं। मेरे मन में ये ख्याल चल रहा था कि ये तब तक चलता रहेगा जब तक वे थक न जाएँ, और मैकग्रा और हार्टसेल जैसे दो गुंडों को थकाना आसान नहीं होगा। जब तक वे मुझसे निपटेंगे, तब तक कुछ भी नहीं बचेगा। मैं सपने में खोया हुआ सोच रहा था कि वे अंदर क्यों नहीं आए; मुझे ज़मीन पर क्यों पड़ा रहने दिया। जब तक मैं हिलता नहीं, तब तक दर्द सहने लायक था। मैं ये सोचना भी नहीं चाहता था कि अगर मैं हिल गया तो मेरे सिर का क्या होगा। ऐसा लग रहा था जैसे वो किसी धागे पर लटका हो। ज़रा सी भी हरकत उसे ज़मीन पर लुढ़का सकती थी।
दर्द और धुंध के बीच मैंने एक महिला को कहते सुना, "क्या यही तुम्हारा मनोरंजन का तरीका है?"
एक औरत!
मैंने सोचा, उस आखिरी मुक्के ने मुझे आक्रामक बना दिया होगा, या शायद मेरे सिर पर पड़ी चोटों का असर था।
"यह आदमी खतरनाक है, महोदया," मैकग्रा ने एक नन्हे बच्चे की तरह कोमल स्वर में कहा, जैसे कोई बच्चा रसोई में फंस गया हो। "वह गिरफ्तारी का विरोध कर रहा था।"
"मुझसे झूठ बोलने की हिम्मत मत करना!" यह एक महिला की आवाज़ थी। "मैंने खिड़की से सब कुछ देखा।"

मैं इस मौके को किसी भी कीमत पर गंवाना नहीं चाहता था, चाहे इसके लिए मुझे अपनी जान ही क्यों न देनी पड़े। मैंने बड़ी सावधानी से अपना सिर उठाया। मेरी गर्दन की सारी नसें, धमनियां और तंत्रिकाएं चीख रही थीं, धड़क रही थीं, फैल रही थीं और बेकाबू हो गई थीं, लेकिन फिर भी मैं उठ बैठा। तेज रोशनी मेरी आंखों में चुभ रही थी, और कुछ पल के लिए मैंने अपना सिर हाथों में थाम लिया। फिर मैंने उंगलियों के बीच से झांका।
मैकग्रा और हार्टसेल दरवाजे के पास ऐसे खड़े थे मानो उनके पैर किसी धधकते चूल्हे पर रखे हों। मैकग्रा के चेहरे पर एक दबी हुई मुस्कान थी, मानो वह कह रहा हो कि इस मामले से उसका कोई लेना- देना नहीं है। हार्टसेल का चेहरा ऐसा लग रहा था मानो उसकी पतलून की टांग पर कोई चूहा चढ़ गया हो।
मैंने अपना सिर स्थिर रखते हुए मुड़ा और फ्रेंच खिड़कियों की ओर देखा।
आधे खुले पर्दों के बीच एक लड़की खड़ी थी; उसने सफेद रंग का स्ट्रैपलेस इवनिंग गाउन पहना था, जिससे उसके गहरे रंग से तपे हुए कंधे और स्तनों के बीच का छोटा सा उभार साफ दिख रहा था। उसके काले घने बाल कंधों पर बिखरे हुए थे। मुझे ध्यान केंद्रित करने में थोड़ी दिक्कत हो रही थी, और उसकी सुंदरता धीरे-धीरे मेरे सामने ऐसे आई जैसे किसी शौकिया प्रोजेक्शनिस्ट ने स्क्रीन पर कोई तस्वीर फेंक दी हो। उसके चेहरे की धुंधली रूपरेखा धीरे- धीरे स्पष्ट होती गई। उसकी धुंधली आँखों के गड्ढे भर गए और जीवंत हो उठे। एक अंडाकार, छोटे नैन-नक्श वाला, बेहद प्यारा चेहरा, छोटी, एकदम सही आकार की नाक, लाल कामुक होंठ और कोयले की तरह गहरे और सख्त चौड़ी आँखें।

सिर में तेज़ दर्द, गले में खराश और शरीर में ऐसी अनुभूति होने के बावजूद, जैसे किसी मशीन से निचोड़ा गया हो, मुझे उस लड़की के आकर्षण का वैसा ही असर महसूस हुआ जैसा मैकग्रा के मुक्के का। वह न सिर्फ़ दिखने में सुंदर थी, बल्कि उसमें कुछ ऐसा भी था: जो उसकी आँखों में, उसके खड़े होने के अंदाज़ में, उसके शरीर की बनावट में, उसके गले की सुडौल बनावट में झलकता था: मानो किसी विज्ञापन बोर्ड पर लिखे बीस फुट ऊँचे अक्षरों की तरह आपको पुकार रहा हो।
"तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई इस आदमी को पीटने की!" उसने कमरे में आग की लपटों जैसी गर्मी और ताकत से गूंजती आवाज में कहा। "क्या यह ब्रैंडन का विचार है?"
"देखिए, मिस क्रॉस्बी," मैकग्रा ने गिड़गिड़ाते हुए कहा। "यह आदमी आपके मामलों में दखल दे रहा है। कप्तान को लगा कि शायद हमें उसे रोकना चाहिए। सच में, बस यही बात है।"
जहां तक मुझे याद है, पहली बार उसने मेरी तरफ मुड़कर देखा। मैं देखने में बिल्कुल भी सुंदर नहीं लग रही थी। मुझे पता था कि मुझे कई चोटें और खरोंचें आई थीं और मेरे दाहिने गाल पर जहाँ उस अंग्रेज ने मारा था, वहाँ से फिर से खून बह रहा था। किसी तरह मैंने उसकी तरफ मुस्कुराने की कोशिश की: थोड़ी टेढ़ी मुस्कान, जिसमें कोई खास भावना नहीं थी, लेकिन फिर भी, एक मुस्कान।
उसने मुझे उस तरह देखा जैसे आप सुबह की कॉफी के कप में कूदे हुए मेंढक को देखते हैं।
"उठो!" उसने गुस्से से कहा। "तुम्हें इतनी बुरी तरह चोट नहीं लगी होगी।"
लेकिन उसे न तो तीन-चार बार सिर पर थप्पड़ पड़े थे, न ही गले और पसलियों पर लात मारी गई थी, और न ही जबड़े पर घूंसा मारा गया था,

इसलिए उससे यह उम्मीद करना उचित नहीं था कि उसे पता हो कि मुझे गंभीर चोट लगी है या नहीं।
शायद वह इतनी प्यारी थी कि मैंने हिम्मत जुटाई और किसी तरह खड़ा हो पाया। हम मलॉय परिवार में स्वाभिमान होता है और हम नहीं चाहते कि हमारी औरतें हमें कमज़ोर समझें। खड़े होते ही मुझे कुर्सी का सहारा लेना पड़ा और मैं लगभग ज़मीन पर गिर ही गया था, लेकिन उस सहारे को थामे और उस दर्द को सहते हुए जो मेरी एड़ियों से होते हुए वापस मेरे सिर तक पहुँच रहा था, जैसे कोई रोलर कोस्टर बेकाबू हो गया हो, मैं धीरे-धीरे संभलने लगा और मुझे नई ऊर्जा मिली।
मैकग्रा और हार्टसेल मुझे उस तरह देख रहे थे जैसे बाघ अपने पिंजरे से चुपके से निकाले गए मांस के टुकड़े को देखते हैं। उसने फिर से उसी तिरस्कारपूर्ण, कठोर स्वर में उनसे बात करना शुरू कर दिया:
मुझे तुम्हारे जैसे लोग पसंद नहीं हैं। और मैं इसके बारे में कुछ करने वाला हूँ। अगर ब्रैंडन इसी तरह से अपनी पुलिस फोर्स चलाता है, तो जितनी जल्दी हो सके उसका यहाँ से निकल जाना ही बेहतर है!
मैकग्रा बहाने बना रहा था, तभी मैंने अपनी दिशा तय की और टेढ़े- मेढ़े रास्ते से पलटी हुई व्हिस्की की बोतल की ओर बढ़ा। बोतल का ढक्कन अच्छी तरह से लगा हुआ था, इसलिए कोई नुकसान नहीं हुआ था। झुककर उसे उठाना काफी मुश्किल था, लेकिन मैंने कर दिखाया। मैंने बोतल के मुंह को पकड़ लिया और पी लिया।
"और जाने से पहले, तुम्हें अपने किए का फल मिलेगा," वह कह रही थी, और जैसे ही मैंने बोतल नीचे रखी, उसने अपने हाथ में उठाया हुआ

रबर का डंडा मेरी तरफ बढ़ा दिया। "चलो, इन्हें मारो!" उसने गुस्से से कहा। "अपना बदला लो!"
मैंने लाठी इसलिए सहन की क्योंकि अन्यथा वह शायद उसे मेरे गले में ठूंस देती, और मैंने हार्टसेल और मैकग्रा की ओर देखा, जो मेरी ओर ऐसे घूर रहे थे जैसे दो सूअर अपना गला कटने का इंतजार कर रहे हों।
"उन पर हमला करो!" उसने ऊंची आवाज में दोहराया। "अब किसी को तो करना ही होगा। उन्हें सबक मिलेगा। मैं यह सुनिश्चित करूंगी।" यह एक असाधारण घटना थी, लेकिन मुझे पूरा यकीन था कि वे वहीं खड़े रहते और मुझे उनके सिर फोड़ने देते।
मैंने लाठी को सोफे पर फेंक दिया।
"मैं नहीं, मैडम, मुझे इस तरह से मजा नहीं आता," मैंने कहा, मेरी आवाज ऐसी लग रही थी जैसे किसी रिकॉर्ड को कुंद ग्रामोफोन सुई से बजाया जा रहा हो।
"उन्हें मारो!" उसने क्रोध से आदेश दिया। "तुम किस बात से डर रहे हो? वे तुम्हें फिर कभी छूने की हिम्मत नहीं करेंगे। उन्हें बुरी तरह पीट दो!"
मैंने कहा, "माफ़ कीजिए। मुझे इसमें मज़ा नहीं आएगा। चलिए इन्हें बाहर निकाल देते हैं। ये कमरे में गंदगी फैला रहे हैं।" वह मुड़ी, लाठी उठाई और मैकग्रा के पास चली गई। उसका सफेद चेहरा पीला पड़ गया, लेकिन वह हिला तक नहीं। उसने झट से हाथ उठाया और उसके चेहरे पर ज़ोर से मारा। उसके ढीले गाल पर एक भद्दा लाल निशान उभर आया। उसने दर्द भरी आवाज़ में कराह की, लेकिन फिर भी नहीं हिला।
जैसे ही उसने अपना हाथ दोबारा ऊपर उठाया, मैंने उसकी कलाई पकड़ ली और उसके हाथ से लाठी छीन ली। इस कोशिश में मुझे सिर में तेज

दर्द हुआ और मिस स्पिटफायर ने मेरे चेहरे पर एक जोरदार थप्पड़ मारा। उसने मुझसे लाठी छीनने की कोशिश की, लेकिन मैंने उसकी कलाई पकड़े रखी और चिल्लाया: "भाग जा, तुम दोनों बेवकूफों! भाग जा, इससे पहले कि वो तुम्हारी जमकर पिटाई करे!"
उसे पकड़ना किसी क्रोधित शेरनी को पकड़ने जैसा था। वह आश्चर्यजनक रूप से ताकतवर थी। जब मैं उससे जूझ रहा था, तभी मैकग्रा और हार्टसेल कमरे से ऐसे भागे जैसे शैतान उनका पीछा कर रहा हो। भागने की हड़बड़ी में वे सीढ़ियों से गिर पड़े। जब मैंने उनकी कार स्टार्ट होने की आवाज़ सुनी, तो मैंने उसकी कलाई छोड़ दी और एक तरफ हट गया।
मैंने हांफते हुए कहा, "आराम से। वे अब चले गए हैं।"
एक पल के लिए वह हांफती हुई खड़ी रही, उसका चेहरा दृढ़ था और उसकी आंखें धधक रही थीं; क्रोध की एक सुंदर छवि, और फिर क्रोध चला गया और उसकी आंखों की विस्फोटक गुणवत्ता गायब हो गई और उसने अचानक अपना सिर पीछे की ओर झुकाया और हंस पड़ी।
"हमने उन दोनों चूहों को खूब डरा दिया, है ना?" उसने कहा और सोफे पर बेजान होकर गिर पड़ी। "मुझे एक ड्रिंक दो और तुम भी एक पी लो। तुम्हें तो सच में एक ड्रिंक की ज़रूरत लग रही है।"
जैसे ही मैंने बोतल की ओर हाथ बढ़ाया, मैंने उसकी ओर ध्यान से देखते हुए कहा, "नाम तो निश्चित रूप से मॉरीन क्रॉस्बी है?" "तुमने सही अंदाज़ा लगाया।" उसने अपनी कलाई रगड़ी और एक हास्यास्पद सा मुंह बनाया। "तुमने मुझे चोट पहुँचाई है, जाहिल!" मैंने कहा, "माफ़ कीजिए," और मेरा मतलब यही था।
"अच्छा हुआ मैंने अंदर देख लिया। अगर मैंने नहीं देखा होता तो अब तक वे तुम्हारी खाल उतार चुके होते।"

“हाँ, ऐसा ही होगा,” मैंने कहा और एक गिलास में चार उंगल स्कॉच डाली। मेरा हाथ बहुत कांप रहा था और थोड़ी सी व्हिस्की कालीन पर गिर गई। मैंने उसे गिलास पकड़ा दिया और अपने लिए ड्रिंक बनाने लगा। “व्हाइट रॉक या पानी?”
"अपने असली रूप में," उसने गिलास को रोशनी में उठाते हुए जवाब दिया। "मैं काम और मौज-मस्ती को या पानी और स्कॉच को मिलाने में विश्वास नहीं करती। क्या आप करते हैं?"
"यह कारोबार और स्कॉच पर निर्भर करता है," मैंने कहा और बैठ गया। मेरे पैर ऐसे लग रहे थे जैसे उनमें से हड्डियाँ निकाल दी गई हों। "तो आप हैं मॉरीन क्रॉस्बी। वाह वाह, मुझे बिल्कुल उम्मीद नहीं थी कि आप मुझसे मिलने आएंगी।"
मुझे लगा था कि तुम हैरान हो जाओगे।" उसकी गहरी आँखों में व्यंग्य का भाव था और मुस्कान सोची-समझी थी।
मैंने उसे देखते हुए पूछा, "नशे की लत से छुटकारा पाने का इलाज कैसा चल रहा है?" "मैंने हमेशा सुना है कि नशे के आदी व्यक्ति को शराब से दूर रहना चाहिए।"
वह मुस्कुराती रही, लेकिन उसकी आंखों में कोई प्रसन्नता नहीं थी।
"आपको सुनी-सुनाई हर बात पर विश्वास नहीं करना चाहिए।"
मैंने थोड़ी सी व्हिस्की पी। वह बहुत तेज़ थी। मुझे कंपकंपी छूट गई और मैंने गिलास मेज पर रख दिया।
"मैं नहीं करता। मुझे उम्मीद है कि आप भी नहीं करते होंगे।"
हम काफी देर तक एक-दूसरे को देखते रहे। उनमें अपने चेहरे पर भावहीनता लाने की ऐसी कला थी कि उनकी खूबसूरती बरकरार रहती थी, जो वाकई एक बड़ी उपलब्धि थी।

"बात को उलझाओ मत। मैं तुमसे बात करने आया हूँ। तुम बहुत मुसीबत खड़ी कर रहे हो। क्या अब समय नहीं आ गया है कि तुम अपना छोटा सा फावड़ा लो और किसी और के कब्रिस्तान में खुदाई करो?"
मैंने इस बारे में सोचने के लिए एक काल्पनिक बहाना बनाया। "क्या आप सिर्फ पूछ रहे हैं या यह कोई प्रस्ताव है?" मैंने अंत में कहा।
उसके होंठ कस गए और मुस्कान गायब हो गई।
"क्या आपको खरीदा जा सकता है? मुझे बताया गया था कि आप उन साफ-सुथरे, सरल और भ्रष्टाचार से दूर रहने वाले लोगों में से एक हैं। मुझे विशेष रूप से सलाह दी गई थी कि मैं आपको पैसे की पेशकश न करूं।"
मैंने सिगरेट निकालने के लिए हाथ बढ़ाया।
मैंने सिगरेट बढ़ाते हुए आगे झुकते हुए कहा, "मुझे लगा था कि हम इस बात पर सहमत हो गए थे कि हम सुनी-सुनाई बातों पर विश्वास नहीं करते।" उसने सिगरेट ले ली, इसलिए मुझे दूसरी सिगरेट लेनी पड़ी। उसकी सिगरेट जलाने से मेरे सिर में फिर से तेज दर्द हुआ और मेरा गुस्सा और बढ़ गया।
"यह एक प्रस्ताव हो सकता है," उसने पीछे झुकते हुए और छत की ओर धुआं उड़ाते हुए कहा। "कितने पैसे?"
आप क्या खरीदने की कोशिश कर रहे हैं?
उसने सिगरेट को ऐसे देखा मानो उसने पहले कभी सिगरेट देखी ही न हो, और मेरी तरफ देखे बिना बोली, "मैं कोई झगड़ा नहीं चाहती। तुम झगड़ा पैदा कर रहे हो। हो सकता है मैं तुम्हें सिगरेट छोड़ने के लिए पैसे भी दे दूं।"
"यह किसके लायक है?"
फिर उसने मेरी तरफ देखा।

"तुम जानते हो कि तुम मेरे लिए बहुत बड़ी निराशा हो। तुम भी बाकी सभी धूर्त और चालाक ब्लैकमेलरों की तरह ही हो।"
"आपको उनके बारे में पता ही होगा, बिल्कुल।"
"हाँ; मैं उनके बारे में सब जानता हूँ। और जब मैं आपको बताऊँगा कि मेरे हिसाब से इसकी कीमत कितनी है, तो मुझे यकीन है कि आप हमेशा की तरह हँसेंगे और बात को और बढ़ा देंगे। तो आप मुझे बताइए कि आपके लिए इसकी कीमत कितनी है और मुझे भी हँसने का मौका दीजिए।"
अचानक मेरा मन इसे आगे बढ़ाने का नहीं हुआ। शायद मेरा सिर बहुत बुरी तरह दुख रहा था; या शायद, मैं उसे इतना आकर्षक समझ रहा था कि मैं नहीं चाहता था कि वह मुझे एक बुरा इंसान समझे।
"ठीक है, चलो इसे छोड़ देते हैं," मैंने कहा। "मैं मज़ाक कर रहा था। मुझे खरीदा नहीं जा सकता। शायद मुझे मनाया जा सके। आपको ऐसा क्यों लगता है कि मैं मुसीबत खड़ी कर रहा हूँ? अपनी बात कहो। अगर आपकी बात में दम है तो मैं अपना फावड़ा लेकर कहीं और खुदाई करने चला जाऊँगा।"
उसने लगभग दस सेकंड तक मुझे ध्यान से, चुपचाप और थोड़ा संशय के साथ देखा।
"तुम्हें इन बातों पर मज़ाक नहीं करना चाहिए," उसने गंभीरता से कहा। "तुम्हारे कारण बन सकते हैं। मैं तुम्हें नापसंद नहीं करना चाहूंगी, जब तक मेरे पास कोई ठोस वजह न हो।"
मैं कुर्सी पर पीछे की ओर झुक गया और अपनी आंखें बंद कर लीं। "कोई बात नहीं। क्या आप सिर्फ समय बिताने के लिए बात कर रहे हैं या आपका मतलब यही है?"
मुझे बताया गया था कि तुम्हारा व्यवहार सूअर जैसा है और तुम औरतों को पटाने में माहिर हो। सूअर वाली बात सही है।

मैंने उसे घूरने के लिए अपनी आंखें खोलीं।
"महिला वाला हिस्सा भी ठीक है, लेकिन मुझे जल्दबाजी मत करवाओ।" तभी टेलीफोन की घंटी बजी, जिससे हम दोनों चौंक गए। फोन मेरे पास ही था, और जैसे ही मैंने उसे उठाने के लिए हाथ बढ़ाया, उसने झट से अपने पर्स में हाथ डाला और एक.25 कैलिबर की ऑटोमैटिक पिस्तौल निकाल ली। उसने बंदूक मेरे सिर के किनारे पर सटा दी, छोटी सी नली मेरी त्वचा पर टिक गई।
"जहाँ हो वहीं बैठो," उसने कहा, और उसकी आँखों में एक ऐसी नज़र थी जिसने मुझे स्तब्ध कर दिया। "फ़ोन को छोड़ दो!"
हम उसी तरह बैठे रहे जबकि घंटी लगातार बजती रही। उसकी तीखी आवाज़ मेरे मन को झकझोरती रही, कमरे की खामोश दीवारों से टकराती रही, बंद खिड़कियों से होकर गुज़रती रही और अंत में समुद्र में विलीन हो गई।
"क्या इरादा है?" मैंने धीरे-धीरे पीछे हटते हुए पूछा। मुझे अपने चेहरे पर बंदूक का स्पर्श अच्छा नहीं लग रहा था।
"चुप रहो!" उसकी आवाज़ में कर्कशता थी। "शांत बैठो!"
अंततः घंटी बजते-बजते थक गई और बंद हो गई। वह खड़ी हो गई।
"चलो, हम यहाँ से निकल रहे हैं," और फिर से उस स्वचालित बंदूक ने मुझे धमकी दी।
मैंने बिना हिले-डुले पूछा, "हम कहाँ जा रहे हैं?"
"टेलीफोन से दूर रहो। अगर पैर में गोली नहीं खाना चाहते तो आ जाओ।"
लेकिन मुझे उसके साथ जाने का कारण पैर में गोली लगने का डर नहीं था; बल्कि मेरी जिज्ञासा थी। मैं बहुत उत्सुक था क्योंकि अचानक वह डर गई थी। उसकी आँखों में डर साफ दिखाई दे रहा था, ठीक वैसे ही जैसे उसके स्तनों के बीच का खालीपन।

[illegible] [illegible] [illegible] [

अध्याय सोलह

कार एक सुव्यवस्थित, काली रोल्स रॉयस थी, और उसकी शक्ति और गति बेमिसाल थी। कार में गति का कोई एहसास नहीं था: न हिलना, न लुढ़कना, न इंजन की कोई आवाज़। केवल सुव्यवस्थित छत से टकराती हवा की गड़गड़ाहट और तेज़ी से भागती रात का धुंधला सा कालापन ही बता रहा था कि स्पीडोमीटर की सुई, जो नब्बे पर अटकी हुई थी, धोखा नहीं दे रही थी।
मैं मॉरीन क्रॉस्बी के बगल में एक नीची कुर्सी जैसी दिखने वाली कुर्सी पर बैठा था और हमारे सामने सड़क पर फैले प्रकाश के चकाचौंध भरे घेरे को घूर रहा था, जो एक डरे हुए भूत की तरह हमारे सामने से भाग रहा था।
वह ऑर्किड बुलेवार्ड पर कार को तेज़ी से दौड़ा रही थी, थिएटर के ट्रैफिक के बीच से हॉर्न का ज़ोरदार और घमंडी इस्तेमाल करते हुए अपना रास्ता बना रही थी। वह सामने से आ रहे वाहनों के बीच से गाड़ियों को ओवरटेक कर रही थी, अपनी कार के फेंडर की मोटी पेंट की वजह से कम होती जगहों और आमने-सामने की टक्कर के बीच से निकल रही थी। वह चौड़े, अंधेरे मोंटे वर्डे एवेन्यू पर तेज़ी से आगे बढ़ी और सैन डिएगो हाईवे पर पहुँच गई। जब वह छह लेन वाले हाईवे पर पहुँची, तब उसने असली ड्राइविंग शुरू की, सड़क पर चलती हर चीज़ को एक ऐसी खामोश रफ़्तार से ओवरटेक कर रही थी कि ड्राइवरों को ज़रूर डर लग गया होगा।
मुझे बिलकुल भी अंदाज़ा नहीं था कि हम कहाँ जा रहे हैं, और जब मैंने कुछ कहना शुरू किया, तो उसने मुझे बीच में ही रोकते हुए कड़े लहजे में कहा, "मत बोलो! मुझे सोचने दो।" इसलिए मैंने खुद को अंधेरे में उस बेतहाशा भाग-दौड़ में झोंक दिया, जिस तरह से वह

कार चला रही थी उसकी तारीफ़ करते हुए, सीट के आराम में डूबते हुए, और उम्मीद करते हुए कि हम किसी चीज़ से न टकराएँ।
सैन डिएगो हाईवे रेत के टीलों और झाड़ियों से भरे एक सपाट रेगिस्तान से होकर गुजरता है और अचानक समुद्र के किनारे आ जाता है, फिर वापस रेगिस्तान में चला जाता है। समुद्र के पास पहुँचने पर, उसने हाईवे पर बने रहने के बजाय, अपनी गति धीमी करके साठ की रफ्तार पर कर दी और सड़क से हटकर एक संकरे रास्ते पर मुड़ गई जो हमें समुद्र के किनारे ले जा रहा था। रास्ता तेजी से ऊपर चढ़ने लगा और समुद्र हमारे नीचे गहराता चला गया, जब तक कि हम पहाड़ी की चोटी पर नहीं पहुँच गए और एक चट्टान के किनारे पर आ गए। हम लगातार गति धीमी करते जा रहे थे और अब केवल तीस की रफ्तार से रेंग रहे थे। जिस गति से हम चल रहे थे, उसके बाद तो ऐसा लग ही रहा था कि हम चल ही नहीं रहे हैं। तेज हेडलाइट्स ने एक नोटिस को उजागर किया: निजी। प्रवेश वर्जित। यह नोटिस एक और संकरे रास्ते के शुरू में लगा था जिसके दोनों ओर ऊँची झाड़ियाँ थीं। उसने कार को उस रास्ते पर मोड़ दिया और कार उस रास्ते में ऐसे समा गई जैसे हाथ दस्ताने में। हम जहाँ तक देख सकते थे, मोड़ों और घुमावदार कोनों पर गाड़ी चलाते रहे, लेकिन कहीं नहीं पहुँच पाए। कुछ मिनटों बाद वह धीमी हुई और कांटेदार तारों से घिरे बारह फुट ऊंचे गेट के सामने रुक गई। उसने तीन बार हॉर्न बजाया: छोटी, तीखी आवाज़ें शांत हवा में गूंज उठीं और हमारी ओर आती रहीं, तभी गेट अपने आप खुल गया।
"बहुत ही पेचीदा," मैंने कहा।
उसने कुछ नहीं कहा और न ही मेरी तरफ देखा, बस गाड़ी चलाती रही, और पीछे मुड़कर देखा तो गेट भी खुल गया। अचानक मुझे लगा कि कहीं मेरा अपहरण तो नहीं हो रहा, जैसे नर्स गर्नी का हुआ था। शायद जो

व्हिस्की मैंने पी थी, उसका असर हो रहा था, क्योंकि मुझे इसकी परवाह नहीं थी। मुझे लगा कि थोड़ी देर सो लेना अच्छा रहेगा। डैशबोर्ड पर लगी घड़ी में आधी रात होने में दो मिनट बाकी थे: मेरे सोने का समय।
फिर अचानक पगडंडी चौड़ी होकर एक घोड़ागाड़ी के रास्ते में बदलने लगी, और हम एक और बारह फुट चौड़े खुले गेट से निकल गए, और फिर पीछे मुड़कर देखा तो मुझे लगा कि वह गेट हमारे पीछे ऐसे घूम गया मानो किसी अदृश्य हाथ ने उसे बंद कर दिया हो।
हेडलाइट्स की चकाचौंध में एक शैले शैली का लकड़ी का घर दिखाई दिया, जो फूलों की झाड़ियों और तुंग ब्लॉसम के पेड़ों से घिरा हुआ था। भूतल की खिड़कियों से रोशनी झलक रही थी। एक बिजली की लालटेन सामने के दरवाजे की ओर जाने वाली सीढ़ियों पर तेज रोशनी डाल रही थी। उसने गाड़ी रोकी, दरवाजा खोला और बाहर निकल गई। मैं धीरे-धीरे बाहर निकला। चांदनी रात में चट्टान पर बना एक सीढ़ीदार बगीचा मेरे सामने फैला हुआ था। नीचे, और वह काफी दूर लग रहा था, मुझे एक बड़ा स्विमिंग पूल दिखाई दे रहा था। समुद्र की हल्की आवाज़ पृष्ठभूमि में गूंज रही थी और दूर चमक रहा था। गर्म रात की हवा में फूलों की सुगंध भरपूर मात्रा में फैली हुई थी।
मैंने पूछा, "क्या यह सब तुम्हारा है?"
वह मेरे बगल में खड़ी थी। उसके चिकने काले बालों का ऊपरी सिरा मेरे कंधे की सीध में था।
"हां।" थोड़ी देर रुकने के बाद उसने कहा, "बंदूक के लिए मुझे खेद है, लेकिन मुझे आपको यहां जल्दी लाना पड़ा।"
मैं बिना बंदूक के आता।

"लेकिन इससे पहले कि आप टेलीफोन का जवाब देते। आपके लिए टेलीफोन का जवाब न देना बहुत महत्वपूर्ण था।"
"देखो, मुझे सिरदर्द है और मैं थका हुआ हूँ। मेरे गले पर लात मारी गई है, और हालाँकि मैं मज़बूत हूँ, फिर भी मुझे लात लगी है। मैं बस इतना ही चाहता हूँ कि तुम रहस्य मत बनाओ। मुझे बताओ कि तुम मुझे यहाँ क्यों लाए हो? मेरे लिए फ़ोन का जवाब न देना क्यों ज़रूरी था और तुम मुझसे क्या चाहते हो?"
"ज़रूर। चलें अंदर? मैं आपके लिए एक ड्रिंक लाता हूँ।"
हम सीढ़ियाँ चढ़े। सामने का दरवाज़ा खुला था, और हम एक लॉबी में दाखिल हुए, फिर एक मेहराबदार रास्ते से होते हुए एक विशाल लाउंज में पहुँचे जो घर की पूरी चौड़ाई में फैला हुआ था। यह बिल्कुल वैसा ही था जैसा आप किसी करोड़पति महिला से उम्मीद करते हैं। खर्च में कोई कसर नहीं छोड़ी गई थी। रंग संयोजन क्रीम और मैजेंटा था, और कमरा दिखावटी होने के बावजूद भद्दा नहीं था। मेरी पसंद का कमरा ऐसा नहीं था, लेकिन मेरी पसंद तो बहुत ही सरल है।
"चलो बरामदे में बैठते हैं," उसने कहा। "क्या तुम अंदर आओगे? मैं पेय पदार्थ ले आती हूँ।"
"क्या आप यहां अकेले हैं?"
"एक नौकरानी को छोड़कर। वह हमें परेशान नहीं करेगी।"
मैं बरामदे में चला गया। वहाँ लगभग दस फुट लंबा एक बड़ा झूला लगा हुआ था, जिस पर बैठकर नज़ारे का आनंद लिया जा सकता था: नज़ारा वाकई देखने लायक था। मैं एक मुलायम चमड़े के कुशन पर बैठ गया और दूर समुद्र को निहारने लगा। कार में बैठे-बैठे मैं यही सोचता रहा कि वह मुझसे क्या चाहती है। अब भी यही सोचता रहता हूँ।

कुछ मिनट बाद वह एक ट्रॉली धकेलते हुए बाहर आई, जिस पर बोतलें, गिलास और बर्फ की बाल्टी रखी थी। वह सीट के एक कोने पर बैठ गई। हमारे बीच लगभग आठ फीट चमड़े की सीट और पर्याप्त जगह थी। "व्हिस्की?"
"धन्यवाद।"
मैंने उसे व्हिस्की डालते हुए देखा। बरामदे की छत पर लगी गहरे नीले रंग की बत्तियाँ इतनी रोशनी दे रही थीं कि मैं उसे देख सकूँ, लेकिन आँखें गड़ाने के लिए पर्याप्त रोशनी नहीं थी। मुझे लगा कि वह अब तक देखी गई सबसे खूबसूरत महिलाओं में से एक थी। उसकी हरकतें भी देखने में आनंददायक थीं।
जब वह ड्रिंक्स परोस रही थी, तब हम दोनों ने कुछ भी न बोलने का पूरा ध्यान रखा। उसने मुझे सिगरेट ऑफर की और मैंने ले ली। मैंने उसकी सिगरेट जलाई, फिर अपनी।
अब हम शुरू करने के लिए तैयार थे, लेकिन वह अब भी कुछ कहने में हिचकिचा रही थी, और मैं कोई ऐसी गलत बात कहने का जोखिम नहीं उठाना चाहता था जिससे वह नाराज़ हो जाए। हम बगीचे, समुद्र और चाँद को देखते रहे जबकि मेरी घड़ी की सुइयाँ चलती रहीं।
उसने अचानक कहा, "मुझे अपने बर्ताव के लिए माफ़ कर दो। मतलब, तुम्हें मुझे अकेला छोड़ने के लिए पैसे देने की पेशकश। मुझे पता है कि यह गलत तरीका था, लेकिन मैं तब तक कुछ भी ज़ाहिर नहीं करना चाहती थी जब तक मुझे यह पता न चल जाए कि तुम किस तरह के इंसान हो। असल बात यह है कि मुझे तुम्हारी मदद चाहिए। मैं बहुत बड़ी मुसीबत में हूँ और मुझे समझ नहीं आ रहा कि इससे कैसे निकलूँ। मैं बहुत बड़ी मूर्ख थी और मैं डरी हुई हूँ। मैं बुरी तरह डरी हुई हूँ।"
वह डरी हुई नहीं लग रही थी, लेकिन मैंने उसे यह बात नहीं बताई।

"काश मुझे पक्का पता होता कि उसे इस जगह के बारे में पता है या नहीं," वह खुद से बात करते हुए बोली। "अगर उसे पता है तो वह यहाँ ज़रूर आएगा।"
मैंने नरमी से कहा, "चलिए, हम आराम से और धीरे-धीरे आगे बढ़ते हैं? हमारे पास तो दुनिया का सारा समय है। मेरे लिए फ़ोन का जवाब न देना इतना ज़रूरी क्यों था? चलिए, इसी से शुरू करते हैं।" "क्योंकि उसे पता होगा कि तुम कहाँ हो, और वह तुम्हें ढूंढ रहा है," उसने ऐसे कहा जैसे वह किसी मंदबुद्धि बच्चे से बात कर रही हो।
"आपने मुझे यह नहीं बताया कि वह कौन है। क्या वह शेरिल है?" "बिल्कुल," उसने संक्षिप्त रूप से कहा।
"वह मुझे क्यों ढूंढ रहा है?"
"वह कोई परेशानी नहीं चाहता, और तुम परेशानी खड़ी कर रहे हो। वह तुमसे छुटकारा पाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। मैंने उसे फ्रैंसिनी से ऐसा करने के लिए कहते सुना।"
"क्या फ्रैंसिनी एक छोटा सा वॉप है जिसके चेहरे पर चेचक के निशान हैं?"
"हाँ।"
"और वह शेरिल के लिए काम करता है?"
"हाँ।"
"तो क्या स्टीवंस के अपहरण की साजिश शेरिल ने ही रची थी?"
"हां। इससे मेरा मामला सुलझ गया। जब मैंने सुना कि बेचारे बूढ़े आदमी की मौत हो गई है, तो मैं सीधे आपके पास आया।"
"क्या शेरिल को पता है कि आपके पास यह जगह है?"
उसने अपना सिर हिलाया।

"मुझे ऐसा नहीं लगता। मैंने इसके बारे में कभी बात नहीं की है, और वह कभी यहां नहीं आया है। लेकिन हो सकता है उसे पता हो। ऐसी बहुत कम चीजें हैं जो उसे नहीं पता हैं।"
"ठीक है, अब जब हमने उस समस्या को सुलझा लिया है, तो चलिए शुरुआत से शुरू करते हैं?"
"मैं पहले आपसे कुछ पूछना चाहती हूँ," उसने कहा। "आप क्रेस्टवेज़ क्यों आए, मुझसे मिलने क्यों आए? आप डॉ. बेवली से बात करने क्यों गए? क्या किसी ने आपको यह पता लगाने के लिए काम पर रखा है कि मैं क्या कर रही हूँ?"
"हां," मैंने कहा।
"कौन?"
मैंने उससे कहा, "तुम्हारी बहन, जेनेट।"
अगर मैंने उसके चेहरे पर थप्पड़ मारा होता तो भी वह इतनी हिंसक प्रतिक्रिया नहीं देती। वह सीट पर ऐसे पीछे हट गई जैसे उसने किसी सांप को कुचल दिया हो, जिससे झूला बुरी तरह हिलने लगा। "जेनेट?" यह शब्द भयभीत फुसफुसाहट में निकला। "लेकिन जेनेट तो मर चुकी है। तुम्हारा क्या मतलब है? तुम ऐसी बात कैसे कह सकते हो!"
मैंने अपना बटुआ निकाला, जेनेट का पत्र ढूंढा और उसे जेनेट को दे दिया।
"इस पढ़ें।"
"यह क्या है?" उसने पूछा, और उसे देखने से डरती हुई लग रही थी। "इसे पढ़ो और तारीख देखो। यह चौदह महीने तक कहीं खोई रही। मैंने खुद इसे एक-दो दिन पहले ही पहली बार पढ़ा है।"
उसने चिट्ठी उठाई। लिखावट देखते ही उसका चेहरा सख्त हो गया और आँखों की पुतलियाँ सिकुड़ गईं। चिट्ठी पढ़ने के बाद वह कई मिनट

तक चुपचाप बैठी रही और उसे घूरती रही। मैंने उसे जल्दी करने को नहीं कहा। उसके चेहरे पर स्पष्ट और सच्चा डर साफ दिखाई दे रहा था।
"और इसी वजह से आपने पूछताछ शुरू की?" उसने अंत में पूछा।
"आपकी बहन ने मुझे पाँच सौ डॉलर भेजे थे। मुझे लगा कि मुझे इसे वापस करना चाहिए। मैं आपसे मिलने और इस बारे में बात करने के लिए क्रेस्टवेज़ आया था। अगर आप वहाँ होते और पत्र के बारे में समझा देते तो मैं पैसे लौटा देता और जाँच बंद कर देता। लेकिन आप वहाँ नहीं थे। फिर कई तरह की घटनाएँ घटने लगीं, इसलिए मैंने जाँच जारी रखी।"
"अच्छा ऐसा है।"
मैंने उसके कुछ और कहने का इंतज़ार किया, लेकिन उसने कुछ नहीं कहा। वह चुपचाप बैठी रही, पत्र को घूरती रही, उसका चेहरा पीला पड़ गया था और आँखें कठोर हो गई थीं।
मैंने पूछा, "क्या आपको ब्लैकमेल किया जा रहा था?"
नहीं। मुझे नहीं पता उसने तुम्हें क्यों लिखा। शायद वह मुसीबत खड़ी करने की कोशिश कर रही थी। वह हमेशा मेरे लिए मुसीबत खड़ी करने की कोशिश करती थी। वह मुझसे नफरत करती थी।
"वह तुमसे नफरत क्यों करती थी?"
वह काफी देर तक बिना कुछ बोले बगीचे को देखती रही। मैंने थोड़ी व्हिस्की पी और सिगरेट पी। अगर उसे कुछ कहना होता तो वह अपने समय पर कहती। वह जल्दबाजी करने वाली नहीं थी।
"मुझे नहीं पता कि क्या करूं," उसने कहा। "अगर मैंने आपको बताया कि वह मुझसे नफरत क्यों करती थी, तो मैं पूरी तरह से आपकी दया पर निर्भर हो जाऊंगी। आप मुझे बर्बाद कर सकते हैं।"

मेरे पास कहने के लिए कुछ नहीं था। "लेकिन अगर मैं तुम्हें नहीं बताऊंगी," उसने मुट्ठी भींचते हुए कहा, "तो मुझे नहीं पता कि मैं इस मुसीबत से कैसे निकलूंगी। मुझे किसी ऐसे व्यक्ति की ज़रूरत है जिस पर मैं भरोसा कर सकूं।"
मैंने कुछ कहने के लिए कहा, "क्या आपके पास कोई वकील नहीं है?" "वह किसी काम का नहीं, बल्कि बेकार साबित होगा। वह मेरा ट्रस्टी है। मेरे पिता की वसीयत के अनुसार, अगर मैं किसी घोटाले में फंसता हूँ तो मैं सब कुछ खो दूँगा। और अगर यह बात सार्वजनिक हो गई तो मैं एक भयानक घोटाले में बुरी तरह फँस चुका हूँ।"
"आपका मतलब शेरिल से है?" मैंने कहा। "क्या आपने ड्रीम शिप को फाइनेंस किया था?"
वह एकदम सख्त हो गई, मुड़ी और मुझे घूरने लगी। "तुम्हें यह पता है?"
"मुझे नहीं पता। मैं सिर्फ अनुमान लगा रहा हूँ। अगर यह बात सामने आ गई कि ड्रीम शिप के पीछे आपका हाथ था, तो यह एक बड़ा घोटाला बन जाएगा।"
"हाँ।" वह अचानक सीट पर खिसक कर मेरे करीब आ गई। "जेनेट डगलस से प्यार करती थी। मैं भी उसके लिए दीवानी थी। मैंने उसे उससे छीन लिया। उसने मुझे गोली मारने की कोशिश की, लेकिन पिताजी ने मुझे बचा लिया। गोली मेरी जगह उन्हें लगी," उसने झट से कहा और अपना चेहरा हाथों में छिपा लिया।
मैं पत्थर की तरह स्थिर बैठा इंतजार कर रहा था। मुझे इसकी उम्मीद नहीं थी और मैं चौंक गया था।
"मामले को दबा दिया गया था," उसने लंबे विराम के बाद कहा। "कोई बात नहीं कैसे। लेकिन इसने जेनेट के दिमाग पर गहरा असर डाला।
उसने— उसने खुद को ज़हर दे दिया। उस बात को भी दबा दिया गया।

हमें डर था कि कहीं यह बात सामने न आ जाए कि उसने आत्महत्या क्यों की। इसे दबाना आसान था। डॉक्टर बूढ़ा था। उसने सोचा कि यह दिल का दौरा था। फिर, जब मेरे पास पैसा आया, और वह काफी था, तो डगलस ने अपना असली रूप दिखाया। उसने कहा कि अगर मैंने उसे ड्रीम शिप खरीदने के लिए पैसे नहीं दिए, तो वह यह कहानी फैला देगा कि मैंने उसे जेनेट से छीन लिया था और उसने मुझे मारने की कोशिश की थी, लेकिन पिताजी को मार डाला था, और खुद को ज़हर दे दिया था: यह सब मेरी वजह से हुआ था। आप कल्पना कर सकते हैं कि अखबारों में इसका क्या तमाशा छपता, और मैं सब कुछ खो देता। इसलिए मैंने उसे उसके उस घटिया जहाज के लिए पैसे दे दिए, लेकिन इससे भी उसकी तसल्ली नहीं हुई। वह मुझसे और पैसे मांगता रहता है, और मेरी हर हरकत पर नज़र रखता है। उसे पता चला कि आपने पूछताछ शुरू कर दी है। उसे डर था कि आप कहानी का पर्दाफाश कर देंगे, और ज़ाहिर है, अगर आपने ऐसा किया, तो वह मुझ पर से अपना नियंत्रण खो देगा। उसने आपको रोकने के लिए हर संभव कोशिश की। जब उसने सुना स्टीवंस तुमसे मिलने जा रहा था, उसने उसे अगवा कर लिया। और अब वो तुम्हें भी खत्म कर देगा। मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या करूं! मुझे कहीं जाकर छिपना होगा। मैं चाहती हूं कि तुम मेरी मदद करो। क्या तुम मेरी मदद करोगे? क्या तुम करोगे?" अब वह मेरे हाथ कसकर पकड़े हुए थी। "क्या तुम वादा करोगे कि तुम मुझे किसी को नहीं बताओगे? बदले में मैं तुम्हारे लिए कुछ भी करूंगी। मैं सच कह रही हूं! क्या तुम मेरी मदद करोगे?"
हमारे पीछे हल्की सी आवाज़ आई और हम दोनों मुड़े। काले घुंघराले बालों वाला एक लंबा, हट्टा-कट्टा आदमी, लाल रंग की बिना आस्तीन वाली स्वेटशर्ट और गहरे नीले रंग की पैंट पहने, हमारे ठीक पीछे खड़ा था। उसके हाथ में एक.38 कैलिबर की

ऑटोमैटिक पिस्तौल थी और वह सीधे मेरी तरफ़ तनी हुई थी। उसके सांवले चेहरे पर एक खुशमिजाज़, व्यंग्यात्मक मुस्कान थी, मानो वह किसी ऐसे निजी मज़ाक का आनंद ले रहा हो जो आम लोगों की समझ से परे हो।
"वो बड़ी मीठी-मीठी बातें करती है, है ना?" उसने अपनी मर्दाना आवाज़ में कहा। "तो वो भागकर छिपना चाहती है? ठीक है, वो छिप जाएगी। वो ऐसी जगह छिप जाएगी जहाँ उसे कोई नहीं ढूंढ पाएगा, और ये बात तुम पर भी लागू होती है, मेरे जिज्ञासु दोस्त।"
मैं हमारे बीच की दूरी का अनुमान लगा रहा था, सोच रहा था कि क्या मैं उठकर उसके गोली चलाने से पहले उस तक पहुँच सकता हूँ, तभी मुझे नीचे गिरते हुए डंडे की जानी-पहचानी सरसराहट सुनाई दी और मेरे सिर के अंदर जैसे कुछ फट गया हो।
आखिरी आवाज जो मैंने सुनी वह मॉरीन की भयानक, डरावनी चीख थी।

अध्याय सत्रह

कमरा बड़ा और हवादार था, और दीवारें और छत एकदम सफ़ेद चीनी रंग की थीं। खिड़कियों पर ठंडे, सफ़ेद प्लास्टिक के पर्दे लगे थे, और एक शेडेड लैंप से सामने वाले बिस्तर पर हल्की रोशनी फैल रही थी।
बिस्तर पर एक आदमी बैठा हुआ था। वह पढ़ रहा था। उसकी पतली हड्डियों वाला चेहरा और चौड़ा माथा किसी परीक्षा की तैयारी कर रहे युवा छात्र की आभा दे रहा था।
मैंने कुछ मिनटों तक आधी बंद आँखों से उसे देखा, और एक अस्पष्ट, उदासीन भाव से सोचने लगा कि वह कौन है और मेरे साथ इस कमरे में क्या कर रहा है। वह जो किताब पढ़ रहा था, उसमें कुछ अजीब था। वह एक बड़ी किताब थी, और उस पर छपे अक्षर छोटे और पास-पास थे। जब उसने एक पन्ना पलटा और मैंने अध्याय का शीर्षक देखा, तब मुझे एहसास हुआ कि उसने किताब को उल्टा पकड़ रखा है।
इस कमरे में खुद को पाकर मुझे आश्चर्य नहीं हुआ। मुझे हल्का- फुल्का अंदाज़ा था कि मैं कुछ समय से यहीं हूँ: शायद दिनों से, शायद हफ्तों से। जिस संकरे ऊँचे पलंग पर मैं लेटा था, उसका एहसास जाना-पहचाना था: लगभग उतना ही जाना-पहचाना जितना मेरे अपने बीच केबिन के पलंग का, जो अब मुझे पिछले साल की बर्फ की तरह दूर लग रहा था।
मुझे सहज रूप से पता चल गया था—मुझे पूरा यकीन था कि मुझे बताया नहीं गया था—कि मैं अस्पताल में हूँ, और मैंने याद करने की कोशिश की कि क्या मुझे किसी कार ने टक्कर मारी थी, लेकिन मेरा दिमाग ठीक से काम नहीं कर रहा था। वह ध्यान केंद्रित करने से इनकार कर रहा था, और बार-बार कमरे में सामने वाले बिस्तर पर लेटे

आदमी की ओर जा रहा था। उसकी एकमात्र रुचि यह जानने में थी कि वह अपनी किताब उल्टी क्यों पकड़े हुए है, क्योंकि मुझे लग रहा था कि किताब पहले से ही नीरस और जटिल है, उसे पढ़ने में और अधिक कठिनाई पैदा करने की ज़रूरत नहीं थी।
बिस्तर पर लेटा हुआ आदमी जवान था; उसकी उम्र लगभग चौबीस वर्ष से अधिक नहीं थी, और उसके घने सुनहरे बाल लंबे और रेशमी दिख रहे थे। उसकी आँखें बहुत धँसी हुई थीं, और दीपक की रोशनी से उनमें परछाई पड़ रही थी जिससे वे उसके चेहरे पर दो काले गड्ढों जैसी लग रही थीं।
मुझे अचानक एहसास हुआ कि वह भी मुझे देख रहा था, हालांकि वह पढ़ने का नाटक कर रहा था; अपनी पलकों के नीचे से छुपकर देख रहा था; देख रहा था कि कैसे वह अपने चेहरे पर एकाग्रता भरी भौंहें चढ़ाए धीरे-धीरे एक पन्ना पलट रहा था।
मैंने कहा, "अगर आप किताब को सीधा करके पढ़ेंगे तो आपको आसानी होगी," और मुझे आश्चर्य हुआ कि मेरी आवाज कितनी दूर से सुनाई दे रही थी, मानो मैं किसी दूसरे कमरे में बोल रहा हूँ।
उसने ऊपर देखा और मुस्कुराया। वह एक आकर्षक दिखने वाला युवक था: एक आम कॉलेज छात्र, जो किताबों की बजाय बेसबॉल बैट के साथ ज्यादा सहज महसूस करता था।
“मैं हमेशा किताबें इसी तरह पढ़ता हूँ,” उसने कहा; उसकी आवाज़ अप्रत्याशित रूप से तेज़ थी। “इसमें ज़्यादा मज़ा आता है, और एक बार आदत पड़ जाए तो यह उतना ही आसान है, लेकिन इसमें काफ़ी अभ्यास की ज़रूरत होती है।” उसने किताब नीचे रख दी। “अच्छा, आप कैसा महसूस कर रहे हैं, मिस्टर सीब्राइट? मुझे लगता है आपका दिन काफ़ी खराब गुज़रा है। आपका सिर कैसा है?”

यह एक अजीब बात थी, लेकिन अब जब उसने इसका जिक्र किया तो मुझे पता चला कि मेरे सिर में दर्द हो रहा है और कनपटी में एक धमनी तेजी से धड़क रही है।
मैंने कहा, "दर्द हो रहा है। क्या यह अस्पताल है?"
"खैर, यह ठीक से अस्पताल तो नहीं है। मुझे लगता है इसे सैनिटेरियम कहते हैं।"
"आपका मतलब सैनिटोरियम से है, है ना? सैनिटोरियम तो एक पागलखाना होता है।"
उसने मुस्कुराते हुए अपना सुनहरा सिर हिलाया।
"बिल्कुल यही है: एक नट फाउंड्री।"
मैंने अपनी आँखें बंद कर लीं। सोचना मुश्किल था, लेकिन मैंने कोशिश की। मुझे नीचे गिरते हुए डंडे की आवाज़, लाल रंग की स्वेटशर्ट पहने उस आदमी और मॉरीन की भयानक चीख याद करने में कई मिनट लग गए। एक पागलखाना। मुझे डर की एक हल्की सी सिहरन मकड़ी के पैरों की तरह मेरी रीढ़ की हड्डी में दौड़ती हुई महसूस हुई। एक पागलखाना!
मैं अचानक उठ बैठा। किसी चीज़ ने मेरी बाईं कलाई पकड़ रखी थी, उसे बिस्तर से जकड़ रखा था। मैंने मुड़कर देखा कि वह क्या है। एक चमकदार निकल-प्लेटेड, रबर-लेपित हथकड़ी मेरी कलाई को जकड़े हुए थी। दूसरी हथकड़ी बिस्तर की रेलिंग से बंधी हुई थी।
वह गोरा आदमी मुझे थोड़ी दिलचस्पी से देख रहा था।
उन्होंने कहा, "उन्हें लगता है कि इस तरह जंजीरों में बांधकर रखना हमारे लिए ज्यादा सुरक्षित है। यह बात बिल्कुल हास्यास्पद है, लेकिन मुझे इसमें कोई शक नहीं कि उनका इरादा अच्छा ही है।"

"हाँ," मैंने कहा और लेट गया। मकड़ी के और भी पैर मेरी रीढ़ की हड्डी पर दौड़ गए। "इस जगह को कौन चलाता है?"
"क्यों, डॉ. साल्ज़र, बिल्कुल। क्या आप उनसे नहीं मिले हैं? वे बहुत ही आकर्षक हैं। आपको वे पसंद आएंगे। सबको पसंद आते हैं।" फिर मुझे याद आया कि लाल रंग की स्वेटशर्ट पहने उस आदमी ने कहा था कि वह मुझे ऐसी जगह छिपा देगा जहाँ मुझे कोई कभी नहीं ढूंढ पाएगा। बेशक, पागलखाना एक बहुत ही सुरक्षित जगह होती है। लेकिन साल्ज़र पागलखाना नहीं चलाता था। उसकी जगह तो ज़रूरत से ज़्यादा खाने वालों के लिए एक आरामगाह थी: नर्स गर्नी ने ऐसा कहा था।
"लेकिन मुझे लगा था कि साल्ज़र एक तरह का प्राकृतिक चिकित्सा का धंधा चलाता है," मैंने सावधानी से कहा। "न कि कोई नट बनाने का कारखाना।"
"हाँ, वो ऐसा करता है, लेकिन मानसिक रूप से बीमार लोगों के लिए एक अलग कमरा बना हुआ है," उस गोरे आदमी ने समझाया। उसने नाइट टेबल के किनारे पर दो उंगलियाँ फिराईं। "इस बारे में आमतौर पर बात नहीं होती।" उसने अपनी उंगलियाँ वापस खींच लीं। "रिश्तेदारों के लिए यह कहना ज़्यादा सुखद होता है कि आपका इलाज चल रहा है, बजाय इसके कि आपको किसी मानसिक कक्ष में बंद कर दिया गया है।" "क्या हम यहीं हैं?" मैंने पूछा।
"ओह, हाँ। दीवारें गद्देदार हैं। देखने में ऐसा नहीं लगता, लेकिन उन पर मुक्का मारकर देखो। बहुत मज़ा आएगा।" वह बिस्तर से झुका और दीवार पर मुक्का मारा। उसकी मुट्ठी से कोई आवाज़ नहीं आई। "मुझे लगता है ये रबर की है। वैसे, मेरा नाम डंकन हॉपर है। आपने मेरे पिता के बारे में सुना होगा: ड्वाइट हॉपर।"

जहां तक मुझे याद है, ड्वाइट हॉपर पेंट और डिस्टेंपर के कारोबार में काफी मशहूर थे। मुझे नहीं पता था कि उनका एक बेटा भी है। मैंने कहा, "मैं मलोय हूँ। विक्टर मलोय।"
उसने अपना सिर एक तरफ झुकाया और मुझे टकटकी लगाकर देखा।
"कौन?"
"मैलॉय।"
"क्या आपको यकीन है?" अब वह शरारती मुस्कान के साथ बोला। "उन्होंने मुझे बताया है कि आपका नाम एडमंड सीब्राइट है।" "नहीं, मलोय," मैंने कहा, और फिर से मुझे अपनी रीढ़ की हड्डी पर मकड़ी के पैरों के चलने का एहसास हुआ।
"मैं समझ गया।" उन्होंने एक बार फिर नाइट टेबल के किनारे पर अपनी उंगलियां फिराना शुरू कर दिया। उन्हें ऐसा करना अच्छा लगता था। "मुझे आश्चर्य है कि क्या आपको बुरा लगेगा अगर मैं आपको सीब्राइट कहूँ? ब्लैंड आपको सीब्राइट कहते हैं। डॉ. साल्ज़र भी आपको सीब्राइट कहते हैं। आपके कागज़ात पर भी सीब्राइट ही लिखा है। मुझे पता है, क्योंकि मैंने ब्लैंड को मनाकर उन्हें देखने दिया था। आपको उन्मादी अवसादग्रस्त बताया गया है। क्या आपको पता था?"
मेरा मुंह अचानक सूख गया।
"क्या?"
"उन्मादी अवसाद। मैं तो कहूंगा कि यह बकवास है।"
"हाँ, यह बकवास है।" मुझे शांत होकर बोलना और सोचना दिन-ब-दिन मुश्किल होता जा रहा था।
"मुझे बहुत खुशी है। अवसादग्रस्त लोग बहुत परेशान करने वाले हो सकते हैं। मुझे नहीं लगता था कि आप अवसादग्रस्त हैं, और मैंने ब्लैंड को यही बताया भी था। लेकिन ब्लैंड बहुत मूर्ख है; एकदम

अनपढ़। वह मेरी बात कभी नहीं सुनता। मुझे डर है कि आपको वह पसंद नहीं आएगा। वह कहता है कि मैं वहमी हूँ, लेकिन यह सरासर बकवास है। आज सुबह इस बारे में हमारी ज़बरदस्त बहस हुई, और उसने मुझे यह किताब दी। इसमें वहमी होने के बारे में बताया गया है। वाकई बहुत दिलचस्प है। लेकिन मुझमें इसका एक भी लक्षण नहीं है। इसमें उन्मादी अवसाद पर एक बहुत ही रोचक अध्याय है।" मेज के किनारे पर उंगलियां फेरते हुए उसने पूछा, "क्या आपको मतिभ्रम होता है?"
मैंने कहा कि मुझे मतिभ्रम नहीं होता।
"मुझे बहुत खुशी है।" वह सचमुच प्रसन्न लग रहा था। "लेकिन यह अजीब बात है कि आपको लगता है कि आपका नाम मलोय है, है ना? या शायद आपको ऐसा नहीं लगता?"
मैंने बहुत स्पष्ट और धीरे-धीरे कहा, "यह अजीब नहीं है क्योंकि मेरा नाम संयोग से मैलोय है।"
"मैं समझ गया।" उसने किताब उठाई और पन्ने पलटने लगा। "तो अगर आप एडमंड सीब्राइट नहीं हैं तो आप यहां क्यों हैं?"
“कहानी लंबी है,” मैंने कहा, और अचानक मुझे लगा कि इस गोरे आदमी को यकीन दिलाना बेहद ज़रूरी है। अगर वो यकीन नहीं करेगा, तो और कौन करेगा? “मैं एक तरह का प्राइवेट जासूस हूँ और एक केस पर काम कर रहा हूँ। मुझे पता चला है कि डॉ. साल्ज़र यूडोरा ड्रू की हत्या के लिए ज़िम्मेदार हैं। मामला इतना पेचीदा है कि अभी विस्तार से बताना मुमकिन नहीं, लेकिन जो मैंने पता लगाया है, उसी वजह से मेरा अपहरण कर लिया गया है।” मुझे नहीं पता मैंने ये आखिरी शब्द कैसे कहे। सुनने में भयानक लग रहा था, लेकिन कसम से मैं इससे बेहतर कुछ नहीं कह सकता था। हॉपर के चेहरे पर विनम्रता से अविश्वास का भाव देखकर मेरे अंदर थोड़ी घबराहट होने लगी।

"डॉक्टर साल्ज़र?" उन्होंने कहा और अपनी मनमोहक मुस्कान बिखेरी। "एक हत्या? यह तो दिलचस्प है। और आप किसी तरह के जासूस हैं? क्या यह सच है?"
"अब देखो," मैंने बिस्तर से उठते हुए कहा। "मुझे पता है तुम क्या सोच रहे हो। तुम्हें लगता है मैं पागल हूँ, है ना?"
"बिल्कुल नहीं, श्रीमान सीब्राइट," उन्होंने नरमी से कहा। "मैं ऐसा कुछ नहीं सोचता। मुझे पता है कि आपकी तबीयत ठीक नहीं है, लेकिन आप पागल नहीं हैं: बिल्कुल भी नहीं।"
मैंने अपने सूखे होंठों को चाटा।
"क्या आपको इस बात का पूरा यकीन है?"
"बिल्कुल।"
लेकिन उसकी गहरी आंखों में दिख रहे शरारती और चालाक भाव से मैं समझ गया कि वह झूठ बोल रहा था।

अध्याय अठारह

हॉपर ने मुझे बताया कि लगभग नौ बजे ब्लैंड लाइट बंद करने के लिए आता था।
“लगभग पाँच मिनट में,” उसने अपनी कलाई घड़ी देखते हुए कहा। “ब्लैंड मुझे ये घड़ी इसलिए देता है क्योंकि मैं उसे हर हफ़्ते सौ सिगरेट देता हूँ। मेरे पिताजी मुझे ये भेजते हैं, और ज़ाहिर है, मुझे सिगरेट पीने की इजाज़त नहीं है। उन्हें लगता है कि मैं बिस्तर में आग लगा दूँगा।” वह हँसा, उसके छोटे, एक जैसे, सफ़ेद दाँत दिख रहे थे। “बेवकूफी की बात है, लेकिन मुझे लगता है कि उनका इरादा अच्छा ही है।”
चादर की आड़ में मैं हथकड़ी से अपना हाथ निकालने की कोशिश कर रहा था। मैंने खुद से कहा, अगर एक बार मैं आज़ाद हो गया, तो कोई भी चीज़, यहाँ तक कि मशीनगन भी, मुझे इस जगह से निकलने से नहीं रोक पाएगी। लेकिन हथकड़ी मेरी कलाई के आकार में ढली हुई थी, और अपना हाथ काटने या चाबी के अलावा इससे निकलने का कोई रास्ता नहीं था।
मैंने अचानक पूछा, "आज कौन सा दिन है?"
हॉपर ने नाइट टेबल की एक दराज खोली और उसमें रखी डायरी देखी। "आज 29 जुलाई है। क्या आप डायरी नहीं रखते? मैं रखता हूँ। कल सालगिरह है। मुझे यहाँ आए तीन साल हो गए हैं।"
लेकिन मैं सुन नहीं रही थी। मुझे बहुत देर तक सोच-विचार करना पड़ा, तब जाकर मुझे याद आया कि 24 जुलाई को ही मॉरीन मुझे अपने आश्रम में ले गई थी। पाँच दिन! पाउला और करमन मुझे ढूंढ रहे होंगे। क्या वे यहाँ भी देखेंगे? अगर उन्हें लगा भी कि मैं यहाँ हूँ, तो वे मुझ तक कैसे पहुँचेंगे? साल्ज़र को ब्रैंडन का

संरक्षण प्राप्त था, और ब्रैंडन करमन की किसी भी बात पर ध्यान नहीं देता था।
अगर शेरिल—और मुझे पूरा यकीन था कि लाल स्वेटशर्ट वाला आदमी शेरिल ही था—को इस बात का पूरा भरोसा न होता कि यहाँ मुझ तक कोई नहीं पहुँच सकता, तो क्या वह मेरे सिर में गोली मारकर मुझे समुद्र में न फेंक देता? उसने ऐसा क्यों नहीं किया? शायद वह हत्या तक ही रुकता। स्टीवंस की हत्या नहीं हुई थी। उसकी मौत एक दुर्घटना थी। लेकिन साल्ज़र हत्या तक नहीं रुकता; जब तक कि ड्वेन ने अपने आदेशों का उल्लंघन न किया हो। मैंने सोचा, शायद बाकी ज़िंदगी एक गद्देदार कोठरी में बंद रहने से बेहतर यही होगा कि मेरी हत्या कर दी जाए।
मैंने मन ही मन कहा, "खुद को संभालो, मलोय। होश में आओ! ठीक है, तुम्हारे सिर पर चोट लगी है और तुम्हारी आँखों के पीछे और मुँह में अजीब सा एहसास हो रहा है, तुम्हारे अंदर जबरदस्ती ड्रग्स डाली गई है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि तुम अब बेकाबू हो जाओ। पाउला और करमन तुम्हें इससे बाहर निकाल लेंगे। हिम्मत रखो, और जब तक वे तुम्हें बाहर नहीं निकालते, तब तक आराम करो।"
दरवाजा अचानक और खामोशी से खुला, और एक छोटा, सांवला आदमी अंदर आया। उसके कंधे किसी गोरिल्ला जैसे चौड़े थे, और उसका गोल लाल चेहरा झुर्रियों से भरा था, जिस पर एक भावहीन, स्थिर मुस्कान छाई हुई थी। उसने सफेद रंग का छोटा कोट, सफेद पतलून और सफेद रबर के तले वाले जूते पहने हुए थे। उसके हाथ में तौलिए से ढकी एक ट्रे थी, और वह इतनी खामोशी और हल्केपन से चल रहा था जैसे कोई पंख ज़मीन पर धीरे से गिर रहा हो।

"हेलो, हॉपी," उसने ट्रे को दरवाजे के पास एक मेज पर रखते हुए कहा। "अब सोने चलते हैं। कैसे हो? उस किताब से तुम्हें कुछ नशा मिला?"
हॉपर ने मेरे बिस्तर की ओर हाथ हिलाया।
उन्होंने कहा, "श्री सीब्राइट अभी हमारे साथ हैं।"
ब्लैंड—यह निश्चित रूप से ब्लैंड ही होगा—मेरे बिस्तर के पास आकर खड़ा हो गया और मुझे घूरने लगा। उसके चेहरे पर मुस्कान अभी भी थी: बल्कि थोड़ी और चौड़ी हो गई थी। उसकी हरी आँखें बर्फ के टुकड़ों की तरह कठोर, ठंडी और तीखी थीं।
"हेलो, बेबी," उसने कहा। उसकी आवाज़ अजीब सी फुसफुसाहट वाली थी; कर्कश और रहस्यमयी, मानो उसके स्वरयंत्र में कुछ गड़बड़ हो। "मैं ब्लैंड हूँ। मैं तुम्हारा ख्याल रखूँगा।"
मैंने खुद को चादर को कसकर पकड़ते हुए पाया, लेकिन मैंने खुद को रोक लिया। मैंने खुद से कहा, शांत रहो। आराम करो। जल्दबाजी मत करो।
"हैलो," मैंने कहा, और मेरी आवाज़ पियानो के तार की तरह कसी हुई लग रही थी। "आपको मेरी देखभाल करने की ज़रूरत नहीं है। साल्ज़र कहाँ है? मैं उससे बात करना चाहता हूँ।"
"डॉक्टर साल्ज़र, बेटा," ब्लैंड ने फटकारते हुए कहा। "अनादर मत करो।" उसने हॉपर को एक लंबी, धीमी आँख मारी। "कल उनसे मिलोगे।" मैंने स्थिर स्वर में कहा, "मैं उसे अभी देखना चाहती हूँ।"
"कल, जान। डॉक्टर को थोड़ी छुट्टी चाहिए। अगर तुम्हें कुछ चाहिए तो मुझे बता देना। मैं इस फ्लोर का बॉस हूँ। जो मैं कहता हूँ वही होता है।"
मैंने अपनी आवाज़ को काबू में रखने की कोशिश करते हुए कहा, "मुझे साल्ज़र चाहिए।"

"कल, जान। अब शांत हो जाओ। मैं तुम्हारे लिए एक छोटा सा शॉट लाया हूँ, और फिर तुम सो जाओगी।"
"वह खुद को जासूस समझता है," हॉपर ने अचानक गुस्से से कहा। "वह कहता है कि डॉ. साल्ज़र ने किसी की हत्या की है।"
"बहुत ही अपमानजनक है, लेकिन इससे क्या फर्क पड़ता है?" ब्लैंड ने कहा और अपने डिब्बे से एक हाइपोडर्मिक सिरिंज निकाली। "लेकिन यह मायने रखता है। ये मतिभ्रम हैं," हॉपर ने गुस्से से कहा। "किताब में यही लिखा है। मुझे समझ नहीं आता कि मुझे उसे अपने साथ क्यों रखना चाहिए। मुझे यह पसंद नहीं है। वह खतरनाक हो सकता है।"
ब्लैंड ने एक छोटी सी कर्कश हंसी हंसी।
"तुम्हारे मुंह से ये सुनकर हंसी आती है। जल्दी से कपड़े पहन लो, जान; मुझे बहुत काम है।" उसने सुई लगाई और सिरिंज में रंगहीन तरल भर दिया।
"मैं डॉक्टर साल्ज़र से शिकायत करूंगा," हॉपर ने कहा। "मेरे पिता को यह पसंद नहीं आएगा।"
ब्लैंड ने अधीरता से कहा, "तेरे बाप को धिक्कार है, और तुम्हें तो दुगने धिक्कार है।" वह मेरे पास आया। "ठीक है, चलो तुम्हारी बांह लेते हैं: दाहिनी वाली।"
मैं अचानक उठ बैठा।
मैंने कहा, "तुम इसे मेरे अंदर नहीं डाल सकते।"
"ऐसे मत रहो, जान। इससे तुम्हें कुछ हासिल नहीं होगा," ब्लैंड ने अपनी बनावटी मुस्कान को और चौड़ा करते हुए कहा। "लेट जाओ और आराम करो।"
मैंने कहा, "मुझमें तो नहीं।"

उसने अपने दाहिने हाथ से मेरी कलाई पकड़ ली। उसकी छोटी, मोटी उंगलियां शिकंजे की तरह मेरी त्वचा में धंस गईं।
"अगर तुम इसे मुश्किल तरीके से करना चाहते हो," उसने कहा, उसका लाल, झाइयों वाला चेहरा मेरे चेहरे के बिल्कुल करीब था, "तो मुझे कोई आपत्ति नहीं है।"
मैंने उसकी पकड़ छुड़ाने की उम्मीद में तेज़ी से अपनी मांसपेशियों को घुमाते हुए झटका दिया, लेकिन इसके बजाय मेरी बांह लगभग टूट गई। मैंने आगे की ओर ज़ोर लगाया और अपने कंधे से उसकी छाती पर वार करने की कोशिश की, लेकिन वह भी कारगर नहीं हुआ। उसने अपनी पकड़ बनाए रखी, मेरी ओर देखकर मुस्कुरा रहा था, यह देखने के लिए कि मैं आगे क्या करूँगी। मैंने उसे ज़्यादा देर इंतज़ार नहीं कराया और अपने पैरों को चादर से छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन यह संभव नहीं था। चादर कैनवास जितनी सख्त थी और इतनी कसकर दबाई गई थी कि उसे हिलाना नामुमकिन था।
"हो गया, बेबी?" उसने लगभग खुशी से पूछा। "मैं अब सुई चुभोने जा रहा हूँ, और अगर तुमने संघर्ष किया तो यह तुम्हारे अंदर टूट जाएगी, इसलिए संभलकर चलना।"
मैंने दांत पीसकर उसे ज़ोर से धक्का दिया, जिससे उसका संतुलन बिगड़ गया और वह लड़खड़ा गया। हालांकि, वह तुरंत संभल गया और उसकी मुस्कान गायब हो गई।
"तो तुम्हें लगता है कि तुम ताकतवर हो?" उसने फुसफुसाते हुए कहा। "ठीक है, जान, चलो देखते हैं तुम कितने ताकतवर हो।"
उसने मेरी बांह मोड़ने की कोशिश शुरू कर दी। मैंने विरोध किया, लेकिन ऐसा लग रहा था जैसे किसी स्टीमरोलर को धकेल रही हो। वह बहुत ही ताकतवर था: अविश्वसनीय रूप से ताकतवर, और मेरी बांह धीरे-धीरे पीछे की ओर मुड़ गई, हर मांसपेशी में दर्द की लहर दौड़

[illegible]
[illegible]
[illegible]

अध्याय उन्नीस

मैंने अपनी आंखें खोलीं।
हल्की धूप सलाखों वाली खिड़कियों से अंदर आ रही थी, और सलाखों की छाया को सामने वाली सफेद दीवार पर ले जा रही थी: छह तीखी खुदी हुई रेखाएं मुझे याद दिला रही थीं कि मैं एक कैदी हूं।
ब्लैंड कमरे में चुपचाप घूम रहा था, उसके चौड़े मोटे हाथ में एक झाड़ू थी, उसके झाइयों वाले चेहरे पर एकाग्रता का भाव था। वह हर जगह धूल झाड़ रहा था; कोई भी चीज़ उसकी नज़र से नहीं बच रही थी। हॉपर बिस्तर पर बैठा अपनी किताब पढ़ रहा था। उसके चेहरे पर चिड़चिड़ापन और आक्रोश था, और उसने ब्लैंड पर बिल्कुल ध्यान नहीं दिया, यहाँ तक कि जब वह अपनी नाइट टेबल की धूल झाड़ रहा था तब भी नहीं।
ब्लैंड मेरे पास आया और मेरी नाइट टेबल से धूल झाड़ने लगा। हमारी नज़रें मिलीं और उसके चेहरे पर बनी स्थिर मुस्कान और चौड़ी हो गई।
"हेलो, बेबी," उसने कहा। "कैसा महसूस कर रही हो?"
"ठीक है," मैंने कहा और बिस्तर पर थोड़ा ऊपर सरक गई। मेरी दाहिनी बांह और कंधे में दर्द हो रहा था, और मेरी कलाई पर अभी भी उसकी मोटी उंगलियों के निशान थे।
"अच्छा है। मैं कुछ ही मिनटों में शेविंग किट लेकर आता हूँ। फिर आप नहा सकते हैं।"
मैंने सोचा, इसका मतलब हथकड़ी उतारना होगा।
ब्लैंड को ऐसा लग रहा था जैसे वह मेरे मन की बात समझ गया हो।
"और देखो, जान, कोई झगड़ा मत करना," उसने कहा। "यह मत सोचना कि तुम बच निकलोगी। तुम नहीं बच पाओगी। मेरे जैसे कुछ और लोग आसपास

हैं। सीढ़ियों के ऊपर वाला दरवाजा बंद है, और खिड़कियों पर सलाखें लगी हैं। हॉपी से पूछ लो। वो तुम्हें बताएगा। जब हॉपी पहली बार यहाँ आया था, तब मुसीबत हुई थी। उसने भागने की कोशिश की, लेकिन नाकाम रहा।"
मैंने उसे भावहीन होकर देखा और कुछ नहीं कहा।
"हॉपी से पूछो कि हम शरारत करने वाले बच्चे के साथ क्या करते हैं। वो तुम्हें बता देगा।" उसने हॉपर की ओर देखकर मुस्कुराते हुए कहा। "तुम उसे बताओगे ना, हॉपी?"
हॉपर ने ऊपर देखा और उसे घूरकर देखा।
"मुझसे बात मत करो, नीच चूहे। मुझे तुम्हें देखना भी पसंद नहीं है।"
ब्लैंड खिलखिलाकर हँस पड़ा।
"कोई बात नहीं, जान। मुझे कोई आपत्ति नहीं है। मुझे इसकी आदत हो गई है।"
हॉपर ने उसे एक अश्लील नाम से पुकारा।
"आराम से रहो, जान," ब्लैंड ने मुस्कुराते हुए कहा। "ज़्यादा ज़ोर मत लगाओ।" वह दरवाज़े की तरफ़ गया। "दाढ़ी बनाओ, फिर नहाओ और फिर नाश्ता करो। मैं देखता हूँ कि तुम्हारे लिए एक और अंडा ला सकूँ।"
हॉपर ने उसे बताया कि वह अंडे का क्या कर सकता है।
ब्लैंड हंसते हुए चला गया।
"कोशिश मत करो, सीब्राइट," हॉपर ने कहा। "यह जोखिम लेने लायक नहीं है। वे तुम्हें एक बेसुध जैकेट पहना देंगे और कई दिनों तक ठंडे पानी के टब में बंद रखेंगे। वह दरवाजे के बारे में झूठ नहीं बोल रहा है। चाबी के बिना तुम बाहर नहीं निकल सकते।" मैंने इंतजार करने और देखने का फैसला किया।

कुछ देर बाद ब्लैंड दो इलेक्ट्रिक रेज़र लेकर वापस आया। उसने उन्हें प्लग में लगाया और दिया।
हूपर एक और मैं दूसरा।
"जल्दी करो, बच्चों," उसने कहा। "मुझे आज बहुत काम करना है।" "तुम हमेशा बड़बड़ाते रहते हो," हॉपर ने गुस्से से कहा। "काश तुम चले जाते। मैं तुम्हारा बदसूरत चेहरा देखते-देखते थक गया हूँ।" "यह आपसी सहमति से है, बेबी," ब्लैंड ने खुशी से कहा। "जल्दी करो और काम निपटाओ। डॉ. साल्ज़र को अपने मरीज़ों को स्मार्ट देखना अच्छा लगता है।"
तो मैं साल्ज़र से मिलने जा रहा था। उससे कुछ मिलने की उम्मीद तो नहीं थी, लेकिन शायद मैं उसे डरा सकता था। अगर शेरिल ने मुझे यहाँ भेजा होता, तो शायद साल्ज़र को यकीन हो जाता कि किसी का अपहरण करना खतरनाक खेल है। मुझे लगता तो यह मुश्किल था, लेकिन कोशिश करने में क्या हर्ज था।
जब मैंने शेविंग पूरी कर ली, तब ब्लैंड सफेद सूती गाउन पहने हुए अंदर आया।
"कोई शरारत मत करना, जान," उसने धीमी आवाज़ में कहा और हथकड़ी खोलने के लिए बिस्तर के चारों ओर आया। "बस आराम से रहो।"
जब उसने हथकड़ी उतारी तो मैं चुपचाप लेटा रहा। हॉपर मुझे बड़ी उत्सुकता से देख रहा था। ब्लैंड कुछ कदम पीछे हट गया और वह भी मुझे देखने लगा।
"उठो, बेबी।"
मैंने चादर के नीचे से अपने पैर निकाले, उन्हें ज़मीन पर पटका और खड़ी हो गई। जैसे ही मैंने अपने पैरों पर पूरा वज़न डाला, मुझे पता चल गया कि अब कुछ भी शुरू करना नामुमकिन होगा।

मेरे पैर बहुत कांप रहे थे और बहुत कमजोर थे। मैं किसी हमलावर बैल से भाग नहीं सकता था।
मैंने लड़खड़ाते हुए एक कदम आगे बढ़ाया और तुरंत ज़मीन पर बैठ गया। मुझे ज़मीन पर बैठने की ज़रूरत नहीं थी, लेकिन मेरे मन में यह ख्याल आया कि ब्लैंड को यह दिखाना बुरा विचार नहीं होगा कि मेरे पैर असलियत से कहीं ज़्यादा कमज़ोर हैं।
मैं हाथों और घुटनों के बल रेंगता हुआ उठा और अपने पैरों पर खड़ा हो गया। ब्लैंड हिला तक नहीं था। वह शंकालु था और किसी भी जाल में फंसने वाला नहीं था।
"मेरी मदद कर दो ना?" मैंने उस पर चिल्लाते हुए कहा। "या फिर मुझे वापस बिस्तर पर जाने दो।"
"देखो, जान, मैं तुम्हें चेतावनी दे रहा हूँ," उसने धीरे से कहा। "अगर तुमने कुछ भी शुरू किया, तो यह बहुत लंबे समय तक तुम्हारा आखिरी काम होगा।"
बकवास बंद करो। क्या बात है? मुझसे डरते हो?
ऐसा लग रहा था कि वह इसी तरह की भाषा समझता है, क्योंकि उसने मेरा हाथ पकड़ लिया।
"न तो तुम्हारी वजह से, न ही किसी और की वजह से, जान।"
उन्होंने मुझे ड्रेसिंग गाउन पहनने में मदद की, दरवाजा खोला और हम साथ-साथ एक लंबे चौड़े गलियारे में निकल आए। मैंने कुछ और कदम बढ़ाए और रुक गई, मानो मुझे अभी भी अपने आप पर पूरा भरोसा न हो। इस ठहराव ने मुझे दाएं और बाएं देखने का समय दिया। गलियारे का एक सिरा एक विशाल दिखने वाले दरवाजे पर समाप्त होता था, दूसरा सिरा एक ऊंची खिड़की से बंद था, जो जालीदार ग्रिल से ढकी हुई थी।

"ठीक है, बेबी," ब्लैंड ने मुस्कुराते हुए कहा। "अब तुमने देख लिया है, चलो चलते हैं। मैंने तुम्हें बता दिया था कि क्या है। अब तुमने खुद देख लिया है।"
हां, मैंने खुद देखा था।
मैं ब्लैंड के साथ गलियारे में आगे बढ़ा, मेरा दिमाग कहीं और ही चल रहा था। किसी भी तरह मुझे उस दरवाजे की चाबी और हथकड़ी की चाबी हासिल करनी थी। या तो ऐसा करना था, या फिर यहीं रहना था जब तक कि वे मुझे रखते-रखते थक न जाएं या फिर मैं सड़कर मर न जाऊं। अचानक हुई हलचल ने हमें रोक दिया: एक चौंकी हुई चीख, एक भारी धमाका जैसे कोई भारी चीज गिर गई हो।
ब्लैंड ने मेरी बांह पकड़ ली।
पास का एक दरवाज़ा अचानक ज़ोर से खुला और एक लड़की गलियारे में दौड़ पड़ी। उसके बारे में सबसे पहली और स्पष्ट बात थी उसका पूरी तरह नग्न होना। ऐसा लग रहा था जैसे वह अभी-अभी नहाकर निकली हो, क्योंकि उसकी गोरी त्वचा पर पानी चमक रहा था और उसकी पतली भुजाओं पर साबुन की एक पतली परत से पैटर्न बने हुए थे। वह गोरी थी और उसके बाल उसके सिर के चारों ओर घुंघराले घेरे की तरह फैले हुए थे। वह सुंदर नहीं थी, न ही साधारण। वह दिलचस्प थी; निश्चित रूप से और स्पष्ट रूप से दिलचस्प, और मुझे संदेह था कि कपड़ों के साथ वह उतनी दिलचस्प नहीं होगी जितनी बिना कपड़ों के थी। अंदाज़ा है कि वह लगभग पच्चीस साल की होगी। उसका शरीर सुंदर था, लंबी टांगें, उभरे हुए स्तन और उसकी त्वचा फेंटे हुए मलाई के रंग की थी।
मैंने ब्लैंड को गहरी सांस लेते हुए सुना।
"अरे वाह!" उसने धीमी आवाज़ में कहा, और उछलकर आगे बढ़ा, उसकी मोटी उंगलियाँ लड़की की ओर बढ़ीं, उसकी आँखों में क्रूर

उत्तेजना झलक रही थी। उसने लड़की का हाथ पकड़ लिया। उसकी चीख छत तक गूंजी और दीवारों से टकराई। उसका हाथ लड़की के साबुन लगे हाथ से फिसल गया और वह घूमकर गलियारे में दौड़ पड़ी। वह अप्रत्याशित फुर्ती से, हवा की तरह तेज़ भागी।
ब्लैंड ने एक कदम आगे बढ़ाया, फिर अपना इरादा बदल दिया। वह भाग नहीं सकती थी। वह पहले ही विशाल दरवाजे तक पहुँच चुकी थी और मुट्ठी भींचकर उस पर ज़ोर-ज़ोर से मार रही थी।
यह सब कुछ पल भर में घट गया, फिर बाथरूम से एक नर्स निकली: एक लंबी, मजबूत कद-काठी वाली महिला जिसका चेहरा भय और क्रोध से सफेद पड़ गया था। उसने गलियारे में लड़की की नंगी पीठ की ओर देखा। उसने ब्लैंड की ओर देखा।
"अपने मरीज़ को यहाँ से ले जाओ," उसने कहा। "और तुम खुद भी यहाँ से निकल जाओ, तुम—तुम बंदर!"
"शांत रहो," ब्लैंड ने लड़की पर नज़र रखते हुए कहा। "तुमने उसे बाहर जाने दिया, तुम बूढ़ी मूर्ख घोड़ी।"
"अपने मरीज को यहाँ से ले जाओ वरना मैं तुम्हारी शिकायत कर दूंगी," नर्स ने गुस्से से कहा।
"और तुम भी ऐसा ही करोगे," ब्लैंड ने व्यंग्य करते हुए जवाब दिया।
उसने मेरी बांह पकड़ ली।
"चलो, जान, मज़ा तो खत्म हो गया। अब तुम ये नहीं कह सकती कि ये रहने के लिए बढ़िया जगह नहीं है। तुम्हें भरपूर ध्यान और फ़ॉलीज़ बर्गेरे तो मुफ़्त में मिल ही रहा है। और क्या चाहिए?" जब नर्स गलियारे में गई, तो वह मुझे उस बाथरूम के ठीक सामने वाले बाथरूम में ले गया, जहाँ से वह लड़की भागी थी। लड़की ने उसे आते देखा और उसकी ओर मुड़ी; उसकी चीखें मेरे दिमाग में गूंज उठीं और

मेरी नसें तन गईं। मुझे राहत मिली जब बाथरूम का दरवाजा बंद हो गया और आवाज़ बाहर नहीं आई।
ब्लैंड उत्साहित था। उसकी छोटी-छोटी कठोर आँखें चमक रही थीं, और वह लगातार अपनी जीभ अपने होठों पर फेर रहा था।
"वाह, क्या गजब की लड़की है!" उसने लगभग खुद से कहा। "मैं इसे एक हफ्ते की तनख्वाह के लिए भी नहीं छोड़ता। ये लो, अपने कपड़े उतारो और नहाने जाओ। मेरी किस्मत ही खराब है कि मुझे तुम्हें देखना पड़ रहा है जबकि वो खूबसूरत लड़की सबके सामने है।"
मैंने ड्रेसिंग गाउन और पायजामा उतारते हुए कहा, "बच्चों जैसी हरकतें करना बंद करो। आखिर वो है कौन?"
"वो औरत? उसे तो आप जानते भी नहीं होंगे। वो यहाँ नर्स हुआ करती थी; जब उसका बेटा उसे छोड़कर चला गया तो वो अचानक पागल हो गई। कहानी तो यही है। मेरे आने से पहले वो यहाँ थी। अपने बेटे को खोने पर वो पागल क्यों हो गई, ये मेरी समझ से परे है। वो जब चाहे तब मुझे अपने साथ घुमाने ले जाती।"
मैं बाथटब में चुपचाप लेटी रही, मेरे चेहरे पर कोई भाव नहीं था।
एक नर्स! क्या यह वही लापता नर्स थी जिसके बारे में मिफ्लिन ने मुझे बताया था? आवाज़ तो उसी जैसी लग रही थी।
"उसका नाम एनोना फ्रीडलैंडर है—है ना?" मैंने झट से पूछा। ब्लैंड ने अपना आश्चर्य व्यक्त किया।
"आप कैसे जानते हो?"
मैंने गंभीरता से कहा, "मैं एक जासूस हूँ।"
ब्लैंड मुस्कुराया। वह बाथटब के पास एक स्टूल पर बैठ गया और सिगरेट जला ली।
"चलो, जान। अब पकड़े जाने की चिंता मत करो। मुझे बहुत काम करना है।" अनमने ढंग से उसने माचिस की तीली पानी में गिरा दी।

मैंने विषय बदलते हुए पूछा, "हॉपर को क्या हुआ है? वो यहाँ क्यों है?"
ब्लैंड ने सिर हिलाते हुए कहा, "हॉपी तो बिल्कुल ही अजीब आदमी है। महीने में कुछ दिन ऐसे होते हैं जब मैं भी उसके पास नहीं जाता। उसे देखकर आपको ऐसा नहीं लगता, है ना? बड़ा धोखेबाज है। अगर उसके बाप का पैसा न होता तो वो पागलखाने में होता। उसने एक लड़की का कत्ल कर दिया: अपने दांतों से उसका गला फाड़ दिया। वो अपनी बाकी जिंदगी यहीं बिताएगा। उसके बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता। जब उसका मूड खराब होता है तो वो कातिल बन जाता है। एक दिन वो ठीक रहता है, अगले दिन वो भूख हड़ताल पर बैठे बाघ जितना खतरनाक हो जाता है।"
मैं ब्लैंड के बारे में सोचने लगा, खुद से पूछने लगा कि क्या उसे खरीदा जा सकता है।
मैंने पानी में लेटते हुए पूछा, "एक सिगरेट कैसी रहेगी?" "मुझे एक सिगरेट चाहिए।"
"ज़रूर, बेटा। जब तक तुम तमीज़ से पेश आओगे, मैं तुम्हें भाई की तरह मानूंगा।" उसने लकी स्ट्राइक सिगरेट का एक पैकेट निकाला, मुझे एक सिगरेट दी और उसे जलाकर मुझे बताया, "जब तुम लोग यहाँ पहली बार आते हो, तो सब होशियारी दिखाते हो और झगड़ा शुरू करते हो। मेरी सलाह मानो, ऐसा मत करना। हमारे पास हर चीज़ का जवाब है। बस इतना याद रखना।"
मैंने सिगरेट का एक कश लिया। इसका स्वाद उतना अच्छा नहीं था जितना मुझे उम्मीद थी।
"आपको क्या लगता है कि आप मुझे यहां कब तक रखेंगे?"
उसने अपनी जेब से एक पुराना लिफाफा निकाला और उसमें राख भरकर मेरे इस्तेमाल के लिए उसे बाथटब के किनारे रख दिया।

"तुम्हारे रिकॉर्ड को देखकर लगता है, बेबी, तुम यहाँ हमेशा के लिए रहने वाली हो।"
मैंने इसे आजमाने का फैसला किया।
"क्या आप सौ डॉलर कमाना चाहेंगे?"
"क्या कर रहे हो?" छोटी-छोटी आँखों में हैरानी झलक रही थी। "बहुत आसान है। मेरे एक दोस्त को फोन कर दो।"
और मैं क्या कहूँगा?
लेकिन यह कुछ ज़्यादा ही जल्दबाज़ी और कुछ ज़्यादा ही सतहीपन था। मैंने उसे गौर से देखा। यह काम नहीं करने वाला था। उसकी व्यंग्यात्मक मुस्कान ने उसकी पोल खोल दी। वह मेरे साथ खेल रहा था।
"छोड़ो कोई बात नहीं," मैंने कहा, सिगरेट बुझाई और भीगी हुई सिगरेट का टुकड़ा लिफाफे में डाल दिया। "छोड़ो इसे। चलो एक तौलिया ले लेते हैं।"
उसने मुझे एक तौलिया दिया।
"इतना गुस्सा मत करो, जान। मैं शायद खेलूँ। मुझे सौ डॉलर की ज़रूरत है। फ़ोन नंबर क्या है?"
मैंने कहा, "भूल जाओ।"
वह मुस्कुराते हुए मुझे देखता रहा, सिगरेट का बट उसके निचले होंठ पर टिका हुआ था।
"शायद आप दांव बढ़ाना चाहेंगे," उसने सुझाव दिया। "अब, पांच सौ के लिए..."
मैंने कहा, "इसे अपने दिमाग से निकाल दो," और मैंने अपने पायजामे पहन लिए। "एक दिन हम ज़्यादा बराबरी के स्तर पर मिलेंगे। मैं उस दिन का बेसब्री से इंतज़ार कर रहा हूँ।"

"कोई बात नहीं, जान। अपने ख्यालों में खो जाओ। उनसे मुझे कोई नुकसान नहीं होगा," उसने कहा, दरवाजा खोला और बाहर देखा। "चलो। मुझे हॉपी को उठाना है।"
जब मैं गलियारे से गुज़र रही थी, तो सामने वाले बाथरूम से कोई आवाज़ नहीं आ रही थी। नहाने से मुझे बहुत आराम मिला था। अगर उस दरवाज़े से अंदर जाने का मौका मिलता, तो मैं ज़रूर जाती। लेकिन मैंने मन बना लिया था कि मुझे बहुत धैर्य रखना होगा। मैं जानबूझकर धीरे-धीरे चल रही थी, ब्लैंड के हाथ का सहारा लेकर। जितना कमज़ोर वो मुझे समझेगा, उतना ही मैं उसे आमने-सामने की लड़ाई में चौंका दूँगी।
मैं बिस्तर पर लेट गया और विनम्रतापूर्वक उसे हथकड़ी लगाने की अनुमति दे दी।
हॉपर ने कहा कि वह नहाना नहीं चाहता।
"अब, जान, ऐसे बर्ताव करना ठीक नहीं है," ब्लैंड ने फटकार लगाते हुए कहा। "आज सुबह तुम्हें स्मार्ट दिखना होगा। ग्यारह बजे एक आधिकारिक मुलाक़ात है। कोरोनर लेसवेज़ तुमसे बात करने आ रहे हैं।" उसने मेरी तरफ देखा और मुस्कुराया। "और वो तुमसे भी बात करेंगे। हर महीने नगर परिषद के सदस्य इन सनकी लोगों से मिलने आते हैं। ऐसा नहीं है कि वे इन सनकी लोगों की बातों पर ज़्यादा ध्यान देते हैं, लेकिन वे आते हैं, और कभी-कभी सुनते भी हैं। लेकिन उन्हें हत्या के बारे में कुछ मत बताना, जान। उन्होंने सब कुछ सुन लिया है। उनके लिए तुम भी उन जैसे कई सनकी लोगों में से एक हो, और इससे तुम्हें कोई फ़ायदा नहीं होगा।"
उसने हॉपर को बिस्तर से उठने के लिए मना लिया और वे दोनों साथ में बाथरूम चले गए। इससे मैं अकेला रह गया। मैं बिस्तर पर लेटा रहा, सामने की दीवारों पर खुदी हुई छह तीखी रेखाओं को घूरता रहा

"हैलो," मैंने कहा, और मुझे इस बात से चिढ़ हुई कि मेरी आवाज कर्कश हो गई थी।
उसकी मोटी उंगलियां एक बेर की तलाश में दौड़ीं, उसे एक बेर मिला और उसने उसे उठाकर सबके सामने रख दिया।
"ये तो मिस्टर मैलोय हैं, है ना?" उसने उतनी ही विनम्रता से कहा, जैसे कोई पादरी की पत्नी किसी नए सदस्य से मिलती है।
"हाँ, सही कहा," मैंने कहा। "पिछली बार जब हम मिले थे, तब हमारे पास आपस में घुलने-मिलने का समय नहीं था। तुम कौन हो?"
उसने कुछ देर तक चबाया, पत्थर को अपनी हथेली में निकाला और उसे कागज के थैले में डाल दिया।
"अरे, मैं तो श्रीमती साल्जर हूँ," उसने कहा।
मुझे यही अनुमान लगाना चाहिए था। वह वाकई कोई और हो ही नहीं सकती थी।
मैंने कहा, "मैं व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं करना चाहती, लेकिन क्या आपको अपने पति पसंद हैं, श्रीमती साल्ज़र?"
अस्पष्ट भाव आश्चर्य में बदल गया, और आश्चर्य ने उसकी जगह कमजोर अभिमान का भाव ले लिया।
"डॉ. साल्ज़र बहुत ही नेक इंसान हैं। उनके जैसा दुनिया में कोई नहीं है," उन्होंने कहा और अपनी कोमल, गोल ठुड्डी मेरी ओर इशारा करते हुए बोलीं।
"यह तो बहुत दुख की बात है। आपको उनकी कमी खलेगी। हमारे आधुनिक जेलों में भी पति-पत्नी को अलग रखा जाता है।"
चेहरे पर फिर से वही अस्पष्ट भाव लौट आया।
मुझे समझ नहीं आ रहा कि आप क्या कहना चाहते हैं।

"खैर, आपको ऐसा ही करना चाहिए। अगर वे आपके पति को गैस चैंबर में नहीं डालते, तो वे उसे बीस साल की सजा देंगे। अपहरण और हत्या जैसे अपराधों में ऐसी ही सजा मिलती है।"
"कौन सी हत्या?"
"यूडोरा ड्रू नाम की एक महिला की हत्या आपके पति के निर्देश पर की गई थी। मेरा अपहरण कर लिया गया है, और सामने वाली गली में एक लड़की है जिसका मुझे लगता है कि अपहरण कर लिया गया है: एनोना फ्रीडलैंडर। और फिर नर्स गर्नी भी हैं।"
उस महिला के मोटे चेहरे पर एक शरारती सी मुस्कान खिल उठी। "उनका इससे कोई लेना-देना नहीं है। उन्हें लगता है कि मिस फ्रीडलैंडर मेरी एक दोस्त हैं जिनकी याददाश्त चली गई है।"
"और मुझे लगता है कि वह यह भी सोचता है कि मैं तुम्हारा दोस्त हूँ?" मैंने व्यंग्यपूर्वक कहा।
"ठीक से दोस्त तो नहीं, लेकिन मेरे एक दोस्त का दोस्त।"
"और यूडोरा ड्रू के बारे में क्या ख्याल है?"
श्रीमती साल्जर ने अपने कंधे उचका दिए।
"यह दुर्भाग्यपूर्ण था। उसे पैसों की ज़रूरत थी। मैंने बेनी को उससे बात करने के लिए भेजा। लेकिन वह बहुत ज़्यादा हिंसक हो गया।"
मैंने अपने अंगूठे के नाखून से अपनी ठुड्डी खुजलाई और उसे घूर कर देखा। मुझे यकीन से ज़्यादा महसूस हो रहा था कि वह सच कह रही है।
मैंने पूछा, "नर्स गर्नी कहाँ है?"
"ओह, उसका एक्सीडेंट हो गया," श्रीमती साल्ज़र ने कहा और फिर से बोरी में झाँका। उन्होंने एक बेर निकाला और मुझे देते हुए कहा,

"क्या तुम एक खाओगे? बिस्तर पर लेटने पर ये सेहत के लिए अच्छे होते हैं।"
नहीं। बेर की बात छोड़ो। उसका क्या हुआ?
चेहरा फिर से धुंधला हो गया।
"ओह, वो आग से बचने वाली सीढ़ी से नीचे उतर रही थी तभी उसका पैर फिसल गया। मैंने उसे कार में बिठाया, लेकिन मुझे लगता है उसकी गर्दन टूट गई होगी। मुझे नहीं पता क्यों, लेकिन वो मुझसे बहुत डरी हुई लग रही थी।"
मैंने कठोर स्वर में कहा: "तुमने उसके साथ क्या किया?"
"मैंने उसे रेत में झाड़ियों के बीच छोड़ दिया था।" उसने बेर का एक टुकड़ा खाया और खिड़की की ओर इशारा करते हुए कहा, "रेगिस्तान में। उसके साथ मैं और कुछ नहीं कर सकती थी।"
मैंने अपने बालों में उंगलियां फिराईं। शायद वह पागल थी, मैंने सोचा, या फिर मैं ही पागल थी।
"क्या आपने ही मेरे यहां आने का इंतजाम किया था?"
“ओह, हाँ,” उसने दरवाजे से टेक लगाते हुए कहा। “देखिए, डॉ. साल्ज़र को न तो चिकित्सा का ज्ञान है और न ही मानसिक बीमारी का। लेकिन मुझे है। मेरा पहले बहुत बड़ा क्लिनिक था, लेकिन कुछ हुआ। मुझे याद नहीं क्या हुआ था। डॉ. साल्ज़र ने मेरे लिए यह क्लिनिक खरीद लिया। वो दिखावा करते हैं कि वो इसे चलाते हैं, लेकिन असल में सारा काम मैं ही करती हूँ। वो तो बस नाम के डॉक्टर हैं।”
"नहीं, वह नहीं है," मैंने कहा। "उसने मैकडोनाल्ड क्रॉस्बी के मृत्यु प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर किए थे। उसे ऐसा करने का कोई अधिकार नहीं था। वह इसके लिए योग्य नहीं है।"

"आप बिलकुल गलत हैं," उसने शांत भाव से कहा। "मैंने इस पर हस्ताक्षर किए हैं। संयोग से हमारे नाम के पहले अक्षर एक जैसे हैं।"
"लेकिन वह जेनेट क्रॉस्बी का घातक एंडोकार्डिटिस का इलाज कर रहे थे," मैंने कहा। "डॉक्टर बेवली ने मुझे ऐसा बताया था।"
"डॉ. बेवली को गलतफहमी हुई थी। जब लड़की की मृत्यु हुई, तब डॉ. साल्ज़र संयोगवश मेरे काम से क्रॉस्बी के घर पर थे। उन्होंने डॉ. बेवली को बताया कि मैं उसका इलाज कर रहा था। डॉ. बेवली एक बूढ़े और थोड़े बहरे व्यक्ति हैं। उन्हें गलतफहमी हो गई थी।" मैंने पूछा, "उसे बुलाया ही क्यों गया था? अगर आप उसका इलाज कर रहे थे तो आपने सर्टिफिकेट पर हस्ताक्षर क्यों नहीं किए?" "मैं उस समय बाहर थी। मेरे पति ने डॉ. बेवली को फोन करके सही काम किया। वह हमेशा सही काम करते हैं।"
मैंने कहा, "ठीक है। तो फिर उसे मुझे यहाँ से जाने देना चाहिए।" "उसे लगता है कि आप खतरनाक हैं," श्रीमती साल्ज़र ने कहा और फिर से बोरी में झाँका। "और आप हैं भी, श्रीमान मैलॉय। आपको बहुत कुछ पता है। मुझे आपके लिए अफ़सोस है, लेकिन आपको दखल नहीं देना चाहिए था।" उन्होंने ऊपर देखकर एक अजीब सी मुस्कान दी। "मुझे डर है कि आपको यहीं रहना पड़ेगा, और बहुत जल्द आपकी मानसिक स्थिति बिगड़ने लगेगी। देखिए, जो लोग लगातार नशा करते हैं, वे अक्सर मंदबुद्धि हो जाते हैं। क्या आपने यह गौर किया है?"
क्या मेरे साथ भी यही होने वाला है?
उसने सिर हिलाया।
"मुझे अफसोस है, लेकिन मैं नहीं चाहता था कि आप डॉ. साल्ज़र के बारे में गलत सोचें। वह बहुत ही अच्छे इंसान हैं। इसीलिए मैंने आपको इतना कुछ बताया है। सच कहूँ तो, मुझे जितना बताना चाहिए था

उससे ज़्यादा बता दिया है, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। आप बच नहीं पाएँगे।"
वह उतनी ही खामोशी से दूर जाने लगी जितनी खामोशी से वह आई थी। "अरे! कहीं मत जाओ," मैंने आगे झुकते हुए कहा। "मुझे यहाँ रखने के लिए मॉरीन क्रॉस्बी तुम्हें कितना पैसा दे रही है?"
उसकी धुंधली आँखें थोड़ी सी बाहर निकल आईं।
"लेकिन उसे पता नहीं है," उसने कहा। "इसका उससे कोई लेना-देना नहीं है। मुझे लगा कि आपको पता है," और वह एक लंबे और थका देने वाले भूतिया दौर के बाद थकी हुई भूत की तरह चली गई।

अध्याय बीस

नहाने के बाद हॉपर का मिजाज बेहतर हो गया था, और जब हम नाश्ता कर रहे थे तो मैंने उससे पूछा कि क्या उसने कभी भागने की कोशिश की थी।
"मेरे पास जाने के लिए कोई जगह नहीं है," उसने कंधे उचकाते हुए कहा। "इसके अलावा, मेरे टखने में हथकड़ी लगी है और वह बिस्तर से बंधी हुई है। अगर बिस्तर ज़मीन से बंधा हुआ न होता तो शायद मैं कोशिश करता।"
मैंने पतले टोस्ट पर मुरब्बा फैलाते हुए पूछा, "बिस्तर का इससे क्या लेना-देना है?" एक हाथ से यह करना आसान नहीं था।
"हथकड़ी की अतिरिक्त चाबी उस ऊपर वाले दराज में रखी है," उसने सामने वाली दीवार से लगे दराजों वाले एक बक्से की ओर इशारा करते हुए समझाया। "आग लगने की स्थिति में वे इसे वहाँ रखते हैं। अगर मैं बिस्तर हटा सकूँ तो मैं चाबी तक पहुँच सकता हूँ।"
मैं लगभग छत से टकरा गया।
"क्या! उस दराज में?"
"बिल्कुल सही। किसी को पता नहीं चलना चाहिए, लेकिन मैंने एक बार ब्लैंड को चाबी खो जाने पर उसे निकालते हुए देखा था।"
मैंने अपने बिस्तर के निचले हिस्से और दराजों वाली अलमारी के बीच की दूरी का अंदाज़ा लगाया। यह हॉपर की तुलना में मेरे ज़्यादा करीब थी। अगर मुझे टखने से पकड़ा जाता, तो शायद मैं वहाँ तक पहुँच सकती थी। यह थोड़ा मुश्किल होता, लेकिन मुझे लगा कि मैं कर सकती हूँ। पर कलाई में हथकड़ी लगी होने के कारण यह नामुमकिन था।
मैंने पूछा, "तुम्हारा पैर और मेरा कलाई कैसे बंधी हुई है?"

"पहले तो उन्होंने मेरी कलाई बांध दी थी," हॉपर ने बेपरवाही से कहा और अपनी ट्रे एक तरफ रख दी। "लेकिन मुझे पढ़ने में दिक्कत हो रही थी, इसलिए ब्लैंड ने इसे बदल दिया। अगर आप उनसे कहेंगे तो वो आपका भी बदल देंगे। आपको अब और बात न करने में कोई आपत्ति तो नहीं है? मैं इस किताब को पढ़ना चाहता हूँ।"
नहीं, मुझे कोई आपत्ति नहीं थी। मुझे बिल्कुल भी आपत्ति नहीं थी। मैं उत्साहित था। अगर मैं ब्लैंड को अपनी कलाई खोलने के लिए मना लेता, तो शायद मैं चाबी तक पहुँच जाता। यह विचार अगले एक घंटे तक मेरे दिमाग में घूमता रहा।
ब्लैंड ग्यारह बजने से कुछ मिनट पहले ग्लैडियोली के फूलों से भरा एक विशाल फूलदान लेकर आया। उसने उसे दराजों वाली अलमारी के ऊपर रख दिया और उसे निहारने के लिए पीछे हट गया।
"बहुत बढ़िया, है ना?" उसने मुस्कुराते हुए कहा। "ये पार्षदों के लिए हैं। ये लोग फूलों के लिए इतने दीवाने क्यों होते हैं, ये तो बड़ी अजीब बात है। पिछले समूह ने तो मरीजों की तरफ देखा तक नहीं। वे बस इधर-उधर खड़े होकर फूलों की तारीफ करते रहे।"
उसने नाश्ते की थालियाँ उठाईं और उन्हें ले गया, और लगभग तुरंत ही लौट आया। उसने हमें ध्यान से देखा, हॉपर की चादर सीधी की, पास आया और मेरे तकिए को ठीक किया।
"अब तुम यहीं रहो," उन्होंने कहा। "भगवान के लिए, खुद को गंदा मत करो। क्या तुम्हारे पास कोई किताब नहीं है?" उन्होंने मुझसे पूछा।
"आपने मुझे एक भी नहीं दिया है।"
"किताब होनी ही चाहिए। ये इन गुंडों का एक और शौक है। इन्हें मरीज को पढ़ते देखना अच्छा लगता है।"

वह कमरे से बाहर भागा और थोड़ी हांफते हुए एक भारी किताब लेकर लौटा, जिसे उसने मेरे घुटनों पर पटक दिया।
"इसमें लग जाओ, जान। जब ये चले जाएंगे, तो मैं तुम्हारे लिए कुछ और मज़ेदार चीज़ ढूंढ लूंगा।"
मैंने किताब को देखते हुए पूछा, "मैं सिर्फ एक हाथ से पन्ने कैसे पलटूँ?" किताब का शीर्षक था 'उन्नत छात्रों के लिए स्त्रीरोग विज्ञान'।
"अच्छा हुआ तुमने याद दिला दिया, जान।" उसने अपनी चाबी निकाली। "हम हथकड़ी को नज़र से दूर रखते हैं। ये बदमाश तो बड़े नरम दिल के हैं।"
मैंने उसे हथकड़ी मेरे टखने में लगाते हुए देखा, मुझे अपनी किस्मत पर मुश्किल से ही यकीन हो रहा था। यह मेरे जीवन का एक बेहद खास पल था।
"ठीक है, बेटा, ध्यान रखना," उसने बिस्तर ठीक करते हुए कहा। "अगर वे तुमसे पूछें कि तुम्हें यहाँ कैसा लग रहा है, तो उन्हें बताना कि हम तुम्हारा ख्याल रख रहे हैं। कोई भी उलटी-सीधी बात मत करना। वे तुम्हारी किसी बात पर विश्वास नहीं करेंगे, और उनके जाने के बाद ही तुम्हें मुझसे बात करनी होगी।"
मैंने किताब खोली। पहला पन्ना देखते ही मेरी आंखें चौंधिया गईं।
मैंने कहा, "मुझे नहीं पता कि मैं इसे देखने के लिए काफी बड़ी हो गई हूं या नहीं," और मैंने उसे वह पृष्ठ दिखाया।
उसने घूरकर देखा, गहरी सांस ली, मुझसे किताब छीन ली और शीर्षक को देखकर अवाक रह गया।

"अरे बाप रे! क्या इसका यही मतलब है?" और वह उसे लेकर कमरे से बाहर भागा, और हांफते हुए दांते के नरक के समानांतर अनुवाद की एक प्रति लेकर लौटा। काश मैंने अपना मुंह बंद रखा होता।
"इससे उन पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा," उसने संतुष्टि से कहा। "वैसे भी, ये बदमाश पढ़ तो सकते नहीं हैं।"
ग्यारह बजने के कुछ मिनट बाद गलियारे से आवाजें सुनाई दीं और आधे खुले दरवाजे से अंदर आने की आवाज आई।
खिड़की के पास इंतजार कर रहे ब्लैंड ने अपनी जैकेट सीधी की और अपने बालों को संवारा।
हॉपर ने तेवर चढ़ाए और अपनी किताब बंद कर दी।
"ये आ गए।"
चार आदमी कमरे में दाखिल हुए। सबसे पहले तो ज़ाहिर तौर पर डॉ. जोनाथन साल्ज़र थे: चारों में सबसे प्रतिष्ठित दिखने वाले; लंबे, पतले आदमी, जिनके बाल पैडेरेव्स्की स्टाइल में घने और कबूतर की पीठ की तरह सफ़ेद थे। उनका सांवला चेहरा शांत और गंभीर रेखाओं से बना था; उनकी आँखें गहरी और विचारशील थीं। मैंने कल्पना की, पचास से ज़्यादा उम्र के, फिर भी शक्तिशाली, उनका शरीर किसी कैडेट की तरह सीधा और तना हुआ था, जैसे पासिंग-आउट परेड में। उन्होंने काले रंग का मॉर्निंग कोट और धारीदार पतलून पहनी हुई थी और वे किसी दर्जी के पुतले की तरह बेदाग़ थे। उनके घने बालों को देखकर जो हैरानी हुई, उससे उबरते ही सबसे पहले जो चीज़ नज़र आई, वो थे उनके हाथ। वे बेहद खूबसूरत हाथ थे; लंबे और पतले, नुकीली उंगलियों वाले: किसी सर्जन के हाथ या किसी हत्यारे के हाथ: दोनों ही कामों में माहिर।
कोरोनर लेसवेज़ उसके पीछे-पीछे अंदर आए। मैंने उन्हें प्रेस में छपी उनकी कुछ तस्वीरों से पहचान लिया था: एक छोटा, गठीला

आदमी, जिसका सिर गेंद जैसा था, छोटी आँखें और एक नखरेबाज़, कंजूस सा छोटा मुँह। वह दिखने में ही वैसा था जैसा वह था: एक धूर्त जिसने अपना पूरा जीवन ठगी करने में बिताया था।
उसका साथी भी उसी तरह का था, अत्यधिक पोषित और चालाक।
चौथा आदमी दरवाजे के बाहर ऐसे खड़ा था मानो उसे समझ नहीं आ रहा हो कि अंदर आए या नहीं। मैंने उसकी तरफ देखा तक नहीं। मेरा ध्यान पूरी तरह से साल्ज़र पर केंद्रित था।
"सुप्रभात, सज्जनों," साल्ज़र ने गहरी, दमदार आवाज़ में कहा। "आशा है आप सब कुशल मंगल होंगे। कोरोनर लेसवेज़, पार्षद लिंकहाइमर और जाने-माने लेखक श्री स्ट्रैंग आपसे मिलने आए हैं। वे आपसे कुछ प्रश्न पूछने आए हैं।" उन्होंने लेसवेज़ की ओर देखा। "क्या आप श्री हॉपर से कुछ बात करना चाहेंगे?"
जबकि लेसवेज़ उल्लू की तरह हॉपर को घूर रहा था और सुरक्षित दूरी बनाए हुए था, मैंने चौथे व्यक्ति की ओर देखा जिसे साल्ज़र ने स्ट्रैंग के रूप में पेश किया था।
एक पल के लिए मुझे लगा कि मैं सचमुच पागल हो गया हूँ, क्योंकि दरवाजे पर खड़ा जैक करमन था, जिसके चेहरे पर ऊब का भाव था। उसने उष्णकटिबंधीय सफेद सूट, सींग के आकार का चश्मा पहना हुआ था, और उसकी जेब से पीले और लाल रंग का रेशमी रूमाल लटक रहा था, जो किसी फैशनेबल व्यक्ति की शान को दर्शाता था।
मैं इतना चौंक गया कि बिस्तर लगभग हिल ही गया। सौभाग्य से साल्ज़र मेरे मेडिकल चार्ट में व्यस्त था और उसने ध्यान नहीं दिया। करमन ने मुझे भावहीन नज़रों से देखा, एक भौंह उठाई और साल्ज़र से कहा, "डॉक्टर साहब, ये कौन हैं? ये तो बिल्कुल ठीक लग रहे हैं।"

"ये एडमंड सीब्राइट हैं," साल्ज़र ने उनसे कहा। उनका ठंडा चेहरा मुस्कान से खिल उठा और मुझे सांता क्लॉज़ की याद आ गई जो किसी अच्छे बच्चे को खिलौना देने जा रहा हो। "ये अभी हाल ही में हमारे पास आए हैं।" उन्होंने मेडिकल चार्ट करमन को सौंप दिया। "शायद आप इसे देखना चाहेंगे। यह खुद ही सब कुछ बयां करता है।"
करमन ने अपने चश्मे को ठीक किया और चार्ट को ध्यान से देखा। मुझे लगा कि उसे चश्मे से ठीक से दिखाई नहीं देता होगा, और उसे जानते हुए, मैंने अनुमान लगाया कि उसने ये चश्मे किसी से उधार लिए होंगे।
"ओह, हाँ," उसने होंठ सिकोड़ते हुए कहा। "दिलचस्प। मुझे लगता है कि उससे बात करना ठीक रहेगा?"
"क्यों नहीं, बिल्कुल," साल्ज़र ने कहा और मेरे बिस्तर की ओर बढ़ गया।
करमान भी उनके साथ आ गया और दोनों मुझे घूरने लगे। मैंने भी उन्हें घूरना शुरू कर दिया, साल्ज़र पर ध्यान केंद्रित करते हुए, यह जानते हुए कि अगर मैंने करमान की तरफ देखा तो शायद राज खुल जाएगा।
"ये हैं मिस्टर स्ट्रैंग," साल्ज़र ने मुझसे कहा। "ये तंत्रिका संबंधी रोगों पर किताबें लिखते हैं।" उन्होंने करमन की ओर मुस्कुराते हुए कहा, "मिस्टर सीब्राइट खुद को एक मशहूर जासूस समझते हैं। है ना, मिस्टर सीब्राइट?"
"ज़रूर," मैंने कहा। "मैं एक जासूस हूँ। मैंने पता लगाया है कि एनोना फ्रीडलैंडर यहीं इस मंजिल पर है, और नर्स गर्नी मर चुकी है और उसकी लाश आपकी पत्नी ने रेगिस्तान में कहीं छिपा दी है। जासूसी के मामले में ये कैसा है?"
साल्ज़र की दयालु, उदास मुस्कान ने करमन को गले लगा लिया।

"जैसा कि आप देख सकते हैं, वह अपने स्वभाव के अनुरूप ही व्यवहार करता है," उसने धीमी आवाज़ में कहा। "जिन दोनों महिलाओं का उसने ज़िक्र किया है, वे गायब हो गईं; एक लगभग दो साल पहले, दूसरी हाल ही में। इन मामलों की खबरें अखबारों में छपी थीं। पता नहीं क्यों, ये बातें उसके दिमाग में घर कर गई हैं।"
"बिल्कुल सही," करमन ने गंभीरता से कहा। उसने मुझे गौर से देखा, और मोटे चश्मे के पीछे उसकी आँखें सिकुड़ी हुई सी लग रही थीं। "और एक बात है जो आपको जाननी चाहिए।" मैं आधा उठकर फुसफुसाया, "मेरे पैर में हथकड़ी लगी है।"
लेसवेज़ और लिंकहाइमर साल्ज़र के साथ आ गए थे और मुझे घूर रहे थे।
करमन ने आलस्य से अपनी भौहें ऊपर उठाईं।
"क्या यह सच है?" उसने साल्ज़र से पूछा।
साल्ज़र ने अपना सिर झुकाया। उसकी मुस्कान पूरी पीड़ित मानवता के लिए थी।
"कभी-कभी वह थोड़ा परेशान करने वाला होता है," उसने अफसोस जताते हुए कहा। "आप समझते हैं?"
"बिल्कुल सही," करमन ने कहा और दर्द भरी नज़र से देखने लगा। उसने इतनी अच्छी तरह से किया कि मेरा मन किया कि उसे लात मार दूं। ब्लैंड खिड़की से हटकर मेरे बिस्तर के सिरहाने पर खड़ा हो गया। "आराम से रहो, जान," उसने धीरे से कहा।
मैंने लेसवेज़ से कहा, "मुझे यह जगह पसंद नहीं है। मुझे हर रात नशा दिए जाने पर आपत्ति है। मुझे गलियारे के अंत में बंद दरवाजा और गलियारे के दूसरे छोर पर खिड़की पर लगी जाली पसंद नहीं है।
यह कोई पागलखाना नहीं है। यह एक जेल है।"

"मेरे प्यारे," लेसवेज़ के कुछ कहने से पहले ही साल्ज़र ने सहजता से कहा, "जल्दी ठीक हो जाओ और घर जाओ। जब तक बहुत ज़रूरी न हो, हम तुम्हें यहाँ नहीं रखना चाहते।"
मैंने अपनी आँखों के कोने से देखा कि ब्लैंड ने धीरे-धीरे अपनी सूची को कसकर पकड़ लिया, मानो मुझे चेतावनी दे रहा हो कि मैं जो कहूँ उस पर ध्यान दूं। मैं बहुत कुछ कह सकता था, लेकिन अब जब करमन को पता चल गया था कि मैं यहाँ हूँ, तो मैंने कोई जोखिम न लेने का फैसला किया।
"चलिए, आगे बढ़ते हैं," लेसवेज़ ने कहा। "यह सब बहुत अच्छा लग रहा है।" उन्होंने करमन की ओर मुस्कुराते हुए कहा, "क्या आपने वह सब देख लिया है जो आप देखना चाहते थे, श्रीमान स्ट्रैंग? हमें आपको जल्दी करने की ज़रूरत नहीं है।"
"ओह, हाँ," करमन ने सुस्ती से कहा। "अगर डॉ. साल्ज़र को कोई आपत्ति न हो, तो मैं दोबारा आना चाहूँगा।"
"मुझे डर है कि यह नियमों के विरुद्ध होगा," साल्ज़र ने कहा। "बहुत बार आने से हमारे दोस्त उत्तेजित हो सकते हैं। मुझे यकीन है कि आप समझेंगे?"
करमन ने मुझे ध्यानपूर्वक देखा।
"आप बिलकुल सही कह रहे हैं। मैंने इस बारे में सोचा ही नहीं था," उसने कहा और दरवाजे की ओर बढ़ गया।
एक गरिमामय प्रस्थान हुआ, जिसमें साल्जर सबसे अंत में रवाना हुए।
मैंने करमन को यह कहते हुए सुना, "क्या इस मंजिल पर और कोई नहीं है?"
"अभी नहीं," साल्ज़र ने कहा। "हाल ही में हमें कई दिलचस्प इलाज मिले हैं। शायद आप हमारी फाइलें देखना चाहेंगे?"

आवाजें धीरे-धीरे दूर होती गईं, और ब्लैंड ने दरवाजा बंद कर दिया। उसने मेरी तरफ देखकर मुस्कुराया।
"काम नहीं किया, है ना जान? मैंने तुमसे कहा था: बस एक पागल, और भी बहुत सारे पागल।"
निराश व्यक्ति की तरह दिखना आसान नहीं था, लेकिन मैंने किसी तरह यह कर दिखाया।

अध्याय इक्कीस

साल्ज़र की बात बिल्कुल सही थी जब उन्होंने कहा था कि आगंतुकों से उनके मरीज़ उत्तेजित हो जाते हैं। हॉपर पर इसका असर साफ दिख रहा था, हालांकि ब्लैंड द्वारा लंच ट्रे लाने के बाद ही उन्होंने भड़कने के संकेत दिखाए।
जब साल्ज़र और मेहमान चले गए, तो हॉपर चुपचाप लेटा रहा, छत को घूरता रहा, उसके चेहरे पर गहरी नाराज़गी थी। वह दोपहर के भोजन तक उसी तरह लेटा रहा और मेरी किसी भी बात पर ध्यान नहीं दिया, इसलिए मैंने उसे अकेला छोड़ दिया। वैसे भी मेरे पास सोचने के लिए बहुत कुछ था, और मुझे उसकी संगति की कोई चाह नहीं थी। लेकिन जब ब्लैंड ने ट्रे को नाइट टेबल पर रखा, तो वह अचानक भड़क उठा और ट्रे को कमरे में दूर फेंक दिया, जो ज़ोर से ज़मीन पर गिरी और सब कुछ बिखर गया।
वह उठ बैठा, और उसे देखकर मेरे रोंगटे खड़े हो गए। उसका चेहरा इतना बदल गया था कि मैं उसे मुश्किल से पहचान पाया। वह दुबला, बूढ़ा और झुर्रियों से भरा हुआ लग रहा था। उसकी आँखों में एक क्रूर, फँसा हुआ भाव था, जैसा चिड़ियाघर के खूंखार जानवरों की आँखों में होता है। और ब्लैंड उसकी पहुँच से इतनी तेज़ी से निकल गया जैसे कोई मेंढक उछलता है।
"आराम से रहो, बेबी," ब्लैंड ने कहा, यह बात उसने किसी खास मतलब से नहीं बल्कि आदतवश कही थी।
हॉपर बिस्तर पर नीचे झुक गया और उसे इस तरह घूरने लगा मानो वह उसे अपने करीब आने के लिए आमंत्रित कर रहा हो, लेकिन ब्लैंड प्रलोभन में आने वाला नहीं था।

"मेरी किस्मत ही ऐसी है," उसने गुस्से से कहा। "जब मैं ड्यूटी से जा रहा होता हूँ, तभी उसे ये हरकत करनी होती है।"
उसने बड़ी मेहनत से टूटे हुए बर्तनों को समेटा और टुकड़ों को ट्रे पर ढेर कर दिया। जब उसका काम पूरा हो गया, तब तक उसने हॉपर को नज़रअंदाज़ करने का फैसला कर लिया था, जो उसे पागलों जैसी चमकती आँखों से देखता रहा।
"मैं तो जा ही रहा हूँ, समझे?" उसने मुझसे कहा। "मुझे डेट पर जाना है, और मैं उसे खराब नहीं करने वाला। तुम ठीक रहोगी। वो तुमसे संपर्क नहीं कर सकता, और शायद वो होश में आ जाए। कभी-कभी आ भी जाता है। अगर वो ज़्यादा ज़िद करने लगे, तो घंटी बजा देना। पुलिस ड्यूटी पर है, लेकिन ज़रूरी न हो तो घंटी मत बजाना। ठीक है?"
"खैर, मुझे नहीं पता," मैंने संशय से कहा। मुझे हॉपर का चेहरा अच्छा नहीं लगा। "मुझे कब तक अकेला छोड़ा जाएगा?"
"क्वेल बीच-बीच में आता रहेगा। तुम मुझे कल तक नहीं देख पाओगे," ब्लैंड ने अधीरता से कहा। "अगर मैं अभी नहीं निकला, तो साल्ज़र मुझे यहीं रुककर उस बदमाश पर नज़र रखने को मजबूर कर देगा। मैं ही अकेला हूँ जो उससे निपट सकता है।"
मेरे मन में एक विचार आया। मुझे हॉपर के साथ अकेले रहना अच्छा नहीं लग रहा था। उसे देखकर ही मुझे कंपकंपी छूट जाती थी, लेकिन ब्लैंड के हट जाने और हथकड़ी की चाबी पास होने से कुछ शुरू करने का मौका था।
"जब तक कोई आस-पास हो," मैंने तकिए पर वापस लेटते हुए कहा। "लेकिन मैं तुम्हारे साथ ही चलना चाहूँगी। कैसा रहेगा?"
वह मुस्कुराया।

"तुम्हारे आस-पास होने के बिना भी मेरी झंझटें काफी गड़बड़ हैं।"
जब मैं खाने की कोशिश कर रहा था, तब उसने हॉपर का बिखरा हुआ खाना हटा दिया, लेकिन हॉपर की तेज़ साँसें और जिस तरह से वह सामने वाली दीवार को घूर रहा था, उसके चेहरे के भाव देखकर मेरा जी मिचला गया। खाना निगलने की दो-चार कोशिशों के बाद, मैंने ट्रे को दूर धकेल दिया। मुझे बस एक सिगरेट चाहिए थी। दुनिया में किसी भी चीज़ से ज़्यादा मुझे यही चाहिए था।
कुछ देर बाद ब्लैंड वापस आया। उसने अपनी सफेद वर्दी बदल ली थी और अब वह इतना स्मार्ट दिख रहा था कि मैं उसे मुश्किल से पहचान पाया। उसकी हाथ से रंगी हुई टाई देखकर तो मेरी आंखों में रंग पहचानने की क्षमता ही कम हो गई थी।
"क्या बात है?" उसने मेरी ट्रे की तरफ देखते हुए कहा। "क्या तुम्हें लगता है इसमें ज़हर मिला है?"
"मुझे भूख नहीं है।"
उसने हॉपर की ओर देखा, जो उसे देखते ही बिस्तर पर फिर से दुबक गया था और उसे गुस्से से घूर रहा था।
"खैर, वो मेरे मजे में खलल नहीं डालेगा," उसने मुस्कुराते हुए कहा। "बस आराम से रहो, जान। ज्यादा ज़ोर मत लगाओ।"
मैंने कहा, "मुझे एक सिगरेट चाहिए, और अगर मुझे सिगरेट नहीं मिली तो आपके घर से निकलने से पहले ही मैं अलार्म बजा दूंगा।" ब्लैंड ने कहा, "तुम सिगरेट नहीं पी सकते। माचिस लेकर घूमना तुम्हारे लिए सुरक्षित नहीं है।"
मुझे माचिस नहीं चाहिए; मुझे सिगरेट चाहिए। मेरे लिए एक जला दो और दो-चार छोड़ दो। मैं लगातार सिगरेट पीता रहूंगा। अगर मुझे

सिगरेट नहीं मिली तो मैं पागल हो जाऊंगा। तुम नहीं चाहोगे कि हम दोनों तुम्हारे लिए मुसीबत बनें, है ना?
उसने अनिच्छा से सिगरेट मुझे दी, मेरे लिए एक सिगरेट जलाई और दरवाजे की ओर बढ़ गया।
दरवाजे पर खड़े होकर उसने कहा, "क्वेल से कहो कि उससे दूर रहे। शायद मेरे जाने के बाद वह शांत हो जाए। चाहे कुछ भी हो जाए, पांच मिनट तक घंटी मत बजाना। मुझे वहां से निकलने का समय दे दो।" हॉपर ने अचानक उसे पकड़ने की कोशिश की। लेकिन वह ब्लैंड से इतनी दूर था कि उसके आसपास की हवा को हिलाने के अलावा और कुछ नहीं कर सका, लेकिन जिस तरह से ब्लैंड दरवाजे से उछलकर निकला, उससे मुझे समझ आ गया कि वह हॉपर से डरा हुआ था। और मैं भी डरा हुआ था।
वह दोपहर मेरे जीवन की सबसे लंबी दोपहर थी। मैंने दराजों में रखी हथकड़ी की चाबी निकालने की हिम्मत नहीं की। मुझे नहीं पता था कि क्वेल कब आएगा, और फिर हॉपर की समस्या भी थी। मुझे नहीं पता था कि अगर मैं बिस्तर से उठा तो वह कुछ शुरू कर देगा या नहीं। मुझे पता था कि चाबी पाने का मेरे पास सिर्फ एक ही मौका है, और अगर मैंने उसे गंवा दिया तो मुझे दूसरा मौका नहीं मिलेगा। मैंने तय किया कि कोशिश रात में ही करनी होगी, जब हॉपर सो रहा होगा और क्वेल बिस्तर पर होगा। इसका मतलब था कि मुझे नशा करने से बचना होगा, और मुझे यह नहीं पता था कि यह कैसे किया जा सकता है।
ब्लैंड के जाते ही हॉपर शांत हो गया। उसने मेरी ओर ध्यान नहीं दिया और सामने वाली दीवार को घूरता हुआ, खुद से कुछ बुदबुदाता हुआ, अपने घने, सुनहरे बालों में उंगलियाँ फेरता रहा। मैंने उसकी बातें समझने की कोशिश की, लेकिन शब्द मेरे कानों में बेमेल ध्वनियों के एक अस्पष्ट समूह के रूप में ही सुनाई दिए।

मैंने इस बात का ध्यान रखा कि मैं कोई अचानक हरकत न करूं जिससे उसका ध्यान मेरी ओर आकर्षित हो और मैं सिगरेट पीता रहा, और जब मेरा ध्यान उससे हट गया, तो मैंने सोचा कि करमान क्या कर रहा होगा।
मुझे समझ नहीं आ रहा था कि उसने लेसवेज़ को कैसे यकीन दिलाया कि वह मानसिक रोगों पर लिखने वाला लेखक है, और मुझे शक था कि इसमें पाउला का हाथ था। कम से कम अब उन्हें सारी बात पता चल गई थी। उन्हें पता था कि एनोना फ्रीडलैंडर इमारत में है। उन्हें गलियारे के आखिर में मौजूद दरवाजे और खिड़की पर लगी जाली के बारे में भी पता था। मुझे बचाने से पहले इनमें से किसी एक बाधा को पार करना ही था; और मुझे पूरा यकीन था कि वे मुझे बचा लेंगे। लेकिन वे यह कैसे करेंगे, यह एक समस्या थी।
लगभग साढ़े चार बजे दरवाजा खुला और ब्लैंड जैसी सफेद वर्दी पहने एक युवक चाय की ट्रे लिए अंदर आया। वह दुबला-पतला, गठीला और कमजोर सा था। उसका लंबा, पतला चेहरा किसी दौड़ में भागते घोड़े की तरह गंभीर और एकाग्र भाव लिए हुए था। वह दिखने में घोड़े जैसा ही था। उसका लंबा होंठ और बड़े दांत उसे घोड़े जैसा रूप देते थे। अगर वह मेरे सामने हिनहिनाता तो मुझे आश्चर्य नहीं होता। लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। इसके बजाय वह मुस्कुराया। "मैं क्वेल हूँ," उसने ट्रे को नाइट टेबल पर रखते हुए कहा। "आप मिस्टर सीब्राइट हैं, है ना?"
"नहीं," मैंने कहा। "मैं शर्लक होम्स हूँ। और अगर आप मेरी सलाह मानें तो वॉटसन के पास मत जाइए। वह अपने किसी खास मूड में है।" उसने मुझे लंबे समय तक उदास और चिंतित निगाहों से देखा। उसके चेहरे के भाव देखकर मैंने अनुमान लगाया कि वह पागलों के बीच ज्यादा समय से नहीं रहा था।

"लेकिन वो तो मिस्टर हॉपर हैं," उन्होंने धैर्यपूर्वक कहा, मानो किसी बच्चे से बात कर रहे हों।
हॉपर अब उठ बैठा था, अपनी मुट्ठियों को बार-बार भींच रहा था और खोल रहा था, और क्वेल पर गुर्रा रहा था।
क्वेल को इस धंधे में आए भले ही कम समय हुआ हो, लेकिन वह इतना समझदार था कि समझ गया कि हॉपर हल्के में लेने के मूड में नहीं है। उसने हॉपर को ऐसे देखा जैसे कोई बाघ अचानक आपके बैठक कक्ष में आ जाए।
मैंने कहा, "मुझे नहीं लगता कि मिस्टर हॉपर चाय के झंझट में पड़ना चाहते हैं। और अगर आप मेरी सलाह मानें तो ब्लैंड के लौटने तक दूर ही रहें।"
"मैं ऐसा नहीं कर सकता," उसने संदेह भरे स्वर में कहा। "डॉक्टर साल्ज़र बाहर गए हैं, और ब्लैंड के आधी रात के बाद ही लौटने की संभावना है। उन्हें वास्तव में जाना ही नहीं चाहिए था।"
मैंने कहा, "अब उस बारे में चिंता करने का कोई फायदा नहीं है। भाई, शांत हो जाओ। अपने पैरों से धूल झाड़ लो। और अगर तुम मेरे लिए रात के खाने में थोड़ी सी स्कॉच ला सको तो मुझे बहुत खुशी होगी।"
"मुझे खेद है कि मरीजों को शराब पीने की अनुमति नहीं है," उन्होंने हॉपर से अपनी निगाहें हटाए बिना गंभीरता से कहा। मैंने कहा, "तो तुम भी थोड़ा पी लो और आकर मेरे ऊपर सांस लो। इतना भी कुछ न होने से बेहतर होगा।"
उसने कहा कि वह आत्माओं को नहीं छूता और अपने चेहरे पर उलझन और डर का भाव लिए वहां से चला गया।
हॉपर कमरे के उस पार से मेरी ओर घूर रहा था, और उसकी उन तीखी निगाहों के नीचे मुझे थोड़ा डर सा लगा। मैंने दिल से दुआ की कि

उसके टखने में लगी हथकड़ी इतनी मजबूत हो कि अगर वह खुद को छुड़ाने की कोशिश करे तो उसे रोक सके।
मैंने धीरे और स्पष्ट स्वर में कहा, "हॉपी, मैं सोच रहा था। हमें उस बदमाश ब्लैंड का गला काटकर उसका खून पीना चाहिए था। हमें यह पहले ही कर लेना चाहिए था।"
"हाँ," हॉपर ने कहा, और उसकी आँखों की चमक फीकी पड़ने लगी। "हम ऐसा करेंगे।"
मैंने सोचा कि क्या अभी चाबी लेने की कोशिश करना सुरक्षित होगा, लेकिन फिर मैंने ऐसा न करने का फैसला किया। मुझे भाई क्वेल के बारे में पक्का पता नहीं था। अगर उन्होंने मुझे कोशिश करते हुए पकड़ लिया तो मुझे लगा कि इससे उनके युवा जीवन में पहले से ही मौजूद दुख से भी कहीं अधिक दुख आ जाएगा।
मैंने हॉपर से कहा, "मैं एक योजना बनाऊंगा। ब्लैंड बहुत चालाक है। उसे फंसाना आसान नहीं होगा।"
हॉपर शांत होता हुआ प्रतीत हुआ और उसके चेहरे का फड़कना बंद हो गया।
उन्होंने कहा, "मैं भी एक योजना बनाऊंगा।"
बाकी की शाम उसकी योजना बनाने में बीत गई और मैं सोचती रही कि अगर हथकड़ी खुल गई तो मैं क्या करूंगी। घर से भाग पाना मुश्किल लग रहा था, लेकिन अगर मैं अनोना फ्रीडलैंडर को ढूंढकर उससे बात कर लूं और उसे बता दूं कि उसे जल्द ही बचा लिया जाएगा, तो मेरा समय बर्बाद नहीं होगा। फिर जब करमन आएगा—और मुझे पूरा यकीन था कि वह कभी न कभी जरूर आएगा—तो हमें उसे ढूंढने में समय बर्बाद नहीं करना पड़ेगा।
क्वेल बीच-बीच में झाँकता था। वह बस दरवाजे से अपना सिर बाहर निकालता था, और हॉपर अपनी योजनाओं में इतना मग्न था कि उसे

ध्यान ही नहीं देता था। जब भी क्वेल दिखाई देता, मैं उसे चुप रहने का इशारा करता, हॉपर की ओर इशारा करता और अपना सिर हिलाता।
क्वेल सिर हिलाकर जवाब देता, पहले से भी ज़्यादा घोड़े जैसा दिखता हुआ, और चुपचाप चला जाता।
लगभग आठ बजे, वह मेरे लिए खाने की थाली लेकर आया और फिर हॉपर के बिस्तर के पास जाकर उसे देखकर मुस्कुराया।
"क्या आप कुछ खाना चाहेंगे, श्रीमान हॉपर?" उसने प्यार से पूछा। इस पर हॉपर की प्रतिक्रिया देखकर मैं भी चौंक गया। क्वेल को तो मानो दिल का दौरा ही पड़ गया था। हॉपर झट से बिस्तर के किनारे तक आगे बढ़ा, उसकी बाहें मानो लोचदार धातु की बनी हों, और उसकी मुड़ी हुई उंगलियों ने क्वेल की सफेद जैकेट को छू लिया। क्वेल पीछे की ओर उछला, लड़खड़ाया और लगभग गिर ही गया। उसका चेहरा मिट्टी के रंग का हो गया।
मैंने कहा, "मुझे नहीं लगता कि मिस्टर हॉपर कुछ खाना चाहते हैं," और मेरे चबाए हुए चिकन के टुकड़े का स्वाद अचानक लकड़ी के बुरादे जैसा लगने लगा। "और मुझे भी खाने की कोई खास इच्छा नहीं है।"
लेकिन क्वेल को इस बात में कोई दिलचस्पी नहीं थी कि मैं कैसा महसूस कर रही हूँ। वह हवा के एक झोंके, सफेद लकीर और दरवाजे के ज़ोरदार बंद होने की आवाज़ के साथ कमरे से बाहर निकल गया।
हॉपर ने बिस्तर की चादरें फेंक दीं और उसके पीछे दौड़ पड़ा। वह धड़ाम से ज़मीन पर गिरा, उसका टखना पकड़ा गया था, और वह चीखने लगा। उसने जंजीर को ज़ोर-ज़ोर से झटका दिया, जिससे उसके टखने पर चोट लग गई। फिर, जब उसे पता चला कि वह खुद को छुड़ा नहीं सकता, तो वह बिस्तर पर चढ़ गया और हथकड़ी की जंजीर पर गिर पड़ा। वह उसे खींचने लगा, और मैं उसे देखता रह गया। जहाँ मैं था, वहाँ से

जंजीर बेहद कमज़ोर लग रही थी। यह सोचकर कि कहीं यह पागल आदमी मेरे जंजीर में बंधे रहते हुए ही जंजीर तोड़कर भाग न जाए, मेरी रूह काँप उठी। मेरा हाथ हथकड़ी की घंटी पर गया और उसे थाम लिया। अब उसके दोनों हाथों में जंजीर थी, और उसने अपने पैरों को पलंग के आखिरी डंडे पर टिकाकर पीछे की ओर ज़ोर लगाया, ज़ोर लगाने से उसका चेहरा बैंगनी पड़ गया। डंडा झुका लेकिन टिका रहा, और जंजीर भी। आखिरकार, वह हांफते हुए पीछे गिर पड़ा, और मुझे पता चल गया कि खतरा टल गया है। मेरे चेहरे पर पसीना आ गया था। बिना पूरी तरह से जाने, बीते हुए कुछ मिनट मेरे जीवन के सबसे बुरे अनुभवों में से एक थे।
हॉपर के चेहरे का बैंगनी रंग सफेद पड़ गया था। वह आंखें बंद करके चुपचाप लेटा रहा और मैं उसे देखता रहा। थोड़ी देर बाद, और मुझे आश्चर्य हुआ, वह खर्राटे लेने लगा।
फिर क्वेल एक स्ट्रेट जैकेट लेकर कमरे में आया। उसका चेहरा पीला पड़ गया था, लेकिन वह दृढ़ निश्चयी था।
"शांत रहो," मैंने कहा, और मुझे यह देखकर हैरानी हुई कि मेरी आवाज़ कितनी कांप रही थी। "वह सो रहा है। तुम हथकड़ी पर एक नज़र डाल लो। मुझे लगा था कि वह हथकड़ी तोड़कर भाग जाएगा।"
"वह ऐसा नहीं कर सकता," क्वेल ने स्ट्रेट जैकेट नीचे गिराते हुए कहा। "वह जंजीर खास तौर पर बनाई गई है।" वह हॉपर के करीब आया और उसकी ओर नीचे देखा। "मुझे उसे एक मौका देना चाहिए।"
मैंने तीखे स्वर में कहा, "मूर्ख मत बनो। ब्लैंड ने कहा था कि तुम्हें उसके पास नहीं जाना है।"
"ओह, लेकिन उसे इंजेक्शन लगवाना ही होगा," क्वेल ने कहा। "अगर उसे फिर से दौरा पड़ा तो उसके लिए बहुत बुरा हो सकता है। मैं ऐसा नहीं करना चाहता, लेकिन यह मेरा कर्तव्य है।"

मैंने अधीरता से कहा, "भाड़ में जाए तुम्हारा कर्तव्य। उस आदमी को संभालना बम को संभालने जैसा है। उसे अकेला छोड़ दो।"
क्वेल सावधानी से बिस्तर के पास पहुँचा और हॉपर को नीचे देखते हुए खड़ा हो गया। उसकी भारी, खर्राटे वाली साँसें जारी थीं, और तसल्ली पाकर क्वेल चादर को वापस ठीक करने लगा। मैं साँस रोककर उसे देखता रहा, यह नहीं जानता था कि हॉपर नाटक कर रहा है या नहीं। मुझे नहीं पता था कि क्वेल बेवकूफ है या बहुत बहादुर। इस पागल के इतने करीब जाने के लिए उसे या तो पूरी तरह बेवकूफ होना पड़ेगा या लोहे के हौसले रखने पड़ेंगे।
क्वेल ने चादर को ठीक से ओढ़ लिया और एक तरफ खड़ा हो गया। मैंने उसके माथे पर पसीने की कुछ बूँदें देखीं। मैंने मन ही मन सोचा कि वह मूर्ख नहीं था। यही बात उसे बहादुर बनाती थी। अगर मेरे पास कोई पदक होता, तो मैं उसे पदक दे देता।
उन्होंने अधिक प्रसन्नता से कहा, "वह ठीक लग रहा है। मैं उसे एक इंजेक्शन दूंगा। अगर वह अच्छी नींद लेता है तो कल तक ठीक हो जाएगा।"
यह मुझे ठीक लगा, लेकिन फिर भी मैं चिंतित था। कितने भी पदक या पैसे मुझे सोते हुए हॉपर के इतने करीब जाने के लिए राजी नहीं कर सकते थे।
मैंने कहा, "तुम जोखिम ले रहे हो। सुई उसे जगा देगी। अगर उसने तुम्हें पकड़ लिया, तो तुम्हारी जान खतरे में है।"
वह मेरी ओर हैरानी भरी नजरों से देखने लगा।
उन्होंने कहा, "मुझे आपकी बात बिल्कुल समझ नहीं आ रही है। आप मरीज की तरह व्यवहार नहीं कर रहे हैं।"
मैंने गंभीरता से कहा, "मैं कोई मरीज़ नहीं हूँ। मैं शर्लक होम्स हूँ: याद है ना?"

वह फिर से उदास दिखने लगा और बाहर चला गया। मिनट बीतते गए। हॉपर हिला तक नहीं। वह खर्राटे लेता रहा, उसका चेहरा थका हुआ और बेजान लग रहा था।
क्वेल कई घंटों बाद लौटा, जबकि संभवतः दस मिनट से ज़्यादा समय नहीं बीता था। वह अपने साथ एक तौलिये से ढकी हुई ट्रे लेकर आया था।
मैंने उठते हुए कहा, "अब देखो। मान लो तुम मेरी हथकड़ी खोल दो? फिर अगर कोई गड़बड़ हुई तो मैं तुम्हारी मदद कर सकता हूँ। तुम समझदार आदमी लगते हो। अगर वो जागकर तुम्हें पकड़ ले तो मैं उसके सिर पर वार कर सकता हूँ।"
उसने मुझे गंभीरता से ऐसे देखा जैसे कोई घोड़ा जई की किसी संदिग्ध बोरी का निरीक्षण कर रहा हो।
उन्होंने कहा, "मैं ऐसा नहीं कर सकता। यह नियमों के खिलाफ होगा।"
मैंने अपनी तरफ से पूरी कोशिश कर ली थी। अब गेंद उसके पाले में थी, और फैसला उसी पर निर्भर था।
मैंने हिचकिचाते हुए कहा, "ठीक है। कम से कम मैं तुम्हारे लिए प्रार्थना तो करूँगा।"
उसने सिरिंज चार्ज की और हॉपर की ओर बढ़ा। मैं देखता रहा, मेरी गर्दन के बाल खड़े हो गए और मेरा दिल ज़ोर से धड़कने लगा।
वह थोड़ा कांप रहा था, लेकिन उसका गंभीर, घोड़े जैसा चेहरा शांत था। उसने धीरे से हॉपर के पजामे की आस्तीन पीछे की और सिरिंज को तैयार किया। ऐसा लग रहा था जैसे कोई व्यक्ति विलंबित बम की बत्ती से छेड़छाड़ कर रहा हो। मैं बस उसे देखता रहा और उसके लिए पसीना बहाता रहा, और मुझे खूब पसीना आ रहा था, मैं उसे जल्दी करने के लिए कहना चाहता था, और भगवान के लिए, वहाँ एक पुतले की

तरह खड़े न रहने के लिए, बल्कि काम खत्म करने के लिए कहना चाहता था।
चश्मा लगाने के बावजूद उसकी नज़र थोड़ी कमज़ोर थी, और वह सही नस नहीं देख पा रहा था। वह हॉपर की सफेद, मांसल बांह को ध्यान से देखते हुए अपना सिर उसके और करीब लाता जा रहा था। ऐसा लग रहा था मानो वह भूल गया हो कि हॉपर कितना खतरनाक था। वह बस ऑपरेशन को सफलतापूर्वक पूरा करने के बारे में सोच रहा था। उसका चेहरा हॉपर के चेहरे से लगभग एक फुट दूर था जब उसने सिर हिलाया, मानो उसे अपनी मनचाही नस मिल गई हो। उसने बहुत धीरे से सुई का किनारा नस पर रख दिया।
अब मेरी सांसें रुक चुकी थीं। मेरे हाथ चादर को कसकर पकड़े हुए थे। फिर, जैसे ही वह सुई चुभाने वाला था, वह अधीरता से चिल्लाते हुए पीछे हट गया और दराजों पर रखी ट्रे की ओर चल पड़ा।
सूखे मुंह में सांस सीटी की तरह बज रही थी, और मैंने लड़खड़ाती आवाज में कहा, "अब आखिर क्या बात है?"
"मैं ईथर लगाना भूल गया," उसने कहा। "मेरी मूर्खता। छेद करने से पहले त्वचा को हमेशा साफ करना चाहिए।"
वह भी मेरी ही तरह बुरी तरह पसीना बहा रहा था, लेकिन उसे सिखाया गया था कि सिरिंज देने से पहले ईथर का इस्तेमाल करना चाहिए और वह उसी तरह से सिरिंज देने वाला था: चाहे कुछ भी हो जाए।
क्वेल द्वारा ईथर लगाने पर हॉपर थोड़ा सा हिला। मैं घबराहट और बेचैनी से आधा बिस्तर से बाहर आ चुका था, और क्वेल का हाथ कांप रहा था क्योंकि उसने फिर से नस की तलाश शुरू कर दी थी।
उसका सिर हॉपर के सिर से एक फुट की दूरी पर झुक गया, उसकी आंखें हॉपर की त्वचा पर टिकी हुई थीं।

अचानक हॉपर ने अपनी आँखें खोलीं। क्वेल इतना व्यस्त था कि उसने ध्यान ही नहीं दिया।
"सावधान रहो!" मैंने कर्कश आवाज में कहा।
जब क्वेल ने दबी हुई सांस के साथ ऊपर देखा, तो हॉपर, सांप की गति से आगे बढ़ते हुए, उसका गला पकड़ लिया।

अध्याय बाईस

एक ही झटके में मैंने भारी चादर को अपने पैरों से खींचकर बिस्तर से छलांग लगा दी। मेरे मन में एक अजीब सा ख्याल आया कि इतनी ज़ोर से फेंकने पर बिस्तर छूट जाएगा और मैं उसे घसीटते हुए हॉपर तक पहुँच जाऊँगी। लेकिन बिस्तर नहीं टूटा और मैं बस अपनी साँसें रोक पाई।
क्वेल की बेकाबू चीख छत से टकराई, उछली और छर्रे की तरह मुझ पर बिखर गई। उसने फिर चीख मारी, और फिर उसकी अगली चीख एक दिल दहला देने वाली गड़गड़ाहट में बदल गई क्योंकि हॉपर के हाथों ने उसकी सांस रोक दी।
मैंने उनकी तरफ नहीं देखा। मुझे डर लग रहा था। संघर्ष की आवाज़ ही काफी भयानक थी। इसके बजाय, मैंने खुद को बिस्तर पर उठाया, किनारे तक सरका और अपना एक पैर बिस्तर की रेलिंग के ऊपर से ज़मीन पर रख दिया। मैं इतना घबराया हुआ था कि साँस लेना मुश्किल हो रहा था, और मैं लकवे से पीड़ित बूढ़े आदमी की तरह काँप रहा था। मैंने दराजों की ओर हाथ बढ़ाया। मेरी उंगलियाँ बस ऊपर वाले दराज के हैंडल को छू गईं। मेरे पीछे से एक भयानक गुर्राहट की आवाज़ आई: ऐसी आवाज़ जो मैंने पहले कभी नहीं सुनी थी और न ही दोबारा कभी सुनना चाहता हूँ। मैंने बेतहाशा ज़ोर लगाकर दराज के हैंडल को पकड़ा। मेरे नाखूनों ने उसे पकड़ लिया। मैंने हथकड़ी से पागलों की तरह हाथ खींचा और मेरे टखने के आसपास की त्वचा आग की तरह जल रही थी।
मेरे नाखून हैंडल में फंस गए और दराज एक इंच खुल गई। इतना ही काफी था। इससे मुझे दराज को पूरी तरह खींचने की ताकत मिल गई, जिससे वह धड़ाम से फर्श पर गिर गई। दराज तौलियों और सर्जिकल

पट्टियों से भरी हुई थी, और मैं रेलिंग पर लटककर चाबी ढूंढने के लिए उस कबाड़ में पागलों की तरह हाथ-पैर मारने लगी।
मेरे पीछे अचानक आई तेज़ आवाज़ से मेरा खून खौल उठा, लेकिन मैंने अपनी बेतहाशा खोज जारी रखी। आखिरकार मुझे चाबी दो तौलियों के बीच मिली, और हांफते हुए मैं बिस्तर पर लेट गई और हथकड़ी में लगे छोटे से ताले को ढूंढने लगी। मेरे टखने से खून बह रहा था, लेकिन मुझे इसकी परवाह नहीं थी। मैंने चाबी को ताले में डाला, घुमाया और हथकड़ी खुल गई।
मैं एक ही झटके में बिस्तर से उठा और कमरे के उस पार चला गया। फिर अचानक रुक गया, दो कदम पीछे हटा और मुंह में उमड़ी लार को निगल लिया।
हॉपर ने क्वेल के शव के ऊपर से मेरी ओर देखा। उसने अपने दांत दिखाए, और मैं देख सकता था कि उसका मुंह खून से सना हुआ था। हर जगह खून ही खून था। उसके पीछे की दीवार पर, चादर पर, उसके ऊपर और क्वेल के ऊपर।
क्वेल बिस्तर पर पड़ा था: खून से सने कपड़ों में लिपटा एक पुतला। उसकी आधी खुली आँखें खौफ से मुझे घूर रही थीं। हॉपर ने उसकी गर्दन की नस काट ली थी। वह मरी हुई मछली से भी ज़्यादा बेजान था।
"मुझे चाबी दो," हॉपर ने मजबूरी भरी फुसफुसाहट में कहा। "आज रात बाकी लोग मरेंगे।"
मैं वहां से चला गया। मैं खुद को बहुत बहादुर समझता था, लेकिन अब नहीं: मलोय, जो अब डरपोक है, जिसके चेहरे पर पसीना बह रहा है और पेट में भारीपन महसूस हो रहा है। मैंने अपने जीवन में कई भयानक दृश्य देखे हैं, लेकिन इस छोटे से दृश्य ने तो मानो ऑस्कर ही जीत लिया।

"मुझे चाबी दो वरना मैं तुम्हें भी मार डालूंगा," हॉपर ने कहा और क्वेल के शरीर को बिस्तर से नीचे फर्श पर फेंक दिया। वह रेंगते हुए मेरी ओर बढ़ने लगा, उसका चेहरा गुस्से से लाल था और उसके मुंह पर लगा खून हल्की रोशनी में चमक रहा था।
यह एक भयानक सपना है, ग्रैंड गुइग्नोल जैसा। एक ऐसा सपना जिसे आप अपने दोस्तों को बताएंगे; एक ऐसा सपना जिस पर वे विश्वास नहीं करेंगे।
मैंने धीरे-धीरे पीछे की ओर, गोल-गोल घूमते हुए दरवाजे की ओर बढ़ना शुरू किया।
"जाओ मत, सीब्राइट," हॉपर ने बिस्तर पर झुकते हुए और मेरी तरफ घूरते हुए कहा। "मुझे चाबी दो!"
मैं दरवाजे तक पहुंचा, और जैसे ही मेरा हाथ हैंडल पर पड़ा, उसने गुस्से और हताशा में एक भयानक चीख मारी और बिस्तर से कूदकर मुझ पर झपट पड़ा। बिस्तर हिल गया, लेकिन टिका रहा, और उसकी नुकीली उंगलियां मुझसे लगभग छह फीट दूर कालीन पर खरोंचती रहीं।
मैं कांप रहा था। मैंने दरवाजा खोला और लगभग गलियारे में गिर ही गया। जैसे ही मैंने उसे बंद करने के लिए हैंडल पकड़ा, उसके गले से फिर वही भयानक जानवर जैसी आवाज निकली।
कुछ पल मैं उस लंबे, शांत गलियारे में बस खड़ी रही, मेरा दिल ज़ोर से धड़क रहा था और मेरे घुटने काँप रहे थे, फिर धीरे-धीरे मैंने खुद को संभाला। एक हाथ से दीवार का सहारा लेकर मैं गलियारे के अंत में स्थित विशाल दरवाजे की ओर धीरे-धीरे चलने लगी। चार और दरवाजे पार करने के बाद मैं आखिरी दरवाजे पर पहुँची। मैंने अपने हाथों से दरवाजे की सतह को छुआ, गर्म त्वचा पर मुलायम रबर की ठंडक महसूस की। मैंने हैंडल घुमाया, लेकिन कुछ नहीं हुआ। दरवाजा फिरौन के मकबरे की तरह तेज़ी से बंद था।

खैर, मुझे इसकी उम्मीद थी। लेकिन अगर मुमकिन होता तो मैं यहाँ से निकल जाता। उस भयानक कमरे में वापस जाने का ख्याल ही मुझे कंपा देता था। मैंने दरवाज़े का हैंडल पकड़ा और पूरी ताकत लगा दी। कुछ नहीं हुआ। ऐसा लग रहा था जैसे चीन की महान दीवार को धकेलने की कोशिश कर रहा हूँ।
वह रास्ता नहीं था।
मैं गलियारे के दूसरे छोर तक वापस गया और मेस-ग्रिल खिड़की का मुआयना किया। उसे हिलाने के लिए लोहे की छड़ के अलावा किसी और चीज की जरूरत नहीं थी, और लोहे की छड़ से भी उसे तोड़ने में पूरा एक दिन लग जाता।
अगला कदम था हथियार ढूंढना। अगर मुझे कोई ऐसी चीज मिल जाती जिसे मैं लाठी की तरह इस्तेमाल कर सकूं, तो मुझे बस मुख्य दरवाजे के पास छिपकर किसी के आने का इंतजार करना था। बस! कभी-कभी तो मल्लोय को भी कोई न कोई विचार आ ही जाता है।
मैं गलियारे में आगे बढ़ने लगा। मैंने जो पहला दरवाज़ा खोला, वह खुला हुआ था। मैंने सावधानी से अंधेरे में झाँका, ध्यान से सुना, मुझे अपनी साँसों की आवाज़ सुनाई दी और कुछ नहीं। मैंने लाइट का स्विच ढूँढा और लाइट जला दी। शायद क्वेल का कमरा था। कमरा साफ़-सुथरा था और वहाँ कोई हथियार नज़र नहीं आ रहा था, न ही कोई ऐसी चीज़ जिसे मैं हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर सकूँ। एक स्ट्रेचर पर टंगी सफ़ेद वर्दी देखकर मुझे एक विचार आया। मैं कमरे में घुस गया और कोट पहनकर देखा। वह मुझ पर इतना बेढंगा था जैसे किसी भालू पर तिल की खाल, इसलिए मैंने वह विचार छोड़ दिया। अगला कमरा भी सुनसान था। गंदे से दिखने वाले बिस्तर के ऊपर एक बड़ी रंगीन तस्वीर लगी थी जिसमें एक लड़की जी-स्ट्रिंग और मोतियों की माला पहने हुए थी। वह मुझे देखकर मुस्कुरा रही थी,

लेकिन मैंने जवाब में नहीं मुस्कुराया। इसी से पता चला कि यह ब्लैंड का कमरा था।
मैं अंदर घुस गया और दरवाजा बंद कर दिया। दराजों वाली अलमारी में जल्दी से तलाशी लेने पर मुझे अन्य चीजों के साथ-साथ कलाई की पट्टी वाला चमड़े का डंडा मिला: एक अच्छी तरह से संतुलित, घातक छोटा हथियार, और ठीक वही जिसकी मैंने चेतावनी दी थी।
मैं कमरे के उस पार अलमारी के पास गया, एक अतिरिक्त वर्दी निकाली और जैकेट पहनकर देखी। वह ठीक-ठाक फिट थी, थोड़ी बड़ी थी, लेकिन काम चल गया। मैंने कपड़े बदले और अपने पायजामे फर्श पर ही छोड़ दिए। पैंट और जूते पहनने के बाद मुझे बहुत अच्छा लगा। पायजामे और नंगे पैर लड़ाई के लिए सही पोशाक नहीं हैं। मैंने लाठी अपनी कमर की जेब में डाली और सोचा कि काश मेरे पास बंदूक होती।
अलमारी के सबसे निचले हिस्से में मुझे आयरिश व्हिस्की की एक छोटी बोतल मिली। मैंने सील तोड़ी, ढक्कन खोला और एक घूंट पी लिया। शराब रेशम की तरह गले से उतरी और मेरे पेट में ऐसे धमाका किया जैसे कोई मिल्स बम फट गया हो।
मैंने सोचा, बढ़िया शराब है, और यह सुनिश्चित करने के लिए मैंने बोतल से एक और घूंट लिया। अभी भी बहुत अच्छी है। फिर मैंने बोतल को बगल की जेब में रखा और दरवाजे की ओर चल पड़ा। मुझे नशा चढ़ रहा था।
जैसे ही मैंने दरवाज़ा खोला, मुझे कदमों की आहट सुनाई दी। मैं चुपचाप खड़ा रहा, जैसे कोई चूहा बिल्ली को देखकर चुप हो जाता है, और इंतज़ार करने लगा। सख्त चेहरे वाली नर्स गलियारे से गुज़रती हुई आई, गुनगुनाते हुए। वह मेरे काफ़ी करीब से गुज़री, और अगर उसने मेरी तरफ देखा होता तो मुझे देख लेती, लेकिन उसने नहीं

मैलॉय और उनका मरीजों के प्रति व्यवहार: एक ऐसी प्रतिभा जिसके बारे में उनके पोते-पोती बड़ी उत्सुकता से चर्चा करते थे; अगर उनके कभी कोई पोते-पोती होते, जो कि संदिग्ध था।
"तुम कौन हो?" वह न तो चिल्लाई और न ही दीवार पर चढ़ने की कोशिश की, लेकिन उसकी नसें लगातार फड़कती रहीं।
मैंने उसे आश्वस्त करने की कोशिश करते हुए कहा, "मैं एक तरह का जासूस हूँ। मैं तुम्हें घर ले जाने आया हूँ।"
अब जब मैं उसके करीब था, तो मैं देख सकता था कि उसकी नीली आंखों की पुतलियां बिल्कुल बिंदु जैसी थीं।
"मेरे पास पहनने के लिए कोई कपड़े नहीं हैं," उसने कहा। "वे उन्हें ले गए हैं।"
मैं तुम्हारे लिए कुछ और ढूंढ लूंगा। तुम्हें कैसा लग रहा है? "ठीक है।" गोरा सिर पहले दाईं ओर और फिर बाईं ओर घूमा। "लेकिन मुझे याद नहीं आ रहा कि मैं कौन हूँ। सफेद बालों वाले आदमी ने मुझसे कहा कि मेरी याददाश्त चली गई है। वह अच्छा आदमी है, है ना?"
मैंने सावधानी से कहा, "मुझे तो यही बताया गया है। लेकिन आप घर जाना चाहते हैं, है ना?"
"मेरा कोई घर नहीं है।" उसने चादर के नीचे से अपना एक लंबा नंगा हाथ बाहर निकाला और अपनी पतली उंगलियों से अपने सुनहरे बालों को सहलाया। उसका हाथ धीरे-धीरे नीचे सरका और उस फड़कती हुई नस पर जा टिका। उसने नस को ऐसे दबाया जैसे उसे छुपा रही हो। "वह कहीं खो गई है, लेकिन नर्स ने कहा कि वे उसे ढूंढ रहे हैं। क्या आपको वह मिली?"
"हां; इसीलिए तो मैं यहां हूं।"
उसने कुछ पल तक इस बारे में सोचा और भौंहें चढ़ा लीं।

"तो अब आप जानते हैं कि मैं कौन हूँ?" उसने अंत में कहा।
मैंने कहा, "आपका नाम अनोना फ्रीडलैंडर है। और आप सैन फ्रांसिस्को में रहती हैं।"
"क्या मुझे याद है? मुझे तो याद नहीं। क्या आप निश्चित हैं?" मैं उसकी बांह को घूर रहा था। वह छोटे-छोटे निशानों से भरी हुई थी। उन्होंने उसे लंबे समय तक नशे की दवा दी थी। अब वह लगभग नशे की हालत में थी।
"हां, मुझे यकीन है। क्या आप बिस्तर से उठ सकते हैं?"
"मुझे नहीं लगता कि मैं ऐसा करना चाहती हूँ," उसने कहा। "मुझे लगता है कि मैं सोना ज़्यादा पसंद करूँगी।"
मैंने उससे कहा, "कोई बात नहीं। तुम सो जाओ। हम अभी जाने के लिए तैयार नहीं हैं। थोड़ी देर में: जब तुम सो जाओगी, तब हम चलेंगे।" "मेरे पास कोई कपड़े नहीं हैं, या मैंने आपको बताया था? अभी मेरे पास पहनने के लिए कुछ भी नहीं है। मैंने अपनी नाइटड्रेस बाथटब में फेंक दी। नर्स बहुत गुस्सा हो गई थी।"
आपको किसी बात की चिंता करने की जरूरत नहीं है। मैं कर लूंगी। जब हम जाने के लिए तैयार हो जाएंगे, तो मैं आपके लिए पहनने के लिए कुछ ढूंढ लूंगी।
भारी पलकें अचानक नीचे गिर गईं, फिर बड़ी मुश्किल से खुलीं। उंगली नस से फिसल गई। अब उसमें कोई हलचल नहीं हो रही थी।
"मुझे तुम पसंद हो," उसने नींद भरी आवाज़ में कहा। "तुमने खुद को क्या बताया था?"
"मॉलॉय। विक मॉलॉय: एक तरह का जासूस।"
उसने सिर हिलाया।
"मॉलॉय। मैं याद करने की कोशिश करूंगी। मेरी याददाश्त बहुत खराब है। मुझे कभी कुछ याद नहीं रहता।" उसकी पलकें फिर से झुकने

लगीं। मैं उसके पास खड़ी होकर उसे देख रही थी। "मुझे नींद आ रही है।" फिर काफी देर बाद, जब मुझे लगा कि वह सो गई है, तो उसने धीमी आवाज़ में कहा: "उसने उसे गोली मार दी, तुम्हें पता है। मैं वहीं थी। उसने बंदूक उठाई और उसे गोली मार दी। यह बहुत भयानक था।" मैंने अपनी तर्जनी उंगली से अपनी नाक की नोक को रगड़ा। कमरे में सन्नाटा छा गया। वह अब सो रही थी। नर्स ने जो भी दवा उसके अंदर डाली थी, वह उसे बेहोशी की हालत में ले गई थी। शायद वह सुबह तक होश में न आए। इसका मतलब था कि अगर मैं खुद बाहर निकल सका तो उसे उठाकर बाहर ले जाना पड़ेगा। लेकिन इसके बारे में सोचने का अभी समय नहीं था।
अगर मुझे उसे गोद में उठाना पड़े तो मैं उसे चादर में लपेट सकती हूं, लेकिन अगर वह चलने की जिद करे तो मुझे उसके लिए कुछ पहनने का इंतजाम करना पड़ेगा।
मैंने कमरे में चारों ओर देखा। दराजों वाली अलमारी बिस्तर के पैरों के सामने रखी थी। मैंने एक-एक करके दराजें खोलीं। उनमें से अधिकतर खाली थीं; बाकी में तौलिए और अतिरिक्त चादरें थीं। कपड़े नहीं थे।
मैं कमरे के उस पार अलमारी तक गया, उसे खोला और अंदर झाँका। ऊपर वाले शेल्फ पर एक ड्रेसिंग गाउन, चप्पलें और दो फैलने वाले सूटकेस करीने से रखे थे। मैंने उनमें से एक को नीचे उतारा। ढक्कन पर उभरे हुए अक्षर A.F. लिखे थे। मैंने सूटकेस की पट्टियाँ खोलीं और उसे खोला। अंदर रखी चीज़ों ने मेरी कपड़ों की समस्या हल कर दी। सूटकेस कपड़ों से भरा हुआ था। मैंने उन्हें पलटकर देखा। सूटकेस के सबसे नीचे एक नर्स की वर्दी थी।

मैंने अपनी उंगलियाँ सूटकेस की बगल वाली जेबों में डालीं। उनमें से एक में मुझे 1948 की तारीख वाली एक छोटी, नीले रंग की कवर वाली डायरी मिली।
मैंने उस किताब के पन्ने जल्दी से पलटे। उसमें बहुत कम और दूर-दूर प्रविष्टियाँ थीं। 'जैक' के कई संदर्भ थे, और मैंने अनुमान लगाया कि वह जैक ब्रेट था, नौसेना का भगोड़ा, जिसके बारे में मिफ्लिन ने मुझे बताया था।
24.1 मूवी विद जैक।
7.45.28.1 डिनर एल'एटॉइल.
मिलिए जैक 6.30.29.1 से
सप्ताहांत के लिए घर।5.2
जैक अपने जहाज पर वापस लौट रहा है।
10 मार्च तक और कुछ नहीं।
10.3 जैक की ओर से अभी तक कोई पत्र नहीं आया है।
12.3 डॉ. साल्ज़र ने मुझसे पूछा कि क्या मैं बाहर काम करना चाहूँगा। मैंने हाँ कहा।
16.3 क्रेस्टवेज़ में काम शुरू करें।
18.3 श्री क्रॉस्बी का निधन हो गया।
डायरी का बाकी हिस्सा खाली था, क्योंकि उस तारीख के बाद से उसका जीवन पूरी तरह खाली हो गया था। वह शायद किसी की देखभाल करने के लिए क्रेस्टवेज़ गई थी। उसने क्रॉस्बी को मरते देखा था। इसलिए उसे दो साल तक इस कमरे में बंद रखा गया था और उसे ड्रग्स के इंजेक्शन दिए गए थे, इस उम्मीद में कि देर-सवेर उसकी मानसिक स्थिति बिगड़ जाएगी और उसे याद नहीं रहेगा कि क्या हुआ था। यह तो स्पष्ट था, लेकिन फिर भी उसे याद था। उस दृश्य की भयावहता अभी भी उसके दिमाग में बसी हुई थी। शायद वह अचानक उस कमरे में आ गई

थी जहाँ दो लड़कियाँ बंदूक पर कब्ज़ा करने के लिए लड़ रही थीं। हो सकता है कि क्रॉस्बी के झगड़े में शामिल होने पर वह उसे शर्मिंदा न करने के लिए पीछे हट गई हो, और उसने क्रॉस्बी पर बंदूक का वार होते और गोली चलते देखा हो।
मैंने उस शांत, सफेद चेहरे को देखा। कभी उस चेहरे पर दृढ़ता और हौसला हुआ करता था, लेकिन अब नहीं। वह किसी बात को दबाने वाली नहीं थी, न ही पैसों से प्रभावित होने वाली। वह पुलिस को बुलाने पर ज़ोर देने की ज़्यादा संभावना रखती थी। इसलिए उन्होंने उसे बंद कर दिया था।
मैंने सोच-विचार करते हुए अपने जबड़े के किनारे को खुजलाया और छोटी डायरी को अपनी हथेली पर थपथपाया। अगला कदम था यहाँ से निकलना, और जल्दी निकलना।
और मानो इसी विचार के जवाब में, अचानक एक भयानक धमाका हुआ जिससे इमारत हिल गई: ऐसा लगा जैसे घर का एक हिस्सा ढह गया हो।
मैं डर के मारे उछल पड़ा, दो कदमों में दरवाजे तक पहुंचा और उसे झटके से खोल दिया। गलियारा गारे और ईंटों की धूल से भरा हुआ था, और धूल में से दो आकृतियाँ निकलीं: मुट्ठियों में बंदूकें लिए, तेज़ी से हॉपर के कमरे की ओर दौड़ती हुई—जैक करमन और माइक फिननेगन। उन्हें देखते ही मैंने खुशी से चीख मारी। वे अचानक रुक गए, उनकी बंदूकें मुझ पर मंडरा रही थीं।
करमन के तनावग्रस्त चेहरे पर एक चौड़ी, खिलखिलाती मुस्कान फूट पड़ी।
"यूनिवर्सल सर्विसेज आपकी सेवा में हाज़िर है," उसने मेरा हाथ पकड़ते हुए कहा। "दोस्त, कुछ पीना चाहोगे?"

मैंने उसे गले लगाते हुए कहा, "मुझे एक नग्न गोरी लड़की के लिए परिवहन चाहिए," और माइक ने मेरी पीठ पर एक जोरदार थप्पड़ मारा जिससे मैं लड़खड़ा गया। "तुमने क्या किया—घर गिरा दिया?" "खिड़की में कुछ जंजीरें फंसाकर उसे दस टन के ट्रक से खींचकर बाहर निकाल दिया," करमन ने मुस्कुराते हुए कहा। "थोड़ा अटपटा तरीका है, पर कारगर। वह गोरी लड़की कहाँ है?"
जहां पहले खाने-पीने की जाली वाली खिड़की थी, वहां अब एक बड़ा सा छेद और टूटी हुई ईंटें थीं।
मैंने करमन को खींचकर अनोना के कमरे में ले गया जबकि फिननेगन गलियारे की रखवाली कर रहा था। बेहोश लड़की को चादर में लपेटकर कमरे से बाहर ले जाने में हमें लगभग दस सेकंड लगे।
"माइक, पीछे से मोर्चा संभालो," मैंने कहा और हम दीवार में बने छेद की ओर बढ़ते हुए उसे पीछे छोड़ गए। "अगर ज़रूरत पड़े तो गोली चला देना।"
"उसे अपने कंधे पर उठा लो," करमन ने उत्साह से चहकते हुए कहा। "दीवार के सहारे एक सीढ़ी है।"
मैंने उसे लड़खड़ाती ईंटों की दीवार पर चढ़ने में मदद की। उसका एक नंगा हाथ और एक टांग उसके चेहरे के पास बेजान लटक रहे थे। "अब मुझे पता चल गया है कि लोग फायर सर्विस में क्यों शामिल होते हैं," उसने सीढ़ी से सावधानीपूर्वक नीचे उतरते हुए कहा।
नीचे मुझे घर के पास एक बड़ा ट्रक खड़ा दिखाई दिया और सीढ़ी के नीचे मुझे पाउला दिखाई दी। उसने मुझे हाथ हिलाकर अभिवादन किया।
"ठीक है, माइक," मैंने पुकारा। "चलो चलते हैं।"
जैसे ही माइक मेरे पास आया, गलियारे के अंत में स्थित दरवाजा अचानक खुल गया और गुस्से से लाल चेहरे वाली नर्स प्रकट हुई।
उसने हम पर और टूटी हुई दीवार पर एकटक नजर डाली और चीखने लगी।

हम सीढ़ी से नीचे उतरे और ट्रक में चढ़ गए।
पौला पहले से ही गाड़ी चला रही थी, और जैसे ही हम ट्रक के पीछे वाले हिस्से में चढ़े, उसने क्लच छोड़ दिया और फूलों की क्यारियों के बीच से पागलों की तरह गाड़ी चलाने लगी।
करमान ने अनोना को फर्श पर लिटा दिया था और उसे नीचे की ओर देख रहा था।
"वाह, वाह," उसने कहा और अपनी मूंछें घुमाईं। "अगर मुझे पता होता कि वह इतनी अच्छी है, तो मैं पहले ही आ जाता।"

अध्याय तेईस

एक घंटी बजी, और सुनहरे बालों वाली महिला अपनी डेस्क के पीछे से निकलकर मेरे पास आई। उसने कहा कि मिस्टर विलेट अब मुझसे मिलेंगे। वह ऐसे बोल रही थी जैसे चर्च में हो, और उसका रूप ऐसा था मानो वह ऑर्किड रूम फॉलीज में इज़ी जैकब की सुंदरियों की पहली पंक्ति में बैठी हो।
मैं उसके कूल्हों के हिलने-डुलने का पीछा करते हुए बाहरी दफ्तर से भीतरी कक्ष तक गया। उसने अपने पन्ना हरे रंग के नाखून से दरवाजे पर दस्तक दी, दरवाजा खोला और महिलाओं के खास अंदाज में अपने बिखरे बालों की लटों को समेटते हुए कहा, "श्री मलोय यहाँ हैं।"
मेरे प्रवेश करने के संकेत पर वह एक तरफ हट गई। मैंने प्रवेश किया।
विलेट अपनी विशाल मेज के पीछे जमे हुए थे और किसी ऐसी चीज़ को संदेह भरी निगाहों से घूर रहे थे जो वसीयतनामा जैसी लग रही थी, और शायद थी भी। उनकी भूरी उंगलियों के बीच एक मोटी, सुनहरे सिरे वाली सिगरेट जल रही थी। उन्होंने बिना ऊपर देखे मुझे कुर्सी पर बैठने का इशारा किया।
सुनहरे बालों वाली वह लड़की चली गई। मैंने उसे जाते हुए देखा। दरवाजे पर पहुँचकर उसने अपनी कमर को इस तरह झटका दिया कि रेशमी पोशाक की काली चमक के नीचे वह काँप उठी। जब दरवाजा उसके ऊपर बंद हो गया तो मुझे दुख हुआ।
मैं बैठ गया और अपनी टोपी के अंदर झाँककर याद करने की कोशिश करने लगा कि मैंने इसे कब खरीदा था। ऐसा लग रहा था मानो बहुत-बहुत समय बीत गया हो। टोपी बनाने वाले का निशान समझ में नहीं आ

रहा था। मैंने खुद से कहा कि अगर मैं विलेट को और पैसे देने के लिए मना सका, तो मैं अपने लिए एक नई टोपी खरीद लूँगा। अगर नहीं, तो इसी से काम चला लूँगा।
मैंने समय बिताने के लिए ये सब सोचा। विलेट अपनी कानूनी फिल्मी अदाकारी में खोया हुआ सा लग रहा था: एक बड़े वकील की पैसे कमाने की कहानी। मानो उसके बैंक खाते में डॉलर की बारिश की आवाज सुनाई दे रही हो।
"सिगरेट," उसने अचानक और अनमने ढंग से कहा। अपने हाथ में पकड़े कागजों के ढेर से नज़रें हटाए बिना, उसने चांदी का डिब्बा मेरी ओर बढ़ा दिया।
मैंने डिब्बे में मिली मोटी, सोने की नोक वाली सिगरेटों में से एक निकाली और उसे जलाया। मुझे उम्मीद थी कि इससे मुझे भी पैसे कमाने का एहसास होगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। दिखने में तो यह स्वाद से कहीं बेहतर थी: इस तरह की सिगरेटों का स्वाद अक्सर ऐसा ही होता है।
फिर अचानक, जैसे ही मुझे नींद आने लगी, उसने कागज़ों को कूड़ेदान में फेंक दिया, अपनी कुर्सी आगे खींची और बोला, "अब, श्रीमान मलोय, चलिए शुरू करते हैं। दस मिनट में मेरी एक और अपॉइंटमेंट है।"
"तो बेहतर होगा कि हम किसी और समय मिलें," मैंने कहा। "दस मिनट में हमारा काम खत्म नहीं होगा। मुझे नहीं पता कि आप क्रॉस्बी खाते को कितना महत्व देते हैं, श्रीमान विलेट, लेकिन यह अच्छी खासी रकम का होना चाहिए। बिना चिल्लाए, मैं यह कहना चाहूँगा कि अगर आप इस खाते को ज़्यादा समय तक नहीं चला पाएंगे तो मुझे आश्चर्य नहीं होगा।"

इससे वह चौंक गया। उसने मुझे उदास निगाहों से देखा, अपनी आधी जली सिगरेट बुझाई और डेस्क पर आधा झुक गया।
"आपका सही सही क्या मतलब है?"
मैंने पूछा, "क्या आप इसे विस्तार से जानना चाहते हैं या बस सरसरी तौर पर देखना चाहते हैं?" उसने जवाब दिया, "दोनों ही तरह से बुरा है, लेकिन विस्तार से जानने पर यह धीरे-धीरे आप पर हावी हो जाता है।"
"इसमें कितना समय लगेगा?"
"आधा घंटा, शायद थोड़ा ज़्यादा; और फिर आप सवाल पूछना चाहेंगे। मान लीजिए एक घंटा, शायद थोड़ा और ज़्यादा। लेकिन आप बोर नहीं होंगे।"
उसने अपने होंठ चबाए, भौंहें चढ़ाईं, फिर टेलीफोन उठाया और लगातार तीन अपॉइंटमेंट रद्द कर दिए। मैं देख सकता था कि उसे ऐसा करने में दुख हो रहा था, लेकिन उसने किया। विलेट जैसे आदमी के साथ दस मिनट का इंटरव्यू उसके लिए सौ डॉलर, शायद उससे भी ज़्यादा का हो सकता था—आपके लिए नहीं।
"आगे बढ़ो," उसने कुर्सी पर पीछे झुकते हुए कहा। "तुमने पहले मुझसे संपर्क क्यों नहीं किया?"
“यही तो बात है।” मैंने उससे कहा और अपनी टोपी कुर्सी के नीचे रख दी। मुझे आभास हो रहा था कि शायद मुझे जल्द ही एक नई टोपी खरीदनी पड़ेगी। “मैंने पिछले पाँच दिन पागलखाने में बिताए हैं।” लेकिन मैं उसे दोबारा इतनी आसानी से परेशान नहीं करने वाला था। उसने हल्की सी गुर्राहट की आवाज निकाली, लेकिन उसके चेहरे पर कोई भाव नहीं बदला।
मैंने कहा, "शुरू करने से पहले, शायद आप मुझे मिस क्रॉस्बी के बैंक खाते के बारे में बता सकें। क्या आपने उसे देखा है?"

उसने उसके सिर को हिलाकर रख दिया।
"बैंक मैनेजर ने बिल्कुल सही इनकार कर दिया। अगर उसने मुझे यह दिखाया होता और यह बात लीक हो जाती, तो वह खाता खो देता: इसमें बहुत पैसा है। लेकिन उसने मुझे बताया कि बीमा राशि को बियरर बॉन्ड में बदल दिया गया है और खाते से निकाल लिया गया है।" "क्या उसने बताया कि कब?"
वसीयत की मंजूरी के तुरंत बाद।
"और आपने मिस क्रॉस्बी को पत्र लिखकर उनसे आपसे मिलने का अनुरोध किया है?"
"हां। वह कल दोपहर यहां होगी।"
आपने उसे कब पत्र लिखा था?
"मंगलवार: पांच दिन पहले।"
"क्या उसने तुरंत जवाब दिया?"
उसने सहमति में सिर हिलाया।
"तो मुझे नहीं लगता कि वो तय समय पर आएगी। खैर, देखते हैं।" मैंने उसकी चांदी की ऐशट्रे में राख झाड़ दी। "ठीक है, हमने जो बातें कीं, वो पूरी हो गईं। अब मुझे अपनी कहानी शुरू करनी चाहिए।"
मैंने उसे बताया कि मैकग्रा और हार्टसेल मुझसे मिलने आए थे। वह कुर्सी पर धंसकर बैठ गया, उसकी आँखें किसी चमकती हुई हेडलाइट की तरह भावहीन थीं। जब मैंने बताया कि उन्होंने मुझे कैसे पीटा था, तो वह न हँसा और न रोया। उसके साथ ऐसा कुछ नहीं हुआ था, तो उसे क्या फ़र्क पड़ता? लेकिन जब मैंने उसे बताया कि मॉरीन कैसे वहाँ आई, तो उसकी भौंहें तन गईं और उसने अपने नाखूनों से डेस्क के किनारे पर थपथपाना शुरू कर दिया। शायद यही उसकी खुशी का सबसे करीबी प्रदर्शन था।

"वह मुझे सैन डिएगो हाईवे के पूर्व में, चट्टानी सड़क पर एक घर में ले गई। उसने कहा कि यह उसका घर है: एक बढ़िया जगह, अगर आपको ऐसी जगहें पसंद हैं जो बहुत महंगी हों और जिनमें फिल्मी सितारों को ठहराया जा सके। क्या आपको पता था कि यह घर उसका है?" उसने उसके सिर को हिलाकर रख दिया।
मैंने आगे बताया, "हम बैठे-बैठे बातें कर रहे थे। वह जानना चाहती थी कि मुझे उसमें दिलचस्पी क्यों है, और मैंने उसे उसकी बहन का पत्र दिखाया। किसी न किसी वजह से वह डरी हुई लग रही थी। वह दिखावा नहीं कर रही थी: वह सचमुच डरी हुई थी। मैंने उससे पूछा कि क्या उस समय उसे ब्लैकमेल किया जा रहा था, और उसने कहा कि नहीं, और जेनेट शायद उसे परेशान करने की कोशिश कर रही थी। उसने कहा कि जेनेट उससे नफरत करती है। क्या सच में करती थी?"
विलेट अब कागज काटने वाले चाकू से खेल रहा था; उसका चेहरा गंभीर था और उसकी आँखों में चिंता झलक रही थी।
"मुझे पता है कि उनके बीच बनती नहीं थी: बस इतना ही। सौतेली बहनों के साथ ऐसा ही होता है, आप तो जानते ही हैं।"
मैंने कहा कि मुझे पता है सौतेली बहनों के साथ कैसा होता है। कुछ मिनट बीत गए। कमरे में एकमात्र आवाज़ विलेट की डेस्क घड़ी की व्यस्त टिक-टिक की थी।
"आगे बताओ," उसने संक्षिप्त लहजे में कहा। "उसने और क्या कहा?" "जैसा कि आप जानते हैं, जेनेट और डगलस शेरिल नाम के एक व्यक्ति की सगाई हो चुकी थी। लेकिन शायद आप यह नहीं जानते होंगे कि शेरिल एक छुपा रुस्तम है; संभवतः एक धोखेबाज, निश्चित रूप से एक बदमाश। मॉरीन के अनुसार, उसने जेनेट से शेरिल को छीन लिया।" विलेट ने कुछ नहीं कहा। वह इंतजार करता रहा।

मैंने आगे बताया, "दोनों लड़कियों के बीच कहासुनी हुई जो मारपीट में बदल गई। जेनेट ने एक बंदूक उठा ली। तभी बूढ़ा क्रॉस्बी आया और उसने जेनेट से बंदूक छीनने की कोशिश की। उसे गोली लग गई और उसकी मौत हो गई।"
मुझे एक पल के लिए लगा कि विलेट गुस्से से अपनी डेस्क के ऊपर से कूद पड़ेगा। लेकिन उसने खुद को संभाला और फर्श के नीचे से आती हुई आवाज में कहा, "क्या मॉरीन ने तुम्हें यह बताया?"
"ओह, हाँ। वह अपने मन का बोझ हल्का करना चाहती थी। अब एक और बात सुनो, जो तुम्हें पसंद आएगी। गोलीबारी की घटना को दबाना पड़ा। डॉ. साल्ज़र द्वारा क्रॉस्बी के प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने के बारे में मेरी जानकारी गलत थी। उन्होंने हस्ताक्षर नहीं किए थे। श्रीमती साल्ज़र ने हस्ताक्षर किए थे। उनके अनुसार, वह एक योग्य डॉक्टर हैं और परिवार की दोस्त भी हैं। लड़कियों में से एक ने उन्हें फोन किया और वह आईं और मामला सुलझा दिया। लेसवेज़, जो अमीरों के लिए मुश्किलें खड़ी करने वाले व्यक्ति नहीं हैं, ने इस कहानी पर विश्वास कर लिया कि क्रॉस्बी अपनी बंदूक साफ कर रहा था और गलती से खुद को गोली मार ली। उन्होंने उनकी बात पर यकीन कर लिया। ब्रैंडन ने भी।"
विलेट ने सिगरेट जलाई। वह एक भूखे आदमी की तरह लग रहा था जिसे पाई दी गई हो और उसके अंदर कुछ भी न हो।
"आगे बढ़ो," उसने कहा और पीछे बैठ गया।
किसी न किसी कारणवश, गोलीबारी के समय एनोना फ्रीडलैंडर नाम की एक नर्स घर में मौजूद थी और उसने दुर्घटना देखी। श्रीमती साल्ज़र कोई जोखिम नहीं लेना चाहती थीं। उन्होंने नर्स को कमरे में बंद कर दिया ताकि वह कुछ न बोल सके। तब से वह साल्ज़र के सैनिटोरियम में एक गद्देदार कोठरी में बंद है।

"आपका मतलब है—उसकी मर्जी के खिलाफ?"
"न केवल उसकी इच्छा के विरुद्ध, बल्कि दो साल से वे उसे ड्रग्स दे रहे हैं।"
"क्या आप यह कहना चाह रहे हैं कि मॉरीन क्रॉस्बी को इसकी जानकारी है?"
"मुझें नहीं पता।"
विलेट की सांसें अब तेज चल रही थीं। यह सोचकर कि मॉरीन क्रॉस्बी जैसी धनी ग्राहक पर अपहरण का आरोप लग सकता है, वह सदमे में था, हालांकि एनोना फ्रीडलैंडर की दुर्दशा ने उसे जरा भी विचलित नहीं किया था।
"वैसे, अगर आपको उसके लिए थोड़ी सहानुभूति हो रही है," मैंने कहा, "हमने कल रात अनोना को पागलखाने से बाहर निकाल लिया।" "ओह?" वह घबराया हुआ लग रहा था। "क्या वह कोई गड़बड़ करेगी?" मैंने अप्रिय मुस्कान दी।
"मुझे लगता है कि इसकी संभावना बहुत अधिक है। दो साल तक सिर्फ इसलिए कैद में रहने के बाद, क्योंकि कुछ अमीर लोग अखबारों में आने से कतराते हैं, क्या आप कुछ शुरू नहीं करना चाहेंगे?"
उसने अपनी ठुड्डी को उंगलियों से छुआ और कुछ देर तक गहन चिंतन किया।
अंत में उन्होंने कहा, "शायद हम उसे थोड़ा मुआवजा दे सकते हैं," लेकिन वे ज्यादा खुश नहीं लग रहे थे। "मुझे उससे मिलना चाहिए।" "जब तक वो खुद किसी से मिलने के लिए तैयार नहीं होती, तब तक कोई उससे नहीं मिलता। अभी तो उसे समझ ही नहीं आ रहा कि वो क्या कर रही है।" मैंने सिगरेट बुझाई और खुद एक जलाई। "इस अपहरण की सूचना पुलिस को देनी चाहिए। अगर ऐसा हुआ, तो ये सारा घिनौना मामला सुर्खियों में आ जाएगा। फिर क्रॉस्बी के करोड़ों रुपये

रिसर्च सेंटर को सौंपने की जिम्मेदारी तुम्हारी होगी। हो सकता है कि वे तुम्हें हिसाब-किताब संभालने को कहें या न कहें: शायद नहीं।"
उन्होंने कहा, "इसलिए मुझे उससे बात करनी चाहिए। आमतौर पर इन चीजों का समाधान निकाला जा सकता है।"
"इस बारे में इतना आश्वस्त मत रहो। फिर मेरे साथ एक छोटी सी घटना घटी," मैंने नरमी से कहा। "मुझे भी अगवा करके पाँच दिनों तक बंदी बनाकर रखा गया था, और मेरे शरीर में कुछ मात्रा में नशीली दवा भी डाली गई थी। यह भी एक छोटी सी बात है जिसकी सूचना पुलिस को देनी चाहिए।"
"खुद को एक अच्छी नौकरी से वंचित क्यों कर रहे हो?" उसने पलटकर पूछा, और कमरे में मेरे आने के बाद पहली बार उसके चेहरे पर हल्की सी मुस्कान आई। "मैं एक अतिरिक्त फीस का सुझाव देने वाला था: जैसे कि पांच सौ डॉलर और।"
इससे मेरी नई टोपी का मिलना पक्का हो गया।
"यह मुझे लुभाता है। हम इसे जोखिमों से बचाव का बीमा कह सकते हैं," मैंने कहा। "लेकिन यह उस शुल्क के अतिरिक्त होगा जो आप हमारे द्वारा किए जा रहे काम के लिए भुगतान करेंगे।"
"यह सब ठीक है।"
"ठीक है, शायद हम अभी अनोना फ्रीडलैंडर को यहीं छोड़ दें और कहानी को आगे बढ़ाएं," मैंने कहा। "अभी बहुत कुछ बाकी है; कहानी आगे बढ़ने के साथ-साथ दिलचस्प होती जाती है।"
उसने अपनी कुर्सी पीछे धकेली और उठ खड़ा हुआ। मैंने उसे सामने वाली दीवार से सटे तहखाने में जाते और हाइग एंड हाइग की एक बोतल और दो छोटे गिलास लेकर लौटते हुए देखा।

"क्या तुम ये सब इस्तेमाल करते हो?" उसने दोबारा बैठते हुए पूछा।
मैंने कहा कि मैं इसका इस्तेमाल जब भी संभव होता था करता था।
उसने दो ड्रिंक्स डालीं, एक मेरी तरफ बढ़ा दी, दूसरी झट से पी ली और तुरंत अपना गिलास फिर से भर लिया। उसने बोतल हम दोनों के बीचोंबीच रख दी।
"आप अपनी ज़रूरतें खुद पूरी कर लें," उन्होंने कहा।
मैंने थोड़ी सी स्कॉच पी। बहुत अच्छी थी: महीनों में पी गई सबसे बढ़िया शराब। मुझे यह देखकर आश्चर्य हुआ कि एक बड़ा वकील भी अपने ऊपर आने वाली मुसीबत को देखकर कैसे शांत हो सकता है। मैंने उससे कहा, "मौरिन के अनुसार, क्रॉस्बी की मौत का जेनेट पर गहरा असर पड़ा था। शायद पड़ा हो, लेकिन इसे ज़ाहिर करने का उसका तरीका वाकई अजीब था। मुझे लगा था कि ऐसे समय में उसे टेनिस खेलने या इधर-उधर दौड़ने का मन नहीं करेगा, लेकिन लगता है कि उसे करना ही था। खैर, मौरिन के अनुसार, गोलीबारी के लगभग छह या सात हफ्ते बाद जेनेट ने आत्महत्या कर ली। उसने आर्सेनिक खा लिया था।"
विलेट के गिलास से स्कॉच की एक छोटी सी बूंद छलक कर उसके ब्लॉटर पर गिर गई। उसने धीमी आवाज़ में कहा, "हे भगवान!"
"उस मामले को भी दबा दिया गया। संयोग से उस समय श्रीमती साल्ज़र बाहर थीं, इसलिए मॉरीन और डॉ. साल्ज़र ने डॉ. बेवली को बुलाया, जो एक सीधे-सादे बूढ़े व्यक्ति थे, और उन्हें बताया कि जेनेट घातक एंडोकार्डिटिस से पीड़ित हैं, और उन्होंने सहर्ष मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कर दिया। जेनेट की एक निजी नौकरानी थी, यूडोरा ड्रू, जिसने शायद साल्ज़र और मॉरीन की यह मनगढ़ंत कहानी सुन ली थी। उसने झूठ बोला और उन्होंने उसे पैसे दिए। मुझे उसका पता चला

और मैं उससे मिलने गया। वह इतनी चालाक थी कि उसने मुझे टाल दिया और साल्ज़र से बात की, और उन्हें बताया कि मैं जानकारी के लिए पाँच सौ डॉलर दे रहा हूँ, और अगर वह इनाम बढ़ाना चाहें तो वह चुप रहेगी। श्रीमती साल्ज़र के पास इसका जवाब था। उन्होंने एक पूर्व बंदूकधारी को भेजा जो सैनिटोरियम में काम करता था, ताकि वह उनसे बात करे। श्रीमती एस. के अनुसार, उसने हिंसक होकर जेनेट की हत्या कर दी।"
विलेट ने एक लंबी, धीमी सांस ली। उसने एक घूंट ऐसे पिया जैसे उसे पीने की सख्त जरूरत हो।
“परिवार के नौकर, जॉन स्टीवंस को भी कुछ पता था, या कुछ शक था,” मैंने आगे कहा। “मैं उसे थोड़ा आराम करने के लिए मना रहा था, तभी शेरिल के लिए काम करने वाले छह ब्रिटिश लोगों ने उसका अपहरण कर लिया। उन्होंने उसके साथ थोड़ी सख्ती बरती और उसकी मौत हो गई, लेकिन फिर भी यह हत्या ही है। दो हत्याएं। अब हम तीसरी हत्या की ओर बढ़ते हैं। क्या आपको यह पसंद आ रहा है?”
उन्होंने कर्कश स्वर में कहा, "आगे बढ़ो।"
"आपको नर्स गर्नी याद होंगी? श्रीमती साल्ज़र ने उनके अपहरण की बात कबूल की है, लेकिन उनके अनुसार, नर्स गर्नी आग से बचने वाली सीढ़ी से गिर गईं और उनकी गर्दन टूट गई। श्रीमती साल्ज़र ने उन्हें रेगिस्तान में कहीं छिपा दिया। यह भी हत्या ही है।"
"यह तो शानदार है," विलेट ने कहा। "यह अविश्वसनीय है।"
"यह अविश्वसनीय इसलिए है क्योंकि इसके पीछे का मकसद ही अविश्वसनीय है। यहाँ दो लोग, श्रीमती साल्ज़र और शेरिल, मिलकर तीन हत्याएँ करते हैं, और तो और, अखबारों में एक लड़की की खबर फैलने से बचाने के लिए अनोना फ्रीडलैंडर और मेरा अपहरण भी करते हैं। यही बात इसे अविश्वसनीय बनाती है। मुझे लगता है कि इस

मामले में जितना हम जानते हैं उससे कहीं ज़्यादा कुछ छिपा हुआ है। मुझे लगता है कि ये दोनों एक बहुत ही खतरनाक राज़ को उजागर होने से रोकने की पूरी कोशिश कर रहे हैं, और मैं जानना चाहता हूँ कि आखिर वो राज़ क्या है।"
विलेट ने कहा, "वे अखबारों में छपने वाली पब्लिसिटी को लेकर चिंतित नहीं हैं। इसमें शामिल पैसों को देखिए।"
"हाँ, लेकिन मुझे अब भी लगता है कि कोई अजीब बिल्ली है जिसे हमने अभी तक नहीं खोजा है। मैं उसे ढूंढने जा रही हूँ। खैर, मैं आगे बढ़ती हूँ। मेरा काम अभी खत्म नहीं हुआ है। असली बात तो आखिर में आती है। मॉरीन ने मुझे बताया कि जब उसे पैसे मिले, तो शेरिल अपने पुराने रंग में लौट आया। वह ब्लैकमेलर बन गया। उसने कहा कि वह यह अफवाह फैलाएगा कि क्योंकि उसने उसे जेनेट से छीन लिया था, इसलिए जेनेट ने अपने पिता को गोली मार दी और खुदकुशी कर ली। लेकिन अगर मॉरीन उसके लिए ड्रीम शिप खरीद ले, तो वह चुप रहेगा। उसने ड्रीम शिप खरीद ली: इसीलिए उसने बीमा के पैसे को बियरर बॉन्ड में बदल दिया। उसने बॉन्ड शेरिल को दे दिए। सोचिए अगर यह बात फैल जाए कि मॉरीन क्रॉस्बी एक जुआ-जहाज की समर्थक है, तो अखबारों में कितना हंगामा मचेगा। क्या इससे क्रॉस्बी परिवार का सारा पैसा रिसर्च सेंटर की झोली में नहीं गिर जाएगा?"
विलेट बिना वास्तव में हरा हुए, दिखने में हरा लग रहा था।
"उसने ड्रीम शिप खरीद लिया," उसने दबी हुई आवाज में कहा।
"यही उसने मुझे बताया। उसने यह भी कहा कि वह शेरिल से डरी हुई थी, और उसी नाटकीय क्षण में श्री शेरिल वहाँ आ गए। उन्होंने घोषणा की कि वह मौरीन को ऐसी जगह रखेंगे जहाँ उसे कोई नहीं ढूंढ पाएगा और मुझे भी उसी तरह ठिकाने लगा देंगे। मैं उनसे बहस करने ही वाला था कि तभी पीछे से किसी ने मेरे सिर पर एक टहनी घुमा दी, और

मैं साल्ज़र के पागलखाने में जागा। वहाँ क्या हुआ, इस पर हम समय बर्बाद नहीं करेंगे। इतना ही काफी है कि मेरे सहायक ने लेसवेज़ से मज़ाक में कहा कि वह एक जाने-माने लेखक हैं और इस तरह उन्हें नगर परिषद के सदस्यों के साथ पागलखाने के मासिक दौरे का निमंत्रण मिल गया। उन्होंने मुझे देखा, और गाड़ी से उतर गए और हम एनोना फ्रीडलैंडर को अपने साथ ले गए। हमें यह पता लगाना है कि क्या शेरिल ने मौरीन को छिपाने की अपनी धमकी को अंजाम दिया है। अगर वह कल तक नहीं आती है, तो मेरा अनुमान है कि वह कहीं छिपी हुई है: शायद शेरिल के जहाज पर। लेकिन अगर वह आ जाती है, तो मुझे लगेगा कि वह भी बाकी लोगों की तरह इस धंधे में शामिल है, और वह मुझे अपने घर ले गई ताकि शेरिल मुझसे कुछ हासिल कर सके।" मुझे।" विलेट ने एक और पेय पदार्थ को ऐसे हाथ से डाला जो ज्यादा स्थिर नहीं था।
उन्होंने कहा, "मुझे नहीं लगता कि ऐसा होने की संभावना है।" "देखते हैं। अगर शेरिल ने उसे बंधक बना रखा है, तो क्या आपके पास उसके पैसे रोकने का कोई अधिकार है?"
"उसके पैसों पर मेरा कोई अधिकार नहीं है। मैं बस इतना कर सकता हूँ कि अन्य न्यासियों को बता दूँ कि उसने वसीयत की शर्तों का उल्लंघन किया है।"
"अन्य न्यासी कौन हैं?"
"मेरे प्रमुख श्री ग्लिन और श्री कॉपली, जो निश्चित रूप से न्यूयॉर्क में हैं।"
"क्या उनसे परामर्श किया जाना चाहिए?"
“अभी तो नहीं,” उसने कहा और अपने जबड़े को सहलाया। “मैं तुमसे साफ़-साफ़ कहूँ, मैलॉय। वे बिना किसी हिचकिचाहट के वसीयत की शर्तों का पालन करेंगे, और इस बात पर ज़रा भी ध्यान नहीं देंगे

कि लड़की निर्दोष हो सकती है। मेरे हिसाब से वसीयत बहुत कठोर है। क्रॉस्बी ने शर्त रखी है कि अगर मॉरीन अखबारों में छपती है तो पैसा रिसर्च सेंटर को जाएगा। मुझे लगता है कि वह उसकी शरारतों से थोड़ा तंग आ गया था, लेकिन उसे यह एहसास नहीं था कि वह एक बेईमान ब्लैकमेलर को उसके खिलाफ इस्तेमाल करने का हथियार दे रहा है। और शायद यही हुआ है।”
"क्या तुम्हें कभी यह ख्याल आया है कि हम तीन हत्याओं को छुपा रहे हैं?" मैंने एक और गिलास भरते हुए कहा। इस सारी बातचीत से मेरा गला सूख गया था। "अभी तक ब्रैंडन ज्यादा गहराई से जांच नहीं कर रहा है क्योंकि वह क्रॉस्बी परिवार के पैसों से डरा हुआ है, लेकिन अगर तथ्य यह निकले कि मॉरीन इन हत्याओं में शामिल है, तो उसे मॉरीन के पैसों को भूलकर कुछ कार्रवाई करनी होगी: तब हम दोनों मुश्किल में पड़ जाएंगे।"
"हमें उसे संदेह का लाभ देना होगा," विलेट ने बेचैनी से कहा। "अगर जल्दबाजी में कार्रवाई करने से उसे अन्यायपूर्ण तरीके से अपना पैसा गंवाना पड़ा, तो मैं खुद को कभी माफ नहीं कर पाऊंगा। उस फ्रीडलैंडर महिला का क्या? वह कब तक बोलने को तैयार होगी?" "मुझे नहीं पता। कुछ दिनों तो उसकी हालत देखकर ऐसा लगता है कि उसे खुद भी याद नहीं रहता कि वह कौन है।"
"क्या वह अस्पताल में है?"
मैंने अपना सिर हिलाया।
"मेरी सचिव, मिस बेन्सिंगर, उसकी देखभाल कर रही हैं। मैंने डॉक्टर को बुलाया है, लेकिन वह कुछ खास नहीं कर सकते। उनका कहना है कि यह बस समय की बात है। मैं आज उसके पिता से मिलने सैन फ्रांसिस्को जा रहा हूँ। शायद वह उसकी याददाश्त वापस लाने में मदद कर सकें।"

"हम सभी खर्चों का भुगतान करेंगे," विलेट ने कहा। "इसका बिल हमारे नाम कर दीजिए।" उन्होंने एक और सिगरेट जलाई। "अब आगे क्या करना है?"
"हमें इंतजार करके देखना होगा कि मॉरीन आती है या नहीं। अगर वह नहीं आती है, तो मैं ड्रीम शिप पर जाकर देखूंगा कि वह वहां है या नहीं। मैं और भी पहलुओं पर गौर कर रहा हूं। फिलहाल मेरे पास बहुत सारे अधूरे काम हैं जिन्हें निपटाना जरूरी है।"
दरवाजे पर दस्तक हुई और सुनहरे बालों वाली महिला अंदर आई और लड़खड़ाते हुए विलेट की मेज की ओर बढ़ी।
"श्रीमती पोलार्ड अधीर हो रही हैं," उसने धीरे से कहा। "और यह संदेश अभी-अभी आया है। मैंने सोचा कि आपको इसे तुरंत देख लेना चाहिए।"
उसने उसे एक पर्ची दी। उसने उस पर लिखा हुआ पढ़ा और उसकी भौंहें तन गईं।
"ठीक है। श्रीमती पोलार्ड को बता देना कि मैं उनसे पाँच मिनट में मिलूंगा," उन्होंने कहा। उन्होंने मेरी तरफ देखा। "मिस क्रॉस्बी कल नहीं आ रही हैं। लगता है वो मैक्सिको घूमने जा रही हैं।"
मैंने आगे झुकते हुए पूछा, "किसने फोन किया था?"
"उसने यह नहीं बताया कि वह कौन है," प्लैटिनम ब्लॉन्ड महिला ने विलेट को बताया। "उसने कहा कि वह मिस क्रॉस्बी की ओर से बोल रहा है, और क्या मैं आपको तुरंत संदेश दे सकती हूँ।"
विलेट ने मेरी तरफ देखकर अपनी भौंहें उठाईं। मैंने अपना सिर हिलाया।
"ठीक है, मिस पाल्मेटर," उन्होंने कहा। "बस इतना ही।"
मैंने अपनी कुर्सी के नीचे से अपनी टोपी निकाली और खड़ा हो गया।

मैंने कहा, "लगता है यह ड्रीम शिप की यात्रा है।"
विलेट ने स्कॉच और दोनों गिलास एक तरफ रख दिए।
"मुझे इसके बारे में मत बताना," उसने कहा। "तुम सावधान रहोगे, है ना?"
आपको आश्चर्य होगा कि मैं कितनी सावधानी बरतूंगा।
"हो सकता है वह मेक्सिको चली गई हो," उसने संदेह भरे लहजे में आगे कहा।
मैंने उसे हल्की सी मुस्कान दी, लेकिन उसने बदले में नहीं मुस्कुराया।
मैंने कहा, "फिर मिलेंगे," और मैं बाहरी दफ्तर में चला गया।
गले में अचार वाले प्याज के आकार के मोतियों की माला पहने एक मोटी, अत्यधिक सजी-धजी महिला एक आरामकुर्सी पर बैठी हांफ रही थी। जब मैं उसके पास से होते हुए दरवाजे की ओर बढ़ा, तो उसने मुझे घूरकर देखा।
मैंने प्लैटिनम ब्लॉन्ड की ओर देखा और उसे देखकर मुस्कुराने की कोशिश की।
उसने अपनी आंखें बहुत चौड़ी कर लीं, मुझे खाली निगाहों से देखा और फिर नजरें हटा लीं।
मैं बाहर निकला, मेरी मुस्कान हवा में लटकी हुई थी, मानो किसी दरवाजे पर कोई अवांछित बच्चा पड़ा हो।

अध्याय चौबीस

जब मैं अंदर आया, तभी जैक करमन मेरी स्विचबोर्ड गर्ल ट्रिक्सी को दिखा रहा था कि ग्रेगरी पेक अपनी अभिनेत्रियों को कैसे चूमता है। वे दोनों बिजली की चमक से भी धीरे-धीरे अलग हुए, लेकिन ज़्यादा नहीं। ट्रिक्सी झट से अपनी सीट पर बैठ गई और बड़ी कुशलता से प्लग निकालने और लगाने लगी।
करमान ने मुझे एक उदास मुस्कान दी, दुख से अपना सिर हिलाया और मेरे पीछे अंदर के कमरे में आ गया।
"क्या आपको ऐसा करना ही पड़ेगा?" मैंने अपनी डेस्क की ओर जाते हुए और दराज खोलते हुए पूछा। "क्या वह थोड़ी छोटी नहीं है?" करमन ने उपहास किया।
उन्होंने कहा, "उसके बर्ताव से तो ऐसा नहीं लग रहा था।"
मैंने अपनी.38 पुलिस स्पेशल पिस्टल निकाली, उसे अपनी कमर की जेब में रखा और कुछ अतिरिक्त मैगज़ीन भी इकट्ठा कर लीं।
"मेरे पास एक खबर है," करमन ने मुझे थोड़ा हैरानी से देखते हुए कहा। "अभी चाहिए?"
"मैं इसे कार में रख लूंगा। हम दोनों फ्रिस्को जा रहे हैं।" "ऊँची एड़ी वाले?"
"हाँ। अब से मैं कोई जोखिम नहीं लूंगा। क्या तुम्हारे पास तुम्हारी छड़ी है?"
"मैं इसे प्राप्त कर सकते हैं।"
जब वह इसे ले रहा था, मैंने पाउला को फोन किया।
जब उसने फोन उठाया तो मैंने पूछा, "वह कैसी है?"

"लगभग वैसा ही। डॉ. मैनसेल अभी-अभी आए थे। उन्होंने उसे एक हल्का इंजेक्शन दिया है। उनका कहना है कि इसकी खुराक धीरे-धीरे कम करने में काफी समय लगेगा।"
मैं उसके पिता से मिलने जा रहा हूँ। अगर वो उसे अपने पास रख लें तो हम निकल जाएँगे। तुम ठीक हो?
उसने कहा कि वह थी।
मैंने कहा, "वापस आते समय देख लूंगा," और फोन काट दिया।
केरमन और मैं लिफ्ट से भूतल तक गए, फिर फुटपाथ पार करके ब्यूक कार तक पहुंचे।
"आज रात हम ड्रीम शिप पर जा रहे हैं," मैंने इंजन चालू करते हुए कहा।
"आधिकारिक तौर पर या अनौपचारिक तौर पर?"
"अनौपचारिक रूप से: बिल्कुल फिल्मों की तरह। हो सकता है हमें वहां तैरकर भी जाना पड़े।"
"शार्क और ऐसी ही चीज़ें, उफ़?" करमन ने कहा। "हो सकता है कि जब हम जहाज़ पर चढ़ें तो वे हम पर गोली चलाने की कोशिश करें।"
"अगर वे हमें देखेंगे तो ज़रूर देखेंगे।" मैं एक ट्रक के बगल से निकलकर तेज़ी से सेंटर एवेन्यू की ओर बढ़ा, जिससे दो टैक्सी ड्राइवर और एक पोंटियाक चला रही लड़की चौंक गए।
"यह तो वाकई देखने लायक होगा," करमन ने उदास स्वर में कहा। वह अपनी सीट पर और नीचे धंस गया। "मैं अब और इंतज़ार नहीं कर सकता। शायद मुझे वसीयत बना लेनी चाहिए।"
"क्या आपके पास कुछ छोड़ने के लिए है?" मैंने आश्चर्य से पूछा और जैसे ही लाल बत्ती जली, मैंने जोर से ब्रेक लगा दिया।
"कुछ गंदे पोस्टकार्ड और एक भरवां चूहा," करमन ने कहा। "ये मैं तुम्हारे लिए छोड़ रहा हूँ।"

जैसे ही सिग्नल हरा हुआ, मैंने कहा, "क्या खबर है? क्या श्रीमती साल्जर के बारे में कुछ पता चला?"
करमन ने सिगरेट जलाई और माचिस की तीली को पोंटियाक की पिछली सीट पर गिरा दिया, जब वह कार हमारे बगल से निकलने की कोशिश कर रही थी।
"बिल्कुल। गाड़ी चलाते समय सावधान रहना, यह तुम्हें बुरी तरह से टक्कर मार सकती है। मैं सुबह से खुदाई कर रहा हूँ। क्या तुम जानते हो कि वह कौन है?"
मैंने कार को फेयरव्यू बुलेवार्ड पर मोड़ दिया।
"मुझे बताओ।"
"मैकडोनाल्ड क्रॉस्बी की दूसरी पत्नी: मॉरीन की मां।"
मैंने अचानक सड़क के बीचोंबीच गाड़ी घुमाई, एक ट्रक से टकराने से बची जो आराम से चल रहा था और अपने काम में लगा हुआ था, और ड्राइवर ने मुझे गाली दी। मैं धीरे-धीरे वापस किनारे पर आ गई। "मैंने तुमसे कहा था कि इसे देखो," करमन ने मुस्कुराते हुए कहा। "मज़ेदार है ना?"
आगे बताओ: और क्या है?
लगभग तेईस साल पहले वह सैन फ्रांसिस्को में गले और कान की विशेषज्ञ थीं। क्रॉस्बी की मुलाकात उनसे तब हुई जब उन्होंने जेनेट का एक मामूली इलाज किया था। उन्होंने उनसे शादी कर ली। उन्होंने अपना काम जारी रखा, अत्यधिक काम के बोझ तले दबी रहीं, उन्हें मानसिक आघात लगा और उन्हें नौकरी छोड़नी पड़ी। क्रॉस्बी और उनके बीच संबंध अच्छे नहीं रहे। क्रॉस्बी ने उन्हें साल्ज़र के साथ रंगे हाथों पकड़ लिया। उन्होंने उन्हें तलाक दे दिया। जब वह ऑर्किड सिटी चले गए, तो वह भी मॉरीन के पास रहने के लिए उनके साथ चली गईं। कैसा लगा?

“खैर, इससे मदद मिलती है,” मैंने कहा। हम अब लॉस एंजिल्स और सैन फ्रांसिस्को हाईवे पर थे, और मैंने एक्सीलरेटर पैडल पर ज़ोर से पैर रखा हुआ था। “इससे कई बातें समझ में आती हैं, लेकिन सब कुछ नहीं। इससे यह बात समझ में आती है कि उसने इस खेल में हाथ क्यों डाला। ज़ाहिर है, वह इस बात को लेकर चिंतित होगी कि उसकी बेटी को सारा पैसा मिल जाए। लेकिन हे भगवान! सोचो उसने किस हद तक कदम उठाए होंगे। मुझे लगता है कि वह पागल है।”
"शायद है," करमन ने निश्चिंत होकर कहा। "मेडिकल एसोसिएशन में उसके बारे में सब कुछ छिपा रहे थे। उन्होंने कहा कि उसे मानसिक दौरा पड़ा था और वे इस बारे में कुछ भी नहीं बता रहे थे। उसने ऑपरेशन के बीच में ही एक नकली चेहरा फेंक दिया था। मैंने जिस नर्स से बात की, उसने कहा कि अगर एनेस्थेटिस्ट न होता तो वह मरीज का गला काट देती: बात इतनी गंभीर थी।"
"क्या साल्ज़र के पास कोई पैसा है?"
"बिल्कुल नहीं।"
"मुझे आश्चर्य है कि इस मानसिक अस्पताल को किसने बढ़ावा दिया: शायद क्रॉस्बी ने। नर्स गर्नी की मौत के लिए वह बच नहीं पाएगी। जब पुलिस को शव मिलेगा, मैं मिफ्लिन को सूचना दूंगा।"
"हो सकता है कि वे उसे कभी न ढूंढ पाएं," करमन ने कहा। ऑर्किड सिटी पुलिस के बारे में उनकी राय बहुत ही निराशाजनक थी।
"मैं मॉरीन से मिलने के बाद उनकी मदद करूंगा।"
अगले दस मिनट तक हम चुपचाप गाड़ी चलाते रहे, इस दौरान मैं गहन चिंतन में डूबा रहा।
तब करमन ने कहा, "क्या हम बूढ़े फ्रीडलैंडर से मिलने जाकर समय बर्बाद नहीं कर रहे हैं? क्या हम फोन नहीं कर सकते थे?"

"तुम्हें अच्छे विचार थोड़ी देर से आते हैं, है ना? शायद वह उसे वापस पाने के लिए उत्सुक न हो। फोन पर बातचीत बहुत आसानी से खत्म हो जाती है। मुझे लगता है कि उसे समझाने की ज़रूरत पड़ेगी।"
हम तीन बजे के कुछ मिनट बाद ओकलैंड बे ब्रिज पार कर गए, तीसरी गली से मुड़कर मोंटगोमरी स्ट्रीट में गए और फिर बाईं ओर कैलिफोर्निया स्ट्रीट में मुड़ गए।
फ्रीडलैंडर का घर दाहिनी ओर बीच में था। यह उन साधारण से दिखने वाले मकानों में से एक था: छह मंजिला इमारत जो खरगोशों के बिलों से भरी थी, जिसमें रेडियो की तेज़ आवाज़ और बच्चों के चिल्लाने की गूंज सुनाई देती थी।
बच्चों का एक झुंड पत्थर की सीढ़ियों से दौड़ता हुआ हमारा स्वागत करने आया। उन्होंने गाड़ी के साथ सब कुछ किया, सिवाय टायर पंचर करने और पेट्रोल टैंक में जलती हुई माचिस डालने के। करमन ने उनमें से सबसे बड़े और सबसे मजबूत को चुना और उसे आधा डॉलर दिया।
उन्होंने कहा, "अपने दोस्तों को इस कार से दूर रखो और तुम्हें दूसरा आधा हिस्सा मिल जाएगा।"
लड़के ने अपना सद्भाव दिखाने के लिए एक बच्चे के कान पर घूंसा मारा। हमने उसे दूसरे बच्चे को लात मारते हुए छोड़ दिया। "अच्छा इलाका है," करमन ने अपने अंगूठे के नाखून से अपनी मूंछों को सहलाते हुए कहा।
हम सीढ़ियों से ऊपर गए और डाक पेटियों की दो लंबी कतारों का जायजा लिया। फ्रीडलैंडर का घर पांचवीं मंजिल पर था: नंबर 25।
वहां लिफ्ट नहीं थी, इसलिए हम पैदल ही गए।

"अगर वह बाहर हो जाता है तो मेरा दिन बहुत खुशी का होगा," करमन ने अपनी भौंहें पोंछने के लिए चौथी सीढ़ी पर रुकते हुए हांफते हुए कहा।
मैंने कहा, "तुम बहुत ज्यादा पीते हो," और अगली मंजिल पर जाने के लिए सीढ़ियाँ चढ़ने लगा।
हम एक लंबे, अंधेरे गलियारे में पहुँचे। किसी के रेडियो पर जैज़ बज रहा था। उसकी तेज़ आवाज़ पूरे गलियारे में गर्म साँस की तरह गूंज रही थी।
पास के एक कमरे से एक मैली-कुचैली सी दिखने वाली महिला बाहर आई। उसने एक पुरानी काली भूसी की टोपी पहन रखी थी और एक हाथ में एक डोरी वाला शॉपिंग बैग था। उसने जिज्ञासा भरी निगाहों से हमारी ओर देखा और सीढ़ियों के शीर्ष की ओर गलियारे से नीचे चली गई। वह फिर से घूरने के लिए मुड़ी, तो करमान ने अपने अंगूठे कानों पर रखे और उंगलियां हिलाकर उसे चिढ़ाया। वह नाक ऊपर करके सीढ़ियों से नीचे उतर गई।
हम गलियारे से होते हुए 25 नंबर के मकान तक गए। वहाँ न तो घंटी थी और न ही दरवाज़े की कुंडी। जैसे ही मैंने दस्तक देने के लिए हाथ उठाया, दरवाज़े के पीछे से एक धीमी सी आवाज़ आई: वैसी ही आवाज़ जैसे किसी कागज़ के थैले को फुलाकर हाथ से थपथपाने पर आती है।
आवाज शांत होने से पहले ही मैंने अपनी बंदूक निकाल ली और दरवाजे के हैंडल पर हाथ रख दिया। मैंने हैंडल घुमाया और धक्का दिया। मुझे आश्चर्य हुआ कि दरवाजा खुल गया। मैंने अंदर एक ठीक-ठाक आकार का कमरा देखा: अगर उसके फर्नीचर को देखकर अंदाजा लगाया जाए तो वह एक बैठक कक्ष था।

मुझे अपने पीछे करमन की तेज़ साँसें सुनाई दे रही थीं। मैंने कमरे पर सरसरी नज़र डाली। वहाँ कोई नहीं था। कमरे से दो दरवाजे खुलते थे, और दोनों बंद थे।
"क्या तुम्हें लगता है कि वह बंदूक थी?" करमन ने धीरे से कहा। मैंने सिर हिलाया, चुपचाप कमरे में प्रवेश किया और उसे वहीं रुकने का इशारा किया। वह वहीं रुका रहा। मैं कमरे के उस पार गया और दाहिने दरवाजे के बाहर कान लगाकर सुनने लगा, लेकिन तेज़ बज रहे रेडियो के शोर ने बाकी सभी आवाज़ों को दबा दिया।
करमान को नज़रों से ओझल होने का इशारा करते हुए, मैंने हैंडल घुमाया और हल्के से धक्का देकर दरवाज़ा खोल दिया, और उसी समय एक तरफ हटकर दीवार से सट गया। हम दोनों इंतज़ार करते रहे और सुनते रहे, लेकिन कुछ नहीं हुआ। खुले दरवाज़े से बारूद की तेज़, तीखी गंध आ रही थी। मैं कमरे में झाँकने के लिए थोड़ा आगे बढ़ा। ज़मीन के बीचोंबीच एक आदमी पड़ा था। उसके पैर मुड़े हुए थे और हाथ सीने से चिपके हुए थे। उसकी उंगलियों से खून बह रहा था, कलाई से नीचे ज़मीन पर। वह लगभग साठ साल का था और मुझे लगा कि वह फ्रीडलैंडर था। जैसे ही मैंने उसे देखा, उसने एक गहरी आह भरी और उसके हाथ ज़मीन पर लटक गए।
मैं हिला तक नहीं। मुझे पता था कि कातिल वहीं अंदर होगा। वह बचकर भाग नहीं सकता था।
करमन मेरे पीछे चुपके से बैठक कक्ष में घुस आया और दरवाजे के दूसरी तरफ चिपक गया। उसकी भारी.45 पिस्तौल उसकी मुट्ठी में तोप जैसी लग रही थी।
"बाहर आओ!" मैंने अचानक गुर्राते हुए कहा। मेरी आवाज़ लकड़ी के गांठ को काटती हुई आरी जैसी लग रही थी। "और अपने हाथ ऊपर उठाओ!"

एक गोली चली और गोली दरवाजे से होते हुए मेरे सिर के पास से गुजरी।
करमन ने अपना हाथ दरवाजे के चारों ओर घुमाया और दो बार गोली चलाई। उसकी गोली की आवाज से खिड़कियां हिल गईं।
मैंने एक सख्त पुलिसवाले की तरह लहजे में कहा, "तुम बच नहीं सकते! हमने तुम्हें चारों तरफ से घेर लिया है।"
लेकिन इस बार कातिल कोई खेल नहीं खेल रहा था। सन्नाटा छाया हुआ था और कोई हलचल नहीं थी। हम इंतज़ार करते रहे, लेकिन कुछ नहीं हुआ। मुझे पुलिस के आने का डर सताने लगा, और मैं सैन फ्रांसिस्को पुलिस से उलझना नहीं चाहता था: वे बहुत ही कुशल थे। मैंने करमन को वहीं रुकने का इशारा किया और चुपके से खिड़की की ओर बढ़ गया। जैसे ही मैंने खिड़की खोली, करमन ने कमरे में फिर से गोली चला दी, और शोर का फायदा उठाते हुए मैंने खिड़की खोल ली। मैं बाहर झुक गया। कुछ ही फीट दूर अंदर वाले कमरे की खिड़की थी। इसका मतलब था चौखट पर चढ़ना, फिर सौ फीट नीचे खाई वाली दूसरी चौखट पर कदम रखना। जैसे ही मैंने अपना पैर खिड़की से बाहर निकाला, मैंने पीछे मुड़कर देखा। करमन की आँखें फटी रह गईं और उसने मेरी ओर सिर हिलाया। मैंने अपने अंगूठे से अगली खिड़की की ओर इशारा किया और खुद को चौखट पर चढ़ा लिया।
नीचे से किसी ने गोली चलाई और गोली उछलकर सीमेंट पर जा लगी। मैं इतना चौंक गया कि मेरा हाथ लगभग छूट ही गया, मैंने नीचे सड़क पर खड़ी भीड़ के चेहरों को देखा, सबने ऊपर की ओर देखा। ठीक बीच में एक हट्टा-कट्टा दिखने वाला पुलिसवाला खड़ा था, जो मुझ पर निशाना साध रहा था।
मैंने एक कर्कश चीख मारी, खुद को आगे और बगल में उछाला, अगले कमरे की खिड़की से टकराया और शीशा तोड़कर ज़मीन पर चारों हाथों-

पैरों के बल गिर पड़ा। मेरे ठीक सामने एक गोली चली, और फिर करमान की तोप गरजी, जिससे छत का प्लास्टर टूटकर गिर गया।
मैं ज़मीन पर लेट गया और जैसे ही गोलियों की आवाज़ से कमरा हिल उठा, मैं बिस्तर के पीछे छिपने के लिए बेताब होकर छटपटाने लगा। मुझे अचानक एक भयावह, गुर्राता हुआ चेहरा बिस्तर के ऊपर से मेरी ओर घूरता हुआ दिखाई दिया, और एक खतरनाक नीली नोक वाली स्वचालित बंदूक मेरे सिर पर तनी हुई थी, फिर बंदूक पकड़े हुए हाथ गोलियों की गड़गड़ाहट के साथ गायब हो गया और एक स्पंजी, लाल धब्बे के रूप में फिर से प्रकट हुआ।
वह मेरा दोस्त, गंदी कमीज़ पहने वो इटैलियन था। उसने चीख मारी और लड़खड़ाते हुए खिड़की तक पहुँचा, तभी करमन उस पर झपटा। उसने करमन को हाथ के पिछले हिस्से से मारा, उससे बचते हुए निकल गया और दरवाज़े से बाहर भागकर दूसरे कमरे से होते हुए गलियारे में चला गया। तभी और गोलियों की आवाज़ गूंजी; एक औरत चीखी; एक लाश ज़मीन पर गिर पड़ी।
"सावधान रहो!" मैंने हांफते हुए कहा। "वहाँ एक गुस्सैल पुलिसवाला है। वो तुम्हें देखते ही गोली मार देगा।"
हम स्थिर खड़े रहे और प्रतीक्षा करते रहे।
लेकिन पुलिसवाला कोई जोखिम नहीं लेना चाहता था।
"पूरी ताकत से!" उसने दरवाजे के पीछे से चिल्लाकर कहा। इतनी दूरी से भी मैं उसकी सांसें सुन सकता था। "अगर तुमने लाठी निकाली तो मैं तुम्हें नरक में भेज दूंगा।"
मैंने कहा, "हम आ रहे हैं। उत्तेजित मत होइए और गोली मत चलाइए।" हम अपने हाथ हवा में लहराते हुए कमरे से बाहर निकलकर गलियारे में चले गए।

गलियारे में वो अंग्रेज पड़ा हुआ था। उसके माथे के बीचोंबीच गोली का छेद था।
वह पुलिसवाला बहुत तगड़ा था, उसके पैर चौड़े और सिर की हड्डियाँ मजबूत थीं। उसने हम पर गुर्राते हुए अपनी बंदूक से हमें धमकाया।
"शांत रहो भाई," मैंने उसकी शक्ल देखकर नाराज़गी जताते हुए कहा। "तुम्हारे पास पहले से ही दो लाशें पड़ी हैं। तुम्हें दो और नहीं चाहिए।"
"मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता," उसने दांत दिखाते हुए कहा। "दो हों या चार, मुझे कोई परवाह नहीं। गाड़ी आने तक उस दीवार से सटकर खड़े रहो।"
हम दीवार से सटकर खड़े हो गए। थोड़ी ही देर में हमें सायरन की तेज़ आवाज़ सुनाई दी। सफ़ेद कोट पहने दो लोग हाँफते हुए सीढ़ियों से ऊपर आए, उनके साथ हत्या ब्यूरो के प्रतिनिधि भी थे। मुझे यह देखकर खुशी हुई कि डिटेक्टिव डिस्ट्रिक्ट कमांडर डनिगन भी उनके साथ थे। हम दोनों पहले भी एक-दूसरे के साथ काम कर चुके थे।
"हेलो," उसने कहा और हमारी तरफ घूरने लगा। "क्या यह तुम्हारा अंतिम संस्कार है?"
"बस बाल-बाल बच गए," मैंने कहा। "अंदर एक और लाश है। क्या आप इस पुलिस वाले को बता सकते हैं कि हम खतरनाक नहीं हैं? मुझे बार-बार लग रहा है कि वो हम पर गोली चला देगा।"
डनिगन ने तांबे को एक तरफ हटा दिया।
मैं अभी आपसे बात करने आता हूँ।
वह फ्रीडलैंडर को देखने के लिए अंदर गया।

"वह हमारा दोस्त है," मैंने उस पुलिसवाले से कहा जो हमें घूर रहा था। "आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि आप किस पर गोली चला रहे हैं।"
तांबे को लेकर विवाद।
"तुम दोनों बदमाशों को न मार गिराना मेरी बेवकूफी थी," उसने गुस्से से कहा। "अगर मुझे चार लाशों के साथ पकड़ा जाता, तो शायद वे मुझे सार्जेंट बना देते।"
"तुम्हारा दिमाग कितना प्यारा है," करमन ने कहा और पीछे हट गया।

अध्याय पच्चीस

डिटेक्टिव में कुछ असहज घंटों के बाद, हम शाम पांच बजे ऑर्किड सिटी के लिए वापस रवाना हुए।
जिला कमांडर डनिगन का कार्यालय। उन्होंने उस मामले की तह तक जाने की पूरी कोशिश की थी जो हर बार तब बंद हो जाता था जब उन्हें लगता था कि उन्होंने सुलझने की पूरी कोशिश कर ली है, लेकिन वे सफल नहीं हो पाए थे।
मेरी कहानी सीधी-सादी और लगभग सच थी। मैंने कहा कि फ्रीडलैंडर की बेटी कुछ सालों से लापता थी। उन्होंने ऑर्किड सिटी के गुमशुदा लोगों के ब्यूरो में फोन करके इसकी पुष्टि की। मैंने उन्हें बताया कि मैंने उसे सड़कों पर भटकते हुए पाया था, उसकी याददाश्त कमजोर हो गई थी, और उसे अपनी सचिव के अपार्टमेंट में ले जाकर मैं तुरंत अपनी कार में बैठकर फ्रीडलैंडर को उससे मिलाने के लिए फ्रिस्को आ गया था।
वह जानना चाहता था कि मुझे कैसे पता चला कि वह फ्रीडलैंडर की बेटी है, और मैंने कहा कि मैंने पुलिस द्वारा प्रसारित लापता लोगों की सूचना पढ़ी थी और मुझे उसका विवरण याद था।
वह कुछ मिनटों तक उदास निगाहों से मेरी ओर देखता रहा, यह सोचता रहा कि मुझ पर विश्वास करे या नहीं, और मैंने भी उसे उसी निगाहों से देखा।
"मुझे लगा था कि तुम्हारे पास करने के लिए इससे बेहतर काम होंगे," यह उनकी आखिरी टिप्पणी थी।
मैंने उसे बताया कि मैं कैसे फ्रीडलैंडर के अपार्टमेंट में पहुँचा, गोली चलने की आवाज़ सुनी, अंदर घुस गया, फ्रीडलैंडर को मरा हुआ पाया और वो एक वॉप को भागने की कोशिश करते हुए देखा।

मैंने कहा कि उसने हम पर गोली चलाई और हमने भी उस पर गोली चलाई और डनिगन को अपने बंदूक के लाइसेंस सौंप दिए। मैंने कहा कि शायद वो एक वॉप चोर था। नहीं, मुझे नहीं लगता कि मैंने उसे पहले कभी देखा था, हालाँकि हो सकता है देखा हो। मुझे तो सारे वॉप एक जैसे ही लगते थे।
डनिगन को यह आभास हो रहा था कि इस सब के पीछे कुछ और भी छिपा हुआ है, जो मैं उसे नहीं बता रहा था। यह बात उसके बड़े, चौकोर चेहरे पर साफ दिख रही थी। उसने खुद भी ऐसा कहा था।
मैंने उनसे कहा कि वे शायद बहुत ज्यादा जासूसी कहानियां पढ़ रहे हैं, और क्या मैं अब जा सकता हूं क्योंकि मुझे बहुत काम करना है?
लेकिन वह फिर से शुरू से ही सक्रिय हो गया, छानबीन करता, सवाल पूछता, बहुत समय बर्बाद करता और अंत में वहीं पहुँच गया जहाँ से उसने शुरू किया था। वह एक स्तब्ध बैल की तरह मुझे घूरता हुआ बैठा था।
सौभाग्य से, उस अंग्रेज ने फ्रीडलैंडर के पैसे और सोने की घड़ी ले ली थी: अपार्टमेंट में यही दो कीमती चीजें थीं, इसलिए यह एक नियमित गोलीबारी और भागने वाली लूट के लिए एकदम सही मौका था। आखिरकार, डनिगन ने हमें जाने दिया।
"शायद यह एक डकैती थी," उसने भारी स्वर में कहा। "अगर तुम दोनों इसमें शामिल नहीं होते, तो यह डकैती होती, लेकिन तुम्हारे वहां होने से मुझे शक हो रहा है।"
करमन ने कहा कि अगर वह इस तरह के छोटे-मोटे मामले को लेकर चिंतित होते, तो बड़े मामलों को संभालने से पहले ही वह बूढ़े होकर सेवानिवृत्त हो जाते।

"छोड़ो कोई बात नहीं," डनिगन ने चिढ़कर कहा। "मुझे समझ नहीं आता तुम लोगों में क्या बात है। जब भी तुम लोग इस शहर में आते हो, मुसीबत शुरू हो जाती है, और अक्सर मेरे लिए ही होती है। काश तुम लोग दूर ही रहो। मुझे तुम्हारे यहाँ आकर और काम बढ़ाने की ज़रूरत नहीं है, फिर भी मेरे पास काफ़ी काम है।"
हम दोनों ने विनम्रतापूर्वक हँसते हुए हाथ मिलाया, पूछताछ में शामिल होने का वादा किया और उसे छोड़कर चले गए।
जब तक हम ब्यूक में नहीं बैठ गए और ओकलैंड बे ब्रिज से होते हुए घर की ओर नहीं चल पड़े, तब तक हमने एक शब्द भी नहीं कहा। फिर करमन ने धीरे से कहा, "अगर उस आदमी को कभी पता चल गया कि स्टीवंस का अपहरण वॉप ने किया था, तो मुझे लगता है कि तुम्हारी ज़िंदगी थोड़ी मुश्किल हो सकती है।"
"यह वैसे भी काफी मुश्किल है। अब हमें अनोना के साथ काम करना पड़ रहा है।" मैं लगभग एक मील तक गाड़ी चलाता रहा और फिर बोला, "जानते हो, यह तो बहुत ही पेचीदा मामला है। मुझे हमेशा से यही महसूस होता रहा है कि कोई बहुत बड़ी, ताकतवर बिल्ली को थैले से बाहर निकलने से रोकने की पूरी कोशिश कर रहा है। हम कुछ चूक रहे हैं। हम थैले पर ध्यान दे रहे हैं, बिल्ली पर नहीं, और बिल्ली ही इस पूरे मामले की कुंजी है। ऐसा होना ही चाहिए। जिसने भी उसे देखा है, उसे चुप करा दिया गया है: यूडोरा ड्रू, जॉन स्टीवंस, नर्स गर्नी, और अब फ्रीडलैंडर। और मुझे लगता है कि अनोना फ्रीडलैंडर को भी बिल्ली के बारे में पता है। किसी भी तरह हमें उसकी याददाश्त वापस लानी होगी: और जल्दी।"
"अगर उसे कुछ पता था तो उसे उस घर में रखने के बजाय उन्होंने उसे मार क्यों नहीं डाला?" करमन ने कहा।

"यही बात मुझे परेशान कर रही है। अब तक तो सभी की मौत लगभग आकस्मिक ही हुई है, लेकिन फ्रीडलैंडर की हत्या कर दी गई। इसका मतलब है कि कोई घबरा रहा है। इसका यह भी मतलब है कि एनोना अब सुरक्षित नहीं है।"
करमन उठ बैठा।
"क्या आपको लगता है कि वे उस तक पहुंचने की कोशिश करेंगे?" "हाँ। हमें उसे किसी सुरक्षित जगह पर छुपाना होगा। शायद हम डॉक्टर मैनसेल से उसे अपने लॉस एंजिल्स क्लिनिक में भर्ती करवा सकते हैं और मैं क्रूगर से उसके कुछ गुंडों को दरवाजे के बाहर बैठाने के लिए कह लूँगा।"
"शायद तुम भी बहुत ज्यादा जासूसी कहानियां पढ़ रहे हो," करमन ने तिरछी नजरों से मेरी तरफ देखते हुए कहा।
मैं फ्रीडलैंडर की हत्या के बारे में सोचते हुए ब्यूक को तेज गति से चलाता रहा, और जितना ज्यादा मैं सोचता गया उतना ही ज्यादा मैं घबराता गया।
हम सैन लुकास पहुंचे और मैंने एक दवा की दुकान के बाहर गाड़ी रोक दी।
"अब क्या?" करमन ने आश्चर्य से पूछा।
मैंने कहा, "मैं पाउला को फोन करने जा रही हूँ। मुझे उसे फ्रिस्को से ही फोन कर लेना चाहिए था। मैं कांप रही हूँ।" "शांत रहो," करमन ने कहा और चौंक गया। "तुम अपनी कल्पनाओं में बहक रहे हो।"
मैंने कहा, "मुझे उम्मीद है कि मैं हूँ," और मैं फोन बूथ की ओर चल पड़ा।
करमान ने मेरी बांह पकड़ ली और मुझे पीछे खींच लिया।
"उस ओर देखो!"

वह मैगज़ीन काउंटर पर रखे शाम के अखबारों के ढेर की ओर इशारा कर रहा था। पहले पन्ने पर बड़े-बड़े अक्षरों में छपी हेडलाइनें इस प्रकार थीं:
प्रसिद्ध प्राकृतिक चिकित्सा चिकित्सक की पत्नी ने आत्महत्या कर ली।
“ठीक है,” मैंने कहा, अपना हाथ छुड़ाया और बूथ में घुस गई। मैंने पाउला के अपार्टमेंट में कॉल लगाई और इंतज़ार करने लगी। मुझे रिंगटोन की भिनभिनाहट सुनाई दे रही थी, लेकिन किसी ने जवाब नहीं दिया। मैं वहीं खड़ी रही, मेरा दिल ज़ोर से धड़क रहा था, रिसीवर कान से लगा हुआ था, मैं सुनती और इंतज़ार करती रही।
उसे वहां होना चाहिए था। हमने तय किया था कि अनोना को अकेला नहीं छोड़ा जाना चाहिए।
करमान कांच के दरवाजे से मेरी तनावग्रस्त शक्ल को घूरने लगा।
मैंने उसकी ओर सिर हिलाया, कनेक्शन काट दिया और ऑपरेटर से दोबारा कोशिश करने को कहा।
जब वह दूसरा कनेक्शन बना रही थी, तभी मैंने दरवाजा खोल दिया।
मैंने कहा, "कोई जवाब नहीं मिला। वह फिर से कोशिश कर रही है।" करमन का चेहरा गंभीर हो गया।
"चलिए शुरू करते हैं। अभी हमें पूरे एक घंटे का सफर तय करना है।" मैंने कहा, "हम इसे इससे बेहतर समय में कर लेंगे," और जैसे ही मैं फोन रखने वाला था, ऑपरेटर ने फोन उठाया और कहा कि लाइन ठीक है, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।
मैंने रिसीवर को नीचे पटक दिया और हम दोनों दुकान से बाहर भाग निकले। मैंने अपनी ब्यूक कार को तेज़ी से मुख्य सड़क पर दौड़ाया और जैसे ही हम कस्बे से बाहर निकले, मैंने गोलियां चलाना शुरू कर दिया।

करमन अखबार पढ़ने की कोशिश कर रहा था, लेकिन जिस गति से हम जा रहे थे, उस वजह से उसे अखबार को स्थिर रखने में दिक्कत हो रही थी।
"वह आज दोपहर मिली," उसने मेरे कान में चिल्लाते हुए कहा। "साल्ज़र द्वारा क्वेल की मौत की सूचना पुलिस को देने के बाद उसने ज़हर खा लिया। अनोना के बारे में कोई खबर नहीं। नर्स गर्नी के बारे में भी कुछ नहीं।"
मैंने कहा, "वह उनमें से पहली है जिसने अपना इरादा बदल दिया है। या फिर किसी ने उसे जहर खिला दिया है। खैर, भाड़ में जाए वो। मुझे पाउला की चिंता है।"
केर्मन ने बाद में कहा कि उन्होंने अपने जीवन में कभी इतनी तेज़ कार में सफर नहीं किया था, और वे दोबारा ऐसा अनुभव नहीं करना चाहते थे। एक समय स्पीडोमीटर की सुई बानवे पर अटक गई थी, और हॉर्न बजते हुए हम चौड़ी तटीय सड़क पर तेज़ी से आगे बढ़ रहे थे, तब भी वह वहीं अटकी रही।
एक पुलिसवाला हमारा पीछा करने लगा, लेकिन वो हमें पकड़ नहीं पाया। वो दो-तीन मील तक हमारे पीछे-पीछे चलता रहा, फिर नज़र से ओझल हो गया। मुझे लगा कि वो अगले कस्बे तक हमारी जानकारी फोन पर पहुंचा देगा, इसलिए मैं मुख्य सड़क से हटकर एक कच्ची सड़क पर तेज़ी से भागने लगा जो मुश्किल से बीस फुट चौड़ी थी। करमन बस आंखें बंद करके बैठा रहा और प्रार्थना करता रहा।
हम एक घंटे से पंद्रह मिनट कम समय में ऑर्किड सिटी पहुँच गए, और यह ड्राइविंग का समय था। हमने लगभग साठ मील की दूरी पैंतालीस मिनट में तय कर ली थी।
पार्क बुलेवार्ड पर पाउला का एक अपार्टमेंट था, जो पार्क अस्पताल से लगभग सौ गज की दूरी पर था। हम चौड़े बुलेवार्ड पर

तेज़ी से आगे बढ़े और अपार्टमेंट ब्लॉक के बाहर टायरों की चीख के साथ ब्रेक लगाया, मानो किसी कसाईखाने में सूअरों के शिकार का दिन हो।
लिफ्ट तीसरी मंजिल तक रेंगती हुई सी लग रही थी। आखिरकार वह वहाँ पहुँच गई, और हम दोनों दौड़ते हुए गलियारे से होते हुए पाउला के अपार्टमेंट की ओर भागे। मैंने घंटी के बटन में अपना अंगूठा फंसाया और उस पर अपना पूरा वजन डाल दिया। मुझे घंटी बजने की आवाज़ सुनाई दी, लेकिन किसी ने जवाब नहीं दिया। मेरे चेहरे पर पसीना साफ झलक रहा था, मानो मैं अभी-अभी नहाकर निकला हूँ।
मैं दूर खड़ा रहा।
मैंने करमान से कहा, "साथ मिलकर।"
हमने अपने कंधों से दरवाजे पर ज़ोरदार प्रहार किया। दरवाजा अच्छा था, लेकिन हम भी काफी ताकतवर आदमी थे। तीसरे प्रहार से ताला टूट गया और हम साफ-सुथरे छोटे से हॉल में पहुँच गए।
हम अपनी बंदूकें मुट्ठी में लिए हुए लिविंग रूम से होते हुए पाउला के बेडरूम की ओर बढ़े।
बिस्तर अस्त-व्यस्त था। चादर और कंबल फर्श पर पड़े थे।
हम बाथरूम और अतिरिक्त बेडरूम में गए: अपार्टमेंट खाली था: पाउला और अनोना दोनों गायब हो गई थीं।
मैं तुरंत टेलीफोन की ओर भागा और ऑफिस में फोन लग गया। ट्रिक्सी ने बताया कि पाउला ने फोन नहीं किया था। उसने कहा कि एक आदमी ने दो बार फोन किया था, जिसने अपना नाम नहीं बताया। मैंने उससे कहा कि अगर वह दोबारा फोन करे तो उसे पाउला का नंबर दे देना और फोन काट दिया।
करमन ने मुझे कांपते हुए हाथ से एक सिगरेट दी। मैंने अनजाने में ही उसे जलाया और बिस्तर पर बैठ गया।

"हमें ड्रीम शिप की ओर निकलना चाहिए," करमन ने कसी हुई, कठोर आवाज में कहा। "और जल्दी निकलना चाहिए।"
मैंने अपना सिर हिलाया।
मैंने कहा, "आराम से रहो।"
"ये क्या बकवास है!" करमन भड़क उठा और दरवाजे की ओर भागा। "उन्होंने पाउला को पकड़ लिया है। ठीक है, हम बाहर चलते हैं और उनसे बात करते हैं। चलो!"
मैंने बिना हिले-डुले कहा, "आराम से। बैठ जाओ और ज्यादा दिखावा मत करो।"
करमन मेरे पास आया।
"क्या तुम पागल हो?"
मैंने उसकी ओर देखते हुए कहा, "क्या तुम्हें लगता है कि तुम दिन के उजाले में उस जहाज के पास जा पाओगे?" "ज़रा दिमाग लगाओ। हम वहाँ जा रहे हैं, लेकिन अंधेरा होने पर ही जाएँगे।"
करमान ने गुस्से का भाव दिखाया।
मैं अब जा रहा हूँ। अगर हम इंतजार करेंगे तो बहुत देर हो सकती है।
"अरे, चुप रहो!" मैंने कहा। "कुछ पी लो। तुम यहीं रुकोगे।"
वह झिझका, फिर रसोई में चला गया। थोड़ी देर बाद वह स्कॉच की एक बोतल, दो गिलास और बर्फ के पानी का एक जग लेकर लौटा। उसने ड्रिंक्स बनाईं, मुझे एक दी और बैठ गया।
मैंने कहा, "अगर उन्होंने उसे सिर पर मारने का फैसला कर लिया है, तो हम कुछ नहीं कर सकते। अगर उन्होंने अभी ऐसा नहीं किया है, तो जैसे ही वे हमें आते देखेंगे, वे ऐसा कर देंगे। हम अंधेरा होने पर ही वहाँ जाएँगे, उससे पहले नहीं।"

करमन ने कुछ नहीं कहा। वह बैठ गया, अपने पेय का एक लंबा घूंट लिया और अपने हाथों को आपस में कसकर दबा लिया।
हम वहाँ बैठे रहे, ज़मीन को घूरते हुए, न सोचते हुए, न हिलते हुए: बस इंतज़ार करते हुए। हमारे पास चार घंटे थे, शायद थोड़ा और समय, इससे पहले कि हम कुछ कर पाते।
साढ़े छह बजे तक हम वहीं बैठे रहे। स्कॉच की बोतल लगभग आधी भरी हुई थी। ऐशट्रे में सिगरेट के टुकड़े जमा हो गए थे। हम गुस्से से पागल हो रहे थे।
फिर टेलीफोन की घंटी बजी: एक तीखी आवाज जो उस शांत छोटे से अपार्टमेंट में भयावह लग रही थी।
मैंने कहा, "मैं ले आता हूँ," और अकड़े हुए पैरों से कमरे के उस पार जाकर रिसीवर उठा लिया।
"मलोय?" एक आदमी की आवाज।
"हाँ।"
"यह शेरिल है।"
मैंने कुछ नहीं कहा, बल्कि करमान की ओर देखते हुए इंतजार किया। "मैलॉय, तुम्हारी लड़की मेरे साथ है," शेरिल ने कहा। उसकी आवाज़ कोमल थी; मानो मेरे कान में फुसफुसा रही हो।
मैंने कहा, "मुझे पता है।"
"तुम्हें बाहर आकर उसे ले आना चाहिए," शेरिल ने कहा। "लगभग नौ बजे तक आ जाना। उससे पहले मत आना। घाट पर एक नाव होगी जो तुम्हें ले आएगी। अकेले आना, और इस बात को किसी को मत बताना। अगर तुम पुलिस या किसी और को अपने साथ लाए, तो उसे सिर पर चोट मारकर पानी में फेंक दिया जाएगा। समझे?"
मैंने कहा कि मुझे समझ आ गया।
"तो फिर नौ बजे मिलते हैं," उसने कहा और फोन काट दिया।

अध्याय छब्बीस

लापता लोगों के ब्यूरो के लेफ्टिनेंट ब्रैडली एक हट्टे-कट्टे, अधेड़ उम्र के, निराश पुलिस अधिकारी थे, जो पुलिस मुख्यालय की चौथी मंजिल पर स्थित एक छोटे से दफ्तर में एक जर्जर डेस्क के पीछे घंटों बैठे रहते थे और अनुत्तरित सवालों के जवाब खोजने की कोशिश करते थे। दिन भर और रात के कुछ हिस्से तक लोग उनके पास आते थे या उन्हें फोन करके अपने लापता रिश्तेदारों की सूचना देते थे और उनसे उन्हें ढूंढने की उम्मीद करते थे।
यह आसान काम नहीं था, क्योंकि अधिकतर मामलों में लापता पुरुष या महिला अपने घर, अपनी पत्नियों या पतियों से तंग आकर गायब हो गए थे और इस बात का पूरा ध्यान रख रहे थे कि उन्हें दोबारा न खोजा जाए। यह ऐसा काम था जिसे मैं ब्रैडली को मिलने वाले वेतन से बीस गुना अधिक वेतन पर भी नहीं करता, और वैसे भी यह काम मेरे बस की बात नहीं थी।
जब मैंने दस्तक दी, तो उनके दफ्तर के दरवाजे के धुंधले पैनल के पीछे अभी भी एक बत्ती जल रही थी। उनकी सहज, सौम्य आवाज ने मुझे अंदर आने के लिए आमंत्रित किया।
वह अपनी डेस्क के पीछे बैठा था, मुँह में पाइप लिए, उसकी गहरी, तीक्ष्ण भूरी आँखों में थकावट का भाव था। एक लंबा-चौड़ा आदमी: गंजा हो रहा था, आँखों के नीचे काले घेरे और सूजन थी। एक ऐसा आदमी जिसने अच्छा काम किया, लेकिन उसे न तो श्रेय मिला और न ही प्रसिद्धि, और न ही वह कुछ चाहता था।
मुझे देखते ही उसके शांत चेहरे पर शिकन आ गई।

"चले जाओ," उसने निराशा से कहा। "मैं व्यस्त हूँ। तुम्हारे दुख सुनने का मेरे पास समय नहीं है; मुझे खुद भी बहुत परेशानियाँ हैं।"
मैंने दरवाजा बंद किया और उस पर पीठ टिका ली। मुझे पुलिस लेफ्टिनेंट की औपचारिकताओं में पड़ने का मन नहीं था और मुझे जल्दी थी।
मैंने कहा, "मुझे सेवा चाहिए, ब्रैडली, और वह भी जल्दी। क्या मुझे यह आपसे मिलेगी या मुझे ब्रैंडन के पास जाना पड़ेगा?" फीकी भूरी आँखें चौंकी हुई लग रही थीं।
"मलोय, तुम्हें मुझसे इस तरह बात करने की ज़रूरत नहीं है," उसने कहा। "तुम्हें क्या परेशानी है?"
"काफी जानकारी है, लेकिन मेरे पास विस्तार से बताने का समय नहीं है।" मैं दरवाजे और उसकी मेज के बीच की छोटी सी जगह पार करके उसके ब्लॉटिंग पेपर पर मुट्ठी रखकर उसे घूरने लगी। "मुझे एनोना फ्रीडलैंडर के बारे में आपके पास जो भी जानकारी है, सब चाहिए। याद है उसे? वह फुटहिल बुलेवार्ड पर स्थित सैनिटोरियम में डॉ. साल्ज़र की नर्सों में से एक थी। वह 15 मई, 1947 को गायब हो गई थी।"
"मुझे पता है," ब्रैडली ने कहा, और उसकी घनी भौंहें एक इंच ऊपर उठ गईं। "पिछले चार घंटों में तुम दूसरे ऐसे झंझट हो जिसने उसकी फाइल देखने की गुहार लगाई है। अजीब बात है कि ये सब चीजें जोड़े में ही आती हैं। मैंने पहले भी ऐसा देखा है।"
"कौन था?"
ब्रैडली ने अपने डेस्क पर लगे घंटी के बटन में अपना अंगूठा गड़ा दिया।

"यह तुम्हारा काम नहीं है," उसने कहा। "बैठ जाओ और मुझे परेशान मत करो।"
जैसे ही मैंने कुर्सी खींची, एक पुलिस क्लर्क अंदर आया और इंतजार करने लगा।
"हमें फ्रीडलैंडर की फाइल फिर से चाहिए," ब्रैडली ने उससे कहा। "जल्दी करो। ये सज्जन बहुत जल्दी में हैं।"
क्लर्क ने मुझे एक कठोर निगाहों से देखा और ऐसे चला गया जैसे कोई सौ साल का बुजुर्ग सीढ़ियों की एक खड़ी उड़ान पर चढ़ रहा हो।
ब्रैडली ने अपनी पाइप जलाई और स्याही से सनी अपनी उंगलियों को देखने लगा। उसने धीरे से सांस ली।
"अब भी क्रॉस्बी परिवार के मामलों में दखल दे रहे हो?" उसने मेरी तरफ देखे बिना पूछा।
मैंने संक्षेप में कहा, "अभी भी कर रहा हूँ।"
उसने उसके सिर को हिलाकर रख दिया।
"तुम जैसे युवा और महत्वाकांक्षी लोग कभी सीखते नहीं, है ना? मैंने सुना है कि पिछली रात मैकग्रा और हार्टसेल ने तुम्हें फोन किया था।"
"उन्होंने ऐसा किया। मॉरीन क्रॉस्बी आईं और उन्होंने मुझे बचाया। कैसा लगा आपको?"
उसने हल्की सी मुस्कान दी।
"काश मैं वहां होता। क्या उसी ने मैकग्रा को मारा था?"
"हाँ।"
"काफी अच्छी लड़की है।"

मैंने उसे देखते हुए कहा, "मैंने सुना है साल्ज़र के घर पर एक पार्टी थी। लगता है तुम्हारे स्पोर्ट्स फंड को नुकसान होने वाला है।"
"मैं तो इस बात पर रो दूंगी। इस उम्र में मुझे खेल-कूद की चिंता करने की जरूरत नहीं है।"
हम दोनों एक-दूसरे को एक मिनट तक देखते रहे, फिर मैंने कहा, "क्या किसी ने गुर्नी नाम की लड़की के लापता होने की सूचना दी है? वह साल्ज़र की नर्सों में से एक थी।"
उसने अपनी मोटी नाक खींची और सिर हिलाया।
"नहीं। साल्ज़र की एक और नर्स, क्या आपने यही कहा?"
"हाँ। अच्छी लड़की है: शरीर तो अच्छा है, लेकिन शायद तुम शरीर के बारे में सोचने के लिए थोड़े बूढ़े हो गए हो।"
ब्रैडली ने कहा कि वह इस तरह की चीजों के लिए थोड़ा बूढ़ा हो गया है, लेकिन वह अब मुझे ध्यान से देख रहा था।
मैंने कहा, "वैसे भी वह तुम्हारे किसी काम की नहीं है; वह मर चुकी है।"
"क्या तुम मुझे कुछ बताने की कोशिश कर रहे हो या सिर्फ चालाकी कर रहे हो?" उसने तीखी आवाज में पूछा।
"मैंने सुना है कि श्रीमती साल्ज़र ने उसे उसके अपार्टमेंट से अगवा करने की कोशिश की थी। लड़की आग से बचने वाली सीढ़ी से गिर गई और उसकी गर्दन टूट गई। श्रीमती एस ने उसे रेगिस्तान में कहीं छिपा दिया, शायद किसी मानसिक अस्पताल के पास।"
"तुमसे किसने कहा?"
"एक बूढ़ी औरत क्रिस्टल बॉल से खेल रही है।"
उसने अपनी पाइप के सिरे से अपने जबड़े के किनारे को खुजलाया और मुझे खाली निगाहों से घूरने लगा।

"बेहतर होगा कि आप ब्रैंडन को बता दें। यह हत्या से जुड़ा मामला है।"
"भाई, यह सिर्फ एक सूचना है, सबूत नहीं। ब्रैंडन को तथ्य पसंद हैं, और हो सकता है कि मैं उसे ये तथ्य बताने के लिए तैयार न होऊं। मैं तुम्हें इसलिए बता रहा हूं क्योंकि हो सकता है कि तुम इस जानकारी को सही चैनलों तक पहुंचा दो और मुझे इससे दूर रखो।" ब्रैडली ने आह भरी, उसे एहसास हुआ कि उसकी पाइप बुझ गई है और उसने माचिस की तलाश शुरू कर दी।
"तुम नौजवान लोग बड़े चालाक हो," उसने कहा। "ठीक है, मैं इसे अपने कबूतर को सौंप देता हूँ। इसमें से कितना सच है?"
"सब कुछ। आपको क्या लगता है कि श्रीमती एस ने जहर क्यों खाया?" क्लर्क अंदर आया और फ़ोल्डर को डेस्क पर रख दिया। वह अभी भी धीमी, सधी हुई चाल से चला गया। शायद उसका दिमाग उसके पैरों की तरह ही तेज़ी से काम कर रहा था।
ब्रैडली ने टेप खोले और फाइल खोली। हम दोनों कुछ सेकंड तक आधे दर्जन मुड़े हुए खाली कागजों को घूरते रहे।
"ये क्या बकवास है..." ब्रैडली ने कहना शुरू किया, उसका चेहरा लाल हो गया था।
"आराम से," मैंने कहा और हाथ बढ़ाकर अपनी उंगली से कागज़ों को छुआ। केवल खाली पन्ने थे: और कुछ नहीं।
ब्रैडली ने अपना अंगूठा घंटी के बटन में गाड़ दिया और उसे वहीं दबाए रखा।
शायद क्लर्क को कुछ गड़बड़ होने का आभास हो गया था, इसलिए वह तेजी से अंदर आया।
"ये क्या है?" ब्रैडली ने कहा। "तुम लोग क्या खेल रहे हो?" क्लर्क खाली पन्नों को देखकर अवाक रह गया।

"मुझे नहीं पता, महोदय," उसने रंग बदलते हुए कहा। "जब मैंने इसे आपके आउट-ट्रे से लिया था, तब यह फाइल पहले से ही बंधी हुई थी।" ब्रैडली ने गहरी सांस ली, कुछ कहना शुरू किया, फिर अपना इरादा बदल दिया और दरवाजे की ओर हाथ हिलाया।
"बाहर निकलो," उसने कहा।
क्लर्क चला गया।
कुछ देर की खामोशी के बाद ब्रैडली ने कहा, "इसकी वजह से मेरी नौकरी जा सकती है। रट्टा मारने वालों ने शायद कागज़ात बदल दिए हैं।"
"आपका मतलब है कि उसने फाइल की सामग्री ले ली और उसे एक डमी के रूप में छोड़ दिया?"
ब्रैडली ने सिर हिलाया।
"ज़रूर किया होगा। जब मैंने उसे ये दिया था, तब उसमें एक तस्वीर, एक विवरण और हमारी प्रगति रिपोर्ट थी।"
"कोई प्रतियां नहीं हैं?"
उसने उसके सिर को हिलाकर रख दिया।
मैंने एक पल के लिए सोचा।
मैंने कहा, "जिस आदमी ने फाइल मांगी थी, क्या वह लंबा, सांवला और ताकतवर था; एक तरह का फिल्म स्टार?"
ब्रैडली उसे घूरता रहा।
"हाँ। क्या आप उसे जानते हैं?"
मैंने उसे देखा है।
"कहाँ?"
"क्या आपको वो कागजात वापस चाहिए?" "बिल्कुल, मुझे पता है। आपका मतलब क्या है?" मैं खड़ा हो गया।

□□□□□ □□□, "□□□□ □□ □□□□ □□ □□□ □□ □□ □□□ □□□ □□□ □□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□, □□□□□□□□ □□□ □□□ □□□□□□ □□□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□, □□ □□?"

"□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□?" □□□□□□□ □□ □□□□□

"□□□ □□□ □□□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□□, □□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□ □□ □□ □□□□ □□ □□ □□□□□," □□□□□ □□□ □□ □□□□□□ □□ □□ □□ □□□□□

"□□□! □□□□ □□!" □□□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□

□□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□

अध्याय सत्ताईस

हम चार लोग थे: माइक फिननेगन, करमन, मैं और एक चिंतित सा दिखने वाला छोटा सा आदमी, जिसने काली, मैली, ढीली टोपी पहन रखी थी, कोट नहीं था, गंदी कमीज और मैली सफेद पैंट। हम डेलमोनिको के बार के पिछले कमरे में बैठे थे, मेज पर स्कॉच की एक बोतल और चार गिलास रखे थे, और चारों ओर तंबाकू का धुआं छाया हुआ था।
चिकनी टोपी पहने वह छोटा सा आदमी जो डेक्सटर था। उसका माल ढुलाई का व्यवसाय था और वह बंदरगाह में लंगर डाले जहाजों तक माल पहुँचाता था। फिननेगन ने दावा किया कि वह उसका दोस्त था, लेकिन उसके हाव-भाव देखकर तो ऐसा लगता ही नहीं था।
मैंने उसके सामने अपना प्रस्ताव रखा, और वह मुझे ऐसे घूर रहा था मानो उसे लगता हो कि मैं पागल हूँ।
अंत में उसने कहा, "माफ़ कीजिए महोदय। मैं ऐसा नहीं कर सकता। इससे मेरा कारोबार बर्बाद हो जाएगा।"
करमन अपनी कुर्सी पर आराम से लेटा हुआ था, उसके होठों में सिगरेट लटकी हुई थी और उसकी आँखें बंद थीं। उसने एक आँख खोलते हुए कहा, "व्यापार की किसे परवाह? भाई, तुम आराम करना चाहते हो। ज़िंदगी में व्यापार से बढ़कर भी बहुत कुछ है।"
डेक्सटर ने अपने होंठ चाटे, करमन को घूरकर देखा और अपनी कुर्सी पर बेचैन हो गया। उसने माइक की ओर गिड़गिड़ाते हुए देखा। उन्होंने कहा, "मैं ऐसा नहीं कर सकता, इस तरह का काम तो बिलकुल नहीं। ड्रीम शिप मेरे सबसे अच्छे ग्राहकों में से एक है।" मैंने कहा, "वह ज्यादा देर तक नहीं रहेगी। जब मौका अच्छा हो, तब फायदा उठा लो। इस सौदे से तुम्हें सौ डॉलर का मुनाफा होगा।"

"सौ डॉलर!" डेक्सटर के चेहरे पर तिरस्कार भरी मुस्कान आ गई।
"शेरिल मुझे हर महीने इससे ज़्यादा पैसे देती है: नियमित वेतन।
मैं यह काम नहीं करूँगा।"
मैंने माइक को आराम से चलने का इशारा किया। वह आगे की ओर झुक रहा था और उसके गले से गुर्राहट की आवाज निकल रही थी।
मैंने डेक्सटर से कहा, "देखो, हम तुमसे बस इतना चाहते हैं कि तुम आज रात तक सामान से भरा यह बक्सा जहाज तक पहुंचा दो। अगर तुम ऐसा करोगे, तो तुम्हें सौ मिलेंगे। तुम्हें किस बात का डर है?"
"और तुम इस मामले में अंदर घुसने वाले हो," डेक्सटर ने कहा। "ये तो बिलकुल बकवास है। बिना परमिट के उस जहाज़ पर किसी को जाने की इजाज़त नहीं है। अगर वे तुम्हें पकड़ लेते हैं—और वे ज़रूर पकड़ेंगे—तो उन्हें पता चल जाएगा कि इसमें मेरा हाथ है। शेरिल कम से कम मेरा अकाउंट बंद तो कर ही देगा। वो शायद किसी को भेजकर मेरा सिर फोड़ देगा। मैं ये सब नहीं करूँगा।"
जैसे ही मैंने गिलास दोबारा भरे, मैंने अपनी कलाई घड़ी पर नज़र डाली। साढ़े सात बज रहे थे। समय तेज़ी से बीत रहा था।
"सुनो, जो," माइक ने आगे झुकते हुए कहा, "ये आदमी मेरा दोस्त है, समझे? ये उस जहाज पर चढ़ना चाहता है। अगर ये चढ़ना चाहता है, तो ये चढ़ ही जाएगा, समझे? शेरिल ही अकेला आदमी नहीं है जो खोपड़ी तोड़ सकता है। क्या तुम ये काम करोगे या मुझे सख्ती बरतनी पड़ेगी?"
करमन ने अपनी कोल्ट.45 पिस्तौल निकाली और उसे मेज पर रख दिया। "और जब वो तुमसे निपट लेगा, तब मैं शुरू करूंगा," उसने कहा।
डेक्सटर ने कोल्ट पर नजर डाली और माइक की तीव्र निगाहों से बचने के लिए पीछे हट गया।
"तुम लोग मुझे धमकी नहीं दे सकते," उसने कमजोर आवाज में कहा।

"हम कोशिश कर सकते हैं," करमन ने शांत भाव से कहा। "कुछ शुरू करने से पहले हम आपको दस सेकंड का समय देंगे।"
“उस आदमी को परेशान मत करो,” मैंने कहा और अपने बटुए से दस-दस डॉलर के दस नोट निकाले। मैंने उन्हें मेज पर फैलाया और डेक्सटर की ओर बढ़ा दिया। “चलो, अपने पैसे लो और चलो। शेरिल का काम तमाम हो गया है। पुलिस कल तक आ जाएगी। जब तक मौका है, पैसे निकाल लो।” डेक्सटर हिचकिचाया, फिर उसने नोट उठाए और उन्हें अपनी गंदी उंगलियों के बीच सरसराया।
"मैं किसी और के लिए ऐसा नहीं करूंगा," उसने माइक से कहा।
हमने अपने पेय समाप्त किए, कुर्सियाँ पीछे खींचीं और समुद्र तट पर चले गए। वह एक गर्म और शांत रात थी, आसमान में हल्की बारिश के बादल मंडरा रहे थे। क्षितिज पर दूर मुझे ड्रीम शिप की रोशनी दिखाई दे रही थी।
हम एक संकरी गली से होते हुए डेक्सटर के गोदाम तक पहुँचे। वहाँ अँधेरा था। जैसे ही उसने ताला खोला और दरवाजा धक्का देकर खोला, तारकोल, तेल, गीले कपड़ों और रबर की गंध ने हमारा स्वागत किया। गोदाम बड़ा था और बक्सों, रस्सियों के कुंडलों और तारकोल लगे कागज़ में लिपटे बंडलों से भरा पड़ा था, जो बंदरगाह के पार लंगर डाले जहाजों तक पहुँचाए जाने की प्रतीक्षा कर रहे थे। फर्श के बीचोंबीच पाँच फुट का एक चौकोर पैकिंग बॉक्स रखा था।
"बस इतना ही," डेक्सटर ने उदास स्वर में कहा।
हम सामान खोलने में जुट गए।
मैंने डेक्सटर से कहा, "मुझे एक हथौड़ा और एक छेनी चाहिए।"
जब वह औजार ला रहा था, करमन ने कहा, "क्या आपको यकीन है कि यही करना सही है?"
मेंने सिर हिलाया।

"अगर किस्मत अच्छी रही तो मुझे उनके आने से पहले करीब आधा घंटा जहाज पर मिल जाएगा। उस समय में मैं बहुत कुछ कर सकता हूँ। जब आप और माइक नौ बजे किनारे पर पहुँचेंगे, तो मैं कुछ शुरू करूँगा ताकि आपको जहाज पर चढ़ने का मौका मिल सके। उसके बाद, फिर सब अपने-अपने काम में लग जाएँगे।"
डेक्सटर औजार लेकर आया।
मैंने करमन से कहा, "मुझे कीलों से बांधते समय सावधान रहना। मैं जल्दी से जल्दी बाहर निकलना चाहता हूँ।"
माइक ने डेक्सटर को हाथ हिलाकर दूर जाने का इशारा किया।
"हम इसका ध्यान रखेंगे, दोस्त। तुम बस वहीं बैठो और तमीज़ से पेश आओ।"
वह नहीं चाहता था कि डेक्सटर उस स्टेन गन को देखे जिसे करमन अपने साथ लाए सूटकेस से निकाल रहा था। माइक के मजबूत शरीर की आड़ में, करमन ने बंदूक को सूटकेस के सबसे नीचे रख दिया। उन्होंने मुझसे कहा, "आपके पास काफी जगह है। क्या आप नहीं चाहेंगे कि मैं आपकी जगह जाऊं?"
मैं उस डिब्बे के अंदर घुस गया।
"तुम माइक के साथ नौ बजे आना। अगर शेरिल की नाव पर एक से ज़्यादा लोग हों, और तुम्हें लगे कि तुम उनसे निपट नहीं पाओगे, तो तुम्हें अकेले आना पड़ेगा। वैसे भी, वे तुम्हें मैं ही समझेंगे। अगर नाव पर गोलीबारी की आवाज़ सुनाई दे, तो मिफ्लिन और कुछ पुलिसवालों को बुलाकर उनसे लड़ना शुरू कर देना। ठीक है?" करमान ने सिर हिलाया। वह बहुत चिंतित लग रहा था।
मैंने आगे कहा, "माइक, तुम डेक्सटर के साथ आओ। अगर वो अपनी लाइनें भूल जाए, तो उसके सिर पर एक जोरदार मुक्का मारो और उसे समुद्र में फेंक दो।"

माइक ने गुस्से से भरी निगाहों से कहा कि वह ठीक वैसा ही करेगा। जब करमन ने ढक्कन लगा दिया, तो डिब्बे में इतनी जगह थी कि मैं अपने घुटनों को ठुड्डी तक मोड़कर बैठ सकूँ। डिब्बे के जोड़ों से हवा आ रही थी। मुझे लगा कि बाहर निकलने में मुझे एक मिनट से ज़्यादा समय नहीं लगेगा।
करमन ने ढक्कन को ठोक दिया, और तीनों ने मिलकर उस बक्से को बोरी वाली ठेलागाड़ी पर लाद दिया। बंदरगाह तक का सफर काफी मुश्किल भरा था, और जब तक वे बक्से को डेक्सटर की नाव में लाए, तब तक मुझे कुछ चोटें लग चुकी थीं।
आउटबोर्ड मोटर चालू हुई और हमें समुद्र की ओर ले जाने लगी। केसिंग में मौजूद दरारों से आती हवा तेज़ थी, और लहरों के बीच से नाव के टकराने से होने वाली हलचल मुझे परेशान कर रही थी।
कुछ मिनट बीत गए, फिर माइक ने फुसफुसाते हुए कहा कि हम ड्रीम शिप के साथ-साथ दौड़ रहे थे।
कहीं से एक आवाज़ आई और नाव से जहाज़ तक कुछ कहा-सुनी हुई। ऐसा लग रहा था कि कोई रात के इस समय मामले को निपटाने पर आपत्ति जता रहा है। डेक्सटर ने बड़ी चतुराई से बात को टाल दिया। उसने कहा कि उसे कल अपने बीमार भाई से मिलने जाना है, और अगर मामला अभी जहाज़ पर नहीं लिया गया, तो उन्हें सामान के लिए अगले दिन तक इंतज़ार करना पड़ेगा।
जहाज पर मौजूद व्यक्ति ने डेक्सटर को कोसते हुए कहा कि जब तक वह एक डेरिक नहीं लगा देता, तब तक वे तैयार रहें।
माइक मुझे केस में बने एक हवा के छेद से फुसफुसाकर चल रही घटनाओं की जानकारी देता रहता था।
कुछ देर बाद, सामान ज़ोर से झटका खाकर हवा में उछल गया। मैंने खुद को एक ज़ोरदार लैंडिंग के लिए तैयार किया। लैंडिंग वाकई

ज़ोरदार थी। सामान जहाज़ के अंदर कहीं ज़ोर से गिरा और मुझे ज़मीन पर गिरा दिया।
जिस व्यक्ति ने डेक्सटर को शाप दिया था, उसने उसे फिर से शाप दिया। उसकी आवाज़ पास से आती सुनाई दी, फिर एक दरवाज़ा ज़ोर से बंद हुआ और मैं अकेला रह गया।
मैं इंतज़ार करता रहा, सुनता रहा, पर कुछ सुनाई नहीं दिया। थोड़ी देर बाद मैंने बाहर निकलने का फैसला किया। मैंने छेनी को एक तख्ते के जोड़ पर ठोका और तख्ते को पीछे खींच लिया। मुझे बाहर निकलने में एक मिनट से भी कम समय लगा। मैंने खुद को घोर अंधेरे में पाया। वहाँ डेक्सटर के गोदाम जैसी गंध आ रही थी, और मैंने अंदाज़ा लगाया कि मैं जहाज़ के निचले हिस्से में हूँ। मैंने अपनी टॉर्च निकाली और उसकी रोशनी विशाल तहखाने में चारों ओर घुमाई। वह सामान, शराब और बीयर के पीपों से भरा हुआ था, और वहाँ सन्नाटा पसरा हुआ था। तहखाने के आखिरी छोर पर एक दरवाजा था। मैं उसके पास गया, उसे कुछ इंच खोला और एक संकरे, अच्छी रोशनी वाले गलियारे में झाँका।
मैंने स्टेन गन को बगल में रखा हुआ था। मैं इसे साथ लेकर झंझट में नहीं पड़ना चाहता था, लेकिन करमन ने ज़िद की थी। उसने कहा कि स्टेन गन से मैं आधे क्रू मेंबर्स से बहस कर सकता हूँ। मुझे इस बात पर शक था, और मैंने इसे अपनी तसल्ली से ज़्यादा उसकी तसल्ली के लिए साथ रखा था।
मैं गलियारे में धीरे-धीरे आगे बढ़ने लगा, दूर छोर पर मुझे एक सीधी खड़ी स्टील की सीढ़ी दिखाई दी, जो मेरे अनुमान से ऊपरी डेक तक जाती थी। गलियारे के आधे रास्ते में ही मैं अचानक रुक गया। सीढ़ी पर सफेद ड्रिल पैंट पहने हुए दो पैर, फिर टांगें दिखाई दीं। एक पल बाद एक नाविक मुझे घूरता हुआ खड़ा था।

वह एक हट्टा-कट्टा आदमी था: लगभग मेरे जितना ही हट्टा-कट्टा और देखने में भी सख्त। मैंने स्टेन गन उसकी तरफ तान दी और उसे अपने दांत दिखाए। उसके हाथ इतनी तेज़ी से उठे कि नीची छत से टकराकर उसकी उंगलियों की चमड़ी छिल गई।
"अपना मुंह खोलो वरना मैं तुम्हें बीच से फाड़ दूंगा," मैंने उस पर गुर्राते हुए कहा।
वह स्टेन गन को घूरते हुए, बिना हिले-डुले खड़ा रहा, उसका मुंह खुला का खुला रह गया था।
मैंने कहा, "पीछे मुड़ो।"
वह मुड़ा और मैंने बंदूक के बट से उसके सिर के पिछले हिस्से पर वार किया।
जैसे ही वह गिरा, मैंने उसकी कमीज पकड़ ली और उसे धीरे से फर्श पर उतार दिया।
मुझे पसीना आ रहा था और मैं चिंतित था। किसी और के आने से पहले मुझे उसे नज़रों से ओझल करना था।
मेरे ठीक बगल में एक दरवाजा था। मैंने हिम्मत करके हैंडल घुमाया और अंदर एक खाली केबिन में देखा। शायद यह उसका केबिन था, और वह वहाँ जाया करता था।
मैंने उसे बगल से पकड़कर केबिन में घसीटा, दरवाजा बंद किया और कुंडी लगा दी।
मैंने तेजी से काम करते हुए उसके कपड़े उतार दिए, अपने कपड़े उतारे और उसके कपड़े पहन लिए।
उनकी नुकीली टोपी मेरे लिए थोड़ी बड़ी थी, लेकिन उससे मेरा चेहरा छिप गया।
मैंने उसका मुंह बंद कर दिया, उसे एक चादर में लपेटा और चादर को उसकी बेल्ट और एक झोपड़ी में मिली रस्सी से बांध दिया। फिर

मैंने उसे चारपाई पर घसीटा, स्टेन गन उसके बगल में छोड़ दी, अपनी . 38 पिस्टल अपनी पैंट के सामने छिपा ली और दरवाजे की ओर चल दिया। मैंने ध्यान से सुना, कुछ सुनाई नहीं दिया, दरवाजा थोड़ा सा खोला और बाहर झाँका। गलियारा किसी मृत व्यक्ति के दिमाग की तरह खाली और एकदम शांत था। मैंने लाइट बंद की, केबिन से बाहर निकला और दरवाजा बंद कर दिया।
मैंने अपनी घड़ी देखी। आठ बजकर पच्चीस मिनट हो रहे थे। करमन के आने से पहले मेरे पास सिर्फ पैंतीस मिनट बचे थे।

अध्याय अट्ठाईस

मैं वेंटिलेटर की छाया में खड़ा होकर नाव के डेक पर नज़र दौड़ा रहा था। ऊपर क्रीम और लाल रंग का शामियाना तेज़ हवा में लहरा रहा था। पूरे डेक पर भारी लाल रंग का कालीन बिछा हुआ था, और रेलिंग पर हरी और लाल बत्तियाँ जगमगाती मोतियों की माला जैसी लग रही थीं।
ब्रिज-डेक के पार मुझे दो बेहद सलीके से कपड़े पहने नाविक आर्क लाइट के नीचे गैंगवे के सिरे पर खड़े दिखाई दिए। शाम की पोशाक में एक लड़की और टक्सीडो पहने दो पुरुष अभी-अभी जहाज पर आए थे। नाविकों ने उन्हें सलाम किया और वे डेक पार करके ब्रिज और फिकले-डेक के बीच बने जगमगाते रेस्तरां में चले गए। बड़ी, आयताकार खिड़कियों से मैं जोड़ों को धीमी सैक्सोफोन की धुन और ढोल की थाप पर नाचते हुए देख सकता था।
मेरे ऊपर पुल के डेक पर सफेद कपड़े पहने तीन आकृतियाँ रेलिंग पर झुकी हुई थीं, और लगातार आने-जाने वाले जहाजों को देख रही थीं। ऊपर अँधेरा था, लेकिन मैंने देखा कि उनमें से एक सिगरेट पी रहा था।
किसी ने मेरी तरफ ध्यान नहीं दिया, और दाएं-बाएं जल्दी से देखने के बाद मैं वेंटिलेटर की छाया से फिसलकर कालीन के ढेर पर से होते हुए एक लाइफबोट तक पहुंचा; रुका, सुना, फिर से दाएं-बाएं देखा, और फिर चुपचाप पुल के डेक के ठीक नीचे की छाया में भाग गया।
मेरे ऊपर से आती हुई एक धीमी आवाज़ सुनाई दी, "वे आते ही जा रहे हैं। आज रात भी अच्छी गुज़रेगी।"

"हाँ," एक और आवाज़ आई। "उस लाल पोशाक वाली महिला को देखो। देखो उसका फिगर कैसा है। मुझे यकीन है कि वह..."
लेकिन मैंने यह जानने का इंतज़ार नहीं किया कि उसने क्या शर्त लगाई है। मुझे डर था कि कहीं वे नीचे देखकर मुझे न देख लें। मेरे ठीक बगल में एक दरवाज़ा था। मैंने उसे कुछ इंच पीछे सरकाया और नीचे वाले डेक पर जाने वाली सीढ़ी में झाँका। थोड़ी ही दूर पर एक लड़की के हँसने की आवाज़ आई: एक तेज़, कर्कश आवाज़ जिसने मुझे पीछे मुड़कर देखने पर मजबूर कर दिया।
पुल के डेक पर मौजूद एक आदमी ने कहा, "एकदम चुस्त-दुरुस्त।" "मुझे ऐसी ही औरतें पसंद हैं।"
तीन लड़कियां और तीन लड़के अभी-अभी जहाज पर चढ़े थे। उनमें से एक लड़की इतनी नशे में थी कि वह मुश्किल से चल पा रही थी। जैसे ही वे रेस्तरां की ओर बढ़े, मैं सीढ़ी से फिसलकर निचले डेक पर चला गया।
नीचे अँधेरा और सन्नाटा था। मैं सीढ़ी से दूर हट गया। बादलों की हल्की धुंध के पीछे से आती चाँदनी इतनी ही तेज़ थी कि मुझे दिखाई दिया कि डेक पर कोई नहीं था।
दूर स्थित एक छोटे से छेद से एक अकेली रोशनी आ रही थी, जो दुल्हन के गाउन पर सूप के दाग की तरह स्पष्ट दिखाई दे रही थी।
मैं सावधानी से और बिना कोई आवाज़ किए उसकी ओर बढ़ा। डेक के आधे रास्ते में आकर मैं रुक गया। मेरे सामने एक सफेद आकृति दिखाई दी, जो मेरी ओर आ रही थी। छिपने की कोई जगह नहीं थी। डेक पर चमचाहट नाम की कोई चीज नहीं थी। मैंने अपनी बंदूक के बट को कसकर पकड़ा और डेक की रेलिंग पर झुक गया।
एक लंबा, चौड़े कंधों वाला आदमी बनियान और सफेद चप्पल पहने खिड़की से रोशनी में आया और मेरी ओर बढ़ा। वह गुनगुनाते हुए

मेरे पास से गुजरा, मेरी तरफ देखे बिना ही, और सीढ़ी चढ़कर ऊपरी डेक पर चला गया।
मैंने नाक से ज़ोर-ज़ोर से साँस ली और फिर से खिड़की की ओर बढ़ा, उसके पास रुका और अंदर एक नज़र डाली। मैं खुशी से झूम उठा। पौला एक आरामकुर्सी पर बैठी थी, मेरे सामने। वह एक पत्रिका पढ़ रही थी, उसके चेहरे पर थोड़ी सी चिंता की लकीरें थीं। वह बहुत प्यारी और अकेली लग रही थी। मुझे उम्मीद थी कि वह इसी डेक पर मिलेगी। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि वे उसे और कहाँ छिपा सकते हैं, लेकिन मुझे इतनी जल्दी मिलने की उम्मीद नहीं थी।
मैंने केबिन के दरवाजे की जांच की। बाहर की तरफ एक बोल्ट लगा हुआ था और वह पूरी तरह से बंद था। मैंने उसे वापस खिसकाया, हैंडल घुमाया और धक्का दिया। दरवाजा खुल गया और मैं अंदर चला गया। अंदर जाना ऐसा था मानो मैं गर्मियों के बीचोंबीच किसी कांच के घर में प्रवेश कर रहा हूँ।
मुझे देखते ही पाउला कुर्सी से उठ खड़ी हुई। एक पल के लिए तो वह मुझे सफेद बत्तखों वाले कोट और टोपी में पहचान ही नहीं पाई, फिर वह बेजान सी होकर कुर्सी पर वापस बैठ गई और मुस्कुराने की कोशिश की। उसकी आँखों में दिख रही राहत ही मेरे लिए उस सफर का काफी अच्छा इनाम था जो मैंने पैकिंग बैग में तय किया था।
"कैसी हो?" मैंने कहा और मुस्कुराया। अगर वह इतनी संयमित न होती तो मैं उसे चूम लेता।
"ठीक है। यहाँ आने में आपको कोई परेशानी तो नहीं हुई?" उसने सहजता से बोलने की कोशिश की, लेकिन उसकी आवाज़ में थोड़ी घबराहट थी।

मैंने किसी तरह मैनेज कर लिया। कम से कम उन्हें अभी तक पता नहीं चला है कि मैं यहाँ हूँ। जैक और माइक लगभग नौ बजे तक आ जाएँगे।
हमें शायद तैरना पड़ेगा।
उसने गहरी सांस ली और खड़ी हो गई।
"मुझे पता था कि तुम आओगे, विक।" फिर जब मुझे लगा कि अब वो खुलकर बोलने वाली है, तभी उसने आगे कहा, "लेकिन तुम्हें अकेले नहीं आना चाहिए था। पुलिस को क्यों नहीं लाए?"
मैंने कहा, "मुझे नहीं लगा था कि वे आएंगे। अनोना कहाँ है?" मुझे नहीं पता। मुझे नहीं लगता कि वह यहाँ है।
केबिन की गर्मी से मुझे पसीना आने लगा।
"क्या हुआ? जल्दी बताओ।"
"घंटी बजी और मैं दरवाज़े पर गई," उसने मुझे बताया। "मुझे लगा कि तुम हो। चार वालपोशों ने मुझे धक्का देकर लॉबी में धकेल दिया। उनमें से दो बेडरूम में चले गए और मैंने अनोना की चीख सुनी। बाकी दो ने कहा कि वे मुझे जहाज़ पर ले जा रहे हैं। उनमें से एक ने मुझे चाकू से धमकाया। मुझे अंदाज़ा था कि अगर मैंने उन्हें ज़रा सा भी मौका दिया तो वे चाकू चला देंगे।" उसने थोड़ा मुंह बनाया। "वे मुझे लिफ्ट से नीचे सड़क पर ले गए। हर समय उनमें से एक मेरी कमर पर चाकू दबाए हुए था। एक कार इंतज़ार कर रही थी। उन्होंने मुझे उसमें बिठाया और चले गए। जब हम जा रहे थे, तभी मेरी नज़र अपार्टमेंट के बाहर एक बड़ी, काली रोल्स रॉयस पर पड़ी। एक वालपोश अनोना को अपनी बाहों में लिए हुए बाहर आया। यह दिन दहाड़े हो रहा था। लोग बस घूरते रहे, लेकिन किसी ने कुछ नहीं किया। उन्होंने उसे रोल्स रॉयस में बिठाया और वह मेरी नज़रों से ओझल हो गई। मुझे यहाँ लाया गया और बंद कर दिया गया। उन्होंने

कहा कि अगर मैंने ज़रा भी आवाज़ की तो वे मेरा गला काट देंगे। वे बहुत ही भयानक आदमी हैं, विक।"
मैंने गंभीर स्वर में कहा, "मुझे पता है। मैं उनसे मिल चुका हूँ। वो रोल्स रॉयस मॉरीन क्रॉस्बी की है। शायद वे एनोना को उसके पहाड़ी घर ले गए हों।" मैंने एक पल सोचा और फिर पूछा, "क्या कोई तुम्हारे आस-पास था?"
उसने अपना सिर हिलाया।
"जाने से पहले मैं जहाज का एक चक्कर लगाना चाहता हूँ। मॉरीन शायद जहाज पर हो। क्या तुम्हें लगता है कि तुम्हारे लिए मेरे साथ आना सुरक्षित रहेगा?"
"अगर उन्हें पता चला कि मैं यहाँ नहीं हूँ तो वे शोर मचा देंगे। शायद बेहतर होगा कि मैं तब तक यहीं रहूँ जब तक तुम जाने के लिए तैयार न हो जाओ। तुम सावधान रहोगे ना, विक?"
मैं हिचकिचा रहा था, यह नहीं समझ पा रहा था कि पाउला को ढूंढने के बाद जहाज से उतरने की कोशिश करूं या पहले यह सुनिश्चित कर लूं कि एनोना और मौरीन जहाज पर सवार तो नहीं हैं।
"अगर वे इस डेक पर नहीं हैं तो मैं इसे छोड़ दूंगी," मैंने कहा और अपने रुमाल से अपना चेहरा पोंछा। "क्या मुझे बुखार है या यह केबिन ज़्यादा गरम है?"
"यह केबिन है। पिछले एक घंटे से यहाँ गर्मी बढ़ती ही जा रही है।" ऐसा लग रहा है जैसे उन्होंने स्टीम हीटिंग चालू कर दी हो। दस मिनट और इंतज़ार करो, बच्चे। मैं तब तक वापस आ जाऊँगा।
"ध्यान से।"
मैंने उसके हाथ पर हल्का सा थपथपाया, उस पर मुस्कुराया और डेक पर निकल गया। मैंने बोल्ट दबाया और पीछे की ओर बढ़ने लगा।
"तुम यहाँ ऊपर क्या कर रहे हो?" अंधेरे से एक आवाज ने पूछा।

मैं डर के मारे लगभग उछल पड़ा।
एक छोटा, गठीला आदमी, जिसने नौका विहार वाली टोपी पहन रखी थी, अचानक कहीं से प्रकट हो गया। हम दोनों एक-दूसरे का चेहरा नहीं देख पा रहे थे। हम एक-दूसरे को घूरते रहे।
"मुझे कितनी बार तुम्हें बताना पड़ेगा कि इस डेक से दूर रहो?" वह गुर्राया और करीब आ गया।
वह लगभग मुझे पकड़ ही चुका था। मैंने उसकी बांह ऊपर उठते देखी और मैं झुक गया। उसका वार मेरे कंधे से टकराकर निकल गया। मैंने पूरी ताकत से उसके पेट में एक घूंसा मारा। वह दर्द से कराह उठा, आगे झुक गया और सांस लेने की कोशिश करने लगा। मैंने उसके जबड़े पर एक जोरदार मुक्का मारा जिससे मेरा हाथ लगभग टूट ही गया था। वह हाथों और घुटनों के बल नीचे गिरा और पीठ के बल सीधा लेट गया। मैं उसके ऊपर झुका, उसके कान पकड़े और डेक पर पटककर उसकी खोपड़ी तोड़ दी।
यह सब कुछ पल भर में हो गया। मैं दौड़कर पाउला के केबिन में वापस गया, दरवाजा खोला, उसे जोर से खोला, घूमकर बेहोश आदमी को अंदर घसीटा और उसे फर्श पर गिरा दिया।
"मैं सीधे उससे टकरा गई," मैं हांफते हुए उसके ऊपर झुकी। मैंने पलकें उठाईं। वह बेहोश था, और उसके सिर के पिछले हिस्से की मुलायम त्वचा से लग रहा था कि वह अभी कुछ देर और बेहोश रहेगा। "उसे उस अलमारी में डाल दो," पौला ने कहा। "मैं उस पर नज़र रखूंगी।" उसका चेहरा पीला पड़ गया था, लेकिन वह बिल्कुल शांत थी।
उसे विचलित करना बहुत मुश्किल था।

मैंने उसे घसीटते हुए केबिन के उस पार ले जाकर अलमारी में डाल दिया। मुझे उसे जबरदस्ती अंदर ठूंसना पड़ा, और मैंने अपना पूरा वजन उस पर टिकाकर ही दरवाजा बंद किया।
"उफ़!" मैंने कहा और अपना चेहरा पोंछा। "अगर उसका दम नहीं घुटा तो वो अंदर ठीक रहेगा। यहाँ तो भट्टी जैसी गर्मी है।"
मुझे चिंता हो रही है। फर्श भी गर्म है। क्या आपको लगता है कि कहीं आग लगी है?
मैंने कालीन पर हाथ रखा। वह वाकई बहुत गर्म था: हद से ज़्यादा गर्म। मैंने केबिन का दरवाज़ा खोला और डेक के तख्तों पर हाथ रखा। वे इतने गर्म थे कि उनसे छाला पड़ने ही वाला था।
"हे भगवान!" मैंने हैरानी से कहा। "तुम सही कह रही हो। वह मनहूस जहाज़ नीचे कहीं आग की चपेट में है।" मैंने उसका हाथ पकड़ा और उसे खींचकर डेक पर ले आई। "तुम अंदर नहीं रहोगी। चलो, बच्ची, मेरे पीछे रहो। हम जल्दी से एक नज़र डाल लेते हैं और फिर ऊपर वाले डेक पर चलते हैं।" मैंने अपनी घड़ी देखी। नौ बजने में पाँच मिनट बाकी थे। "जैक पाँच मिनट में बाहर आ जाएगा।"
जैसे ही हम डेक पर आगे बढ़े, पाउला ने कहा, "क्या हमें अलार्म नहीं बजाना चाहिए? जहाज लोगों से भरा हुआ है, विक।"
"अभी नहीं। बाद में," मैंने कहा।
डेक के दूसरे छोर पर दीवार में एक दरवाजा लगा हुआ था। मैं बाहर रुककर ध्यान से सुनने लगा, हैंडल घुमाया और धीरे से दरवाजा खोल दिया।
अंदर का तापमान किसी भट्टी से भी ज़्यादा था, और दीवारों पर लगे पेंट में मिला तेल रिसने लगा था। कमरा अच्छा था: बड़ा, हवादार और अच्छी तरह से सजा हुआ: आधा दफ्तर, आधा लाउंज। कमरे के दोनों ओर बड़ी खिड़कियों से ऑर्किड सिटी बीच और प्रशांत महासागर का

नज़ारा दिखता था। एक अकेली डेस्क लाइट डेस्क और कालीन के कुछ हिस्से पर रोशनी बिखेर रही थी। कमरे का बाकी हिस्सा अंधेरा था। ऊपर से नाचने के संगीत और पैरों की हल्की सरसराहट की आवाज़ आ रही थी।
मैं बंदूक आगे करके कमरे में दाखिल हुआ। पाउला मेरे पीछे आई और दरवाजा बंद कर दिया। जलने और धुएं की गंध आ रही थी, और जैसे ही मैं मेज की ओर बढ़ा, मैंने देखा कि कालीन सुलग रहा था और दीवारों के नीचे से हल्का-हल्का धुआं निकल रहा था।
मैंने कहा, "आग ठीक हमारे नीचे है। दरवाजे के पास ही रहो। नीचे का फर्श सुरक्षित नहीं हो सकता। यह शेरिल का दफ्तर लग रहा है।" मैं डेस्क की दराजें खंगालने लगा, मुझे पता नहीं था कि मैं क्या ढूंढ रहा हूँ, लेकिन मैं ढूंढ रहा था। सबसे नीचे वाली दराज में मुझे एक चौकोर लिफाफा मिला। एक नज़र में ही मैं समझ गया कि यह एनोना फ्रीडलैंडर की गुमशुदा फाइल है। मैंने उसे मोड़कर अपनी कमर की जेब में रख लिया।
"ठीक है," मैंने कहा। "चलो यहाँ से चलते हैं।"
पौला ने धीमी आवाज़ में कहा, "विक! वो क्या है—डेस्क के पीछे?" मैंने डेस्क के पीछे से झाँका। वहाँ कुछ था: कुछ सफ़ेद: कुछ ऐसा जो एक आदमी हो सकता था। मैंने डेस्क-लैंप को इस तरह घुमाया कि रोशनी सीधे उस पर पड़े।
मैंने पाउला के हांफने की आवाज सुनी।
यह शेरिल था। वह पीठ के बल लेटा हुआ था, उसके दांत एक निर्जीव मुस्कान में उभरे हुए थे। उसके कपड़े सुलग रहे थे, और जलते हुए कालीन पर पड़े उसके हाथ झुलसे हुए और झुलसे हुए दिख रहे थे। उसे सिर में बहुत करीब से गोली मारी गई थी। उसकी खोपड़ी का एक हिस्सा चकनाचूर हो गया था।

जैसे ही मैं उसे घूरने के लिए आगे झुका, अचानक एक सरसराहट की आवाज आई, और फर्श से आग की दो लंबी लपटें निकलीं और उसके मृत चेहरे को चाटने लगीं।

अध्याय उनतीस

छोटा सा वॉप दरवाजे पर खड़ा हम पर मुस्कुरा रहा था। उसकी छोटी, भूरी मुट्ठी में रखी नुकीली नोक वाली स्वचालित बंदूक मेरी छाती पर टिकी थी। उसका काला, बदसूरत सा छोटा चेहरा पसीने से चमक रहा था, और उसकी काली छोटी आँखें नफरत से भरी थीं। वह चुपचाप कहीं से आ गया था।
"मुझे वो दो," उसने कहा और अपना हाथ आगे बढ़ाया। "जो तुमने अपनी जेब में रखा है—जल्दी दो!"
मैंने अपनी बंदूक बगल में दबा रखी थी। मुझे पता था कि इससे पहले कि वह मुझे मार गिराए, मैं बंदूक उठाकर उस पर गोली नहीं चला सकता। मैंने अपने बाएं हाथ से अपनी कमर की जेब से फाइल निकाली। ऐसा करते ही मैंने उसकी आँखों के भावों में अचानक बदलाव देखा: नफरत से क्रूरता में बदल गया। जैसे ही उसने ट्रिगर दबाने की कोशिश की, उसकी उंगली सफेद पड़ गई। मैंने यह सब एक पल में देखा, और मुझे पता था कि वह गोली चलाने ही वाला है।
पाउला ने एक कुर्सी आगे फेंकी जो मेरे और उस बदमाश के बीच ज़मीन पर गिरी। उसकी नज़रें घूमीं और निशाना भी चूक गया। बंदूक चल गई; गोली मुझे करीब दो फीट से चूक गई। इससे पहले कि वह कुर्सी से नज़र हटाकर मुझ पर दोबारा ध्यान दे पाता, मैंने उस पर गोलियां चला दीं। तीन गोलियां हथौड़े की तरह उसकी छाती को चीर गईं। वह दीवार से जा टकराया; उसके हाथ से बंदूक गिर गई; उसका चेहरा भयानक रूप से बिगड़ गया।
मैंने पाउला से कहा, "बाहर निकलो!"
वह झुकी और वॉप की ऑटोमैटिक कार झट से उठाई, और दरवाजे की ओर भागी। जैसे ही मैं फर्श पर दौड़ी, मुझे लगा कि फर्श मेरे पैरों

की लपटों की गर्जना के ऊपर हमें चीखें-चिल्लाकर चिल्लाने की आवाज़ें और कांच के टूटने की आवाज़ सुनाई दे रही थी।
हम हड़बड़ी में ऊपरी डेक पर चढ़ गए। डेक की रेलिंग शाम की पोशाक पहने पुरुषों और महिलाओं से खचाखच भरी हुई थी, जो ज़ोर-ज़ोर से चिल्ला रहे थे। धुएं ने जहाज पर एक काला साया बना दिया था, और ऊपर का तापमान निचले डेक जितना ही गर्म था।
मैंने देखा कि जहाज के तीन-चार अधिकारी दहशत को काबू करने की कोशिश कर रहे थे। वे मानो किसी घूमते हुए दरवाजे को जोर से बंद करने की कोशिश कर रहे थे।
मैंने पाउला को चिल्लाकर कहा, "जैक अब तक कहीं आस-पास ही होगा। मेरे पास ही रहना, और चलो रेल की पटरी तक चलते हैं।"
हम धक्का-मुक्की करती भीड़ से लड़ते हुए आगे बढ़े। एक आदमी ने पाउला को पकड़कर मुझसे दूर धकेल दिया। पता नहीं वो क्या कर रहा था। उसका चेहरा फड़क रहा था और आँखें गुस्से से लाल थीं। उसने बेतहाशा मुझ पर हमला किया, और मैंने उसके जबड़े पर एक घूंसा मारा, जिससे वो लड़खड़ा गया, और फिर धक्का-मुक्की करते हुए पाउला के पास वापस पहुँच गया।
एक लड़की, जिसके कपड़े का ऊपरी हिस्सा फटा हुआ था, मेरी गर्दन पर गिर पड़ी और मेरे चेहरे पर चीखने लगी। उसकी सांसों से व्हिस्की की तेज़ गंध आ रही थी, जिससे मेरी त्वचा जलने लगी। मैंने उसे धक्का देकर हटाने की कोशिश की, लेकिन उसकी बाहों ने मुझे गला घोंटने की धमकी दी। पाउला ने उसे खींचकर अलग किया और उसके कानों पर ज़ोर से घूंसा मारा। वह लड़की ट्रेन की सीटी की तरह चीखती हुई भीड़ में लड़खड़ाती हुई चली गई।

हम डेक की रेलिंग तक पहुँच गए। समुद्र में चारों ओर फैली हुई और हर दिशा से आती हुई छोटी नावों का एक विशाल बेड़ा था। समुद्र उनसे जीवंत हो उठा था।
"अरे! विक!!"
शोरगुल के बीच करमन की आवाज सुनाई दी, और हमने उसे हमसे कुछ ही दूरी पर डेक की रेलिंग पर खड़े देखा, वह शामियाने से चिपका हुआ था और जब भी पागल भीड़ उसे उसकी पकड़ से छुड़ाने की कोशिश करती, तो वह उन्हें लात मारकर दूर भगा देता था।
"चलो, विक!"
मैंने पाउला को अपने आगे धकेल दिया। काफी मशक्कत के बाद हम उसके पास पहुँचे, और इस दौरान पाउला की पोशाक लगभग फटकर अलग हो गई थी। करमन उत्साह से मुस्कुरा रहा था।
"क्या तुम्हें जहाज में आग लगानी ही थी?" वह चिल्लाया। "घबराहट की बात ही क्या! इन बदमाशों को क्या हो गया है? जहाज डूबने से पहले ही ये हफ्तों में निकल जाएंगे।"
“तुम्हारी नाव कहाँ है?” मैंने हाँफते हुए पूछा और एक बूढ़े अय्याश को रास्ते से हटा दिया जो रेलिंग पर चढ़ने की कोशिश कर रहा था। “आराम से, पिताजी,” मैंने उससे कहा। “पानी इतना गीला है कि तैरना मुश्किल है। दुनिया भर की नावें आ रही हैं।”
"बिल्कुल यहीं," करमन ने नीचे की ओर इशारा करते हुए कहा। उसने पाउला को रेलिंग पर चढ़ा दिया, जबकि मैं ग्राहकों को उसके पीछे आने से रोकने की कोशिश कर रहा था। उसने पाउला के पैरों को जहाज के किनारे लटकती रस्सी की सीढ़ी पर रखा, और वह एक अनुभवी नाविक की तरह नीचे उतर गई।
"आप नहीं, महोदया," करमान चिल्लाया, तभी एक लड़की उसकी ओर बढ़ती हुई दिखाई दी। "यह एक निजी पार्टी है। थोड़ा आगे आइए।"

लड़की बेकाबू होकर चीखने लगी और खुद को उस पर फेंक दिया और अपनी बाहों को उसके पैरों के चारों ओर लपेट लिया।
"हे भगवान!" वह चिल्लाया। "तुम मेरी पैंट उतार दोगी! हाय विक, मेरी मदद करो! यह औरत पागल है।"
मैंने रेलिंग के ऊपर से छलांग लगाई और सीढ़ी पर चढ़ गया।
"मुझे लगा कि आपको वे इसी तरह पसंद हैं। अगर वह आपसे इतनी ही जुड़ी हुई है तो उसे भी साथ ले आओ।"
मुझे नहीं पता कि उसने उससे कैसे छुटकारा पाया, लेकिन जैसे ही मैं नाव में उतरा, वह सीढ़ी से फिसलते हुए नीचे आया और उतरते ही लगभग मुझे पानी में गिरा दिया।
"आराम से," मैंने कहा और उसे सहारा देने के लिए पकड़ लिया।
माइक ने आउटबोर्ड इंजन चालू कर दिया था और नाव जहाज से दूर जाने लगी। हमें संभलकर रास्ता बनाना था। ड्रीम शिप की ओर आती नावों की संख्या देखना अद्भुत था। ऐसा लग रहा था मानो डनकर्क की घटना फिर से घटित हो रही हो।
"वाह! बहुत बढ़िया!" मैंने माइक की चौड़ी पीठ थपथपाते हुए कहा। "तुम लोगों ने एकदम सही समय पर निशाना साधा।" मैंने ड्रीम शिप की तरफ देखा। निचला डेक अब आग की चपेट में था और उसके किनारों से धुआँ निकल रहा था। "पता नहीं उसका बीमा कितने का था?"
"क्या तुमने उसे उकसाया था?" करमन ने पूछा।
"नहीं, बेवकूफ! शेरिल मर चुका है। किसी ने उसे गोली मार दी और जहाज में आग लगा दी। अगर हमने उसे समय पर नहीं देखा होता तो वह कभी नहीं मिलता।"
"काफी खर्चीला अंतिम संस्कार था," करमन ने भावहीन होकर कहा। "अगर जहाज का बीमा है तो नहीं। तुम पाउला से बात करो। मैं इस पर गौर करना चाहता हूँ," और मैंने एनोना को बुलाया।

मैंने फ्रीडलैंडर की फाइल अपनी जेब से निकाली।
करमन ने मुझे एक टॉर्च दी।
"यह क्या है?" उसने पूछा।
मैंने फाइल के पहले पन्ने को घूर कर देखा, मुझे अपनी आंखों पर मुश्किल से विश्वास हो रहा था।
पौला ने कहा, "विक; क्या हमें पहले ही तय नहीं कर लेना चाहिए कि हम क्या करने वाले हैं?"
"क्या? जैक और मैं सीधे एनोना के पीछे जा रहे हैं। मैं चाहता हूँ कि तुम मिफ्लिन को शेरिल के बारे में बताओ। उसे जल्दी से मॉरीन क्रॉस्बी के पहाड़ी घर पर बुलाओ। आज रात सब खत्म हो जाएगा।"
वह उसे घूरती रही।
"क्या आपके लिए मिफ्लिन को देखना बेहतर नहीं होगा?"
"हमारे पास समय नहीं है। अगर एनोना मॉरीन के घर पर है तो वह मुसीबत में पड़ जाएगी।"
करमन आगे की ओर झुक गया।
यह सब क्या है?
मैंने फाइल को उसकी ओर लहराया।
"यह यहीं है, और उस मूर्ख मिफ्लिन ने मुझे बताना ज़रूरी नहीं समझा। 1944 से एनोना को एंडोकार्डिटिस था। मैंने तुमसे कहा था कि वे राज़ छिपाने की कोशिश कर रहे थे। खैर, अब यह राज़ खुल गया है।"
"एनोना का दिल तो बिल्कुल ही अजीब है?" करमन ने मेरी तरफ हैरानी से देखते हुए कहा। "तुम्हारा मतलब जेनेट क्रॉस्बी से है, है ना?"
मैंने कहा, "एनोना के बारे में जो विवरण दिया गया है, उसे सुनो। पाँच फुट लंबी; सांवली; भूरी आँखें; गोल-मटोल। इसका मतलब समझो।"

"□□□□□ □□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□," □□□□ □□ □□□□ "□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□?"
□□□□ □□ □□ □□□ □□ □□□□□□ □□ □□□ □□□
"□□ □□□□□ □□□□□□□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□, □□ □□?"
□□□□□ □□□ □□□ □□□, "□□□□□□□ □□□□! □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□? □□□□□□□□□□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □□! □□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□□ □□ □□□□□ □□, □□ □□□□□ □□□□□□□□ □□!"

अध्याय तीस

हम लगभग सीधी खड़ी चट्टान के तल पर खड़े होकर अंधेरे में ऊपर की ओर देख रहे थे। दूर समुद्र में आकाश में एक तेज लाल चमक जलते हुए ड्रीम शिप को इंगित कर रही थी। रात के आकाश में धुएं का एक मशरूम जैसा गुबार छाया हुआ था।
"ऊपर?" करमन ने कहा। "तुम मुझे क्या समझते हो— कोई बंदर?" मैंने अंधेरे में मुस्कुराते हुए कहा, "इस बारे में तुम्हें अपने पिता से बात करनी चाहिए। कोई और रास्ता नहीं है। मुख्य द्वार पर बिजली से चलने वाले दो गेट और चारों तरफ़ कांटेदार तार लगे हैं। अगर हमें अंदर जाना है, तो यही रास्ता है।"
करमन चट्टान के मुख का अध्ययन करने के लिए पीछे हट गया।
"तीन सौ फीट, अगर एक इंच भी हो तो," उसने विस्मय भरी आवाज़ में कहा। "मुझे इसका हर एक फुट पसंद आएगा!"
"चलो, कोशिश तो करते हैं।"
शुरुआती बीस फीट का रास्ता काफी आसान था। चट्टान के तल पर बड़े- बड़े पत्थरों से एक चबूतरा बना हुआ था; उन पर चढ़ना आसान था। हम एक समतल चट्टान पर अगल-बगल खड़े थे और मैंने अपनी टॉर्च की रोशनी अंधेरे में ऊपर की ओर डाली। चट्टान का ऊबड़-खाबड़ किनारा हमारे ऊपर फैला हुआ था, और लगभग शिखर पर पहुँचकर, वह एक दुर्गम बाधा जैसा प्रतीत हो रहा था।
"मुझे यही हिस्सा पसंद है," करमन ने इशारा करते हुए कहा। "ऊपर, जहाँ से यह मुड़ता है। उस पर काबू पाना मजेदार होगा: दांतों और नाखूनों से मेहनत करनी पड़ेगी।"
"शायद यह उतना बुरा नहीं है जितना दिखता है," मैंने कहा, हालांकि मुझे खुद भी यह पसंद नहीं था। "अगर हमारे पास रस्सी होती..."

"अगर हमारे पास रस्सी होती तो मैं चुपचाप कहीं जाकर खुद को फांसी लगा लेता," करमन ने उदास स्वर में कहा। "इससे समय और बहुत सारी मेहनत बच जाती।"
"चुप रहो, निराशावादी शैतान!" मैंने तीखे स्वर में कहा और चट्टान पर चढ़ना शुरू कर दिया। पैर और हाथ रखने के लिए जगह थी, और अगर चट्टान सीधी न होती तो चढ़ना काफी आसान होता। लेकिन, जैसा कि था, मुझे पता था कि एक भी चूक मेरी और चढ़ाई को खत्म कर देगी। मैं सीधे चट्टान से नीचे गिर जाऊंगा। खुद को बचाने के लिए न तो फिसलने का मौका होगा और न ही पकड़ने का।
लगभग पचास फीट चढ़ने के बाद मैं सांस लेने के लिए रुका। मैं नीचे नहीं देख सकता था। चट्टान से ज़रा सा भी दूर झुकने की कोशिश करने पर मेरा संतुलन बिगड़ जाता और मैं गिर जाता।
"कैसा चल रहा है?" मैंने हांफते हुए कहा, खुद को चट्टान की सतह से सटाते हुए और तारों से भरे आकाश की ओर देखते हुए।
"जैसा कि उम्मीद की जा सकती थी, ठीक है," करमान ने कराहते हुए कहा। "मुझे आश्चर्य है कि मैं अभी तक ज़िंदा हूँ। क्या आपको लगता है कि यह खतरनाक है या मैं बस कल्पना कर रहा हूँ?"
मैंने चट्टान के एक उभार पर अपनी पकड़ बदली और खुद को कुछ और फीट ऊपर खींच लिया।
मैंने कहा, "यह तभी खतरनाक है जब आप गिर जाएं; और तब शायद यह जानलेवा हो सकता है।"
हम चलते रहे। तभी अचानक मुझे चट्टान गिरने की गड़गड़ाहट सुनाई दी और करमान ने गहरी सांस ली। मेरे रोंगटे खड़े हो गए।
"इन चट्टानों पर नज़र रखना," वह हांफते हुए बोला। "इनमें से एक चट्टान अभी मेरे हाथ में आकर टूट गई है।"
मैं इसे देखूंगा।

लगभग एक चौथाई चढ़ाई चढ़ने के बाद अचानक और अप्रत्याशित रूप से मैं एक चार फुट चौड़ी चट्टान पर आ पहुँचा और उस पर चढ़ गया, अपनी पीठ चट्टान से टिकाकर साँस लेने की कोशिश की। मेरी गर्दन और पीठ पर ठंडा पसीना आ रहा था। अगर मुझे पता होता कि हालात इतने खराब होंगे तो मैं गेट से उतरने की कोशिश करता। अब बहुत देर हो चुकी थी। ऊपर चढ़ना शायद मुमकिन हो, लेकिन नीचे उतरना बिलकुल नामुमकिन था।
करमान भी मेरे साथ चट्टान के किनारे पर आ गया। उसका चेहरा पसीने से तरबतर था और उसके पैर लड़खड़ा रहे थे।
"इससे पहाड़ चढ़ने का मेरा मन बिल्कुल ठंडा पड़ गया है," वह हांफते हुए बोला। "एक बार मैं इतना बेवकूफ बन गया था कि मैंने सोचा था कि यह मजेदार होगा। क्या लगता है हम इस उभार से उबर पाएंगे?"
मैंने अंधेरे में ऊपर देखते हुए कहा, "हमें ऐसा करना ही पड़ेगा। अब आगे बढ़ने के अलावा कोई और रास्ता नहीं है। ज़रा सोचो, नीचे उतरने की कोशिश करना कितना मुश्किल होगा!"
मैंने टॉर्च की रोशनी को फिर से चट्टान की सतह पर घुमाया। हमारे बाईं ओर और ऊपर एक चार फुट चौड़ी दरार थी जो उभार के बगल में ऊपर की ओर जा रही थी।
"देखा?" मैंने कहा। "अगर हम अपने पैरों और कंधों को उस खुले हिस्से के किनारों से सटाकर ऊपर की ओर बढ़ सकें, तो शायद हम उस उभार को पार कर पाएंगे।"
करमन ने गहरी सांस ली।
उन्होंने कहा, "जो विचार आपके मन में आते हैं, उनसे यह संभव नहीं है।"

मैंने दरार की दीवारों को घूरते हुए कहा, "मुझे लगता है कि यह हो सकता है। और मैं कोशिश करने जा रहा हूँ।"
"मूर्ख मत बनो!" उसकी आवाज़ में घबराहट झलक रही थी। "तुम फिसल जाओगे।"
"अगर आप उभार को आजमाना चाहते हैं, तो आजमाइए। यही मेरा तरीका है।"
मैं चट्टान से नीचे कूदा, पैर जमाने के लिए टटोला, चट्टान की सतह पर हाथ फेरता रहा जब तक कि मुझे पकड़ नहीं मिल गई और फिर से ऊपर चढ़ने लगा। यह धीमा और मुश्किल काम था। धुंधली चांदनी से मुझे ज़्यादा मदद नहीं मिली, और ज़्यादातर समय मुझे सहारे के लिए टटोलना पड़ता था। जैसे ही मेरा सिर और कंधे दरार के तल के बराबर पहुँचे, जिस चट्टान पर मैं खड़ा था, वह मेरे नीचे धंस गई। मैंने उसे गिरने से ठीक एक पल पहले हिलते हुए महसूस किया और खुद को आगे की ओर फेंक दिया, पकड़ बनाने के लिए बेतहाशा दरार की चट्टान को नोंचने लगा। मेरी उंगलियाँ चट्टान की एक लकीर में फंस गईं और मैं वहीं लटक गया।
"शांत हो जाओ!" करमन चीखी, मानो कोई बूढ़ी औरत आग लगी पोशाक में फंस गई हो। "रुको! मैं अभी तुम्हारे साथ हूँ!"
"वहीं रहो," मैंने हांफते हुए कहा। "मैं तुम्हें अपने साथ ही नीचे ले जाऊंगा।"
मैंने पैर जमाने की कोशिश की, लेकिन मेरे जूतों के आगे का हिस्सा चट्टान से रगड़ खा रहा था और हवा में चल रहा था। फिर मैंने अपनी उंगलियों के बल पर पूरा वजन डालकर खुद को ऊपर खींचने की कोशिश की, लेकिन यह संभव नहीं हो पाया। मैं किसी तरह खुद को कुछ इंच ही ऊपर उठा पाया, बस इतना ही।
किसी चीज ने मेरे पैर को छुआ।

"आराम से," करमन ने मेरे नीचे झुककर विनती की। उसने मेरा पैर अपने कंधे पर रखा। "अब, अपना वजन मुझ पर डालो और ऊपर की ओर धकेलो।"
"मैं तुम्हें धक्का देकर गिरा दूंगा, मूर्ख!" मैंने हांफते हुए कहा।
"चलो!" उसकी आवाज़ कांप रही थी। "मेरी पकड़ मज़बूत है। धीरे- धीरे और आराम से। अचानक कुछ मत करो।"
और कोई चारा नहीं था। मैंने बड़ी सावधानी से अपने शरीर का भार उसके कंधे पर डाला, फिर अपनी उंगलियों की पकड़ को दूसरी जगह पर टिकाया जहाँ मेरी पकड़ बेहतर थी।
"मैं हांफ रही हूँ," मैंने हांफते हुए कहा। "है ना?"
"हां," करमन ने कहा, और मैंने महसूस किया कि उसने खुद को तैयार कर लिया है।
मैंने अपने हाथों और कंधों से ज़ोर लगाया और फिसलकर दरार के तल पर आ गई। मैं वहीं हांफती हुई लेटी रही, जब तक कि करमान का सिर किनारे से ऊपर नहीं दिखाई दिया। फिर मैं रेंगकर आगे बढ़ी और उसे भी अपने बगल में खींच लिया। हम दोनों चुपचाप एक-दूसरे के बगल में गिर पड़े।
कुछ देर बाद मैं लड़खड़ाते हुए अपने पैरों पर खड़ा हुआ।
"आज रात तो खूब मजा आ रहा है," मैंने दरार वाली दीवार से टेक लगाते हुए कहा।
करमन ने तिरछी नज़रों से मेरी ओर देखा।
"हां," उसने कहा। "क्या मुझे इसके लिए पदक मिलेगा?"
"मैं तुम्हें इसके बदले एक ड्रिंक पिला दूँगा," मैंने कहा, गहरी साँस ली, अपने कंधों को दीवार पर टिकाया और अपने पैरों को सामने वाली दीवार पर रख लिया। अपने कंधों और पैरों से ज़ोर लगाकर मैं

दोनों दीवारों के बीच बैठने की स्थिति बनाए रखने में कामयाब रहा।
"क्या आप इसी तरह यात्रा करने वाले हैं?" करमन ने भयभीत होकर पूछा।
"हां; यह एक पुरानी स्विस परंपरा है।"
"क्या मुझे वह भी करना होगा?"
"जब तक तुम अपनी बाकी जिंदगी यहीं नहीं बिताना चाहते," मैंने निर्दयता से कहा। "कोई और रास्ता नहीं है।"
मैंने धीरे-धीरे ऊपर चढ़ना शुरू किया। नुकीले पत्थर मेरे कंधों में चुभ रहे थे, और यह धीमी गति से हो रहा था, लेकिन मैं आगे बढ़ रहा था। जब तक मेरे पैरों की मांसपेशियां जवाब नहीं देतीं, मैं शिखर तक पहुँच जाऊँगा। लेकिन अगर वे जवाब दे गईं, तो मैं तेज़ी से नीचे गिरूँगा और पथरीली ज़मीन पर उतरूँगा।
मैं चलता रहा। उभार पर चढ़ने की कोशिश करने के बजाय इस रास्ते से जाना मुझे बेहतर लगा। एक तिहाई रास्ता तय करने के बाद मुझे रुककर आराम करना पड़ा। मेरे पैर ऐसे लग रहे थे जैसे मैं सौ मील दौड़ चुका हूँ, और मेरी जांघों की मांसपेशियां फड़क रही थीं। "कैसे हो दोस्त?" करमन ने फ्लैश लाइट मेरी तरफ चमकाते हुए पूछा। मैंने संदेह भरे लहजे में कहा, "मैं तो अभी तक सही सलामत हूँ। जब तक मैं चोटी पर न पहुँच जाऊँ, तब तक तुम कोशिश मत करना।"
"आप आराम से समय लें। मुझे कोई जल्दी नहीं है।"
मैंने फिर से आसमान की ओर देखा। यह धीमी गति से हो रहा था, और मेरे कंधे दुखने लगे थे। मैं तारों से भरे आकाश को देखता रहा। ऐसा लग रहा था जैसे वह करीब आ रहा हो; शायद यह सिर्फ मेरा भ्रम था, लेकिन इसने मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। मैं चलता रहा, मेरे दांत भींचे हुए थे और सांसें फूल रही थीं, मेरे पैर अकड़

रहे थे, मेरे कंधे चोटिल थे। ऊपर, और ऊपर; इंच-इंच करके, यह जानते हुए कि अब पीछे मुड़ने का कोई रास्ता नहीं है। मुझे ऊपर पहुंचना ही था, नहीं तो मैं गिर जाता।
दरार संकरी होने लगी, और तब मुझे पता चला कि मैं उभार के पास पहुँच गया हूँ। चलना और मुश्किल हो गया। मेरे घुटने धीरे-धीरे मेरी ठुड्डी की ओर झुकते जा रहे थे। मुझे सहारा कम मिलता जा रहा था। फिर अचानक मैं रुक गया। मैं और आगे नहीं जा सकता था। मेरे ऊपर दरार लगभग तीन फीट तक संकरी हो गई थी। खुद को संभालते हुए, मैंने टॉर्च निकाली और उसकी रोशनी दीवार के साथ-साथ ऊपर की ओर डाली। पास ही चट्टान से एक झाड़ी निकली हुई थी। मेरे दाहिनी ओर एक संकरी सी जगह थी: उभार का ऊपरी हिस्सा।
मैंने फ्लैश वापस अपनी जेब में रखा और झाड़ी की ओर हाथ बढ़ाया। चट्टान से उगने वाली झाड़ी के पास से मैंने उसे पकड़ा और धीरे से खींचा। वह बंधी रही। मैंने अपना थोड़ा वजन उस पर डाला। फिर भी वह बंधी रही। फिर एक गहरी सांस लेकर मैंने दीवार पर अपने पैरों का दबाव कम किया और हवा में झूल गया। यह एक अद्भुत क्षण था। झाड़ी झुकी, लेकिन उसकी जड़ें मज़बूत थीं। मैं इधर-उधर झूलता रहा, पसीने की गर्मी मेरी रीढ़ की हड्डी में बर्फीले पानी की तरह बह रही थी, फिर मैंने खुद को चट्टान की ओर झुलाया और अपने खाली हाथ से सहारा खोजने की कोशिश की। मेरी उंगलियां एक दरार में धंस गईं: मुझे पकड़ने के लिए काफी नहीं, लेकिन मुझे स्थिर करने के लिए काफी। मैं वहां लटका रहा, अपने शरीर को दरार की दीवार से दबाए हुए, मेरे पैर हवा में थे, मेरा दाहिना हाथ झाड़ी को पकड़े हुए था, मेरा बायां हाथ चट्टान की संकरी दरार में गड़ा हुआ था। अब एक भी गलत कदम, और मैं नीचे गिर जाता। मैं वाकई डरा हुआ था।

मैंने अपने जीवन में कई बार घबराहट का अनुभव किया है, लेकिन ऐसी घबराहट पहले कभी नहीं हुई।
बहुत सावधानी से मैंने अपने दाहिने हाथ से नीचे की ओर दबाव डालना शुरू किया और बाएं हाथ से खींचना शुरू किया। मैं धीरे- धीरे ऊपर चढ़ने लगा। मेरा सिर और कंधे चट्टान के ऊपर आ गए। जैसे ही मेरी छाती चट्टान के किनारे से छूई, मैं आगे की ओर झुकने लगा। मैं उसी स्थिति में लटका रहा, लगभग हार मान चुका था, मेरा दिल ज़ोर से धड़क रहा था, मेरे कानों में खून की आवाज़ गूंज रही थी। थोड़ी देर बाद मैंने कुछ इंच और चढ़ने की ताकत जुटाई। मैंने एक घुटना ऊपर उठाया और उसे चट्टान पर टिका दिया। फिर, ज़ोरदार कोशिश से, मैं आगे की ओर उछला और चट्टान पर पीठ के बल लेट गया, मुझे अपने दिल की धड़कन और सांसों की कर्कश आवाज़ के अलावा कुछ भी महसूस नहीं हो रहा था।
"विक!"
करमन की आवाज दरार की सुरंग से ऊपर की ओर तैरती हुई सुनाई दी। मैंने कर्कश आवाज निकाली और किनारे तक रेंग कर गया।
"क्या तुम ठीक हो, विक?"
उसकी आवाज़ मीलों दूर से आती सुनाई दी: अँधेरे में एक धीमी फुसफुसाहट। नीचे देखने पर मुझे एक छोटा सा प्रकाश बिंदु इधर-उधर हिलता हुआ दिखाई दिया। मुझे अंदाज़ा भी नहीं था कि मैं इतनी ऊँचाई तक चढ़ चुका हूँ, और उस प्रकाश को देखकर मुझे चक्कर आने लगा।
"हाँ," मैंने चिल्लाकर जवाब दिया। "मुझे एक मिनट दीजिए।"
कुछ देर बाद मेरी सांस और हिम्मत वापस आ गई।

मैंने नीचे चिल्लाकर उससे कहा, "तुम यह नहीं कर सकते, जैक। तुम्हें तब तक इंतजार करना होगा जब तक मैं रस्सी न ले आऊं। यह बहुत मुश्किल है। कोशिश मत करो।"
"तुम्हें रस्सी कहाँ से मिलेगी?"
मुझे नहीं पता। मैं कुछ न कुछ ढूंढ लूंगा। तुम वहीं इंतजार करो। मैंने पीछे मुड़कर टॉर्च की रोशनी अंधेरे में डाली। मैं चट्टान के शिखर से लगभग तीस फीट नीचे था। बाकी का रास्ता आसान था। मैंने नीचे से चिल्लाकर उससे कहा, "मैं अब जा रहा हूँ। जब तक मैं रस्सी न ले आऊँ, तब तक तुम यहीं रुके रहना।"
मैं लगभग तीस फीट चलकर सीधे उस भव्य स्विमिंग पूल के पास पहुँच गया। मेरे ऊपर वह घर था। एक खिड़की में अकेली बत्ती जल रही थी।
मैं उसकी ओर चल पड़ा।

अध्याय इकतीस

जब मैं वहाँ पहुँचा तो बरामदा बिल्कुल खाली था, और झूला कुर्सी देखने में बेहद आरामदायक लग रही थी। मेरा मन कर रहा था कि मैं उस पर लेटकर बारह घंटे की झपकी ले लूँ।
बड़े से बैठक कक्ष में पीले और नीले रंग के चर्मपत्र के शेड वाला एक साधारण सा लैंप जल रहा था। बैठक कक्ष से बरामदे की ओर जाने वाले खिड़की के दरवाजे खुले हुए थे।
एक आवाज़ सुनकर मैं बरामदे की सीढ़ियों के सिरे पर रुक गया: एक महिला की आवाज़, जो शांत, गर्मी की रात, फूलों की खुशबू और विशाल पीले चाँद के साथ बेमेल लग रही थी। आवाज़ तेज़ और तीखी थी। शायद उसमें गुस्सा भी था, और दबी हुई हिस्टीरिया की वजह से उसमें थोड़ी सी कर्कशता भी झलक रही थी।
"अरे, चुप रहो! चुप रहो! चुप रहो!" आवाज़ कह रही थी। "जल्दी आओ। बहुत बोल चुके हो। बस चुप हो जाओ और आओ!"
मैं उसे अंदर देख सकता था, एक बड़े सोफे पर घुटनों के बल बैठी हुई, टेलीफोन को अपनी छोटी, कसकर बंद मुट्ठी में पकड़े हुए। उसकी पीठ मेरी तरफ थी। लैंप की रोशनी सीधे उसके खूबसूरत सिर पर पड़ रही थी और उसके काले घने बालों की चमक बिखेर रही थी। उसने ऊँची कमर वाली गहरे हरे रंग की पैंट और उसी रंग की रेशमी कमीज़ पहनी हुई थी, और वह बिल्कुल वैसी ही लग रही थी जैसी वर्गा को चित्र बनाना पसंद होता है। वह उसकी पसंद की थी: लंबी टांगें, पतली कमर, उभरे हुए स्तन, और पारे की तरह जीवंत और फुर्तीली। उसने कहा, "बस करो! बार-बार क्यों बोल रहे हो? बस आ जाओ। तुम्हें बस इतना ही करना है," और उसने रिसीवर पटक दिया।

मुझे नहीं लगा कि इस स्थिति में छुपकर काम करने या अत्यधिक चालाकी दिखाने की ज़रूरत थी, और मेरा इरादा दिखावा करने का भी नहीं था। मेरे पैर थके हुए थे, चोटें लगी थीं, साँस फूल रही थी, और मेरा गुस्सा किसी लुटेरे की छड़ी के घिसे हुए ट्रिगर की तरह तेज़ था। इसलिए मैंने चुपचाप कदम रखे बिना ही कमरे में प्रवेश किया। लकड़ी के फर्श पर मेरे कदमों की आहट से ऐसा लगा जैसे छोटे- छोटे धमाके हो रहे हों।
मैंने उसकी पीठ को अकड़ते हुए देखा। उसका सिर धीरे से घूमा। उसने कंधे के ऊपर से मेरी तरफ देखा। उसकी बड़ी-बड़ी काली आँखें चौड़ी हो गईं। एक पल का सन्नाटा छा गया, जिसमें आप धीरे-धीरे दस तक गिन सकते थे। उसने मुझे पहचाना नहीं। उसने मुझे एक ऐसे व्यक्ति के रूप में देखा जो फटे-पुराने सफेद पैंट में एक मोटे नाविक जैसा लग रहा था, जिसकी एक पैंट के घुटने पर फटा हुआ था, एक ऐसी कमीज़ जिसे कोई भी धोबी शिकायत के साथ लौटा देता और एक ऐसा चेहरा जिस पर झाइयों से ज़्यादा गंदगी लगी हुई थी।
"हेलो," मैंने धीरे से कहा। "मुझे याद है? तुम्हारा दोस्त, मैलॉय।"
तब उसे मेरी याद आई। उसने गहरी सांस ली, सोफे से उठी और अपने छोटे, सुडौल पैरों पर मजबूती से खड़ी हो गई।
"तुम यहाँ कैसे आए?" उसने पूछा, उसका चेहरा और आवाज उसकी कमीज पर लगे झालरों की तरह भावहीन थे।
"मैंने चट्टान पर चढ़ाई की। जब तुम्हारा उत्साह खत्म हो जाए तो तुम्हें भी कभी इसे आजमाना चाहिए," मैंने कमरे में जाते हुए कहा। "यह शरीर के लिए भी अच्छा है; वैसे तुम्हारे शरीर में कोई कमी नहीं है।"

उसने अपने अंगूठे को मोड़ा और उसे घूर कर देखा; फिर उसने उसे धीरे से काट लिया।
"आपने इसे अभी तक नहीं देखा है," उसने कहा।
मैंने उसकी ओर देखते हुए पूछा, "क्या उस वाक्य में मुख्य शब्द 'अभी तक' है?"
"ऐसा हो सकता है। यह आप पर निर्भर करता है।"
"सच में?" मैं बैठ गया। "क्या हम एक ड्रिंक लें? मैं अब पहले जैसा नहीं रहा। व्हिस्की पीने पर मेरी प्रतिक्रियाएँ बेहतर काम करती हैं।"
वह लाउंज से होते हुए तहखाने की ओर चली गई।
"क्या चट्टान के बारे में यह बात सच है?" उसने पूछा। "इससे पहले आज तक कोई इस पर नहीं चढ़ा है।"
मैंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, "लिएंडर ने हेलेस्पोंट को तैरकर पार किया था, और हीरो तुम्हारे मुकाबले आधी भी खूबसूरत नहीं थी।"
"क्या सच में तुमने उस पर चढ़ाई की?" वह व्हिस्की और बर्फ से भरा एक लंबा गिलास लेकर वापस आई। वह गिलास देखने में उससे कहीं ज्यादा आकर्षक लग रहा था; लेकिन मैंने उसे यह बात नहीं बताई। मैंने कहा, "मैं इस पर चढ़ गया," और गिलास उठा लिया। "तुम्हारी गहरी और प्यारी आँखों तक, और उस आकृति तक जिसे मैंने अभी तक नहीं देखा है।"
वह पास खड़ी होकर मुझे उसका एक तिहाई हिस्सा पीते हुए देखती रही। फिर उसने उसी स्थिर हाथ से सिगरेट जलाई, जिस चट्टान की हम बात कर रहे थे, उसे अपने लाल, कामुक होंठों से निकालकर मुझे दे दी।

हमारी उंगलियां आपस में छू गईं। उसकी त्वचा बुखार जैसी महसूस हुई।
"क्या तुम्हारी बहन यहाँ है?" मैंने पूछा और व्हिस्की की बोतल को सावधानीपूर्वक अपने बगल में रखी कॉफी टेबल पर रख दिया।
उसने फिर से अपने अंगूठे को ध्यान से देखा, फिर तिरछी नजरों से मेरी ओर देखा।
"जेनेट मर चुकी है। उसकी मौत दो साल पहले हुई थी," उसने कहा।
"जब से तुमने मुझे यह बताया है, तब से मैंने बहुत कुछ पता लगाया है," मैंने कहा। "मुझे पता है कि जिस लड़की को तुम्हारी माँ ने लगभग दो साल तक पागलखाने में कैद रखा था, वह तुम्हारी बहन जेनेट है। क्या मैं तुम्हें बताऊँ कि मुझे कितना कुछ पता है?"
उसने थोड़ा मुंह बनाया और बैठ गई।
"अगर आप चाहें तो कर सकते हैं," उसने कहा।
"कुछ बातें तो अंदाजे पर आधारित हैं। शायद आप मेरी मदद करेंगी?" मैंने कुर्सी पर थोड़ा और बैठते हुए कहा। "जेनेट तुम्हारे पिता की लाडली थी। तुम और तुम्हारी माँ दोनों जानती थीं कि वो अपनी ज़्यादातर दौलत जेनेट को देने वाले हैं। जेनेट को शेरिल से प्यार हो गया, जिसे भी पता था कि उसे दौलत मिलने वाली है। शेरिल काफी आकर्षक था, और आकर्षक लोग तुम्हें पसंद आते हैं। तुम दोनों का गुप्त प्रेम संबंध था, लेकिन जेनेट को पता चल गया और उसने सगाई तोड़ दी। तुम दोनों के बीच झगड़ा हुआ। तुममें से किसी एक ने बंदूक उठा ली। तुम्हारे पिता गलत समय पर आ गए। क्या तुमने उन्हें गोली मारी या जेनेट ने?"
उसने सिगरेट जलाई, माचिस को ऐशट्रे में गिराया और फिर कहा, "क्या इससे कोई फर्क पड़ता है? अगर आपको जानना ही है तो मैंने किया।"

"उस समय घर में एक नर्स ठहरी हुई थी: एनोना फ्रीडलैंडर। वह वहां क्यों थी?"
"मेरी माँ का दिमाग ठीक नहीं था," उसने लापरवाही से कहा। "उसे भी लगता था कि मेरा दिमाग ठीक नहीं है। उसने पिताजी को मना लिया कि मेरी देखभाल की जानी चाहिए, और उसने नर्स फ्रीडलैंडर को मुझ पर नज़र रखने के लिए भेजा।"
"जब आपने अपने पिता को गोली मारी थी, तब नर्स फ्रीडलैंडर पुलिस को बुलाना चाहती थीं?"
उसने सिर हिलाया और मुस्कुराई। लेकिन उसकी मुस्कान उसकी भावहीन, कोयले जैसी काली आँखों तक नहीं पहुँची।
माँ ने कहा कि अगर यह बात सामने आ गई कि मैंने उसे गोली मारी है, तो वे मुझे किसी वृद्धाश्रम में भेज देंगे। नर्स फ्रीडलैंडर ने बहुत हंगामा मचाया। माँ उसे वापस पागलखाने ले गईं और उसे बंद कर दिया। उसे चुप कराने का यही एकमात्र तरीका था। फिर जेनेट ने ज़िद की कि मुझे भी बंद कर दिया जाए, और माँ को मानना पड़ा। उन्होंने मुझे यहाँ भेज दिया। यह उनका घर है। जेनेट को लगा कि मैं पागलखाने में हूँ। उन्हें पता चला कि मैं वहाँ नहीं हूँ, लेकिन उन्हें नहीं पता था कि मैं कहाँ हूँ। मुझे लगता है कि इसीलिए उन्होंने आपको पत्र लिखा था। वह आपसे मुझे ढूंढने के लिए कहने वाली थीं। फिर नर्स फ्रीडलैंडर को दिल का दौरा पड़ा और उनकी मृत्यु हो गई। यह एक बहुत अच्छा मौका था जिसे गंवाना नहीं चाहिए था। माँ और डगलस उनके शव को क्रेस्टवेज़ ले गए। माँ ने जेनेट को बताया कि मैं उनसे मिलना चाहती हूँ, और वह पागलखाने चली गईं। उन्हें नर्स फ्रीडलैंडर के कमरे में बंद कर दिया गया, और नर्स फ्रीडलैंडर को जेनेट के बिस्तर पर लिटा दिया गया। यह काफी अच्छा विचार था, है ना? मैंने पास में रहने वाले डॉ. बेवली

को फोन किया। उन्हें यह बात समझ में नहीं आई कि मृत महिला जेनेट नहीं थी, और उसने मृत्यु प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर कर दिए। उसके बाद सब आसान हो गया। ट्रस्टियों को कुछ भी शक नहीं हुआ, और सारा पैसा मुझे मिल गया।” वह सिगरेट की राख को ऐशट्रे में झाड़ने के लिए आगे झुकी, और उसी सपाट, उदासीन स्वर में बोली, “मैंने डगलस के बारे में जो बताया था, वह सच था। उस छोटे चूहे ने मेरे साथ धोखा किया और मुझे ब्लैकमेल करने की कोशिश की और मुझसे ड्रीम स्किप खरीदवा लिया। जेनेट की नौकरानी ने भी मुझे ब्लैकमेल किया। उसे पता था कि जेनेट मरी नहीं है। फिर तुम आ गए। मैंने सोचा था कि अगर मैं तुम्हें कहानी का कुछ हिस्सा बताऊँगी तो शायद डगलस डर जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वह तुम्हें मारना चाहता था, लेकिन मैंने उसे ऐसा नहीं करने दिया। यह मेरा सुझाव था कि तुम्हें पागलखाने भेजा जाए। मुझे नहीं लगा था कि तुम जेनेट को वहाँ से भगा पाओगे। जैसे ही मुझे पता चला कि वह कहाँ है, मैंने शेरिल के आदमियों को उसे यहाँ लाने के लिए कहा।” "क्या नर्स फ्रीडलैंडर के पिता को गोली मारने का विचार आपका था?"
उसने घृणा से थोड़ा मुंह बनाया।
"मैं और क्या कर सकती थी? अगर उसने तुम्हें बताया होता कि उसका दिल खराब है, तो मुझे पता था कि तुम समझ जाओगे कि क्या हुआ होगा। मैं घबरा गई थी। मैंने सोचा था कि अगर हम उसे चुप करा दें और पुलिस से उसके कागजात ले लें, तो शायद हम आगे बढ़ सकें। लेकिन अब तो यह काफी निराशाजनक लग रहा है।"
"तो जेनेट यहाँ है?"
उसने कंधे उचका दिए।
"हां, वह यहीं है।"

"और आप यह तय करने की कोशिश कर रहे हैं कि उसके साथ क्या करना है?"
"हाँ।"
"कोई राय?"
"शायद।"
मैंने अपना पेय समाप्त कर लिया। मुझे इसकी ज़रूरत थी।
"तुमने ही शेरिल को गोली मारी थी, है ना, और जहाज में आग लगा दी थी?"
आपने काफी कुछ पता लगा लिया है।
"क्या तुमने नहीं किया?"
"हाँ, बिल्कुल। मुझे पता था कि अगर पुलिस ने उसे पकड़ लिया तो वो मुझे धोखा देगा। वैसे भी वो एक झंझट था। जहाज में आग लगाना काफी मजेदार था। मुझे हमेशा से इससे नफरत रही है। क्या जहाज अच्छे से जला?"
मैंने कहा कि यह बहुत अच्छे से जला।
हम कुछ क्षण तक एक दूसरे को देखते हुए बैठे रहे।
"मैं तुम्हारे बारे में सोच रही हूँ," उसने अचानक कहा। "क्या हम मिलकर काम नहीं कर सकते? इतने सारे पैसे कुछ रूढ़िवादी बूढ़े वैज्ञानिकों को देना सरासर बेवकूफी लगती है। लगभग बीस लाख डॉलर बचे होंगे।"
"हमें मिलकर कैसे काम करना चाहिए?"
वह इस बारे में सोचते हुए अपना अंगूठा चबा रही थी कि हमें कैसे मिलकर काम करना चाहिए।
"देखो, वह मेरी बहन है। मैं उसे यहाँ ज्यादा देर तक नहीं रख सकता। अगर उन्हें पता चल गया कि वह ज़िंदा है तो मैं सारा पैसा खो दूँगा। बेहतर होगा कि वह मर जाए।"

मैंने इस पर कुछ नहीं कहा।
"मैं तीन-चार बार बंदूक लेकर अंदर गई हूँ," उसने लंबे विराम के बाद कहा। "लेकिन हर बार जब मैं ट्रिगर दबाने की कोशिश करती हूँ, तो कुछ न कुछ मुझे रोक देता है।" उसने मेरी तरफ देखते हुए कहा, "मैं तुम्हें आधी रकम दे दूँगी।"
मैंने अपनी सिगरेट बुझा दी।
"क्या आप सुझाव दे रहे हैं कि मुझे ऐसा करना चाहिए?"
इस बार वह अर्थहीन मुस्कान उसकी आँखों तक पहुँच गई।
"सोचो, तुम उस सारे पैसे से क्या-क्या कर सकते हो।"
मैं सोच रहा हूँ, लेकिन अभी तक मुझे वह मिला नहीं है।
"ओह, मैं आपको दे दूंगा। मैं आपको अभी चेक दे दूंगा।"
"जब मैं बिल जमा कर देता, तो तुम उसे रोक सकती थी, है ना? तुम मुझे भी वैसे ही गोली मार सकती थी जैसे तुमने शेरिल को मारी थी," मैंने कहा और उसे अपनी बेवकूफी भरी नज़र से देखा।
"जब मैं कुछ कहती हूँ तो उसे पूरा करती हूँ, और जब मैं कोई वादा करती हूँ तो उसे निभाती हूँ," उसने धैर्य से कहा। "और वैसे भी, तुम मुझे भी पा सकते हो।"
"क्या मैं कर सकता हूँ?" मैंने अपनी बेरुखी छिपाने की कोशिश की। "कोई बात नहीं।" मैं खड़ा हो गया। "वह कहाँ है?"
उसने मेरी तरफ देखा; उसका चेहरा अभी भी भावहीन था, लेकिन उसके बाएं गाल के ऊपरी हिस्से में एक नस फड़कने लगी।
"क्या आप ऐसा करने जा रहे हैं?"
"मुझे इसमें कोई दिक्कत नहीं दिखती। मुझे बंदूक दो और बताओ कि वह कहाँ है।"
"क्या आप नहीं चाहते कि मैं पहले चेक लिख दूं?"
मैंने अपना सिर हिलाया।

मैंने कहा, "मुझे तुम पर भरोसा है," और उम्मीद की कि मैं बेवकूफी भरे हावभाव दिखाने की कोशिश में कुछ ज्यादा ही दिखावा नहीं कर रहा था।
उसने कमरे के दूसरे छोर पर स्थित खिड़कियों के ठीक सामने वाले दरवाजे की ओर इशारा किया।
वह अंदर है।
मैं खड़ा हो गया।
"तो मुझे बंदूक दे दो। इसे आत्महत्या जैसा दिखाना होगा।"
उसने सिर हिलाया।
"हाँ; मैंने इसके बारे में सोचा था। तुम—तुम उसे चोट नहीं पहुँचाओगे?"
अब उसकी आँखों में एक खालीपन सा था। ऐसा लग रहा था मानो उसका मन कहीं खो गया हो।
"बंदूक," मैंने कहा और उसकी तरफ उंगली चटकाते हुए इशारा किया। "ओह, हाँ।" वह काँप उठी, भौंहें सिकोड़ीं, कमरे में इधर-उधर देखा। "यह कहीं मेरे पास ही था।" उसकी नसें मेंढक की तरह फड़फड़ा रही थीं। "मुझे लगता है यह मेरे बैग में ही होगा।"
बैग एक आरामकुर्सी में पड़ा था। वह उसकी ओर बढ़ी, लेकिन मैं उससे पहले ही वहाँ पहुँच गया।
मैंने कहा, "कोई बात नहीं। मैं ले आता हूँ। आप बैठ जाइए और आराम कीजिए।"
मैंने बैग उठाया और क्लिप को पीछे की ओर सरका दिया।
"इसे मत खोलो, मैलॉय!"
मैं तेजी से मुड़ा।
मैनफ्रेड विलेट खुली खिड़की के दरवाजे पर खड़ा था। उसके हाथ में एक स्वचालित बंदूक थी और वह मेरी ओर तनी हुई थी।

अध्याय बत्तीस

मॉरीन चीखते हुए बोली, "तुम मूर्ख! तुमने इंतज़ार क्यों नहीं किया? वह तो करने ही वाला था! तुम बेवकूफ, दिमागहीन मूर्ख!" विलेट की ठंडी निगाहें मुझसे हटकर उसकी ओर चली गईं।
"ज़ाहिर है वो ऐसा नहीं करने वाला था," उसने रूखेपन से कहा। "उसे तुम्हारी बंदूक चाहिए थी। अब चुप रहो, और मुझे इसे संभालने दो।" वह अकड़ गई और मेरी ओर घूम गई। उसकी गहरी आँखों में एक तीव्र चमक थी।
"क्या तुम ऐसा करने वाले नहीं थे?" उसने पूछा। "क्या तुम ऐसा करने वाले नहीं थे?"
मैंने अपना सिर हिलाया।
"नहीं," मैंने कहा और उसकी तरफ मुस्कुरा दिया।
"बहुत हो गया," विलेट ने कहा और कमरे में आगे बढ़ा। "बैठ जाओ," उसने मुझसे कहा। "मैं तुमसे बात करना चाहता हूँ। और तुम भी बैठ जाओ।" यह बात उसने मॉरीन से कही।
मैं बैठ गया, लेकिन वह नहीं बैठी। वह बिना हिले-डुले खड़ी रही, विलेट को घूरती रही, और अपने छोटे-छोटे नुकीले दांतों से अपने अंगूठे को कुतरती रही।
"बैठ जाओ!" उसने कहा और बंदूक उसकी ओर तान दी। "तुम अपनी माँ की तरह ही पागल हो। अब तुम्हें काबू में करने का समय आ गया है।" फिर वह मुस्कुराई और उस कुर्सी की ओर चली गई जिस पर उसका बैग रखा था। वह बैठ गई, अपने पैर क्रॉस किए और अंगूठा चबाती रही।
विलेट खाली चिमनी के सामने खड़ा था। उसने बंदूक को अपनी कमर के समानांतर रखा हुआ था और उसका निशाना मॉरीन और मेरे बीच था। उसके

चेहरे पर उदासी और चिंता के भाव थे, और उसकी निगाहें बार-बार मॉरीन से मेरी ओर घूम रही थीं।
"जेनेट कहाँ है?" उसने पूछा।
चूंकि मॉरीन ने कुछ नहीं कहा, इसलिए मैंने खिड़की के ठीक सामने वाले दरवाजे की ओर अंगूठा हिलाकर इशारा किया।
वह कहती है कि वह अंदर है।
"क्या वह ठीक है?"
"जहां तक मुझे मालूम है।"
वह थोड़ा शांत हुआ, लेकिन उसने बंदूक नीचे नहीं की।
"क्या तुम्हें पता है कि अगर तुम मेरे साथ मिल जाओ तो इस धंधे से अभी भी बहुत पैसा कमाया जा सकता है?" उसने कहा। "हम इसे अभी भी काबू में कर सकते हैं। मेरी गलती यह थी कि मैंने उसे इतनी आज़ादी दे दी। मुझे नहीं लगा था कि वह इतनी खतरनाक है। मुझे पता था कि वह मानसिक रूप से अस्थिर है। उसकी माँ भी थी। लेकिन मुझे लगा कि वे नुकसान नहीं पहुँचाएँगी। मैं पहले ही कुछ कर लेता, लेकिन शेरिल ने मुझे रोक दिया। अब जब वह मर चुका है तो सब आसान हो जाएगा। अब तुम ही एकमात्र बाधा हो। क्या तुम पचास हज़ार लोगे और चुप रहोगे?"
मैंने अपनी भौहें ऊपर उठाईं।
"उसने मुझे अभी-अभी दस लाख डॉलर देने की पेशकश की है।"
उसने अधीरता का भाव दिखाया।
"देखो, यह एक व्यापारिक प्रस्ताव है। समय बर्बाद मत करो। उसके पास लाखों रुपये नहीं हैं। अगर उसके पास देने के लिए पैसे होते भी, तो भी वह तुम्हें कुछ नहीं देती। वह ड्रीम शिप का बीमा क्लेम करने की स्थिति में नहीं है। मैं हूँ।"

"उसका क्या होगा?" मैंने पूछा और मॉरीन की तरफ देखा, जिसने मुझे खाली-खाली आँखों से एक खाली-खाली नज़र से देखा।
"मैं उसे किसी वृद्धाश्रम में रखवा दूँगा। उसके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं है, वरना उसे पुलिस के हवाले कर हत्या के आरोप में मुकदमा झेलना पड़ेगा," विलेट ने धीमी और तेज़ आवाज़ में कहा। "सब कुछ चुपचाप हो जाएगा। जेनेट के हंगामा करने की संभावना नहीं है। मैं उसे अपनी बात मनवा सकता हूँ। उसे ट्रस्ट का पैसा मिल जाएगा। और ड्रीम शिप का बीमा हम दोनों के पास रहेगा।"
मैंने कहा, "मुझे यह बात स्पष्ट करने दीजिए। क्या आपने यह छोटी सी साजिश शुरू से ही रची थी?"
उन्होंने संक्षिप्त लहजे में कहा, "हमें उस पर चर्चा करने की आवश्यकता नहीं है।"
"यह उसका ही विचार था," मॉरीन ने कहा। "शुरू से ही यह उसका ही विचार था। वह ट्रस्ट के साथ जुआ खेल रहा था। जेनेट को पता चल गया। उसी ने माँ को जेनेट को पागलखाने में बंद करने के लिए राजी किया था। अगर डगलस न होता, तो वह मुझे भी बंद करवा देता।"
"चुप रहो!" विलेट ने गुस्से से कहा और उसका चेहरा सख्त हो गया। मैंने कहा, "मुझे पहले से ही कुछ ऐसा ही लग रहा था। ट्रस्ट से जुड़ा कोई न कोई तो इसमें शामिल था। जब आप दूसरे ट्रस्टियों को बताने में आनाकानी कर रहे थे, तब मुझे आप पर शक होने लगा। फिर, जब जेनेट को मेरी सेक्रेटरी के अपार्टमेंट से ले जाया गया, तब मुझे सब पता चल गया। आपके, मेरे और पाउला के अलावा किसी को नहीं पता था कि जेनेट वहाँ थी।"
“इससे क्या फर्क पड़ता है?” उसने अधीरता से कहा। “अगर शेरिल और वो पागल औरत न होतीं तो सब ठीक हो जाता। लेकिन मैं हत्या का समर्थन नहीं करता। जैसे ही उन्होंने ये खेल शुरू किया, मैंने

उसे रोकने का फैसला कर लिया। और उसे रोका जा सकता है। क्या तुम मेरे साथ आओगे? मैं बीमा का पैसा तुम्हारे साथ पचास-पचास बाँट लूँगा।”
"मान लीजिए कि मैं ऐसा नहीं करता?"
“मैं कहीं जाने के लिए तैयार हूँ,” उसने कहा। “मैं जाना नहीं चाहता, लेकिन अगर ज़रूरी हुआ तो जाऊँगा। बीमा राशि मिलने तक मुझे तुम दोनों को यहीं रखना होगा। यह आसान नहीं होगा, पर मुमकिन है। लेकिन अगर तुम समझदार हो, तो मेरे साथ आ जाओ।” मैंने मॉरीन की तरफ देखा।
"क्या इस सब पर आपको कुछ कहना नहीं है?"
"वह कुछ कह नहीं सकती," विलेट ने अधीरता से कहा।
"या तो उसे किसी वृद्धाश्रम में भेजा जाएगा या फिर जेल। उसे आज़ाद छोड़ना बहुत खतरनाक होगा।"
मैंने उसकी बात अनसुनी कर दी और फिर से कहा, "क्या तुम्हें कुछ कहना नहीं है?"
फिर उसने एक कसी हुई, बनावटी सी छोटी सी मुस्कान दी।
"नहीं; लेकिन मैं कुछ करने वाला हूँ।"
उसने बंदूक को कुर्सी के किनारे पर हर समय फंसा रखा होगा। गोली चलने की आवाज़ बिजली की कड़क जैसी थी। गोली की चिंगारी से कुर्सी के ढीले आवरण में आग लग गई।
विलेट ने अपनी बंदूक गिरा दी और लड़खड़ाते हुए दो कदम आगे बढ़ाए, उसके हाथ सीने पर जकड़े हुए थे। मैंने उसे घुटने टेकते देखा, फिर मैं अपनी कुर्सी से कूदकर उसके और मेरी कुर्सी के बीच की संकरी जगह को पार कर गया। जैसे ही बंदूक मेरी तरफ घूमी, मैंने उसकी कलाई पकड़ ली। गोली चल गई और बंदूक की चिंगारी से मेरी गर्दन के किनारे पर जलन महसूस हुई। मैं, वह और कुर्सी तीनों

[illegible] [illegible] [illegible] [

[illegible]

[illegible]

[illegible]